सत्यमेव जयते

भारत सरकार
युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय

“ समर्थ युवा, सशक्त भारत ”

वार्षिक रिपोर्ट 2024–2025

Ministry of Youth Affairs & Sports

भारत सरकार

वार्षिक रिपोर्ट

2024-25

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय

विषय-सूची

अध्याय/खंड	शीर्षक	पृष्ठ सं.
अध्याय-1	परिचय	9
अध्याय-2	मेरा युवा भारत (माय भारत)	10
अध्याय-3	राष्ट्रीय युवा सशक्तिकरण कार्यक्रम (आरवाईएसके)	19
अध्याय-4	नेहरू युवा केन्द्र संगठन	21
अध्याय-5	राष्ट्रीय युवा कोर	54
अध्याय-6	राष्ट्रीय सेवा योजना	55
अध्याय-7	राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी)	84
अध्याय-8	राष्ट्रीय युवा एवं किशोर विकास कार्यक्रम	92
अध्याय-9	अंतरराष्ट्रीय सहयोग	101
अध्याय-10	राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम (एनवाईएलपी)	114
अध्याय-11	यूथ हॉस्टल	115
अध्याय-12	स्काउटिंग और गाइडिंग संगठनों में पदोन्नति	116
अध्याय-13	खेल विभाग का परिचय	118
अध्याय-14	वर्ष 2024-2025 के दौरान खेलों में महत्वपूर्ण कार्यक्रम	122
अध्याय-15	खेलो इंडिया - खेल के विकास के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम	125
अध्याय-16	खिलाड़ियों को प्रोत्साहन से संबंधित योजनाएं	142
अध्याय-17	खेल विभाग के प्रमुख संस्थान	149
अध्याय-18	खेलों में उत्कृष्टता को बढ़ावा देने की योजनाएँ	201
अध्याय-19	खेलों में समावेशिता	215
अध्याय-20	वर्ष 2024-2025 के दौरान खेलों में अन्य प्रमुख उपलब्धियां/घटनाएं	217
अनुलग्नक -I	—	221
अनुलग्नक -II	—	223
अनुलग्नक -III	—	226
अनुलग्नक -IV	—	228
अनुलग्नक -V	—	230

संगठन

सचिवालय

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, माननीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री, डॉ मनसुख मांडविया और माननीय राज्य मंत्री, श्रीमती रक्षा निखिल खड़से के मार्गदर्शन में कार्य करता है।

अप्रैल 2008 में, मंत्रालय के तहत दो अलग-अलग विभाग, अर्थात् युवा कार्यक्रम विभाग और खेल विभाग बनाए गए, प्रत्येक विभाग भारत सरकार के सचिव के प्रभार के अधीन है।

दिनांक 31.12.2024 तक, मंत्रालय में संयुक्त सचिव के 4 स्वीकृत पदों में से, एक संयुक्त सचिव युवा कार्यक्रम विभाग का काम देखते हैं और 2 संयुक्त सचिव खेल विभाग का काम देखते हैं। लेखा और लेखा परीक्षा से संबंधित मामले एक संयुक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार के प्रभार में हैं।

दिनांक 31.03.2025 तक युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की स्वीकृत संख्या 223 थी, जबकि कार्यरत कर्मचारियों की संख्या 161 थी, जिसमें 46 ग्रुप 'ए' पद, 71 ग्रुप 'बी' पद (27 राजपत्रित और 44 अराजपत्रित), 44 ग्रुप 'सी' पद शामिल थे। मंत्रालय का संगठनात्मक चार्ट **अनुलग्नक-I** में दिया गया है।

मंत्रालय के कार्य

भारत सरकार (कार्य आवंटन) नियमावली, 1961 की दूसरी अनुसूची में निर्दिष्ट अनुसार, दोनों विभागों अर्थात् युवा कार्यक्रम विभाग और खेल विभाग द्वारा निष्पादित किए जा रहे विशिष्ट विषय निम्नानुसार हैं:

क. युवा कार्यक्रम विभाग

1. माय भारत
2. युवा कार्यक्रम/युवा नीति
3. नेहरू युवा केन्द्र संगठन
4. राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान
5. राष्ट्रीय सेवा योजना
6. स्वैच्छिक युवा संगठन जिसमें उन्हें वित्तीय सहायता भी शामिल है (युवा एवं किशोर विकास के लिए युवा संगठन को वित्तीय सहायता)
7. राष्ट्रीय युवा कोर
8. राष्ट्रमंडल युवा कार्यक्रम और संयुक्त राष्ट्र स्वयंसेवक
9. युवा कल्याण गतिविधियाँ, युवा महोत्सव आदि (राष्ट्रीय युवा महोत्सव)
10. बालक-स्काउट्स और बालिका-गाइड्स
11. युवा छात्रावास
12. राष्ट्रीय युवा पुरस्कार (राष्ट्रीय युवा पुरस्कार और तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहसिक पुरस्कार)
13. पूर्ववर्ती राष्ट्रीय अनुशासन योजना का अवशिष्ट कार्य
14. विदेशी देशों के साथ युवा प्रतिनिधिमंडल का आदान-प्रदान

ख. खेल विभाग

1. खेल नीति
2. खेल और क्रीड़ा
3. खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय कल्याण कोष
4. नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान
5. भारतीय खेल प्राधिकरण
6. भारतीय ओलंपिक संघ और राष्ट्रीय खेल महासंघों से संबंधित विषय
7. विदेश में आयोजित टूर्नामेंटों में भारतीय खेल टीमों की भागीदारी तथा भारत में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंटों में विदेशी खेल टीमों की भागीदारी
8. अर्जुन पुरस्कार सहित राष्ट्रीय खेल पुरस्कार
9. खेल छात्रवृत्तियाँ
10. विदेशी देशों के साथ खिलाड़ियों, विशेषज्ञों और टीमों का आदान-प्रदान
11. खेल अवसंरचना जिसमें ऐसी अवसंरचना के सृजन और विकास के लिए वित्तीय सहायता शामिल है
12. कोचिंग, टूर्नामेंट, उपकरण आदि के लिए वित्तीय सहायता
13. संघ शासित प्रदेशों से संबंधित खेल मामले
14. शारीरिक शिक्षा

अधीनस्थ कार्यालय / स्वायत्त संगठन, युवा कार्यक्रम विभाग

विभाग का एक अधीनस्थ कार्यालय है, जिसका नाम राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) है और तीन स्वायत्त संगठन हैं, जिनके नाम हैं नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) और राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी), श्रीपेरंबदूर, तमिलनाडु (जिसे 2012 में संसद के एक अधिनियम द्वारा 'राष्ट्रीय महत्व के संस्थान' के रूप में अधिसूचित किया गया है) और मेरा युवा भारत (माय भारत), जो एक सोसायटी के रूप में पंजीकृत है।

खेल विभाग

निम्नलिखित स्वायत्त संगठन, खेल विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण में कार्य करते हैं:

(i) भारतीय खेल प्राधिकरण (साई)।
(ii) लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान (एलएनआईपीई), ग्वालियर, मध्य प्रदेश
(iii) राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा)।
(iv) राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल)।
(v) राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय (एनएसयू)

बजट आवंटन

वर्ष 2024-25 के लिए मंत्रालय के लिए कुल बजट आवंटन (ब.अ.) 3442.32 करोड़ रुपये और 2024-25 के लिए संशोधित बजट आवंटन (सं.अ.) 3232.85 करोड़ रुपये है। वर्ष 2025-26 के लिए बजट अनुमान (ब.अ.) 3794.30 करोड़ रुपये है, जिसमें राजस्व द्वारा 3788.49 करोड़ रुपये और पूंजी से 5.81 करोड़ रुपये शामिल हैं। विवरण **अनुलग्नक-II** में दिया गया है।

हिंदी का प्रगामी प्रयोग

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय में एक हिंदी अनुभाग है, जिसमें उप निदेशक (रा.भा.) का एक पद, सहायक निदेशक (रा.भा.) का एक पद, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी के दो पद, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी के दो पद और अन्य सहायक कर्मचारियों की स्वीकृत संख्या है, जिनका कार्य दैनिक सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी के प्रगामी प्रयोग को बढ़ाना और संघ की राजभाषा नीति एवं उसके अंतर्गत बनाए गए नियमों को लागू करना है। मंत्रालय में संयुक्त सचिव (युवा कार्यक्रम) की अध्यक्षता में राजभाषा कार्यान्वयन समिति गठित की गई है तथा इसकी बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जा रही हैं। मंत्रालय के अधिकारियों द्वारा राजभाषा के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए तिमाही आधार पर कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

दिनांक 14-29 सितंबर 2024 तक हिंदी पखवाड़ा आयोजित किया गया। इस दौरान, 20, 23 और 27 सितंबर को 08 हिंदी प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। पखवाड़े में लगभग 30 अधिकारियों/कर्मचारियों को पुरस्कार वितरित किए गए। इसके अलावा, मंत्रालय के अधिकारियों और कर्मचारियों के बीच हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए, मूल हिंदी टिप्पण/आलेखन के लिए भारत सरकार की प्रोत्साहन योजना को मंत्रालय में प्रति वर्ष लागू किया जा रहा है। इस वर्ष, मूल हिंदी हिंदी टिप्पण/आलेखन के लिए प्रोत्साहन योजना के तहत 03 अधिकारियों/कर्मचारियों को पुरस्कार दिए गए। माननीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री की ओर से कर्मचारियों के बीच एक हिंदी संदेश प्रसारित किया गया ताकि वे अधिक से अधिक सरकारी काम हिंदी में करें।

वर्ष के दौरान, संसदीय राजभाषा समिति की पहली उप-समिति द्वारा मंत्रालय और मंत्रालय के अधीनस्थ तथा संबद्ध कार्यालयों का निरीक्षण किया है। मंत्रालय के अधिकारियों द्वारा हिंदी के प्रगामी प्रयोग के आकलन के लिए मंत्रालय के अनुभागों के साथ-साथ अपने 25 अधीनस्थ/संबद्ध कार्यालयों का निरीक्षण किया गया।

मंत्रालय की अपनी वेबसाइट है जिसे हिंदी और अंग्रेजी में द्विभाषी बनाया गया है और इसे नियमित रूप से अद्यतित किया जाता है।

सतर्कता प्रकोष्ठ

जनवरी, 2024-दिसंबर, 2024 की अवधि के दौरान सतर्कता तंत्र ने मंत्रालय में सीवीओ, सचिव (युवा कार्यक्रम) और सचिव (खेल) के पर्यवेक्षण और मार्गदर्शन में कार्य किया।

मंत्रालय के सीवीओ इस मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में अधीनस्थ और स्वायत्त संगठनों (भारतीय खेल प्राधिकरण और नेहरू युवा केंद्र संगठन को छोड़कर) के लिए नोडल अधिकारी के रूप में भी कार्य करता है और इन संगठनों से संबंधित सतर्कता मामलों को सीवीओ, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की सिफारिशों के साथ सीवीसी को भेजा जाता है। सीवीओ संबंधित संगठन के परामर्श से ऐसे सभी मामलों में सीवीसी को आवश्यक स्पष्टीकरण प्रस्तुत करता है। इस मंत्रालय के अंतर्गत संबंधित संगठनों के पुराने सतर्कता मामलों की समीक्षा के लिए सीवीसी द्वारा आयोजित बैठकों में मंत्रालय के सीवीओ भाग लेते हैं और सीवीसी के निर्देशानुसार मामलों की कार्रवाई में तेजी लाई जाती है। इस अवधि के दौरान, राष्ट्रमंडल खेलों के कई मामले जो 10 वर्षों से अधिक समय से लंबित थे और कई

अन्य मामलों पर कार्रवाई की गई/ उन्हें बंद किया गया है। इस अवधि के दौरान, सतर्कता अनुभाग में सीवीसी और अन्य स्रोतों से कई शिकायतें प्राप्त हुई जिन पर निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुसार विचार किया गया तथा उचित अनुवर्ती कार्रवाई की गई।

सरकारी खरीद में पारदर्शिता, जवाबदेही पर जोर देने के लिए, सीवीसी जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है और सरकारी संगठनों से सतर्कता प्रयासों में सकारात्मक योगदान देने की अपेक्षा करता है।

मंत्रालय में 28 अक्टूबर, 2024 से 3 नवंबर, 2024 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया जिसकी थीम "राष्ट्रीय समृद्धि हेतु सत्यनिष्ठा की कार्यशैली" थी। सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2024 के दौरान निम्नलिखित कार्यकलाप किए गए/चलाए गए :-

(i) इनकी शुरुआत युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के अधिकारियों द्वारा सत्यनिष्ठा की शपथ लेने के साथ हुई। इस मंत्रालय के सचिव (युवा कार्यक्रम), सीवीओ और अधिकारियों द्वारा शपथ लेते समय के वीडियो मंत्रालय के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट किए गए।

(ii) निवारक सतर्कता के उपाय के रूप में इस मंत्रालय के कर्मचारियों को 'क्या करें और क्या न करें' की एक सूची वितरित की गई।

(iii) जागरूकता पैदा करने के लिए पिछले वर्ष की सर्वश्रेष्ठ स्लोगन प्रतियोगिता पर आधारित क्रिएटिव्स को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर परिचालित किया गया तथा बैनर और पोस्टर भी प्रदर्शित किए गए।

(iv) उपर्युक्त के अलावा, सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2024 के दौरान निम्नलिखित चार प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं:-

क. "पारदर्शिता की संस्कृति को बढ़ावा देने में मीडिया का प्रभाव" विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता।

ख. "भ्रष्टाचार से लड़ने में प्रौद्योगिकी की भूमिका" विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता।

ग. पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता

घ. सर्वश्रेष्ठ स्लोगन प्रतियोगिता

कुल मिलाकर, सतर्कता जागरूकता सप्ताह, 2024 प्रतियोगिताओं के दौरान कई प्रतिभागियों ने भाग लिया और विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।

महिला कर्मचारियों के यौन उत्पीड़न की शिकायत समिति

विशाखा और अन्य बनाम राजस्थान राज्य और अन्य के मामले में माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्णय में दिए गए निर्देशों के अनुसरण में, मंत्रालय में महिला कर्मचारियों के यौन उत्पीड़न की शिकायतों पर ध्यान देने के लिए युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय में एक आंतरिक शिकायत समिति गठित की गई है। समिति को वर्ष 2024-25 के दौरान मंत्रालय के मुख्य सचिवालय के संबंध में कोई शिकायत प्राप्त नहीं हुई है।

सूचना का अधिकार और लोक शिकायत प्रकोष्ठ

सूचना का अधिकार अधिनियम-2005 के अंतर्गत सभी आवेदन इस मंत्रालय के आरटीआई प्रकोष्ठ में केंद्रीय रूप से प्राप्त होते हैं, जिसका संचालन एक अनुभाग अधिकारी द्वारा एक अवर सचिव के समन्वयन में किया जाता है। निर्धारित समय के भीतर आवेदक को उपयुक्त उत्तर भेजने के लिए ये आवेदन संबंधित सीपीआईओ को अग्रेषित किए जाते हैं। चालू वित्तीय वर्ष के दौरान मंत्रालय को 1815 आरटीआई आवेदन प्राप्त हुए और उनका निपटान किया गया। इसी प्रकार मंत्रालय में 278 अपीलें प्राप्त हुईं और तदनुसार उनका निपटान किया गया।

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 5(1) में निहित प्रावधानों के अनुसरण में मंत्रालय ने अवर सचिव स्तर पर विषयवार लोक सूचना अधिकारी नामित किए हैं। अधिनियम के अंतर्गत उप सचिव/निदेशक/संयुक्त सचिव स्तर के अधिकारियों को अपीलीय प्राधिकारी नामित किया गया है। मंत्रालय की आधिकारिक वेबसाइट पर भी विस्तृत जानकारी दी गई है।

निदेशक (आरटीआई/पीजी) को मंत्रालय में नोडल लोक शिकायत अधिकारी के रूप में नामित किया गया है। प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग ने शिकायतों को अंतिम स्तर के अधिकारी तक स्वचालित रूप से भेजने के लिए सीपीजीआरएएमएस का उन्नत संस्करण अर्थात संस्करण 7.0 कार्यान्वित किया है। इसलिए, जनता की शिकायतें संबंधित लोक शिकायत अधिकारियों को प्राप्त होती हैं। जनता की कुछ शिकायतें. पी.जी. सेल में भी प्राप्त की जाती हैं।

मंत्रालय के दोनों विभागों के लिए नोडल लोक शिकायत अधिकारी अलग-अलग हैं। युवा कार्यक्रम विभाग के लिए नोडल अधिकारी सुश्री वनिता सूद, निदेशक हैं और खेल विभाग के लिए नोडल अधिकारी श्री शुभब्रत करमाकर, उप सचिव हैं। मंत्रालय के दोनों विभागों के लिए नोडल अपीलीय प्राधिकारी श्री कुणाल, संयुक्त सचिव, खेल विभाग हैं।

लंबित लेखापरीक्षा पैरा

भारत के सीएजी के लंबित लेखापरीक्षा पैरा/टिप्पणियों का विवरण **अनुलग्नक-III** में दिया गया है।.

युवा कार्यक्रम विभाग

अध्याय-1 : परिचय

भारत में दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी है। कार्य भागीदारी और आश्रितता अनुपात पर इसके प्रभाव के संदर्भ में, मानव-आबादी का यह लाभ हमारे देश के विकास के संदर्भ में अवसर का एक मार्ग उपलब्ध कराता है, यह एक ऐसा अवसर है जिसका शीघ्र लाभ उठाना चाहिए। यह स्थिति अपने आप में अवसर और चुनौतियां दोनों प्रस्तुत करती है। हालांकि युवाओं में आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने की क्षमता होती है, फिर भी समावेशी विकास और सामाजिक-आर्थिक अंतर को पाटने से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण मुद्दे हैं जिन पर ध्यान दिया जाना चाहिए। इसके लिए क्षेत्रीय कार्यक्रमों से परे जाने की और युवाओं पर बहुआयामी तरीके से ध्यान देने के लिए विभिन्न प्रकार के हस्तक्षेप और कार्यक्रमों की आवश्यकता होगी।

युवाओं की रचनात्मक और सृजनात्मक ऊर्जा का बेहतर तरीके से उपयोग करने के लिए, युवा कार्यक्रम विभाग व्यक्तित्व निर्माण और राष्ट्र निर्माण के दोहरे उद्देश्यों को पूरा करने में लगा है, अर्थात युवाओं के व्यक्तित्व का विकास करना और उन्हें राष्ट्र निर्माण के विभिन्न कार्यकलाप में शामिल करना। विभाग ने "किशोरों" को भी युवाओं के एक महत्वपूर्ण वर्ग के रूप में मान्यता दी है, क्योंकि विभाग का उद्देश्य युवाओं को राष्ट्र निर्माण के कार्य में शामिल करना है, साथ ही उनकी विकास संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करना है। इसमें युवाओं की भागीदारी और सशक्तीकरण में सहायक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए अन्य मंत्रालयों और हितधारकों के साथ गठबंधन करना शामिल है। यह विभाग, राज्य सरकारों और विभिन्न संगठनों के साथ मिलकर ऐसा माहौल बनाने के लिए काम कर रहा है, जो अर्थव्यवस्था में युवाओं की लाभकर भागीदारी का मार्ग प्रशस्त करे।

अध्याय-2 : मेरा युवा भारत (माय भारत)

1. परिचय:

दिनांक 11 अक्टूबर, 2023 को एक महत्वपूर्ण निर्णय में, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने "मेरा युवा भारत (माय भारत)" नामक एक स्वायत्त निकाय की स्थापना के लिए संस्वीकृति दी। मेरा युवा भारत (माय भारत) एक गतिशील 'फिजिटल प्लेटफॉर्म' (वास्तविक + डिजिटल) है, जिसमें वास्तविक कार्यकलाप करने के साथ-साथ युवाओं को डिजिटल रूप से जोड़ने का अवसर भी शामिल है, ताकि उन्हें अपने वैयक्तिक और व्यावसायिक विकास में प्रेरित किया जा सके और सशक्त बनाया जा सके। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस पर कर्तव्य पथ पर देश के युवाओं के लिए 'मेरा युवा भारत (MY Bharat)' प्लेटफॉर्म का शुभारंभ किया।

माय भारत, एक स्वायत्त निकाय और भारत का सबसे बड़ा युवा संपर्क मंच है, जो स्वयंसेवा, अनुभवजन्य अधिगम और अन्य अवसर प्रस्तुत करता है। 31 मार्च, 2024 तक, लगभग 1.5 करोड़ युवा MY Bharat प्लेटफ़ॉर्म (myBharat.gov.in) पर पंजीकृत हो चुके हैं और पोर्टल पर शामिल विभिन्न भागीदार और संगठन सक्रिय रूप से युवाओं को जुड़ने के अवसर प्रस्तुत कर रहे हैं। यह पहल आत्मनिर्भर भारत में योगदान देगी, जिसमें आज के युवा अमृत काल के लिए राष्ट्र के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए तैयार हैं।

"सशक्त-एवं-सबल-भारत" हेतु युवाओं की क्षमता का उपयोग करने के लिए उन्हें भारतीय लोकाचार, 'सेवा-भाव' और 'कर्तव्य बोध' की शक्ति देना आवश्यक है। राष्ट्र के "दर्शन" और "इतिहास" के आधार पर प्रभावी "नीति" तैयार करके, माय भारत युवाओं को समकालीन चुनौतियों का सामना करने में सक्षम बनाता है। अपनी आकांक्षाओं को साकार करके और नवाचार को बढ़ावा देकर, युवावर्ग "विकसित भारत" में योगदान दे सकता है। यह एक व्यापक संस्थागत ढाँचे के माध्यम से हासिल किया जाएगा जो वैश्विक और स्थानीय दोनों तरह की सरकार के सभी स्तरों पर समान अवसर मुहैया करे।

2. विजन:

'मेरा युवा भारत (माय भारत)' को युवा विकास और युवा-नेतृत्व वाले विकास के लिए एक महत्वपूर्ण, प्रौद्योगिकी-संचालित सुविधाकर्ता के रूप में परिकल्पित किया गया है, जिसका व्यापक लक्ष्य युवाओं को उनकी आकांक्षाओं को साकार करने के लिए समान अवसर प्रदान करने और सरकार के पूरे स्पेक्ट्रम में "विकसित भारत" के निर्माण में योगदान देना है।

इसमें एक ऐसी संरचना की परिकल्पना की गई है जहाँ हमारे देश के युवा विभिन्न कार्यक्रमों, सलाहकारों और स्थानीय समुदायों से सहजता से जुड़ सकें। यह जुड़ाव स्थानीय मुद्दों के बारे में उनकी समझ को गहरा करने और रचनात्मक समाधान तैयार करने में योगदान देने के लिए उन्हें सशक्त बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

3. उद्देश्य:

क) संपूर्ण सरकार दृष्टिकोण: एक "फिजिटल" पारिस्थितिकी तंत्र के माध्यम से, समाज की जरूरतों के साथ आकांक्षाओं को अनुरूपित करते हुए, एक सुसंगत युवा अनुभव के लिए अलग-थलग रहने की मानसिकता को समाप्त करना।

ख) नेतृत्व विकास: अनुभवजन्य शिक्षा के माध्यम से नेतृत्व कौशल को बढ़ाने के लिए, अलग-थलग वास्तविक वार्तालाप से हटकर कार्यक्रम कौशल अपनाना, युवाओं को सामाजिक नवप्रवर्तक बनाने में मदद करना और उन्हें प्रगति के सक्रिय चालक बनाने के लिए युवा-नेतृत्व वाले विकास पर ध्यान केंद्रित करना।

ग) फीडबैक तंत्र: युवा वर्ग संबंधी नीतियों को परिष्कृत करने और युवाओं एवं हितधारकों के बीच दो-तरफ़ा सम्प्रेषण में सुधार लाने के लिए एक केंद्रीकृत फीडबैक लूप स्थापित करना। इससे युवाओं की आकांक्षाओं और समाज की ज़रूरतों के बीच बेहतर तालमेल बनाने में भी मदद मिलेगी।

घ) एकीकृत डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म: सेवा सुपुर्दगी में दक्षता बढ़ाने, मौजूदा कार्यक्रमों को एकीकृत करने तथा युवाओं और मंत्रालयों के लिए वन-स्टॉप शॉप के रूप में कार्य करने के लिए एकीकृत प्लेटफ़ॉर्म बनाना, जिसमें एक केंद्रीकृत युवा डेटाबेस बनाना भी शामिल है।

ङ) सतत प्रशिक्षण: युवाओं को वैश्विक दृष्टिकोण विकसित करने में मदद करने के लिए कार्यान्वयन एजेंसियों के लिए सतत, मांग-संचालित प्रशिक्षण देना।

4. प्रौद्योगिकीय प्लेटफ़ॉर्म की विशेषताएँ

मेरा युवा भारत पहल युवाओं को विभिन्न क्षेत्रों के विविध अनुभवों (माय भारत) से जोड़ने वाले विभिन्न कार्यक्रमों और कार्यकलाप के माध्यम से सशक्त बनाने के लिए तैयार की गई है। अनुभावजन्य अधिगम और स्वयंसेवी कार्यकलाप को ऐसे मानक साधन माना जाता है जो युवाओं को उनकी टीम निर्माण, समस्या समाधान और सम्प्रेषण कौशल एवं संगठनात्मक क्षमताओं को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। इन प्रयासों में सहायता करने के लिए, माय भारत डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म प्रत्येक प्रतिभागी संगठन को आवश्यक संसाधन मुहैया कराता है। इस कार्यक्रम संरचना में निम्नलिखित प्रमुख घटक शामिल हैं :

(क) संगठनों के लिए समर्पित वेब पेज-

माय भारत पोर्टल के साथ सहयोग करने वाले प्रत्येक संगठन को माय भारत प्लेटफ़ॉर्म पर एक समर्पित वेब पेज मुहैया कराया जाता है। यह पेज उन्हें एक संगठनात्मक प्रोफ़ाइल बनाने तथा स्वयंसेवा और अनुभवजन्य अधिगम के लिए कार्यकलाप को सूचीबद्ध करने की सुविधा देता है। यह सुविधा युवाओं से जुड़ने के इच्छुक संगठनों के लिए दृश्यता और नियोजन को भी बढ़ाती है।

(ख) स्वयंसेवी कार्यकलाप की सूची

वेब पेज में उन कार्यकलाप की एक विस्तृत सूची दी गई है जो स्वयंसेवक कर सकते हैं। यह संसाधन विभिन्न संगठनों को युवाओं के लिए उपलब्ध अवसरों को प्रभावी ढंग से संप्रेषित करने, विभिन्न सामुदायिक सेवा परियोजनाओं में भागीदारी को प्रोत्साहित करने में मदद करता है।

(ग) आयोजन सुविधा (मेगा इवेंट/इवेंट)-

यह सुविधा विभिन्न संगठनों को इस प्लेटफ़ॉर्म के माध्यम से सीधे विभिन्न कार्यकलाप के लिए आयोजन करने में मदद करता है। यह सुविधा आयोजन और प्रचार की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करती है, जिससे स्वयंसेवकों के लिए ऐसे अवसरों में भाग लेना सुविधाजनक हो जाता है।

(घ) मीडिया अपलोड सुविधा

माय भारत पोर्टल संगठनों को उनके कार्यकलाप की संबंधित मीडिया सामग्री अपलोड करने के लिए एक मंच प्रस्तुत करता है। यह न केवल उनके कार्यक्रमों के प्रभाव को प्रदर्शित करने में मदद करता है, बल्कि स्वयंसेवकों के योगदान के प्रलेखन में भी उनकी मदद करता है जिससे समुदाय और उपलब्धि की भावना को बढ़ावा मिलता है।

5. माय भारत पोर्टल के अंतर्गत कार्यक्रम एवं गतिविधियाँ:

माय भारत द्वारा शुरू की गई पहलों का उद्देश्य युवाओं को सशक्त बनाना और सामुदायिक विकास में उनकी सक्रिय भागीदारी को सुगम बनाना है। इन कार्यक्रमों को व्यापक रूप से निम्नलिखित श्रेणियों में वर्गीकृत किया जा सकता है:

क) **स्वयंसेवा के अवसर:** युवाओं को सामुदायिक सेवा परियोजनाओं में जोड़ने का उद्देश्य है, जिससे सामाजिक उत्तरदायित्व को प्रोत्साहन मिले तथा नागरिक सहभागिता को सुदृढ़ किया जा सके। यह पहल युवाओं को अल्पकालिक (1–2 दिवस) सामुदायिक स्वैच्छिक सेवा अवसरों से जोड़ती है और सेवा भावना, नागरिक उत्तरदायित्व तथा राष्ट्र-निर्माण की भावना को विकसित करने में सहायक है।

ख) **एक्सपीरिएंशियल लर्निंग कार्यक्रम (ईएसपी)**: 'करके सीखने' के मूल्यों को आत्मसात करते हुए, एक्सपीरिएंशियल लर्निंग कार्यक्रम युवाओं को व्यावहारिक कौशल विकसित करने तथा नवाचार को प्रोत्साहित करने हेतु प्रत्यक्ष अधिगम अनुभव प्रदान करते हैं। इन कार्यक्रमों की अवधि 120 से 360 घंटे तक होती है, जिन्हें 15 से 90 दिवस की अवधि में पूर्ण किया जा सकता है। यह युवाओं को वास्तविक परिस्थितियों में ज्ञान का अनुप्रयोग करने, व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने तथा समाज में सार्थक योगदान देने में सक्षम बनाता है। नई शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने परामर्श जारी किया है ताकि जो विद्यार्थी माय भारत पोर्टल के माध्यम से सामाजिक/सामुदायिक कार्य-संबंधी एक्सपीरिएंशियल लर्निंग कार्यक्रम पूर्ण करेंगे, उन्हें शैक्षणिक अभिलेखों में श्रेयांक प्रदान किया जाए।

पारदर्शिता सुनिश्चित करने हेतु, माय भारत पोर्टल पर किए गए कार्य का डिजिटल अभिलेख युवाओं के प्रोफ़ाइल पृष्ठों पर प्रदर्शित किया जाता है।

ग) **मेगा आयोजन:** यह व्यवस्था विभिन्न माय भारत संगठनों (एमबीओ) के मध्य सहयोग को सक्षम बनाती है, जिससे माय भारत पोर्टल पर केंद्रीकृत आयोजन सृजन की सुविधा का उपयोग करके राज्य-स्तरीय पहलों हेतु बहु-स्थानिक बड़े आयोजनों का संचालन किया जा सके। प्रतिभागी एकीकृत मेगा आयोजन पृष्ठ पर अपने फ़ोटो एवं वीडियो अपलोड कर सकते हैं। माय भारत पर आयोजित कुछ मेगा आयोजनों के उदाहरण हैं – विकसित भारत युवा संसद, सड़क सुरक्षा सप्ताह तथा पदयात्रा।

घ) **नेतृत्व विकास कार्यक्रम:** नेतृत्व विकास कार्यक्रम, युवाओं को नेतृत्व कौशल और गुणों से लैस करना और उन्हें अपने समुदायों और उससे आगे के नेताओं बनने के लिए सशक्त बनाना।

ङ) **नीति विधि और युवा सहभागिता:** माय भारत के अंतर्गत नीति विधि और युवा सहभागिता का उद्देश्य युवा नेतृत्व वाली विकास नीतियों को आगे बढ़ाना, युवा आवाज़ों को नीति-निर्माण प्रक्रियाओं में योगदान देने और उन्हें प्रभावित करने के लिए मज़बूत मंच प्रदान करना है। यह पहल युवाओं को अपने समुदायों और राष्ट्र की भविष्य की दिशा को आकार देने में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए सशक्त बनाती है।

च) **विभिन्न मंत्रालयों के सहयोग से परियोजनाएँ: -** युवाओं के विकास और उन्हें सशक्त बनाने के उद्देश्य से परियोजनाओं को लागू करने के लिए विभिन्न मंत्रालयों के सहयोग से परियोजनाएं। इन पहलों में भारत भर के युवाओं के बीच कौशल बढ़ाने, नेतृत्व को बढ़ावा देने और नागरिक जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिए डिज़ाइन किए गए कार्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल।

उपरोक्त उद्देश्यों के परिप्रेक्ष्य में, युवाओं को करियर संबंधी मार्गदर्शन, रोजगार के अवसरों, कौशल विकास कार्यक्रमों तथा रोजगार सेवाओं से जोड़ने हेतु **राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस) का एकीकरण** सुनिश्चित किया गया है।

ई-श्रम - एकीकरण से युवाओं को पंजीकरण करने, सामाजिक सुरक्षा लाभ प्राप्त करने तथा सरकारी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठाने में सुविधा प्राप्त होगी।

आई4सी के साथ सहयोग: युवा माय भारत मंच के माध्यम से आई4सी द्वारा प्रदत्त साइबर सुरक्षा पाठ्यक्रम प्राप्त कर सकते हैं।

भाषिणी: उपयोगकर्ता अपनी प्रोफ़ाइल स्थानीय भाषाओं में निर्मित कर सकते हैं। (वर्तमान में यह सुविधा 12 भाषाओं में उपलब्ध है तथा 11 अन्य भाषाओं का एकीकरण किया जा रहा है।)

इन पहलों के प्रसार को और बढ़ाने हेतु विभाग ने देश के युवाओं तक पहुँच सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्मों का उपयोग किया है जिसके परिणामस्वरूप 16 लाख से अधिक युवाओं तक पहुँच बनाई गई है, कुल 70 लाख से अधिक इम्प्रेशन प्राप्त हुए हैं तथा 4.5 लाख से अधिक सहभागिता दर्ज की गई है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के अंत तक, लगभग **1.70 करोड़** युवा माय भारत पोर्टल पर पंजीकृत हो चुके हैं। इस पोर्टल से सरकारी संगठन, ज्ञान संस्थान, गैर-लाभकारी संगठन, व्यवसायिक संगठन आदि साझेदार के रूप में जुड़े हैं। समुदाय आधारित संगठन (सीबीओ) भी माय भारत के साथ साझेदारी कर रहे हैं, जिनमें विभिन्न युवा क्लब / खेल संघ सम्मिलित हैं। युवा, क्लबों द्वारा प्रकाशित आयोजनों में सहभागिता कर सकते हैं।

कुल 4451 महाविद्यालय, 105 आईटीआई, 209 पॉलिटेक्निक, 2632 विद्यालय तथा **445 विश्वविद्यालय** माय भारत पोर्टल पर पंजीकृत हैं। युवाओं को **5000** से अधिक अनुभवात्मक अधिगम अवसर प्रदान किए गए हैं। समग्र रूप से **1.15 लाख से अधिक साझेदार** पोर्टल से जुड़े हैं तथा लगभग **57,000 माय भारत साझेदारों** ने **5500** से अधिक अनुभवात्मक अधिगम कार्यक्रम संचालित किए हैं। इसके अतिरिक्त, पोर्टल के माध्यम से **1 लाख से अधिक *वॉलंटियर्स फॉर भारत*** अवसर उपलब्ध कराए गए हैं।

6. वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान आयोजित कार्यक्रमों का विवरण इस प्रकार है:

(क) राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह

आज के परिदृश्य में, सड़क सुरक्षा के लिए सामूहिक जागरूकता की आवश्यकता है। सड़क दुर्घटनाओं की इस खतरनाक प्रवृत्ति को सही करने के लिए जनता को जागरूक करना, यातायात नियमों को कठोरता से लागू करना और सुरक्षित बुनियादी ढाँचे के विकास पर केंद्रित पहल करना आवश्यक है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, भारत सरकार प्रतिवर्ष 11 से 17 जनवरी तक राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह मनाती है।

उपर्युक्त कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को सड़क सुरक्षा मानदंडों के संबंध में प्रशिक्षित करने के लिए यातायात पुलिस विभाग के साथ समन्वय करना, राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा सप्ताह के दौरान यातायात प्रबंधन का हिस्सा बनने के लिए प्रशिक्षित माय भारत स्वयंसेवकों को सक्षम करने के लिए यातायात पुलिस विभाग के साथ सहयोग करना और जनता के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए स्थानीय स्तर पर प्रासंगिक गहन सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यकलाप का संचालन करना था।

क. स्वयंसेवकों ने 17 से 23 जनवरी, 2025 तक सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान में सहभागिता की।

ख. 3 लाख से अधिक युवाओं ने यातायात पुलिस मार्शलों को यातायात समन्वय में सहयोग प्रदान किया तथा यात्रियों को सड़क सुरक्षा संबंधी जानकारी दी।

ग. युवा स्वयंसेवकों को राष्ट्रव्यापी स्तर पर विद्यालयों, महाविद्यालयों, बाज़ारों एवं सार्वजनिक स्थलों पर तैनात किया गया।

घ. युवा जनसंपर्क: तैनात स्वयंसेवकों द्वारा कुल **21,84,712** युवाओं एवं समुदाय के सदस्यों को जागरूक किया गया।

ख) आपदा प्रबंधन प्रशिक्षण:

माय भारत ने युवा पुरुषों एवं महिलाओं को नागरिक रक्षा स्वयंसेवक के रूप में प्रशिक्षित करने हेतु भर्ती अभियान प्रारम्भ किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समुदाय-आधारित प्रतिक्रिया तंत्र का निर्माण करना है, जिससे स्वयंसेवक प्राकृतिक आपदाओं, दुर्घटनाओं तथा अन्य आपात स्थितियों का प्रभावी ढंग से सामना करने के लिए तैयार हो सकें।

ग) फिट इंडिया – संडे ऑन साइकिल – मोटापे के विरुद्ध अभियान:

फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल एक राष्ट्रव्यापी फिटनेस आंदोलन है, जिसे युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा दिसंबर 2024 में प्रारम्भ किया गया। इस पहल का उद्देश्य साइकिलिंग, जिसके अनेक स्वास्थ्य लाभ हैं, को एक सतत, समावेशी एवं पर्यावरण-अनुकूल व्यायाम के रूप में प्रोत्साहित करना है। साइकिलिंग को व्यायाम के रूप में अपनाने से न केवल हृदय संबंधी स्वास्थ्य में सुधार होता है और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा मिलता है, बल्कि युवाओं में बढ़ती मोटापे की समस्या से निपटने में भी सहायता मिलती है। यह सक्रिय रहने, तनाव कम करने तथा प्रकृति से पुनः जुड़ने का एक सरल किंतु प्रभावी माध्यम है।माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा *मन की बात* के 117वें संस्करण में इस अभियान की सराहना की गई। इस अभियान के अंतर्गत अब तक लगभग 2 लाख प्रतिभागियों ने देशभर के 4,600 स्थलों पर सहभागिता की है। विद्यालय के छात्र-छात्राओं से लेकर चिकित्सकों, पुलिस बल, सरकारी कर्मचारियों तथा एनएसएस स्वयंसेवकों तक— समाज के सभी वर्गों ने इसमें भाग लिया। राष्ट्रव्यापी स्तर पर 4,600 से अधिक संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें लगभग 2 लाख प्रतिभागी सम्मिलित हुए।

घ) विकसित भारत पदयात्रा:

विकसित भारत पदयात्रा एक राष्ट्रव्यापी पहल है जिसका उद्देश्य युवाओं को जमीनी स्तर पर सक्रिय करना तथा भारत की प्रगति के प्रति गहन गर्व की भावना उत्पन्न करना है। स्वतंत्रता सेनानियों एवं स्थानीय नायकों को सम्मानित करके यह पदयात्रा जमीनी स्तर पर एक सशक्त, युवा-नेतृत्व वाले आंदोलन को प्रोत्साहित करती है। इस पहल में पदयात्रा से पूर्व विभिन्न कार्यक्रमों का समावेश किया गया है, जैसे कि व्याख्यान, स्वास्थ्य शिविर, दान अभियान एवं वाद-विवाद, ताकि युवाओं की सक्रिय

भागीदारी सुनिश्चित हो सके। विविध गतिविधियों के माध्यम से ये पदयात्राएँ एक सशक्त एवं जिम्मेदार युवा वर्ग का निर्माण कर रही हैं, जो राष्ट्र-निर्माण के लिए समर्पित है।

वर्ष 2024-25 में आयोजित पदयात्राएँ:

i. 03 नवम्बर 2024 – भगवान बिरसा मुंडा माटी के वीर, जशपुर, छत्तीसगढ़
ii. 15 नवम्बर 2024 – जनजातीय गौरव दिवस, छत्तीसगढ़
iii. 26 नवम्बर 2024 – संविधान दिवस, दिल्ली
iv. 15 दिसम्बर 2024 – विजय दिवस, श्रीभूमि, असम
v. 24 दिसम्बर 2024 – सुशासन पदयात्रा, वडनगर, गुजरात
vi. 23 जनवरी 2025 – पराक्रम दिवस पर 'जय हिन्द' पदयात्रा, श्री विजयपुरम, पोर्ट ब्लेयर, अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह
vii. 19 फरवरी 2025 – छत्रपति शिवाजी महाराज जयंती, पुणे, महाराष्ट्र

ङ) स्वच्छता अभियान:

इस अभियान, जिसका समापन 02 अक्टूबर 2024 को हुआ, के अंतर्गत कुल 704 समुद्री तटों एवं समुद्री तट क्षेत्रों की सफाई की गई, जिसमें 7,54,659 माय भारत स्वयंसेवकों ने भाग लिया और स्वच्छ सागर सुरक्षित सागर – 2024 के अंतर्गत 15,20,312 किलोग्राम प्लास्टिक अपशिष्ट एकत्रित किया गया। स्वच्छता अभियान के अंतर्गत कुल 2,681 कार्यकलाप आयोजित किए गए।

च) सेवा से सीखें:

अस्पतालों में स्वयंसेवा: सितम्बर 2024 से संचालित सेवा से सीखें कार्यक्रम का उद्देश्य देश के युवाओं में सेवा भाव एवं कर्तव्य बोध का संचार करना है। वर्तमान में भारत के 9 राज्य स्वास्थ्य विभाग/प्राधिकरण माय भारत पोर्टल पर आ चुके हैं। लगभग 5,000 स्वयंसेवक विभिन्न गतिविधियों में लगे हुए हैं, जिनमें मूलभूत स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच प्रदान करना, ओपीडी काउंटरों का प्रबंधन करना, सूचना डेस्क संचालित करना तथा पीएम-जेएवाई से संबंधित दस्तावेज़ीकरण में सहयोग प्रदान करना शामिल है।

छ) माय भारत के साथ दीपावली:

माय भारत की प्रथम जयंती के उपलक्ष्य में यह कार्यक्रम 27 अक्टूबर से 30 अक्टूबर, 2024 तक देशभर के 500 जिलों में आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत निम्नलिखित प्रमुख कार्यकलाप चलाए गए:

बाज़ार की सफाई: अखिल भारतीय व्यापारी संघ के सहयोग से देशभर के बाज़ारों में स्वच्छता अभियान संचालित किया गया। स्वच्छता अभियान जिन बाज़ारों में आयोजित किया गया उनकी संख्या – 2,514.

यातायात संबंधी स्वयंसेवा: यातायात पुलिस को भीड़भाड़ वाले स्थलों पर यातायात प्रबंधन में सहयोग प्रदान किया गया। जिन यातायात स्थलों पर स्वयंसेवक तैनात किए गए उनकी संख्या – 2,445.

कुल 500 जिलों के 5,275 स्थलों पर ये कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिसमें 2.14 लाख से अधिक माय भारत स्वयंसेवकों ने सक्रिय भागीदारी की।

ज) युवा कनेक्ट:

युवा कनेक्ट कार्यक्रम का उद्देश्य देश के युवाओं को शीर्ष निर्णयकर्ताओं से जोड़ना है। महाराष्ट्र, गुजरात, झारखंड, दिल्ली और बिहार में कुल 16 युवा कनेक्ट कार्यक्रम सफलतापूर्वक आयोजित किए गए। पूर्व-कार्यक्रम गतिविधियों में विद्यार्थियों के बीच बहुभाषी वाद-विवाद तथा विशेषज्ञों के साथ टाउन हॉल बैठकें शामिल थीं। कार्यक्रम के दिन की गतिविधियों में मंत्रियों एवं अतिथि वक्ताओं के साथ संवादात्मक सत्र, युवा आइकन प्रस्तुतियाँ शामिल थीं। कार्यक्रम के पश्चात की सहभागिता में माय भारत पंजीकरण की निगरानी, कार्यक्रम प्रतिक्रिया, प्रभावशाली व्यक्तियों के अभियान, संसाधन साझा करना आदि शामिल थे।

सारांशत: वित्तीय वर्ष 2024-25 में विभिन्न ईएलपी में भाग लेने वाले युवाओं की संख्या निम्नलिखित है:

क्र.सं.	कार्यक्रम	ईएलपी में भाग लेने वाले युवाओं की संख्या
1	स्वास्थ्य ईएलपी (रोगियों की सहायता करना एवं जानकारी का प्रसार करना)	6300
2	कृषि ईएलपी (किसानों की सहायता करना एवं जानकारी का प्रसार करना)	6119

क्र.सं.	कार्यक्रम	ईएलपी में भाग लेने वाले युवाओं की संख्या
3	शहरी स्थानीय निकाय ईएलपी (सर्वेक्षणों में भाग लेना, जानकारी का प्रसार करना तथा अभिलेखों का डिजिटलीकरण करना)	3080
4	व्यवसाय ईएलपी (कार्य करके सीखना)	371
5	साइबर सुरक्षा ईएलपी (साइबर सुरक्षा संबंधी जानकारी का प्रसार करना)	1063
6	सड़क सुरक्षा ईएलपी (जानकारी का प्रसार करना तथा ब्लैक स्पॉट्स पर सहायता प्रदान करना)	11

7) राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव:

राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव (एनवाईपीएफ) का आयोजन वर्ष 2019 से प्रतिवर्ष किया जा रहा है, ताकि माननीय प्रधानमंत्री के आह्वान के अनुरूप भारत के युवाओं को अपनी आवाज़ व्यक्त करने हेतु एक मंच प्रदान किया जा सके।

- 2019 के प्रथम संस्करण में प्रत्येक जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए 700 प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें से 56 प्रतिभागी राष्ट्रीय स्तर पर फाइनल में पहुँचे।
- द्वितीय एनवाईपीएफ संस्करण (2020-21) महामारी के कारण आभासी रूप से किया गया जिसमें 698 जिलों से 2.34 लाख से अधिक युवाओं ने भाग लिया। अंततः 84 राज्य स्तरीय विजेता संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम में सम्मिलित हुए।
- तृतीय संस्करण (2021-22) में भागीदारी और अधिक रही, 748 जिलों से 2.44 लाख युवाओं ने भाग लिया, जिनमें से 45,350 ने जिला स्तर पर प्रतिस्पर्धा की और 87 राज्य स्तरीय विजेता राष्ट्रीय मंच तक पहुँचे। संसद भवन, नई दिल्ली के केंद्रीय कक्ष में अंतिम आयोजन किया गया।
- चतुर्थ एनवाईपीएफ संस्करण (2022-23) में 763 जिलों से 2.01 लाख प्रतिभागियों ने भाग लिया। 7,140 प्रतिभागियों ने जिला स्तर पर प्रतिस्पर्धा की और 85 फाइनलिस्ट राष्ट्रीय कार्यक्रम तक पहुँचे। प्रत्येक संस्करण का समापन शीर्ष तीन विजेताओं द्वारा संसद भवन के केंद्रीय कक्ष में अपने विचार साझा करने के साथ हुआ।
- पंचम एनवाईपीएफ संस्करण (2023-24) का आयोजन देश के 785 जिलों में तीनों स्तरों पर किया गया। अंतिम आयोजन 05-06 मार्च, 2024 को संसद भवन, नई दिल्ली के केंद्रीय कक्ष में किया गया।

विकसित भारत युवा संसद (2025) में रूपांतरण:

राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव को पुनः परिकल्पित कर विकसित भारत युवा संसद के रूप में प्रस्तुत किया गया है, जो विकसित भारत@2047 की दृष्टि के अनुरूप है। विकसित भारत युवा संसद उस दृष्टि को मूर्त रूप देती है जिसे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने वर्ष 2017 में व्यक्त किया था, जब उन्होंने देश को आगे ले जाने हेतु एक लाख युवा नेताओं के उद्भव का आह्वान किया था। उनकी यह दृष्टि इस विश्वास पर आधारित थी कि भारत के युवा केवल विकास के लाभार्थी ही नहीं, बल्कि उसके भविष्य के निर्माता भी हैं। इस आह्वान से प्रेरित होकर, इस वर्ष की युवा संसद को पुनः परिकल्पित एवं विस्तारित किया गया है, ताकि विकसित भारत@2047 की दृष्टि के अनुरूप एक नई पीढ़ी के गतिशील, समाधान-उन्मुख एवं नीतिगत रूप से जागरूक युवा नेताओं को तैयार किया जा सके। यह रूपांतरण युवाओं की नीति-निर्माण, सुशासन एवं राष्ट्रीय विमर्श में सहभागिता हेतु अधिक संरचित दृष्टिकोण को प्रतिबिंबित करता है। पूर्ववर्ती संस्करणों से भिन्न, वर्ष 2024-25 में युवा संसद को अधिक **संरचित, ऑफलाइन एवं बहु-स्तरीय प्रारूप** में **जिला, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तरों** पर आयोजित किया गया ताकि नीति-निर्माण एवं सुशासन में युवाओं की गहन सहभागिता सुनिश्चित की जा सके।

2024-25 संस्करण की प्रमुख विशेषताएँ:

- सभी चरण **ऑफलाइन** आयोजित किए गए, जिससे सहभागिता अधिक गहन और प्रभावशाली रही।
- कार्यक्रम ने युवाओं को राष्ट्रीय मुद्दों पर विचार-विमर्श करने, नीति-निर्माताओं से संवाद करने और राष्ट्र-निर्माण में योगदान देने हेतु एक **औपचारिक मंच** प्रदान किया।
- पूर्ववर्ती संस्करणों से भिन्न, प्रत्येक **राज्य स्तरीय पात्र प्रतिभागी** को राष्ट्रीय स्तर पर **उद्घाटन एवं समापन वक्तव्यों** तथा **संचालित चर्चाओं** में बोलने का अवसर दिया गया, ताकि **अधिक समावेशिता** सुनिश्चित हो सके।
- राष्ट्रीय चरण का समापन **अंतिम प्रस्ताव के प्रारूपण** के साथ हुआ, जिसमें प्रतिभागियों द्वारा साझा किए गए सबसे व्यावहारिक और दूरदर्शी विचारों को समाहित किया गया।

विकसित भारत युवा संसद 2025 केवल एक कार्यक्रम नहीं था, बल्कि **एक परिवर्तनकारी आंदोलन था।** इस आयोजन के दौरान उत्पन्न विचार, चर्चाएँ और प्रस्ताव, **संसद भवन के केंद्रीय कक्ष** से परे गूँजे और **युवाओं द्वारा संचालित राष्ट्रीय विकास** के एक नए युग की नींव रखी।

- **क**. 18-25 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं की आवाज़ को जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर विचार-विमर्श के माध्यम से सुनना।
- **ख**. युवाओं को जनसामान्य के मुद्दों से जोड़ना, आमजन के दृष्टिकोण को समझना, अपनी राय बनाना और उसे स्पष्ट रूप से व्यक्त करने के लिए प्रोत्साहित करना।
- **ग**. निर्णय लेने की क्षमता का विकास और संवर्धन करना।
- **घ**. दूसरों के विचारों के प्रति सम्मान और सहिष्णुता का भाव विकसित करना।
- **ङ**. उनमें यह समझ विकसित करना कि किसी भी चर्चा को व्यवस्थित और प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए नियमों का पालन करना आवश्यक है।
- **च**. विकसित भारत के विजन पर युवाओं की राय प्राप्त करना और उसका दस्तावेज़ीकरण करना।
- **छ**. उनकी राय को नीति-निर्माताओं और क्रियान्वयनकर्ताओं तक पहुँचाना ताकि उसे आगे बढ़ाया जा सके।

संरचना:

जिला नोडल चरण

- **300 जिला नोड्स** पर वन नेशन, वन इलेक्शन विषय पर व्यापक चर्चाएँ आयोजित की गईं।
- अभ्यर्थियों ने "आपके लिए विकसित भारत का क्या अर्थ है?" प्रश्न का उत्तर देते हुए **1 मिनट का वीडियो** अपलोड कर योग्यता प्राप्त की।

राज्य चरण:

- **17 से अधिक राज्य विधानसभाओं** एवं अन्य सरकारी संस्थानों में आयोजन किया गया।
- सत्रों की अध्यक्षता **राज्यपालों एवं विधानसभा अध्यक्षों** द्वारा की गई, जिससे युवाओं की चर्चाओं का महत्व और बढ़ा।

राष्ट्रीय चरण (1–3 अप्रैल 2025):

- **प्रत्येक राज्य/संघ राज्य क्षेत्र** से **शीर्ष 3 अभ्यर्थियों** (कुल **108 युवा**) ने सहभागिता की।
- प्रमुख गतिविधियाँ इस प्रकार हैं:-
    - **प्रश्नकाल:** वन नेशन, वन इलेक्शन एवं विकसित भारत पर केंद्रित, जिसके परिणामस्वरूप सामूहिक प्रस्ताव पारित हुआ।
    - **मास्टरक्लास:** एक वरिष्ठ सांसद द्वारा वक्तव्य कला एवं नेतृत्व पर विशेष सत्र।
    - **संसदीय अनुभव:** लोकसभा एवं राज्यसभा की कार्यवाही में उपस्थित होना।
    - **पीएम संग्रहालय भ्रमण:** भारत के राजनीतिक इतिहास एवं नेतृत्व यात्राओं की जानकारी।
    - **पुरस्कार समारोह (3 अप्रैल 2025): विकसित भारत युवा संसद पुरस्कार** एवं **राष्ट्रीय युवा पुरस्कारों** का वितरण।

राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव 2025 पुरस्कार विजेता:

श्रेणी: उद्घाटन **वक्तव्य सत्र** के विजेता नाम: धीरेंद्र सिंह जिला: बरेली राज्य: उत्तर प्रदेश संपर्क: 9815173459	
श्रेणी: प्रश्नकाल सत्र में **सर्वश्रेष्ठ प्रश्न** की विजेता नाम: हर्षिता शर्मा जिला: जयपुर राज्य: राजस्थान संपर्क: 7850949094	

श्रेणी: प्रश्नकाल सत्र में **सर्वश्रेष्ठ उत्तर** की विजेता नाम: वी. लस्या प्रिया जिला: अनाकापल्ली राज्य: आंध्र प्रदेश संपर्क: 9550751322	
श्रेणी: लघु चर्चा सत्र की विजेता नाम: रिया गुप्ता जिला: धनबाद राज्य: झारखंड संपर्क: 8210785463	

अध्याय-3 : राष्ट्रीय युवा सशक्तिकरण कार्यक्रम (आरवाईएसके)

अवलोकन:

I. पुनर्गठन से पूर्व योजनाओं की स्थिति:

विभाग वर्ष 2015-16 तक 10 योजनाओं का क्रियान्वयन कर रहा था, अर्थात्,

क) नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस)
ख) राष्ट्रीय युवा कोर (एनवाईसी)
ग) राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)
घ) राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी)
ङ) राष्ट्रीय युवा एवं किशोर विकास कार्यक्रम (एनपीवाईएडी)
च) अंतर्राष्ट्रीय सहयोग
छ) युवा छात्रावास (वाईएच)
ज) स्काउटिंग एवं गाइडिंग संगठनों को प्रोत्साहन
झ) राष्ट्रीय अनुशासन योजना (एनडीएस)
ञ) राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम (एनवाईएलपी)

उपर्युक्त योजनाओं में से, राष्ट्रीय अनुशासन योजना (एनडीएस) आयोजना-भिन्न स्कीम थी और शेष 9 आयोजना स्कीमें थीं। राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) 2015-16 तक एक केंद्र प्रायोजित योजना थी, लेकिन इसे 01.04.2016 से केंद्रीय क्षेत्र की योजना बना दिया गया है। अन्य सभी योजनाएं केंद्रीय क्षेत्र की योजनाएं हैं। राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी) आरजीएनआईवाईडी अधिनियम, 2012 (संसद का एक अधिनियम) के आधार पर एक सांविधिक निकाय है। कुछ योजनाएं बहुत छोटी थीं जिनका परिव्यय 10 करोड़ रुपये से कम था।

II. दिनांक 01.04.2016 से योजनाओं की पुनर्संरचना:

इस विभाग से संबंधित मानव संसाधन विकास की संसदीय स्थायी समिति विभाग की योजनाओं की प्रभावशीलता में सुधार लाने के लिए उनका कुछेक योजनाओं में विलय/समेकन करने की आवश्यकता पर बल दे रही थी। वित्त मंत्रालय, भारत सरकार ने भी विभाग को बेहतर तालमेल और संसाधनों के अधिक प्रभावी उपयोग के लिए योजनाओं को कुछ सुगठित योजनाओं का रूप देने की सलाह दी थी। तदनुसार, उचित विचार-विमर्श के बाद, युवा कार्यक्रम विभाग ने विभाग द्वारा कार्यान्वित सभी योजनाओं को 01.04.2016 से 3 योजनाओं में पुनर्गठित/समेकित किया, जो इस प्रकार है:

क्र.सं.	योजनाओं के नाम (पूर्व पुनर्गठन)	योजनाओं के नाम
		(पुनर्गठन के बाद)
1.	नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस)	एक नई 'अम्ब्रेला' योजना **"राष्ट्रीय युवा सशक्तिकरण कार्यक्रम (आरवाईएसके)"** में विलय कर दिया गया।
2.	राष्ट्रीय युवा कोर (एनवाईसी)	
3.	राष्ट्रीय युवा एवं किशोर विकास कार्यक्रम (एनपीवाईएडी)	
4.	अंतरराष्ट्रीय सहयोग	
5.	युवा छात्रावास (वाईएच)	
6.	स्काउटिंग एवं गाइडिंग संगठनों को बढ़ावा देना	
7.	राष्ट्रीय अनुशासन योजना (एनडीएस)	
8.	राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम (एनवाईएलपी)	
9.	राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)	राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)
10.	राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान	राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान

इस प्रकार, यह देखा जा सकता है कि राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) और राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी) को उनके परिचालन ढांचे की विशिष्ट प्रकृति के कारण अलग-अलग योजनाओं के रूप में बनाए रखा गया है, अन्य सभी योजनाओं को 'राष्ट्रीय युवा सशक्तिकरण कार्यक्रम (आरवाईएसके)' नामक एक एकल छत्र योजना में विलय कर दिया गया है, जो अब युवाओं के सशक्तिकरण के लिए विभाग के प्रमुख कार्यक्रम के रूप में कार्य करेगा ताकि वे अपनी क्षमता का एहसास कर सकें और इस प्रक्रिया में राष्ट्र निर्माण प्रक्रिया में योगदान कर सकें।

अध्याय-4 : नेहरू युवा केन्द्र संगठन (एनवाईकेएस)

1. परिचय

वर्ष 1972 में शुरू किया गया एनवाईकेएस दुनिया के सबसे बड़े युवा संगठनों में से एक है। वर्तमान में नेहरू युवा केंद्रों के माध्यम से एनवाईकेएस की उपस्थिति 623 जिलों में है। एनवाईकेएस का उद्देश्य युवाओं के व्यक्तित्व का विकास करना और उन्हें राष्ट्र निर्माण गतिविधियों में शामिल करना है।

एनवाईकेएस गतिविधियों के फोकस के क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य और स्वच्छता, पर्यावरण, सामाजिक मुद्दों पर जागरूकता, महिला सशक्तिकरण, नागरिक शिक्षा, आपदा राहत और पुनर्वास आदि शामिल हैं। नेहरू युवा केंद्रों से जुड़े युवा न केवल सामाजिक रूप से जागरूक और प्रेरित हैं, बल्कि स्वैच्छिक प्रयासों के माध्यम से सामाजिक विकास कार्यों की ओर भी उनका झुकाव रखते हैं।

2. उद्देश्य

एनवाईकेएस का प्रमुख उद्देश्य देश के ग्रामीण युवाओं को संगठित करना, प्रेरित करना और ग्राम आधारित युवा क्लबों के रूप में लोकतांत्रिक संस्थागत तंत्र विकसित करने के लिए उनकी क्षमताओं को बढ़ाना, उन्हें उत्पादक और जिम्मेदार नागरिक बनने हेतु सशक्त बनाना, समानता और स्वैच्छिकता की भावना के साथ सामुदायिक विकास और राष्ट्र निर्माण गतिविधियों की प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारों के रूप में कार्य करने के लिए स्थानीय नेतृत्व को आत्मसात करना है।

3. एनवाईकेएस के मुख्य कार्यक्रम

माय भारत के तत्वावधान में एनवाईकेएस द्वारा संचालित कार्यक्रमों और गतिविधियों को मोटे तौर पर निम्नलिखित तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया जा सकता है:

3.1 एनवाईकेएस द्वारा अपने स्वयं के बजटीय संसाधनों (युवा कार्यक्रम विभाग द्वारा जारी ब्लॉक अनुदान) के साथ कार्यान्वित किए गए मुख्य कार्यक्रम।युवा विकास एवं सशक्तिकरण के लिए अन्य मंत्रालयों के सहयोग एवं वित्तपोषण से परियोजनाएं।

3.2 अन्य महत्वपूर्ण विशेष कार्यक्रम/गतिविधियाँ।

3.3 युवा कार्यक्रम विभाग की स्कीमें

कार्यक्रमों का क्रियान्वयन जिला स्तर पर एनवाईके (नेहरू युवा केंद्र) से संबद्ध युवा क्लबों, राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों तथा विभिन्न विकास विभागों, एजेंसियों, निर्वाचित स्थानीय निकायों और जिला तथा राज्य स्कर के अन्य हितधारकों की सक्रिय भागीदारी एवं जुड़ाव के साथ किया जाता है।

3.1 एनवाईकेएस के मुख्य कार्यक्रम

कुछ मुख्य कार्यक्रम हैं, जिन्हें हर साल **वार्षिक कार्य योजना** के रूप में विकसित किया जाता है, और एनवाईकेएस के **बोर्ड ऑफ गवर्नर्स** की मंजूरी के बाद उन्हें अंतिम रूप दिया जाता है। इन्हें **युवा कार्यक्रम विभाग के प्रखण्ड अनुदान** के माध्यम से वित्त पोषित किया जाता है।

देश के 763 जिलों में अप्रैल 2024 से मार्च 2025 के दौरान एनवाईकेएस द्वारा कार्यान्वित प्रत्येक मुख्य कार्यक्रम का संक्षिप्त विवरण निम्नलिखित है।

3.1.1 डॉ. भीम राव अंबेडकर का जयंती समारोह (**14** अप्रैल**, 2024**)

एनवाईकेएस ने **14** अप्रैल**, 2024** को जिला एनवाईके, युवा स्वयंसेवकों और युवा क्लब के सदस्यों के माध्यम से देश भर में डॉ. भीम राव अंबेडकर जी की जयंती मनाई।

इस समारोह का उद्देश्य आम नागरिकों और विशेषकर युवाओं को डॉ. बी.आर. अंबेडकर के जीवन, कार्यों और शिक्षाओं के बारे में जानकारी प्रदान करना तथा आम जनता के बीच समानता के उनके संदेश को फैलाना था।

इस अवसर पर की गई प्रमुख गतिविधियों में डॉ. बी.आर. अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण, डॉ. बी.आर. अंबेडकर के जीवन और कार्यों पर व्याख्यान/सेमिनार/संगोष्ठी, सांस्कृतिक गतिविधियां, रैलियां, ज्ञान प्रतियोगिताएं (प्रश्नोत्तरी, निबंध, व्याख्यान), पोस्टर मेकिंग, दीवार लेखन, रंगोली, शपथ ग्रहण और वेबिनार के माध्यम से जागरूकता फैलाना शामिल था।

उत्सव के एक भाग के रूप में, एनवाईकेएस ने 35,244 युवा स्वयंसेवकों, युवा क्लबों के सदस्यों और अन्य लोगों की भागीदारी के साथ 944 गतिविधियों का आयोजन किया।

कार्यक्रम के भाग के रूप में और संदेशों के प्रचार-प्रसार के लिए फेसबुक, ट्विटर और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों का उपयोग किया गया, जिनपर 2394 पोस्ट और 6.90 लाख इंप्रेशन किए गए।

3.1.2 राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस का आयोजन (24 अप्रैल, 2024)

प्रत्येक वर्ष नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) द्वारा देशभर में जिला स्तर के एनवाईकेएस के माध्यम से और युवा स्वयंसेवकों, युवा क्लबों के सदस्यों तथा अन्य हितधारकों के सहयोग से पंचायती राज दिवस मनाया जाता है।

इस वर्ष अवसर के अनुरूप, चलाई गई प्रमुख गतिविधियाँ हैं पंचायती राज प्रणाली पर सेमिनार/संगोष्ठी, ज्ञान प्रतियोगिताएँ जैसे क्विज़, नारा लेखन, वाद-विवाद, चित्रकला प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक, रैलियाँ और वृक्षारोपण।

उपरोक्त गतिविधियों के अंतर्गत एनवाईकेएस द्वारा कुल **143 कार्यकलाप** आयोजित किए गए, जिनमें **6,299 नागरिकों** ने भाग लिया। इनमें युवा स्वयंसेवक एवं युवा क्लबों के सदस्य भी सम्मिलित थे।

3.1.3 विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन (5 जून, 2024)

पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण के लिए जागरूकता बढ़ाने और इसके लिए कार्रवाई को प्रोत्साहित करने के लिए हर वर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाता है। विश्व पर्यावरण दिवस 2024 अत्यधिक महत्वपूर्ण था क्योंकि सम्पूर्ण विश्व वैश्विक तापमान में हुई अप्रत्याशित वृद्धि और वनों की कटाई के उन परिणामों को देख रहा था, जिनसे लोगों के हितों और पूरे पारिस्थितिकी तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। विश्व पर्यावरण दिवस 2024 का विषय "भूमि पुनर्स्थापन, मरुस्थलीकरण और सूखा प्रतिरोधक क्षमता" था।

नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) ने 5 जून 2024 को देशभर में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया। डब्ल्यूईडी 2024 आयोजन के भाग के रूप में, एनवाईकेएस ने पर्यावरण संरक्षण एवं संवर्धन के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने तथा ठोस कार्रवाई को प्रोत्साहित करने हेतु विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित कीं। शपथ ग्रहण, व्यवहार परिवर्तन संचार गतिविधियाँ,वृक्षारोपण अभियान,स्वच्छता अभियान,संगोष्ठी और ज्ञान प्रतियोगिताएँ (क्विज़ प्रतियोगिता, नारा लेखन, पोस्टर बनाना एवं चित्रकला प्रतियोगिता) नामक गतिविधियां आयोजित की गईं ताकि ताकि हरित एवं स्वच्छ वातावरण के लिए नागरिकों, विशेषकर युवाओं को पर्यावरण-अनुकूल व्यवहार अपनाने हेतु प्रेरित किया जा सके।

एनवाईकेएस द्वारा कार्यक्रम के दौरान कुल **4,346 गतिविधियाँ** आयोजित की गईं जिनमें **1.28 लाख लोगों** ने भाग लिया, जिनमें राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक (एनवाईव), युवा क्लबों के सदस्य और अन्य लोग शामिल थे। 50,000 से अधिक पौधों का रोपण किया गया। जनसंपर्क कार्यक्रम के अंतर्गत डब्ल्यूईडी 2024 में सोशल मीडिया (फेसबुक, ट्विटर, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप) पर 5,742 पोस्ट किए गए, जिनसे 3.74 लाख लोगों तक पहुँच बनाई गई।

3.1.4 अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून, 2024) का आयोजन

हर वर्ष 21 जून को विश्व भर में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाता है। यह माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी का विज़न था, जिसके कारण संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया। योग, प्राचीन भारतीय परंपरा का एक अनमोल तोहफ़ा है, जो शारीरिक और मानसिक सेहत को बेहतर बनाने के सबसे भरोसेमंद तरीकों में से एक के रूप में उभरा है।

हर वर्ष की तरह, इस वर्ष भी एनवाईकेएस ने 21 जून 2024 को पूरे देश में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया ताकि आम जनता और विशेषकर युवाओं की भागीदारी के साथ योग के महत्व और भावना को आत्मसात किया जा सके। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2024 का थीम 'स्वयं और समाज के लिए योग' था।

एनवाईकेएस ने, इस वर्ष के आईवाईडी समारोह के मुख्य हितधारकों में से एक के रूप में, 14 से 20 जून तक योग के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए चर्चा, सोशल मीडिया अभियान, योग पर आईईसी सामग्री साझा करने जैसी तैयारी की गतिविधियाँ आयोजित कीं और 21 जून, 2024 को कॉमन योग प्रोटोकॉल और अन्य मुख्य गतिविधियों जैसे कि परिवार के साथ योग, शपथ ग्रहण और ज्ञान प्रतियोगिताएँ आयोजित कीं।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2024 के समारोह के दौरान, एनवाईकेएस ने **जिला स्तर पर 733 कार्यक्रम** और **ब्लॉक स्तर पर 5,389 कार्यक्रम** आयोजित किए, जिसमें कुल 9,015 गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिसमें राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों, युवा क्लबों के सदस्यों और अन्य सहित **22.93 लाख लोगों** ने भाग लिया।

आईवाईडी 2024 की ज़्यादा से ज़्यादा लोगों तक पहुँच सुनिश्चित करने के लिए, एनवाईकेएस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से अभियान चलाया, जिसमें कुल 11,097 पोस्ट किए गए और 6.94 लाख इंप्रेशन मिले।

3.1.5 श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती का आयोजन (6 जुलाई, 2024)

एनवाईकेएस ने 6 जुलाई 2024 को पूरे देश में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती मनाई ताकि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी द्वारा पोषित मूल्यों और विचारों को अगली पीढ़ियों तक पहुंचाकर उन्हें प्रेरित किया जा सके।

इस आयोजन के हिस्से के रूप में, एनवाईकेएस ने कई मुख्य कार्यकलाप आयोजित किए जैसे कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की तस्वीर पर माल्यार्पण, रक्तदान शिविर, पौधा रोपण, ज्ञान प्रतियोगिताएँ (जैसे कि निबंध लेखन, क्विज़, भाषण और चित्रकला), व्याख्यान, कार्यशाला और विषय विशेषज्ञ द्वारा जीवन और कार्यों पर सेमिनार/चर्चा और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जीवन तथा संदेशों पर लघु वीडियो/डॉक्यूमेंट्री की स्क्रीनिंग।

एनवाईकेएस ने इस आयोजन के लिए **1,095 कार्यकलाप** आयोजित किए और **35,046 युवा स्वयंसेवकों,** युवा क्लबों के सदस्यों और अन्य लोगों की भागीदारी से **17,088 पौधे** लगाए।

3.1.6 राष्ट्रीय खेल दिवस (29 अगस्त, 2024) का आयोजन

भारत की खेलों की गहरी परंपरा को स्मरण करने के लिए हर वर्ष 29 अगस्त को हॉकी के दिग्गज मेजर ध्यानचंद के जन्मदिवस के अवसर पर राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया जाता है। राष्ट्रीय खेल दिवस आयोजन का उद्देश्य लोगों, विशेषकर युवाओं में खेल और फिटनेस की संस्कृति को प्रोत्साहित करना और उन्हें खेलों और गेम्स में भाग लेने के लिए प्रेरित करना है।

इस अवसर पर एनवाईकेएस ने 29 अगस्त, 2024 को पूरे देश में राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया और विभिन्न खेल आयोजनों एवं गतिविधियों का संचालन किया, जिनमें खेल और शारीरिक फिटनेस के महत्व पर बल दिया गया।

एनवाईकेएस ने महान खिलाड़ी ध्यानचंद को श्रद्धांजलि देने और लोगों, विशेषकर युवाओं को खेल एवं फिटनेस गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से कुल 1,091 गतिविधियों का आयोजन किया, जैसे कि खेल पर आधारित पैदल चलना/दौड़, हॉकी, फुटबॉल, क्रिकेट जैसे आउटडोर खेल तथा विभिन्न इनडोर और मनोरंजक गतिविधियाँ। इन खेल आयोजनों में पूरे देशभर से कुल 37,775 लोगों ने भाग लिया।

3.1.7 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर, 2024 तक "स्वच्छता ही सेवा" अभियान

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयंती पर उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करने और स्वच्छ भारत मिशन के 10 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में, एनवाईकेएस ने "माय भारत" के तत्वावधान में 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर, 2024 तक 'स्वभाव स्वच्छता – संस्कार स्वच्छता' की थीम पर राष्ट्रव्यापी "स्वच्छता ही सेवा" अभियान का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य एकल-उपयोग प्लास्टिक के पर्यावरणीय और स्वास्थ्य संबंधी दुष्प्रभावों के बारे में शिक्षा और जागरूकता का प्रसार करना और साथ ही, पुनः उपयोग योग्य उत्पादों को अपनाने के लिए समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित कर स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण बनाए रखने के लिए प्रेरित करना था। इस अभियान का लक्ष्य व्यवहारगत परिवर्तन और व्यापक पर्यावरण संरक्षण प्रयासों को समर्थन देकर स्वच्छता और सतत अपशिष्ट प्रबंधन के भविष्य के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को पुनः दृढ़ करना भी था।

इस अभियान का मूल उद्देश्य था 17 सितम्बर से 02 अक्टूबर, 2024 तक पूरे देश में स्वच्छता गतिविधियाँ चलाना और अपशिष्ट, विशेषकर एकल-उपयोग प्लास्टिक का एकत्रण करना और स्वैच्छिक श्रमिक शिविरों के माध्यम से गांवों के साथ ही, ऐतिहासिक स्मारकों एवं धरोहर स्थलों, सामुदायिक केन्द्रों, युवा क्लब/महिला मंडल भवनों, विद्यालय भवनों, पंचायत भवनों तथा अमृत सरोवर के आसपास की सफाई एवं सौंदर्यीकरण कार्य संपन्न करना। कार्यक्रमों का आयोजन जनभागीदारी से जन आंदोलन की रणनीति के अंतर्गत किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन **99,131 गाँवों** में किया गया, जहां **2.47 लाख गतिविधियाँ** चलाई गईं, जैसे कि कचरा संग्रहण, स्वच्छता अभियान, ग्राम सौंदर्यीकरण के प्रयास और व्यवहार परिवर्तन संचार गतिविधियाँ। इन गतिविधियों में **25.46 लाख युवाओं और अन्य**

लोगों ने भाग लिया। **80.22 लाख किलोग्राम** से अधिक कचरा एकत्र किया गया, जिसमें से 80.15 लाख किलोग्राम कचरे का निपटान किया गया।

3.1.8 दिनांक 02 अक्टूबर, 2024 को तटीय स्वच्छता अभियान

इस अभियान के अंतर्गत, 2 अक्टूबर 2024 को माय भारत/एनवाईकेएस ने **76** तटीय जिलों में तटीय स्वच्छता अभियान आयोजित किया, जिसमें देशभर के **791** समुद्री तट शामिल थे, जहां **2,942** स्वच्छता गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें **2,29,122** युवाओं और अन्य लोगों ने भाग लिया। **1.77 लाख किलोग्राम** से अधिक कचरा एकत्रित कर उसका निपटान किया गया। **01** माननीय केंद्रीय मंत्री, **01** माननीय राज्य मंत्री, **06** माननीय सांसद, राज्य सरकार के **02** माननीय मंत्री तथा **12** विधायक/विधान परिषद सदस्यों ने इस स्वच्छता अभियान कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

3.1.9 दिनांक 02 अक्टूबर, 2024 गांधी जयंती का आयोजन

राष्ट्र द्वारा प्रति वर्ष 2 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी की जयंती के अवसर पर उनके जीवन और विरासत का स्मरण करने हेतु गांधी जयंती मनाई जाती है।

इस अवसर को मनाने के लिए माय भारत/एनवाईकेएस ने देशभर में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया। इनमें महात्मा गांधी जी के चित्रों पर माल्यार्पण, स्वच्छता रैलियाँ, सांस्कृतिक कार्यक्रम, उनके जीवन और संदेशों पर आधारित नाटक/नुक्कड़ नाटक तथा ज्ञानवर्धक प्रतियोगिताएँ जैसे क्विज़, नारा लेखन, पोस्टर निर्माण, निबंध लेखन, वाद-विवाद और चर्चाएँ शामिल थीं।

कुल **4,357 गतिविधियों** का आयोजन किया गया, जिनमें **2.28 लाख** युवाओं और अन्य लोगों ने भाग लिया।

3.1.10 मायभारत के साथ दिवाली

माय भारत की प्रथम जयंती के उपलक्ष्य में 27 अक्टूबर से 30 अक्टूबर, 2024 तक देशभर के 500 जिलों में "मायभारत के साथ दिवाली" कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का विषय था – "यह दिवाली मायभारत वाली"।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत चलाई गई प्रमुख गतिविधियाँ थीं अस्पताल में स्वयंसेवा – अस्पतालों में रोगियों को चिकित्सीय सेवाएँ प्राप्त करने में सहयोग प्रदान करना, बाज़ारों की सफाई – अखिल भारतीय व्यापारी संघ के सहयोग से देशभर के बाज़ारों में स्वच्छता अभियान चलाना और यातायात स्वयंसेवा – यातायात पुलिस को भीड़भाड़ वाले स्थानों पर यातायात प्रबंधन में सहयोग देना।

कार्यक्रम का आयोजन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (सीएआईटी), यातायात पुलिस विभाग, चयनित अस्पतालों तथा बाज़ार संघों के सहयोग से किया गया। तैयारी की व्यवस्थाओं के अंतर्गत, कार्यक्रम को अधिक प्रभावी और सहभागितापूर्ण बनाने हेतु सीएआईटी, बाज़ार संघों, यातायात पुलिस अधिकारियों तथा अस्पताल प्राधिकरणों के प्रतिनिधियों से पूर्व परामर्श किया गया। इसके अतिरिक्त, विभिन्न गतिविधियों के अंतर्गत उन अस्पतालों, यातायात अवरोध बिंदुओं, बाज़ार स्थलों की पहचान की गई जहां स्वयंसेवकों को तैनात किया जाना था । कार्यक्रम के व्यापक प्रचार-प्रसार और दृश्यता सुनिश्चित करने के लिए माय भारत पोर्टल पर कार्यक्रम की गतिविधियों के फोटो और वीडियो अपलोड किए गए। कार्यक्रम से पूर्व संबंधित जिलों द्वारा एक प्रेस विज्ञप्ति जारी की गई, जिसमें कार्यक्रम की गतिविधियों, विभिन्न हितधारकों की भागीदारी, समन्वय विभागों तथा चयनित अस्पतालों, बाज़ार स्थलों और यातायात अवरोध बिंदुओं का विवरण प्रस्तुत किया गया।

माय **भारत** (एनवाईकेएस) द्वारा (338 जिलों में) आयोजित कार्यक्रमों का विवरण इस प्रकार है:-

- अस्पतालों की संख्या जहां स्वयंसेवकों को तैनात किया गया - **1,190** जिनमें **24,344 मायभारत स्वयंसेवकों** के तैनात किया गया।
- बाज़ारों की संख्या जहां सफाई की गई- **1,787,** जिसमें माय भारत के **1.16 लाख युवा स्वयंसेवकों** ने भाग लिया।
- यातायात अवरोध बिंदुओं की संख्या जहां स्वयंसेवकों को तैनात किया गया- **1,591** जहां **35,676 मायभारत स्वयंसेवकों** को तैनात किया गया।

इस प्रकार कुल **4,561 स्थानों** को कवर किया गया, जिनमें **1.76 लाख माय भारत युवा स्वयंसेवकों** ने भाग लिया और कुल **10.64 लाख युवाओं तथा अन्य लोगों** तक पहुँच बनाई गई।

माय भारत/एनवाईकेएस ने इस अभियान को सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म जैसे फेसबुक, ट्विटर और इंस्टाग्राम पर भी चलाया, जहाँ **2,262 पोस्ट** किए गए और **25.86 लाख इंप्रेशन** प्राप्त हुए।

3.1.11 राष्ट्रीय एकता दिवस (31 अक्टूबर, 2024)

राष्ट्रीय एकता दिवस भारत में हर वर्ष 31 अक्टूबर को सरदार वल्लभभाई पटेल, जिन्हें भारत के लौह पुरुष के रूप में जाना जाता है, की जयंती पर मनाया जाता है। राष्ट्रीय एकता दिवस हमारे राष्ट्र के लिए उनके महत्वपूर्ण योगदान के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करने और हमारे नागरिकों में एकता और अखंडता की भावना पैदा करने के लिए मनाया जाता है।

इस अवसर के उपलक्ष्य में तथा युवाओं और समग्रत : समाज के बीच सरदार पटेल के संदेश को फैलाने के उद्देश्य से माय भारत/एनवाईकेएस ने पूरे देश में विभिन्न कार्यक्रम आयोजन किए। पुष्पांजलि अर्पित करना, राष्ट्रीय एकता की शपथ लेना, एकता के लिए दौड़, निबंध और चित्रकला प्रतियोगिताएं, सरदार वल्लभभाई पटेल के कार्यों और योगदान पर व्याख्यान एवं चर्चा, माय भारत/ एनवाईकेएस द्वारा आयोजित कुछ प्रमुख कार्यक्रम रहे।

राष्ट्रीय एकता दिवस 2024 के उपलक्ष्य में माय भारत/एनवाईकेएस ने देश भर में कुल **3411 गतिविधियों** का आयोजन किया, जिसमें राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवकों, युवा क्लबों के सदस्यों और अन्य सहित **1.78 लाख लोगों** ने भाग लिया।

3.1.12 जनजातीय गौरव दिवस (15 नवम्बर, 2024)

भारत सरकार ने 15 नवम्बर, जो भगवान बिरसा मुंडा, जो देश के महान स्वतंत्रता सेनानी और जनजातीय नेता हैं, की जयंती है, को जनजातीय गौरव दिवस घोषित किया है, यह दिवस जनजातीय समुदायों के राष्ट्रीय इतिहास और संस्कृति में योगदान का स्मरण करने तथा आने वाली पीढ़ियों को हमारी सांस्कृतिक धरोहर और राष्ट्रीय गौरव की रक्षा हेतु प्रेरित करने के लिए मनाया जाता है।

जनजातीय गौरव दिवस आयोजन के तहत एनवाईकेएस ने देशभर में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया, जिनमें भगवान बिरसा मुंडा जी को पुष्पांजलि अर्पित करना, पदयात्राएँ, उनके जीवन, कार्य और दर्शन पर सेमिनार/कार्यशाला/वेबिनार, ज्ञान प्रतियोगिताएँ, स्वच्छता अभियान और वृक्षारोपण अभियान शामिल थे।

जनजातीय गौरव दिवस आयोजन के तहत एनवाईकेएस ने कुल 665 कार्यक्रम आयोजित किए, जिनमें **3,182 गतिविधियाँ** संपन्न की गईं और **3.66 लाख** युवाओं एवं अन्य लोगों ने भाग लिया। इनमें 516 पदयात्राएँ शामिल थीं, जिनमें 81,568 युवाओं और अन्य लोगों ने भाग लिया तथा कुल 1.45 लाख किलोमीटर की दूरी तय की गई।

3.1.13 संविधान दिवस (26 नवम्बर, 2024)

भारत का संविधान दिवस देश भर में भारत के संविधान के अंगीकृत किए जाने के अवसर को स्मरण करते हुए, प्रतिवर्ष 26 नवम्बर को मनाया जाता है। यह दिवस भारत के संविधान में निहित मूल्यों और सिद्धांतों को उजागर करने के लिए मनाया जाता है।

एनवाईकेएस ने संविधान दिवस के महत्व को प्रसारित और रेखांकित करने के उद्देश्य से 26 नवम्बर 2024 को पूरे देश में संविधान दिवस मनाया। संविधान दिवस 2024 कार्यक्रम के अंतर्गत एनवाईकेएस ने विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया, जैसे कि संविधान की प्रस्तावना का वाचन, पदयात्राएँ, संविधानिक मूल्यों और भारतीय संविधान के मूल तत्वों पर वार्ता/सेमिनार/संवाद, सड़क नाटक/नुक्कड़ नाटक तथा ज्ञान प्रतियोगिताएँ: निबंध, प्रश्नोत्तरी, चित्रकला आदि।

जिला स्तर पर एनवाईकेएस ने **751 कार्यक्रम** आयोजित किए, जिनमें कुल **4,308 गतिविधियाँ** संपन्न की गईं और **5.90 लाख** लोगों ने इनमें सहभागिता की जिनमें राष्ट्रीय युवा स्वयंसेवक, युवा नेता, युवा क्लबों के सदस्य और अन्य लोग शामिल थे।

राज्य स्तर पर संविधान दिवस 2024 के आयोजन के अंतर्गत एनवाईकेएस ने **27 पदयात्राओं** का आयोजन किया। इन पदयात्राओं में 32,338 युवाओं और अन्य लोगों ने भाग लिया और कुल 1.51 लाख किलोमीटर की दूरी तय की गई। इन पदयात्राओं में 01 माननीय विधानसभा अध्यक्ष, 03 माननीय मुख्यमंत्री, 03 माननीय उपमुख्यमंत्रियों, राज्य सरकार के 25 माननीय मंत्रियों तथा 21 माननीय विधायकों/एमएलसी की उपस्थिति से इनकी शोभा बढ़ गई।

3.1.14 विकसित भारत एम्बेसडर - युवा कनेक्ट

"विकसित भारत 2047" एक पहल है जिसका उद्देश्य स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष तक विकसित राष्ट्र बनने की भारत की आकांक्षा को साकार करना है। जैसे-जैसे भारत अपनी स्वतंत्रता के 100वें वर्ष (2047) की ओर बढ़ रहा है, यह पहल आर्थिक, सामाजिक, पर्यावरणीय और शासन के विभिन्न क्षेत्रों में प्रयासों को संगठित करने का लक्ष्य रखता है ताकि व्यापक और सतत विकास हासिल किया जा सके। इस अवधारणा में भारत को एक अग्रणी वैश्विक शक्ति के रूप में देखा गया है, जिसमें उच्च जीवन स्तर, समान विकास और पर्यावरणीय

संरक्षण शामिल हो। इसे युवाओं तक पहुंचाने हेतु "विकसित भारत एम्बेसडर - युवा कनेक्ट" कार्यक्रम का उद्देश्य भारत के विकासात्मक परिवर्तन में युवाओं की भागीदारी और नेतृत्व को प्रोत्साहन देना है।

यह कार्यक्रम भारत के विकासात्मक परिवर्तन में युवाओं की भागीदारी और नेतृत्व को प्रोत्साहित करने पर केंद्रित है।

विकसित भारत एम्बेसडर कार्यक्रम का आधिकारिक शुभारंभ महाराष्ट्र में 19 सितम्बर 2024 को पुणे स्थित एस.पी. ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूट्स में किया गया था। इस अवसर पर माननीय केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री, डॉ. मनसुख मांडविया उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान युवा आइकन श्री स्वप्निल कुसाले, जिन्होंने 2024 ग्रीष्मकालीन ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था, ने अपनी सफलता की कहानी साझा कर उपस्थित युवाओं को प्रेरित किया। इसके अतिरिक्त कृषि, पर्यटन, खाद्य और जीवनशैली जैसे विभिन्न क्षेत्रों के सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और ब्लॉगरों ने सार्थक चर्चाओं में भाग लिया और अपने विचार माननीय मंत्री के साथ साझा किए।

एनवाईकेएस ने कुल 15 कार्यक्रम आयोजित किए जिनमें 12,960 छात्रों ने भाग लिया।

3.1.15 "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान

"एक पेड़ माँ के नाम - Plant4Mother अभियान" एक व्यापक वृक्षारोपण अभियान है जिसे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस 2024 के अवसर पर नई दिल्ली स्थित बुद्ध जयंती पार्क में पीपल का पौधा लगाकर आरंभ किया गया था। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने लोगों से आग्रह किया कि वे अपनी माँ के प्रति प्रेम, सम्मान और आदर के प्रतीक स्वरूप एक पेड़ लगाएँ तथा वृक्षों और धरती माँ की रक्षा का संकल्प लें। पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन की गहन आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए यह अभियान अत्यधिक महत्व रखता है और इस अभियान की सफलता मुख्यतः समुदाय और व्यक्तियों में जागरूकता उत्पन्न करने तथा अभियान के कार्यान्वयन में उनकी सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने पर निर्भर करती है।

इसी संदर्भ में, माय भारत/एनवाईकेएस अभियान का संचालन कर रहा है, जिसका उद्देश्य आम जनता विशेषकर युवाओं में जागरूकता फैलाना और उन्हें अपनी माँ के नाम एक पौधा लगाने के लिए प्रेरित करना है। इसके अतिरिक्त, यह अभियान लोगों को अपने दैनिक जीवन के छोटे-छोटे कार्यों द्वारा धरती माँ की रक्षा की जिम्मेदारी निभाने हेतु प्रेरित करता है। इस अभियान के अंतर्गत संकल्प दिलाना, व्यवहार परिवर्तन संचार गतिविधियाँ, ज्ञान प्रतियोगिताएँ (निबंध लेखन, प्रश्नोत्तरी, नारा लेखन) तथा वृक्षारोपण जैसी गतिविधियाँ आयोजित की गई हैं।

रिपोर्टिंग अवधि के दौरान, माय भारत/एनवाईकेएस ने 757 जिलों में अभियान संचालित किए। विवरण इस प्रकार है:

(क) आयोजित वृक्षारोपण अभियान की संख्या : 9,548

	लगाए गए पौधों की संख्या	:	10,89,684
	युवा प्रतिभागियों की संख्या	:	4,05,790
	कुल उपस्थिति (युवा एवं अन्य)	:	5,17,273
(ख)	आयोजित अन्य गतिविधियों की संख्या (वृक्षारोपण के अतिरिक्त)	:	6,358
	कुल युवा प्रतिभागियों की संख्या	:	2,56,849

अत: अभियान के अंतर्गत कुल **11.31 लाख** पौधे लगाए गए और कुल **6.62 लाख** युवा क्लब सदस्य, माय भारत स्वयंसेवकों, ग्रामीणों आदि को उपरोक्त गतिविधियों के माध्यम से जोड़ा गया।

इसके अतिरिक्त, माय भारत/एनवाईकेएस ने इस अभियान को सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्मों जैसे कि फेसबुक, ट्विटर और इंस्टाग्राम के माध्यम से भी आगे बढ़ाया, जहाँ **7,717 पोस्ट** किए गए और **5.70 लाख इम्प्रेशन्स** प्राप्त हुए।

3.1.16 नशा और मादक पदार्थों के दुरुपयोग पर जागरूकता एवं शिक्षा कार्यक्रम

देश एक गंभीर चुनौती का सामना कर रहा है जो है- युवाओं में नशे और मादक पदार्थों के दुरुपयोग की बढ़ती प्रवृत्ति। इस समस्या का प्रभावी ढंग से समाधान करने के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण आवश्यक है और नशे के दुरुपयोग को रोकने तथा प्रारंभिक स्तर पर पहचान सुनिश्चित करने हेतु इस दिशा में व्यापक स्तर पर जागरूकता कार्यक्रमों की तत्काल आवश्यकता है।

माय भारत/एनवाईकेएस नशे और मादक पदार्थों के दुरुपयोग के व्यक्तियों और परिवारों पर पड़ने वाले हानिकारक प्रभावों को समझता है और नशा एवं मादक पदार्थों के दुरुपयोग पर जागरूकता एवं शिक्षा कार्यक्रम संचालित कर रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को नशे के उपयोग के शारीरिक, मानसिक और सामाजिक दुष्प्रभावों के बारे में शिक्षित कर जागरूकता बढ़ाना, सकारात्मक गतिविधियों जैसे कि खेल, कला, सांस्कृतिक कार्यक्रमों और सामुदायिक सेवा में भागीदारी को प्रोत्साहित कर स्वस्थ विकल्पों को बढ़ावा देना, संचार, निर्णय-निर्धारण और समस्या समाधान की क्षमता को बढ़ाकर जीवन कौशल विकासित करना जैसे, कलंक के विरूद्ध आवाज उठाना और युवाओं को साथियों के दबाव का सामना करने तथा लचीलापन विकसित करने में मदद करना, नशे की लत और मादक पदार्थों की समस्या से जूझ रहे व्यक्तियों के प्रति समझ और सहानुभूति को बढ़ावा देकर कलंक तोड़ना तथा उन्हें सहायता लेने के लिए प्रेरित करना और नशा-मुक्त वातावरण बनाने और सहयोगी सेवाएँ उपलब्ध कराने के लिए स्थानीय हितधारकों से सहयोग लेकर सामुदायिक कार्रवाई को सशक्त बनाना।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, माय भारत/एनवाईकेएस ने **758 जिलों** में कार्यक्रम संचालित किया, जिसके अंतर्गत 60,611 युवाओं को प्रशिक्षित किया गया और **4.25 लाख** युवाओं एवं अन्य तक पहुँच बनाई गई।

3.1.17 ब्लॉक स्तर की खेल प्रतियोगिताएं एवं जिला स्तर की खेल प्रतियोगिताएं

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने 29 अगस्त 2019 को राष्ट्रीय खेल दिवस के आवसर पर फिट इंडिया अभियान का शुभारंभ किया ताकि व्यवहारगत परिवर्तन लाया जा सके और शारीरिक रूप से अधिक सक्रिय जीवनशैली को अपनाया जा सके। इसलिए, फिट रहना और बेहतर स्वास्थ्य बनाए रखना राष्ट्र की प्राथमिकता बन गई है।

माननीय प्रधानमंत्री के फिट इंडिया के आह्वान के प्रत्युत्तर में, माय भारत/एनवाईकेएस ब्लॉक स्तर पर खेल प्रतियोगिता कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है जिसका उद्देश्य युवाओं में फिटनेस की संस्कृति को बढ़ावा देना है ताकि वे इसे जीवनशैली के रूप में अपनाएँ। इस कार्यक्रम का थीम था 'स्वस्थ राष्ट्र - समृद्ध राष्ट्र'।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य खेल गतिविधियों के माध्यम से शारीरिक फिटनेस और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता फैलाना, फिट इंडिया फिटनेस क्लबों, विशेष रूप से वॉकिंग फिट इंडिया क्लब, साइक्लिंग फिट इंडिया क्लब, महिला फिट इंडिया क्लब जैसे विशेष क्लबों की स्थापना को बढ़ावा देना, ग्रामीण युवाओं को खेल मिलन में भाग लेने का अवसर प्रदान करना ताकि वे अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें और युवाओं में खेल संस्कृति, खेल भावना, फिटनेस और प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा दिया जा सके।

माय भारत/एनवाईकेएस ने ब्लॉक स्तर खेल प्रतियोगिता के **2812 कार्यक्रम** आयोजित किए जिनमें **4.65 लाख** युवाओं ने भाग लिया और **676 जिला स्तर** खेल प्रतियोगिताएं आयोजित किए गए जिनमें **1.04 लाख** युवाओं ने भाग लिया।

3.1.18 अंतर जिला युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम (आईडीवाईईपी)

जैसा कि हम जानते हैं कि हमारा देश इतना विविध है कि हर 50 किलोमीटर पर भाषा और संस्कृति बदल जाती है। इसलिए, एक ही राज्य के जिलों के बीच मित्रता और आपसी समझ को बढ़ावा देने के लिए, माय भारत/एनवाईकेएस अंतर जिला युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है, जिसका उद्देश्य विचारों और ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देना, विभिन्न जिलों के युवाओं के बीच गहरी समझ विकसित करना और सुव्यवस्थित गतिविधियों एवं संवादों के माध्यम से अनुभवों और कौशलों को साझा करने का एक मंच प्रदान करना है।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न जिलों द्वारा अपनाई गई सफल प्रथाओं को साझा करने की सुविधा प्रदान करना और मेज़बान जिले में माय भारत युवा स्वयंसेवकों की उपलब्धियों को उजागर करना है। यह प्रतिभागी युवाओं और स्थानीय निवासियों के बीच सार्थक संबंध और मित्रता स्थापित करने का प्रयास करता है, साथ ही मेज़बान जिले की परंपराओं, रीति-रिवाजों और सांस्कृतिक विरासत को समझने और सराहने के अवसर भी प्रदान करता है।

माय भारत/एनवाईकेएस ने **89 आईडीवाईईपी** आयोजित किए जिनमें **2241** युवाओं और 169 सहयोगियों ने भाग लिया।

3.1.19 अंतर राज्य युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम (आईएसवाईईपी)

भारत जैसा कोई देश नहीं है, जो इतना विविध, बहुभाषी और बहुसांस्कृतिक है, फिर भी साझा परंपराओं, संस्कृति और मूल्यों के प्राचीन बंधनों से जुड़ा हुआ है। ऐसे बंधनों को विभिन्न क्षेत्रों और जीवनशैलियों के लोगों के बीच निरंतर और सुदृढ़ आपसी संवाद के माध्यम से मजबूत करने की आवश्यकता है ताकि यह पारस्परिकता को प्रोत्साहित करे और भारत जैसे सांस्कृतिक रूप से विशिष्ट देश में विभिन्न राज्यों के लोगों के बीच एक समृद्ध मूल्य प्रणाली के रूप में एकता सुनिश्चित करे।

माय भारत/एनवाईकेएस अंतर राज्य युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का आयोजन कर रहा है जिसका उद्देश्य भाषा सीखने, भोजन साझा करने और सुव्यवस्थित गतिविधियों जैसे विभिन्न माध्यमों से सांस्कृतिक आदान-प्रदान को सुगम बनाना और विभिन्न राज्यों के युवाओं के बीच समझ को बढ़ाना है।

माय भारत/एनवाईकेएस ने **58 आईएसवाईईपी** आयोजित किए जिनमें **1428** युवाओं और 107 सहयोगियों ने भाग लिया।

3.1.20 दिनांक 5 दिसम्बर 2024 को विश्व स्वयंसेवक दिवस का आयोजन

विश्वभर में स्वयंसेवकों के योगदान को मान्यता देने हेतु प्रति वर्ष 5 दिसम्बर को विश्व स्वयंसेवक दिवस मनाया जाता है।

माय भारत/एनवाईकेएस ने इस दिन 456 गतिविधियों का आयोजन किया, जिसमें 21,605 युवाओं और अन्य लोगों ने भाग लिया।

3.1.21 दिनांक 25 दिसम्बर 2024 को सुशासन दिवस का आयोजन

भारत सरकार ने 25 दिसम्बर, भारत रत्न एवं भारत के पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती को सुशासन दिवस घोषित किया है ताकि शासन में पारदर्शिता, जवाबदेही और नागरिक सहभागिता को विशेष रूप से युवाओं के मध्य बढ़ावा दिया जा सके।

माय भारत/एनवाईकेएस ने इस दिवस को 555 गतिविधियों का आयोजन कर मनाया, जिसमें 25,138 युवाओं और अन्य लोगों ने भाग लिया।

3.1.22 राष्ट्रीय युवा दिवस

माय भारत/एनवाईकेएस ने 12 जनवरी 2025 को स्वामी विवेकानंद जी की जयंती पर भारतीय समाज के उत्थान और युवाओं को जागृत करने की दिशा में स्वामी विवेकानंद के योगदान को सम्मानित करते हुए पूरे देश में राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया।

एनवाईकेएस द्वारा देशभर में विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया जैसे कि माननीय प्रधानमंत्री के संदेश की लाइव स्ट्रीमिंग, स्वामी विवेकानंद के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करना, स्वामी विवेकानंद के जीवन और संदेश पर अभिमुखीकरण एवं जागरूकता कार्यक्रम, ज्ञान प्रतियोगिताएँ, स्वामी विवेकानंद के दर्शन और शिक्षाओं पर वाद-विवाद प्रतियोगिता और अन्य गतिविधियाँ।

कुल **22.22 लाख लोगों** ने माननीय प्रधानमंत्री का संदेश लाइव स्ट्रीमिंग के माध्यम से देखा और कुल **3917 गतिविधियों** का आयोजन किया गया जिनमें 2.38 लाख युवा स्वयंसेवकों और अन्य लोगों ने भाग लिया तथा 24.61 लाख युवाओं और अन्य तक पहुँच बनाई गई।

3.1.23 सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान और सड़क यातायात हेतु स्वयंसेवा

सड़क दुर्घटनाओं के बढ़ते मामलों, अनेक लोगों की मृत्यु तथा मृतक/घायल व्यक्तियों के परिवारों पर पड़ने वाले आर्थिक बोझ सहित अन्य परिणामों को ध्यान में रखते हुए, माय भारत/एनवाईकेएस ने ट्रैफिक पुलिस विभाग के सहयोग से 17 से 23 जनवरी 2025 तक पूरे देश में एक जागरूकता अभियान चलाया जिसमें माय भारत युवा स्वयंसेवकों ने तीन स्तरों यथा 10 महानगरीय क्षेत्रों, 40 बड़े शहरी क्षेत्रों और 752 जिलों में बड़ी संख्या में सहभागिता की।

उपरोक्त कार्यक्रम का उद्देश्य ट्रैफिक पुलिस विभाग के साथ समन्वय स्थापित करना था ताकि युवाओं को सड़क सुरक्षा मानकों पर प्रशिक्षण प्राप्त करने का अवसर दिया जा सके, ट्रैफिक पुलिस विभाग के साथ सहयोग को सुगम बनाया जा सके और प्रशिक्षित माय भारत स्वयंसेवकों को 17 से 23 जनवरी 2025 तक आयोजित सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान के दौरान यातायात प्रबंधन का हिस्सा बनाया जा सके।

आयोजित कार्यक्रमों का विवरण इस प्रकार है:

(i) महानगरीय शहर (10):

- आयोजित प्रशिक्षणों की संख्या: 22
- प्रशिक्षित स्वयंसेवकों की संख्या: 16,630
- कवर किए गए ट्रैफिक प्वाइंट्स: 593
- तैनात स्वयंसेवकों की संख्या: 50,746

(ii) शहरी शहर (40):

- आयोजित प्रशिक्षणों की संख्या: 76
- प्रशिक्षित स्वयंसेवकों की संख्या: 12,481
- कवर किए गए ट्रैफिक प्वाइंट्स: 767
- तैनात स्वयंसेवकों की संख्या: 27,260

(iii) जिले (752):

- आयोजित प्रशिक्षणों की संख्या: 731
- प्रशिक्षित स्वयंसेवकों की संख्या: 20,142
- कवर किए गए ट्रैफिक प्वाइंट्स: 7,853
- तैनात स्वयंसेवकों की संख्या: 1,12,324

इस प्रकार से कुल **829** प्रशिक्षण आयोजित किए गए, **49,253** स्वयंसेवकों को प्रशिक्षित किया गया, **9,220** ट्रैफिक प्वाइंट्स को कवर किया गया और **1,90,410** स्वयंसेवकों की तैनाती की गई।

3.1.24 सीमावर्ती क्षेत्र युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम

सीमावर्ती क्षेत्र युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का उद्देश्य सीमावर्ती और गैर- सीमावर्ती जिलों के युवाओं के बीच की दूरी को कम करना, अंतर-सांस्कृतिक संवाद को बढ़ावा देना, राष्ट्रीय एकीकरण को सुदृढ़ करना और शांति को प्रोत्साहित करना है। युवाओं को सीमावर्ती क्षेत्र के गाँवों का दौरा करने और सीमावर्ती गाँवों के लोगों से संवाद करने का अवसर प्रदान करके यह पहल विभिन्न पृष्ठभूमियों से आने वाले युवाओं को भारत की सामाजिक-आर्थिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय विविधता को समझने और सराहने में सक्षम बनाती है।

सीमावर्ती क्षेत्र युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को अपने-अपने राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में राष्ट्रीय एकता, अखंडता और शांति स्थापना के पक्षधर बनने के लिए तैयार करना और संवेदनशील बनाना है, युवाओं को एक-दूसरे की संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों के बारे में सीखने का मंच प्रदान करना, विविधता के प्रति सहिष्णुता, सम्मान और सराहना को बढ़ावा देना, प्रतिभागियों को उनके

विकास और अर्थपूर्ण जीवन जीने हेतु सशक्त करने के लिए विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में जानने का अवसर प्रदान करना, देश के सांस्कृतिक, औद्योगिक, ऐतिहासिक, धार्मिक और शैक्षिक महत्व के विभिन्न स्थानों का भ्रमण कराना और प्रतिभागियों को ऐसा ज्ञान विकसित करने में मदद करना शामिल है जिससे वे अपने परिवेश, भ्रांतियों, अंतरालों और परिस्थितियों को समझ सकें जो उनके क्षेत्रों में विद्यमान हैं।

रिपोर्टिंग अवधि के दौरान एनवाईकेएस ने **47 सीमा क्षेत्र युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम** आयोजित किए जिनमें **1141 युवाओं** और 50 सहयोगियों ने भाग लिया।

3.2 युवा विकास एवं सशक्तिकरण के लिए अन्य मंत्रालयों के सहयोग एवं वित्तपोषण से परियोजनाएं

3.2.1 वामपंथी उग्रवाद आदिवासी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम (गृह मंत्रालय, भारत सरकार):

कार्यक्रम का उद्देश्य वामपंथी उग्रवाद से पीड़ित आदिवासी युवाओं को देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के बारे में जागरूक करना, उन्हें विविधता में एकता की अवधारणा की सराहना करने में सक्षम बनाना, उन्हें देश के विभिन्न भागों में विकास गतिविधियों और तकनीकी/औद्योगिक उन्नति से अवगत कराना, तथा मूल जीवन कौशलों के बारे में उनकी समझ को बढ़ाकर उनके व्यक्तित्व का विकास करना, उनकी कौशल विकास आवश्यकताओं की पहचान करना तथा आवश्यक कैरियर परामर्श प्रदान भी करना था।

रिपोर्टिंग अवधि के दौरान, एनवाईकेएस ने 24 जनजातीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम आयोजित किए। इनमें बेंगलुरु में 02 कार्यक्रम, उत्तर दिल्ली, पूर्वी दिल्ली, अहमदाबाद, सूरत, गुरुग्राम, कोचीन, तिरुवनंतपुरम, पुणे, लखनऊ, चेन्नई, उत्तर-पश्चिम दिल्ली, जयपुर, गौतमबुद्ध नगर, कोलकाता (उत्तर), विशाखापट्टनम, मुंबई में 02 कार्यक्रम, ठाणे, भुवनेश्वर, हैदराबाद, चंडीगढ़ और वाराणसी में कार्यक्रम शामिल थे। इन कार्यक्रमों में 18 से 22 वर्ष आयु वर्ग के 4,788 युवाओं ने 416 सहयोगियों के साथ भाग लिया। ये जनजातीय युवा छत्तीसगढ़, झारखंड, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और ओडिशा के 12 वामपंथी उग्रवाद प्रभावित जिलों से चुने गए थे।

कार्यक्रम के दौरान आयोजित प्रमुख गतिविधियों में स्रोत व्यक्तियों द्वारा व्याख्यान, भाषण प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम, एक्सपोजर विजिट, प्रभात फेरी, स्वतंत्रता सेनानियों पर फिल्म/वीडियो प्रदर्शन, स्वच्छ भारत अभियान, विषयगत चर्चा/सेमिनार, योग, गणमान्य व्यक्तियों, प्रतिष्ठित हस्तियों और युवा पेशेवरों के साथ परस्पर चर्चा सत्र, उद्योग भ्रमण आदि शामिल थे।

3.2.2 गृह मंत्रालय की वित्तीय सहायता से कश्मीरी युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम:

यह कार्यक्रम गृह मंत्रालय, भारत सरकार के जम्मू, कश्मीर और लद्दाख प्रभाग के सहयोग से आयोजित किया गया था। इसका उद्देश्य कश्मीरी युवाओं को देश के विभिन्न राज्यों में हुई प्रौद्योगिकीय और औद्योगिक उन्नति से परिचित कराना था, जिसमें विभिन्न विकास कार्यों, कौशल विकास, शिक्षा और रोजगार के अवसरों की उपलब्धता पर ध्यान केंद्रित किया गया था। साथ ही, यह समझ विकसित करना भी एक उद्देश्य था कि वे अपने परिवेश, भ्रामक धारणाओं, व्याप्त अंतरालों और कश्मीर घाटी में मौजूद स्थितियों को समझ सकें।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत, रिपोर्टिंग अवधि के दौरान एनवाईकेएस ने खोरदा, अजमेर, वडोदरा, पणजी, गुंटूर, तिरुवनंतपुरम, चेन्नई, केंद्रीय दिल्ली, मोहाली, ग्वालियर, हैदराबाद, मुंबई, गुरुग्राम, गाज़ियाबाद, मैसूर, प्रयागराज, जोधपुर, उदयपुर, मेरठ, मुजफ्फरपुर, सूरत, फरीदाबाद, नैनीताल, रायपुर, लुधियाना, जमशेदपुर, गांधीनगर, नांगलोई, धनबाद और कटक में 30 कार्यक्रम आयोजित किए, जिनमें 18 से 22 वर्ष आयु वर्ग के **3,438 युवाओं** ने **346 टीम लीडरों** के साथ भाग लिया। इन प्रतिभागियों को कश्मीर की घाटी के छह जिलों—अनंतनाग, कुपवाड़ा, बारामुला, बडगाम, श्रीनगर और पुलवामा—से चुना गया था।

कार्यक्रमों के दौरान आयोजित कार्यकलाप में व्याख्यान श्रृंखला, उद्योग भ्रमण, कश्मीर घाटी की कलाकृतियों और स्थानीय उत्पादों की प्रदर्शनी, खाद्य महोत्सव, सर्वोत्तम परिपाटियों को साझा करना, संस्कृति और रीति-रिवाज, भाषा सीखना, करियर मार्गदर्शन, आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत 'एकता' विषय के अंतर्गत गतिविधियां, देशभक्ति और राष्ट्र निर्माण कार्यक्रम, सांस्कृतिक कार्यक्रम और उच्च शिक्षा के स्थानों (शैक्षिक संस्थाओं) तथा ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व के स्थानों का दौरा शामिल था।

3.3 अन्य महत्वपूर्ण विशेष कार्यक्रम/गतिविधियाँ

3.3.1 मेरा पहला वोट देश के लिए अभियान

मेरा पहला वोट देश के लिए अभियान भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की एक पहल है। शिक्षा मंत्रालय ने भारत निर्वाचन आयोग के परामर्श से विभिन्न गतिविधियों को तैयार किया है, जिनका लक्ष्य निर्वाचन साक्षरता का प्रसार करना है और यह अभियान चुनाव के महत्व और विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र में मतदान के गौरव का प्रतीक है।

एनवाईकेएस ने इस कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जैसे कि मतदाता संकल्प दिलाना, 'मेरा पहला वोट देश के लिए' विषय पर कार्यशाला और सेमिनार तथा ज्ञान प्रतियोगिताएँ जैसे कि वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी, नारा लेखन, निबंध लेखन, डिजिटल सामग्री लेखन और कविता।

एनवाईकेएस द्वारा कुल **3163 गतिविधियों** का आयोजन किया गया जिनमें **1.50 लाख** युवाओं और अन्य लोगों ने भाग लिया।

3.3.2 मतदाता जागरूकता अभियान

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जहां 90 करोड़ से अधिक पात्र मतदाता हैं। तथापि, भारत में ऐतिहासिक रूप से मतदाता मतदान प्रतिशत कम रहा है, जहाँ 2019 के आम चुनाव में केवल 67% पात्र मतदाताओं ने मतदान किया था। यह सुनिश्चित करने के लिए कि प्रत्येक नागरिक को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेने का अवसर मिले, मतदाता शिक्षा और पंजीकरण अभियान आवश्यक हैं।

इसी परिप्रेक्ष्य में, नागरिकों को मतदान और निर्वाचन प्रक्रिया के महत्व के बारे में शिक्षित करके तथा उन्हें लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करके भारत में मतदाता पंजीकरण और टर्नआउट को बढ़ाने के उद्देश्य से एनवाईकेएस ने देश के सभी ब्लॉकों में गहन मतदाता जागरूकता और पंजीकरण अभियान चलाए।

एनवाईकेएस ने इस अभियान के अंतर्गत प्रमुख गतिविधियों का आयोजन किया जैसे कि मतदाता शिक्षा पर कार्यशालाएँ, दीवार चित्रों, पोस्टरों नुक्कड़-नाटक, फ्लैश मॉब के माध्यम से मतदाता जागरूकता अभियान और अन्य बाहरी गतिविधियाँ।

रिपोर्टिंग माह के दौरान एनवाईकेएस ने कुल **2,568 गतिविधियों** का आयोजन किया जिनमें **1.68 लाख युवाओं** और अन्य लोगों ने भाग लिया।

3.3.3 हर घर तिरंगा

एनवाईकेएस ने 9 से 15 अगस्त 2024 तक "जन भागीदारी से जन आंदोलन" की भावना के साथ हर घर तिरंगा अभियान का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत, एनवाईकेएस ने व्यापक अभियान चलाया जिसमें **36,387 गाँवों/कस्बों/शहरों में 15.14 लाख घरों** को कवर किया गया और हर घर तिरंगा कार्यक्रम के बारे में जागरूकता फैलाई गई। इस अभियान में 9.46 लाख युवाओं और अन्य लोगों ने सक्रिय भागीदारी की। युवा स्वयंसेवकों ने इस प्रक्रिया में भारत के 51.29 लाख नागरिकों को अपने घरों पर तिरंगा फहराने के लिए प्रेरित किया और 9 से 15 अगस्त 2024 के बीच **28.07 लाख से अधिक घरों पर तिरंगा फहराया गया।**

3.3.4 स्वतंत्रता दिवस समारोह (आईडीसी) 2024 में एनवाईकेएस की भागीदारी

78वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर 15 अगस्त 2024 को सरकार द्वारा देशभर से विशेष अतिथियों को नई दिल्ली में आयोजित समारोह में आमंत्रित किया गया।

इस अवसर पर, माय भारत पोर्टल पर एनवाईकेएस द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेने वाले और कार्यक्रमों की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले विभिन्न राज्यों के चयनित युवाओं को उनके अभिभावकों सहित स्वतंत्रता दिवस 2024 समारोह में भाग लेने का अवसर प्रदान किया गया। इस प्रकार एनवाईकेएस से कुल 64 युवा और 31 अभिभावक नई दिल्ली में

स्वतंत्रता दिवस 2024 समारोह में सम्मिलित हुए।

3.3.5 पोषण माह 2024

पिछले वर्षों की तरह, एनवाईकेएस ने सितंबर 2024 के महीने में कुपोषण के खिलाफ अभियान में एक मूल्यवान भागीदार के रूप में राष्ट्रीय पोषण माह 2024 मनाया।

राष्ट्रीय पोषण माह 2024 की थीम थे—एनीमिया, विकास की निगरानी, पूरक आहार, पोषण भी पढ़ाई भी और सुशासन के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग।

जिला नेहरू युवा केंद्रों ने जिला प्रशासन, आंगनवाड़ी और आशा कार्यकर्ताओं के सहयोग से युवाओं को प्रेरित किया कि वे गाँववासियों को कुपोषण की समस्याओं, संतुलित आहार के महत्व और पारंपरिक भोजन के बारे में जागरूक करें ताकि प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके।

एनवाईकेएस के तहत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनका विवरण इस प्रकार है:

- एनवाईकेएस ने **671** शपथ गतिविधियों का आयोजन किया जिनमें **19,251** लोगों ने भाग लिया।
- युवाओं और गाँववासियों को पोषण के मुख्य मुद्दों पर जागरूक करने हेतु **777** गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें **24,407** लोगों ने भाग लिया।
- युवाओं और गाँववासियों को मोटे अनाज के लाभों पर जागरूक करने हेतु **749** गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें **20,476** लोगों ने भाग लिया।
- विशिष्ट नागरिकों, ग्राम पंचायत, आंगनवाड़ी, एएनएम और आशा कार्यकर्ताओं के साथ **438** बैठकें आयोजित की गईं, जिनमें **10,199** लोगों ने भाग लिया।
- **1011** अन्य गतिविधियाँ जैसे कि सेमिनार, चर्चाएँ, व्याख्यान, घर-घर अभियान आदि आयोजित किए गए, जिनमें **29,538** लोगों ने भाग लिया।

कुल **1.03 लाख** युवा क्लब सदस्य, गाँववासी आदि उपरोक्त गतिविधियों और सोशल मीडिया सहभागिता के माध्यम से लाभान्वित हुए।

3.3.6 सेवा से सीखें – अस्पतालों में अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम

भारत के युवाओं को स्वास्थ्य सेवाओं को साथ जोड़ने और स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के युवा कार्यक्रम विभाग ने 17 सितम्बर 2024 को माय भारत पहल के अंतर्गत **"सेवा से सीखें"** कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस स्वयंसेवा का उद्देश्य युवाओं को व्यावहारिक शिक्षण अनुभव प्रदान करने के साथ-साथ अस्पतालों में रोगियों को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराना है।

एनवाईकेएस ने देशभर में स्वास्थ्य विभाग/अस्पतालों और युवा स्वयंसेवकों के बीच समन्वय स्थापित किया ताकि सेवा से सीखें – अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न अस्पतालों में स्वयंसेवकों की तैनाती की जा सके।

रिपोर्टिंग अवधि के दौरान कुल **2,918** माय भारत स्वयंसेवकों को विभिन्न अस्पतालों में सेवा से सीखें – अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत तैनात किया गया।

3.3.7 दिनांक 02 से 31 अक्टूबर 2024 तक फिट इंडिया स्वच्छता फ्रीडम रन 5.0

स्वस्थ जीवनशैली के लिए स्वच्छता के महत्व को ध्यान में रखते हुए इस वर्ष फिट इंडिया फ्रीडम रन का आयोजन स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत की थीम के साथ किया गया। एक माह तक चलने वाला फिट इंडिया फ्रीडम रन 5.0 अभियान 31 अक्टूबर 2024 को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर आयोजित एकता दौड़ के साथ संपन्न हुआ।

माय भारत/एनवाईकेएस द्वारा आयोजित प्रमुख गतिविधियों में फिट इंडिया संकल्प दिलाना, युवा क्लबों और अन्य माय भारत स्वयंसेवकों के बीच फिट इंडिया फ्रीडम रन 5.0 की थीम का प्रसार करना, प्लॉग रन और वॉक शामिल थे।

माय भारत/एनवाईकेएस ने फिट इंडिया स्वच्छता फ्रीडम रन 5.0 के अंतर्गत कुल **2,644 गतिविधियों** का आयोजन किया जिनमें **1.74 लाख युवाओं** ने भाग लिया और **2.19 लाख किलोमीटर** की दूरी तय की गई।

3.3.8 भगवान बिरसा मुंडा 'माटी के वीर' पदयात्रा – जशपुर, छत्तीसगढ़

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में माय भारत ने छत्तीसगढ़ सरकार के सहयोग से 13 नवम्बर, 2024 को जशपुर, छत्तीसगढ़ में भगवान बिरसा मुंडा "माटी के वीर" पदयात्रा का आयोजन किया। यह 7 किलोमीटर लंबी पदयात्रा पुराना नगर ग्राउंड से प्रारंभ होकर रंजीता स्टेडियम में संपन्न हुई।

इस पदयात्रा का उद्देश्य भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि अर्पित करना और भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उनके महत्वपूर्ण योगदान को स्मरण करना; भारत, विशेषकर छत्तीसगढ़, की समृद्ध जनजातीय सांस्कृतिक विरासत का उत्सव मनाना; जनजातीय समुदायों द्वारा राष्ट्र हेतु किए गए योगदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना; युवाओं में एकता और एकजुटता की भावना को प्रोत्साहित करना, उन्हें राष्ट्र-निर्माण गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी हेतु प्रेरित करना; युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की पहलों, विशेषकर माय भात प्लेटफ़ॉर्म को प्रदर्शित करना और युवाओं की सहभागिता को बढ़ावा देना था।

इस पदयात्रा में **15,000 से अधिक लोगों** ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिनमें 150 महाविद्यालयों से आए **10,000 से अधिक माय भारत स्वयंसेवक** और अन्य प्रतिभागी सम्मिलित थे।

इस अवसर पर **श्री विष्णु देव साय, माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़ तथा श्री मनसुख मांडविया, माननीय केंद्रीय मंत्री, युवा कार्यक्रम एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार**, भारत सरकार ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। अन्य विशिष्ट अतिथियों में माननीय

उप मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़; 02 माननीय सांसद; 04 माननीय राज्य सरकार के मंत्री; 04 माननीय विधायक तथा छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग के सदस्य शामिल थे।

यह पदयात्रा भगवान बिरसा मुंडा को एक उपयुक्त श्रद्धांजलि सिद्ध हुई, जब उनकी विरासत का उत्सव मनाया गया और युवाओं को एक न्यायपूर्ण एवं समानतापूर्ण समाज के उनके विजन को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया।

3.3.9 सुशासन पदयात्रा – वडनगर, गुजरात

भारत रत्न एवं भारत के पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी की 100वीं जयंती तथा सुशासन दिवस के उपलक्ष्य में, माय भारत ने कमिश्नरेट यूथ सर्विसेज, गुजरात सरकार और जिला प्रशासन, मेहसाणा के सहयोग से 24 दिसम्बर, 2024 को वडनगर, गुजरात में सुशासन पदयात्रा का आयोजन किया। यह 8 किलोमीटर लंबी पदयात्रा तनारीरी ग्राउंड से प्रारंभ होकर तनारीरी मंदिर में संपन्न हुई।

इस पदयात्रा का उद्देश्य पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती मनाना तथा सुशासन दिवस के माध्यम से शासन में पारदर्शिता, जवाबदेही और नागरिक सहभागिता, विशेषकर युवाओं की भागीदारी को बढ़ावा देना था।

इस पदयात्रा में स्थानीय विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों से आए 15,000 से अधिक माय भारत युवा स्वयंसेवकों और अन्य लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस अवसर पर डॉ. मनसुख मांडविया, केंद्रीय मंत्री, युवा कार्यक्रम और खेल तथा श्रम एवं रोजगार; सुश्री रक्षा खडसे, माननीय युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री; तथा श्री हर्ष सांघवी, गृह मंत्री, खेल, युवा कार्यक्रम एवं सांस्कृतिक कार्य मंत्री, गुजरात सरकार ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। अन्य विशिष्ट अतिथियों में श्री ऋषिकेश पटेल, माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, गुजरात सरकार; श्री हरिभाई पटेल, माननीय सांसद; श्री मयंकभाई नायक, माननीय सांसद; तथा श्री भारत सिंह डाबी, माननीय सांसद शामिल थे।

युवाओं की सहभागिता को और गहन करने हेतु अनेक गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें यादगार क्षणों को कैप्चर करने हेतु थीम-आधारित सेल्फी प्वाइंट्स, विशेष रूप से तैयार किए गए स्थल, सरनेम प्वाइंट पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, शैक्षिक प्रदर्शनी और संवादात्मक सत्र सम्मिलित थे। इन आयोजनों में अटल बिहारी वाजपेयी जी के भारत के लोकतांत्रिक चरित्र में योगदान को प्रदर्शित किया गया।

पदयात्रा के दौरान मार्ग में निर्धारित स्थलों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया, जिनका उद्देश्य भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी के जीवन और उनकी विरासत का उत्सव मनाना और इस अवसर पर विकसित भारत 2047 के निर्माण में संवैधानिक मूल्यों के महत्व पर विशेष बल दिया गया। यह पदयात्रा श्री अटल बिहारी वाजपेयी को उनकी अतुलनीय विरासत और लोकतांत्रिक सिद्धांतों के प्रति उनके अटूट समर्पण के लिए एक सच्ची श्रद्धांजलि है।

3.3.10 विजय दिवस पदयात्रा – श्रीभूमि, असम

विजय दिवस के उपलक्ष्य में 15 दिसम्बर, 2024 को विजय दिवस पदयात्रा — एक मानद यात्रा का असम के श्रीभूमि ज़िले में आयोजन किया गया, जो एकता, सशक्तिकरण और सेवा का उत्सव था, यह पदयात्रा केवीके अकबरपुर फार्म से प्रारंभ होकर सुतारकांडी बॉर्डर प्वाइंट तक संपन्न हुई, जो ग्रामीण और शहरी भारत को जोड़ने वाली लगभग 7 किलोमीटर की दूरी की एक सार्थक यात्रा का प्रतीक थी। इस पदयात्रा का आयोजन युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा खेल एवं युवा कल्याण विभाग, असम सरकार तथा श्रीभूमि जिला प्रशासन के सहयोग से किया गया। इस पदयात्रा को जनता, विशेषकर युवाओं को देशभक्ति और राष्ट्र-निर्माण गतिविधियों की ओर प्रेरित करने तथा राष्ट्र की अदम्य भावना का उत्सव मनाने हेतु आयोजित किया गया।

इस कार्यक्रम की शुरुआत माननीय मंत्रियों द्वारा पौधारोपण से हुई। इस अवसर पर उपस्थित माननीय अतिथियों में मुख्य अतिथि के रूप में सुश्री नंदिता गार्लोसा, माननीय मंत्री, खेल एवं युवा कल्याण, असम सरकार तथा श्री कृष्णेंदु पाल, राज्य मंत्री, मत्स्य, पशुपालन, पशु चिकित्सा एवं लोक निर्माण; श्री रंजन दास, राज्यसभा सांसद; श्री कमललक्ष्या डे पुरकायस्थ, विधायक, उत्तर करीमगंज; तथा श्री मिहिर क्रान्ति शोमे, विधायक, उदरबोंड शामिल थे।

इस पदयात्रा में स्थानीय विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और अन्य संस्थानों से लगभग 5000 माय भारत युवा स्वयंसेवकों ने भाग लिया। दिन का समापन मालेगढ़ सिपाही विद्रोह स्मारक और चमन लाल गुप्ता स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुआ, जो अतीत के बलिदानों के प्रति सम्मान और भविष्य की प्रगति के लिए सामूहिक संकल्प का प्रतीक था।

3.3.11 'हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान पदयात्रा' – नई दिल्ली

75वें संविधान दिवस के उपलक्ष्य में, 25 नवम्बर 2024 को माय भारत स्वयंसेवकों ने "हमारा संविधान, हमारा स्वाभिमान" विषय पर आधारित 6 किलोमीटर लंबी पदयात्रा का आयोजन किया। यह पदयात्रा मेजर ध्यानचंद स्टेडियम से प्रारंभ होकर कर्तव्य पथ और इंडिया गेट से होकर गुज़री।

कार्यक्रम की शुरुआत 'एक पेड़ माँ के नाम' पहल से हुई, जिसके अंतर्गत डॉ. मनसुख मांडविया, माननीय केंद्रीय मंत्री, युवा कार्यक्रम और खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्रालय और अन्य माननीय केंद्रीय मंत्रियों ने वृक्षारोपण किया। इस अवसर पर उपस्थित माननीय मंत्रियों में श्री पीयूष गोयल, केंद्रीय मंत्री, वाणिज्य एवं उद्योग; श्री भूपेंद्र यादव, केंद्रीय मंत्री, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन; श्री किरेन रिजिजू, केंद्रीय मंत्री, संसदीय कार्य; श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, केंद्रीय मंत्री, संस्कृति एवं पर्यटन; श्री अर्जुन राम मेघवाल, राज्य मंत्री, विधि एवं न्याय; तथा सुश्री रक्षा निखिल खडसे, राज्य मंत्री, युवा कार्यक्रम एवं खेल शामिल थे।

इस पदयात्रा में प्रमुख युवा आइकन और केंद्रीय मंत्री **सहित 12,025 माय भारत युवा स्वयंसेवकों** ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने इंडिया गेट पर आयोजित संविधान की प्रस्तावना वाचन में भी भाग लिया।

इस कार्यक्रम ने विकसित भारत के निर्माण हेतु संवैधानिक मूल्यों के संरक्षण और संवर्धन में युवाओं की भूमिका पर बल दिया है।

3.3.12 विकसित भारत युवा नेता संवाद – राष्ट्रीय युवा महोत्सव

इस वर्ष के विकसित भारत युवा नेता संवाद के मुख्य उद्देश्य दो प्रमुख लक्ष्यों पर केंद्रित थे। पहला, माननीय प्रधानमंत्री के स्वतंत्रता दिवस संबोधन में दिए गए आह्वान के अनुरूप गैर-राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले 1 लाख युवाओं को इस क्षेत्र में जोड़ने के लिए नए युवा नेताओं को राजनीति में लाना। राष्ट्रीय युवा महोत्सव को नेतृत्व क्षमता वाले युवा प्रतिभाओं की पहचान और उन्हें पोषित करने के लिए डिजाइन किया गया था ताकि उन्हें माननीय प्रधानमंत्री के समक्ष सीधे अपने विचार और विकसित भारत के लिए अपनी दृष्टि साझा करने का मंच मिल सके।

दूसरा, पारदर्शी, लोकतांत्रिक और योग्यता-आधारित चयन प्रणाली के माध्यम से विकसित भारत की दिशा में युवाओं के सार्थक योगदान को सुनिश्चित करना। यह पहल सरकार की अगली पीढ़ी को सशक्त बनाकर भारत की प्रगति एवं विकास को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

विकसित भारत युवा नेता संवाद के अंतर्गत, नेहरू युवा केंद्र संगठन ने जिला स्तर पर युवा उत्सव का आयोजन किया, जिसमें 6 घटक थे, यथा विज्ञान मेला प्रदर्शनी -समूह एवं व्यक्तिगत कार्यक्रम, युवा कलाकार शिविर - चित्रकला, युवा लेखक शिविर -कविता, फोटोग्राफी कार्यशाला, वाद-विवाद प्रतियोगिता और सांस्कृतिक महोत्सव -समूह कार्यक्रम शामिल थे।

कुल **703 जिला स्तरीय युवा उत्सव** आयोजित किए गए, जिनमें **2.23 लाख** से अधिक युवाओं ने भाग लिया।

3.3.13 07 दिसम्बर 2024 से 24 मार्च 2025 तक टीबी उन्मूलन हेतु 100-दिवसीय गहन अभियान के संबंध में युवाओं के मध्य जागरूकता सृजन

भारत को टीबी मुक्त बनाने की प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए, 07 दिसम्बर 2024 से 24 मार्च 2025 तक टीबी उन्मूलन पर 100-दिवसीय गहन अभियान शुरू किया गया है, जिसका उद्देश्य देशभर में टीबी की घटनाओं और मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी लाकर टीबी उन्मूलन द्वारा सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार लाना है।

अभियान के तहत, माय भारत/एनवाईकेएस द्वारा चलाई गई प्रमुख गतिविधियों में निक्षय शपथ (प्रतिज्ञा) दिलाना, युवाओं के बीच निक्षय मित्र के संबंध में जागरूकता उत्पन्न करना और उन्हें निक्षय मित्र के रूप में पंजीकरण कराने के लिए प्रोत्साहित करना और एनवाईकेएस कार्यक्रमों में टीबी संबंधी संदेशों को शामिल करके जागरूकता उत्पन्न करना और सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म्स के माध्यम से अभियान के बारे में जागरूकता फैलाना शामिल था।

माय भारत/ एनवाईकेएस ने अभियान के अंतर्गत 633 गतिविधियाँ आयोजित कीं, जिनमें 32,647 युवाओं और अन्य लोगों ने भाग लिया।

माय भारत/ एनवाईकेएस ने 208 पोस्ट और 22,526 इंप्रेशन दर्ज करके फेसबुक, ट्विटर और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म्स के माध्यम से भी अभियान के बारे में जागरूकता फैलाई।

3.3.14 श्री विजयपुरम, अंडमान एवं निकोबार में पराक्रम दिवस पदयात्रा

पराक्रम दिवस 2025 के अवसर पर, नेताजी सुभाष चंद्र बोस की जयंती के उपलक्ष्य में, 23 जनवरी 2025 को श्री विजयपुरम में माय भारत/ एनवाईकेएस द्वारा अंडमान एवं निकोबार प्रशासन के सहयोग से एक भव्य पदयात्रा का आयोजन किया गया।

इस पदयात्रा में विभिन्न महाविद्यालयों, युवा संगठनों और अन्य संस्थानों से आए **2200 माय भारत युवा स्वयंसेवकों** ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। 4.5 किलोमीटर लंबी यह पदयात्रा फ्लैग प्वाइंट से प्रारंभ होकर नेताजी स्टेडियम में संपन्न हुई।

इस भव्य पदयात्रा को प्रारंभ करने से पूर्व, माननीय युवा कार्यक्रम एवं खेल राज्य मंत्री, श्रीमती रक्षा निखिल खडसे ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना का वाचन कराया। इसके बाद एक शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने राष्ट्रीय अखंडता और राष्ट्र सेवा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की शपथ ली।

यह पदयात्रा नेताजी सुभाष चंद्र बोस के प्रति एक भव्य श्रद्धांजलि है, जो भारत की स्वतंत्रता संग्राम में उनके अतुलनीय योगदान के प्रति हमारे सम्मान का द्योतक है।

3.3.15 महाराष्ट्र में जय शिवाजी जय भारत पदयात्रा

छत्रपति शिवाजी महाराज की जयंती के अवसर पर 19 फरवरी 2025 को माय भारत/ एनवाईकेएस ने महाराष्ट्र राज्य सरकार के सहयोग से महाराष्ट्र के सभी 36 जिलों में जय शिवाजी जय भारत पदयात्रा का आयोजन किया।

पुणे में आयोजित जय शिवाजी जय भारत पदयात्रा का उद्घाटन महाराष्ट्र के माननीय मुख्यमंत्री, श्री देवेंद्र फडणवीस; डॉ. मनसुख मांडविया, माननीय केंद्रीय मंत्री, युवा कार्यक्रम और खेल तथा श्रम एवं रोजगार; श्रीमती रक्षा निखिल खडसे, माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री, युवा कार्यक्रम एवं खेल; तथा श्री मुरलीधर मोहोल, माननीय केंद्रीय राज्य मंत्री, नागरिक उड्डयन द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। पुणे में आयोजित पदयात्रा में 20,000 से अधिक माय भारत युवा स्वयंसेवकों ने छत्रपति शिवाजी महाराज की विरासत के प्रति गहन उत्साह और श्रद्धा प्रदर्शित करते हुए भाग लिया।

महाराष्ट्र राज्य में आयोजित जय शिवाजी जय भारत पदयात्रा कुल 324 किलोमीटर की दूरी तक संपन्न हुई, जिसमें **1.17 लाख** लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतिभागियों में विभिन्न गणमान्य व्यक्ति, विशिष्टजन, माय भारत युवा स्वयंसेवक, सरकारी अधिकारी और स्थानीय समुदाय के सदस्य शामिल थे।

3.3.16 परीक्षा पे चर्चा

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने नई दिल्ली के प्रगति मैदान, मंडपम में छात्रों के साथ परीक्षा पे चर्चा 2025 के एक और संस्करण में संवाद किया। एनवाईकेएस ने इस कार्यक्रम को ई-पोस्टर, इन्फोग्राफिक्स के प्रदर्शन और साझाकरण के माध्यम से तथा एनवाईकेएस सोशल मीडिया हैंडल्स पर #PPC2025 के साथ पीपीसी-2025 पर क्रिएटिव्स/वीडियो द्वारा व्यापक रूप से प्रचारित किया। इसके अतिरिक्त, परीक्षा पे चर्चा 2025 को लोकप्रिय बनाने के लिए सांस्कृतिक गतिविधियाँ, नाटक/नाट्य प्रस्तुति, नारा लेखन और चित्रकला जैसी गतिविधियों का आयोजन करना सुझाया गया। कुल 276 गतिविधियाँ आयोजित की गईं जिनमें 14,406 युवाओं ने भाग लिया। इस कार्यक्रम को **2.33 लाख युवा स्वयंसेवकों** और अन्य प्रतिभागियों ने देखा।

3.3.17 नई दिल्ली में जिला युवा अधिकारियों का राष्ट्रीय सम्मेलन

4 और 5 सितम्बर 2024 को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली में दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें देशभर से एनवाईकेएस के 357 युवा अधिकारियों ने भाग लिया।

डॉ. मनसुख मांडविया, माननीय केंद्रीय मंत्री, युवा कार्यक्रम और खेल तथा श्रम एवं रोजगार ने 4 सितम्बर 2024 को दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया और 5 सितम्बर 2024 को समापन सत्र की अध्यक्षता की। सचिव (युवा कार्यक्रम) और संयुक्त सचिव (युवा कार्यक्रम) ने दोनों दिन सम्मेलन की शोभा बढ़ाई।

इस राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्देश्य युवाओं की गतिशील क्षमता का दोहन करना और उसे राष्ट्रीय प्रगति की दिशा की ओर उन्मुख करना था। सम्मेलन ने भारत की विकास यात्रा, युवा नेतृत्व वाली पहलों और शासन तथा नागरिक सहभागिता में प्रौद्योगिकी की भूमिका जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर समृद्ध संवाद को प्रोत्साहित किया। परस्पर संवाद के सत्रों ने अधिकारियों को विकसित भारत 2047, स्वास्थ्य, माय भारत और विकसित भारत आउटरीच हेतु बजट, सार्वजनिक जीवन में युवाओं की भूमिका, युवा आदान-प्रदान और विज्ञान मेला जैसे विविध विषयों पर नवीन विचारों और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने के लिए प्रेरित किया।

राष्ट्रीय सम्मेलन में साझा किए गए विचार और रणनीतियाँ क्षेत्रीय कार्यालय अधिकारियों को सशक्त बनाने, नेतृत्व प्रदान करने और अवसर सृजित करने के लिए उत्प्रेरक का कार्य करेंगी, जिससे ये अधिकारी हमारे युवाओं को उनकी पूर्ण क्षमता को प्राप्त करने के लिए प्रेरित और मार्गदर्शन कर सकेंगे।

3.4 विकसित भारत युवा संसद 2025

पूर्व राष्ट्रीय युवा संसद महोत्सव को वर्ष 2024-25 में विकसित भारत युवा संसद के रूप में पुनर्गठित किया गया था।

विकसित भारत युवा संसद युवाओं को राष्ट्रीय चर्चाओं में भाग लेने और विकसित भारत@2047 के विजन को आकार देने का एक मंच प्रदान करती है। यह नेतृत्व, नागरिक सहभागिता और नीतिगत चर्चाओं को प्रोत्साहित करती है, जिससे छात्रों को प्रमुख राष्ट्रीय मुद्दों पर विचार-विमर्श करने का अवसर मिलता है।

कोविड-19 के बाद पहली बार सभी जिला नोडल राउंड (301) प्रत्यक्ष रूप से आयोजित किए गए, जिससे अधिक भागीदारी और सीधा संवाद सुनिश्चित हुआ। देश के प्रत्येक राज्य और संघ राज्य क्षेत्र से 75,000 से अधिक युवाओं ने माय भारत पोर्टल के माध्यम से अपनी वीडियो प्रविष्टियाँ प्रस्तुत कीं, जो राष्ट्र के भविष्य को आकार देने के प्रति उनके उत्साह और प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं।

विकसित भारत युवा संसद को तीन प्रमुख चरणों में संरचित किया गया:

जिला नोडल राउंड:

- "वन नेशन, वन इलेक्शन" पर चर्चा 300 जिला नोड्स पर आयोजित व्यापक संवादों के माध्यम से प्रत्येक नगर और गाँव तक पहुँची।
- पात्रता हेतु उम्मीदवारों ने एक मिनट का वीडियो अपलोड किया जिसमें उन्होंने “विकसित भारत आपके लिए क्या अर्थ रखता है?” प्रश्न का उत्तर दिया।

राज्य राउंड:

- 17 राज्य विधानसभाओं में और शेष 18 अन्य सरकारी संस्थानों में आयोजित इन राउंड्स ने युवाओं और शासन के बीच की दूरी को कम करने में ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की।
- सत्रों की अध्यक्षता राज्य विधानसभाओं के अध्यक्षों और राज्यपालों आदि द्वारा की गई, जिससे युवा चर्चाओं को विश्वसनीयता और महत्व मिला।

राष्ट्रीय राउंड (1-3 अप्रैल 2025):

- राष्ट्रीय स्तर पर भागीदारी हेतु प्रत्येक राज्य/संघ राज्य क्षेत्र से शीर्ष 3 उम्मीदवारों (कुल 105 युवा) का चयन किया गया।
- प्रतिभागियों ने उच्च स्तरीय चर्चाओं और गतिविधियों में भाग लिया, जिनमें शामिल थे:

क. उद्घाटन संबोधन

ख. **प्रश्नकाल:** "वन नेशन, वन इलेक्शन" और "विकसित भारत" पर केंद्रित, जिसका समापन एक संकल्प के साथ हुआ।

ग. **मास्टरक्लास:** माननीय सांसद श्री सुधांशु त्रिवेदी द्वारा आयोजित किया गया जिसमें युवाओं को आवश्यक वक्तव्य और नेतृत्व कौशल प्रदान किए गए।

घ. संक्षिप्त चर्चा

ङ. पीएम संग्रहालय भ्रमण: भारत की राजनीतिक यात्रा और नेतृत्व की कहानियों की जानकारी प्रदान की गई।

VIKSIT BHARAT
YOUTH
PARLIAMENT 2025

अध्याय-5: राष्ट्रीय युवा कोर

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने 2010-11 के दौरान राष्ट्रीय युवा कोर नामक एक योजना शुरू की। इस योजना का उद्देश्य अनुशासित और समर्पित युवाओं का एक समूह गठित करना है, जिनमें राष्ट्र निर्माण के कार्य में शामिल होने, समावेशी विकास (सामाजिक और आर्थिक दोनों) को संभव बनाने, समाज में सूचना, बुनियादी ज्ञान के प्रसार के लिए बिंदु के रूप में कार्य करने, समूह मॉडुलेटर और सहकर्मी समूह शिक्षक के रूप में कार्य करने तथा विशेष रूप से लोक नैतिकता, सत्य-निष्ठा और श्रम की गरिमा को बढ़ाने की दिशा में युवा समूहों के लिए रोल मॉडल के रूप में कार्य करने की प्रवृत्ति और भावना हो।

इस योजना के अंतर्गत वर्ष 2024-25 में भारत के 36 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के 771 जिलों में कुल 13,206 स्वयंसेवकों का चयन और तैनाती का लक्ष्य निर्धारित किया गया था। कुछ प्रशासनिक कारणों से केवल 08 राज्यों/ संघ राज्य क्षेत्रों के 137 जिलों से ही चयन किया जा सका। वर्ष 2024-25 के दौरान **कुल 2066 स्वयंसेवकों** की तैनाती की गई है। स्वयंसेवकों के चयन हेतु डीएम/डीसी की अध्यक्षता में एक चयन समिति गठित की जाती है।18-29 वर्ष की आयु के स्वयंसेवकों को अधिकतम 2 वर्ष की अवधि के लिए ही तैनात किया जाता है। प्रत्येक स्वयंसेवक को अक्टूबर, 2016 से 5000/- रुपये मासिक मानदेय के रूप में दिया जाता है। इससे पहले प्रत्येक स्वयंसेवक को केवल 2500/- रुपये मासिक मानदेय दिया जाता था। ये स्वयंसेवक युवा क्लब के सदस्यों और संबंधित एनवाईके/विभिन्न अन्य विभागों के बीच कड़ी का काम करते हैं।

स्वयंसेवक एनवाईकेएस के मुख्य कार्यक्रमों, विशेष कार्यक्रमों और समन्वय गतिविधियों को लागू करने के अलावा गांवसमुदाय स्तर पर/ युवा क्लबों को प्रेरित और पुनर्जीवित करनेका कार्य करने में सक्रिय रूप से शामिल थे।

अध्याय-6 : राष्ट्रीय सेवा योजना

1. परिचय:

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) की शुरुआत 1969 में स्वैच्छिक सामुदायिक सेवा के माध्यम से छात्र युवाओं के व्यक्तित्व और चरित्र को विकसित करने के मुख्य उद्देश्य से की गई थी। 'सेवा के माध्यम से शिक्षा' एनएसएस का उद्देश्य है। एनएसएस का वैचारिक आधार महात्मा गांधी के आदर्शों से प्रेरित है। उपयुक्त रूप से एनएसएस का आदर्श वाक्य है, "स्वयं से पहले आप"। एनएसएस स्वयंसेवक 'स्वयं' से पहले 'समुदाय' को प्राथमिकता देता है।

2. एनएसएस योजना के उद्देश्य:

एनएसएस का उद्देश्य स्वयंसेवकों में निम्नलिखित गुण/क्षमताएं विकसित करना है:

क. एनएसएस स्वयंसेवक जिस समुदाय में काम करते हैं, उसे समझना और अपने समुदाय के संबंध में खुद को समझना;
ख. समुदाय की जरूरतों और समस्याओं की पहचान करना और समस्या-समाधान अभ्यास में खुद को शामिल करना;
ग. आपस में सामाजिक और नागरिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना;
घ. व्यक्तिगत और सामुदायिक समस्याओं के व्यावहारिक समाधान खोजने में अपने ज्ञान का उपयोग करना;
ङ. सामुदायिक भागीदारी को संगठित करने में कौशल हासिल करना;
च. नेतृत्व के गुण और लोकतांत्रिक मूल्य हासिल करना;
छ. आपात स्थितियों और प्राकृतिक आपदाओं का सामना करने की क्षमता विकसित करना; और
ज. राष्ट्रीय एकीकरण और सामाजिक सद्भाव का अभ्यास करना।

एनएसएस 'परिसर और समुदाय', 'कॉलेज और गांव' तथा 'ज्ञान और कार्रवाई' के बीच महत्वपूर्ण संबंध स्थापित करने का प्रयास करता है।

राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) 1969 में शुरू की गई थी। यह 37 विश्वविद्यालयों और लगभग 40,000 स्वयंसेवकों के साथ शुरू हुई थी। आज, इसका काफी विस्तार हो चुका है, जो 700 से अधिक विश्वविद्यालयों और 751 +2 परिषदों/निदेशालयों तक पहुँच चुका है। एनएसएस में अब 20,254 कॉलेज और तकनीकी संस्थान, साथ ही 11,767 वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय शामिल हैं, जिनमें कुल 39,87,781 स्वयंसेवक नामांकित हैं। अपनी स्थापना के बाद से, एनएसएस ने 7.4 करोड़ से अधिक छात्रों को लाभान्वित किया है।

3. एनएसएस की मूल कार्यक्रम संरचना:

एनएसएस को वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों, महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में कार्यान्वित किया जा रहा है। एनएसएस के डिजाइन में यह परिकल्पना की गई है कि योजना के अंतर्गत आने वाले प्रत्येक शैक्षिक संस्थान में कम से कम एक एनएसएस इकाई होगी जिसमें 100 छात्र स्वयंसेवक (कुछ मामलों में कम संख्या) होंगे, जिसका नेतृत्व कार्यक्रम अधिकारी (पीओ) के रूप में नामित एक शिक्षक द्वारा किया जाएगा। प्रत्येक एनएसएस इकाई अपनी गतिविधियों को शुरू करने के लिए किसी गाँव या झुग्गी-बस्ती को अपनाती है। एनएसएस स्वयंसेवक को निम्नलिखित कार्य करने होते हैं:

क. नियमित एनएसएस गतिविधि: प्रत्येक एनएसएस स्वयंसेवक को दो वर्षों के लिए प्रति वर्ष कम से कम 120 घंटे सेवा देनी होती है, अर्थात कुल 240 घंटे। यह कार्य एनएसएस इकाई द्वारा अपनाए गए गाँवों/झुग्गी बस्तियों में या स्कूल/कॉलेज परिसरों में, आमतौर पर अध्ययन के घंटों के बाद या सप्ताहांत/छुट्टियों के दौरान किया जाता है। प्रथम वर्ष के दौरान, 20 घंटे (कुल 120 घंटों में से) एनएसएस स्वयंसेवकों के अभिमुखीकरण के लिए निर्धारित किए गए हैं, ताकि उन्हें व्याख्यान, चर्चा, क्षेत्र भ्रमण, दृश्य-श्रव्य उपकरणों आदि के माध्यम से एनएसएस की मूल बातों से परिचित कराया जा सके।

ख. **विशेष शिविर कार्यक्रम:** प्रत्येक एनएसएस इकाई छुट्टियों के दौरान गोद लिए गए गांवों/शहरी झुग्गी-झोपड़ियों में 7 दिनों की अवधि का एक विशेष शिविर आयोजित करती है, जिसमें स्थानीय समुदायों को शामिल करके कुछ विशिष्ट परियोजनाएँ चलाई जाती हैं। प्रत्येक स्वयंसेवक को 2 वर्ष की अवधि के दौरान एक बार विशेष शिविर में भाग लेना आवश्यक है। इस प्रकार, एक इकाई में लगभग 50% एनएसएस स्वयंसेवक एक विशेष शिविर में भाग लेते हैं।

4. **एनएसएस के तहत किए गए गतिविधियों की प्रकृति:** एनएसएस के तहत की जा रही गतिविधियों को व्यापक रूप से दो श्रेणियों में वर्गीकृत किया जा सकता है, जो इस प्रकार हैं:

i. **मुख्य गतिविधियाँ:** एनएसएस के अंतर्गत गतिविधियाँ समुदाय की आवश्यकताओं के अनुरूप विकसित होती रहती हैं। एनएसएस के अंतर्गत की जाने वाली कुछ गतिविधियों की सूची इस प्रकार है:

क) शिक्षा: वयस्क साक्षरता, स्कूल-पूर्व शिक्षा, स्कूल छोड़ने वाले बच्चों की सतत शिक्षा, सामाजिक बुराइयों के उन्मूलन पर कार्यक्रम, आदि।
ख) स्वास्थ्य, परिवार कल्याण और पोषण: टीकाकरण, रक्तदान, स्वास्थ्य शिक्षा, एड्स जागरूकता, आदि।
ग) पर्यावरण संरक्षण: वृक्षारोपण और उनका संरक्षण/रखरखाव, गलियों, नालियों आदि की सफाई और रखरखाव।
घ) सामाजिक सेवा कार्यक्रम: अस्पतालों, विकलांग व्यक्तियों के लिए संस्थानों, अनाथालयों, वृद्धाश्रमों, महिला कल्याण संस्थानों आदि में कार्य।
ङ) महिलाओं की स्थिति में सुधार के लिए कार्यक्रम: महिलाओं के अधिकारों के बारे में जागरूकता पैदा करना, महिलाओं को कौशल प्रशिक्षण प्रदान करना, आदि।
च) उत्पादन-उन्मुख कार्यक्रम: लोगों को बेहतर कृषि पद्धतियों के बारे में शिक्षित करना, पशु संसाधन विकास में मार्गदर्शन, आदि।
छ) आपदा राहत और पुनर्वास: बचाव और राहत कार्यों में स्थानीय अधिकारियों के साथ काम करना।

5. **एनएसएस के अंतर्गत अन्य गतिविधियाँ/कार्यक्रम:** मुख्य गतिविधियों के अतिरिक्त, एनएसएस के अंतर्गत विभिन्न अन्य गतिविधियाँ भी संचालित की जाती हैं। उदाहरण के लिए:-

क) गणतंत्र दिवस परेड शिविर में भागीदारी।
ख) साहसिक गतिविधियों में भागीदारी।
ग) पूर्वोत्तर एनएसएस महोत्सवों का आयोजन।
घ) एनएसएस स्वयंसेवकों के लिए आत्मरक्षा प्रशिक्षण।
ङ) राष्ट्रीय एकता शिविर।
च) महिला बाल विकास मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय, पेयजल एवं स्वच्छता मंत्रालय आदि जैसे संबंधित मंत्रालयों के कार्यक्रम।

6. **प्रशासनिक संरचना:**

किसी संस्थान में प्रत्येक एनएसएस इकाई का नेतृत्व एक शिक्षक द्वारा किया जाता है, जिसे कार्यक्रम अधिकारी (पीओ) के रूप में नामित किया जाता है, जो अपने अधीन एनएसएस इकाई के लिए शिक्षक, आयोजक, समन्वयक, पर्यवेक्षक, प्रशासक और जनसंपर्क व्यक्ति के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

विश्वविद्यालय स्तर पर, विश्वविद्यालय और उसके संबद्ध कॉलेजों में सभी एनएसएस इकाइयों के संबंध में एनएसएस गतिविधियों के समन्वय के लिए एक एनएसएस सेल और एक नामित कार्यक्रम समन्वयक (पीसी) है। इसी तरह, वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों के संबंध में, एनएसएस सेल वरिष्ठ माध्यमिक शिक्षा निदेशालय में स्थित है।

राज्य स्तर पर, उच्च शिक्षा/युवा कार्यक्रम और खेल विभाग में स्थित एक राज्य एनएसएस सेल है जो एनएसएस इकाइयों को अनुदान जारी करने को नियंत्रित करता है। रीडर/एसोसिएट प्रोफेसर स्केल में राज्य सरकार से प्रतिनियुक्ति पर एक राज्य एनएसएस अधिकारी (एसएनओ) होता है, जो राज्य एनएसएस सेल की गतिविधियों और कार्यों को देखता है। राज्य एनएसएस सेल का पूरा खर्च भारत सरकार द्वारा वहन किया जाता है।

राष्ट्रीय स्तर पर एनएसएस का एक निदेशालय है, जो अहमदाबाद, बैंगलोर, भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, चेन्नई, दिल्ली, गुवाहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कोलकाता, लखनऊ, पटना, पुणे और तिरुवनंतपुरम में स्थित 15 क्षेत्रीय निदेशालयों के माध्यम से कार्य करता है।

उपर्युक्त के अतिरिक्त, एनएसएस पदाधिकारियों को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय, राज्य, विश्वविद्यालय और संस्थान स्तर पर सलाहकार समितियां हैं, जिनमें आधिकारिक और गैर-आधिकारिक सदस्य शामिल हैं।

- **वित्तपोषण तंत्र:**

  वर्तमान में, एनएसएस के मुख्य कार्यकलाप चलाने के लिए नियमित एनएसएस गतिविधियों के लिए प्रति स्वयंसेवक 400 रुपये प्रति वर्ष और विशेष शिविर गतिविधियों के लिए प्रति स्वयंसेवक 700 रुपये (किसी वर्ष विशेष में स्वयंसेवकों का 50%) की दर से वित्त पोषण किया जाता है। सभी निधियों का उपयोग एनएसएस गतिविधियों को चलाने के लिए किया जाता है और किसी भी स्वयंसेवक को नकद भुगतान नहीं किया जाता है। कुल प्रावधान में से, एनएसएस से जुड़े शैक्षिक संस्थाओं में स्थापना लागत भी नियमित गतिविधियों के कोष से पूरी की जानी होती है।

  एनएसएस को 2015-16 तक एक केंद्र प्रायोजित योजना के रूप में लागू किया गया था। लेकिन, 01.04.2016 से इसे केंद्रीय क्षेत्र की योजना के रूप में लागू किया जा रहा है।

- **<u>स्व-वित्तपोषित इकाइयाँ (एसएफयू):</u>**

  विभाग ने एनएसएस की स्व-वित्तपोषित इकाइयों की स्थापना के लिए एक तंत्र शुरू किया है ताकि एनएसएस का विस्तार पर्याप्त सरकारी वित्त पोषण की कमी से बाधित न हो। इस तंत्र के तहत स्थापित इकाइयों को किसी भी अन्य एनएसएस इकाई के समान दर्जा प्राप्त है। एकमात्र अंतर यह है कि इन इकाइयों को इकाई स्थापित करने वाली संस्थाओं द्वारा वित्त पोषित किया जाता है। अब तक एनएसएस की 3556 स्व-वित्तपोषित इकाइयां स्थापित की गई हैं, जिनमें 350449 स्वयंसेवक शामिल हैं।

7. वर्ष 2024-25 के लिए निष्पादन रिपोर्ट:

<u>गांवों/ मलिन बस्तियों को गोद लेना:</u> एनएसएस इकाइयों ने समुदाय में विभिन्न सामाजिक गतिविधियों के लिए 33397 गांवों/ मलिन बस्तियों को गोद लिया।

<u>एनएसएस विशेष शिविरों का आयोजन:</u> विशेष शिविर एनएसएस का अभिन्न अंग हैं, जिसमें स्वयंसेवकों को ग्रामीण लोगों के साथ घुलने-मिलने, उनके रहन-सहन को समझने, सात दिनों तक उनके साथ रहने और विभिन्न विकासात्मक गतिविधियों को अंजाम देने का अवसर मिलता है। इस वर्ष अब तक 18993 विशेष शिविरों का आयोजन किया जा चुका है, जिसमें 933639 स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के अंतर्गत पौधारोपण: "एक पेड़ माँ के नाम" अभियान के तहत पौधारोपण और उनका रखरखाव एनएसएस की सबसे लोकप्रिय गतिविधियों में से एक है। सरकारी भवन, पार्क, विश्वविद्यालय/महाविद्यालय परिसर, सड़क किनारे पौधारोपण और वन क्षेत्र जैसे विभिन्न स्थानों पर कुल 46,84,588 पौधे लगाए गए।

रक्तदान: एनएसएस स्वयंसेवक देश में गरीबों, जरूरतमंदों और अस्पतालों में आपातकालीन मामलों के दौरान रक्तदान करने के लिए हमेशा सबसे आगे रहते हैं। नियमित कार्यक्रम के अंतर्गत, अधिकांश एनएसएस इकाइयाँ भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, सरकारी अस्पतालों और रक्त बैंकों के सहयोग से रक्तदान शिविरों का आयोजन करती हैं। अधिकांश विश्वविद्यालय/संस्थाएँ एनएसएस के स्वैच्छिक रक्तदाताओं की एक निर्देशिका रखती हैं, जिनसे ज़रूरत के समय संपर्क किया जा सकता है। पूरे भारत में एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा कुल 161673 यूनिट रक्तदान किया गया।

पल्स पोलियो टीकाकरण: एनएसएस ने पल्स पोलियो टीकाकरण कार्यक्रम के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाया। एनएसएस स्वयंसेवकों ने पूरे देश में बच्चों को पल्स पोलियो की दवा पिलाने में स्थानीय प्रशासन की मदद की। पल्स पोलियो टीकाकरण के लिए बच्चों को एकत्र करने में कुल 39319 एनएसएस स्वयंसेवक शामिल थे और इस कार्यक्रम से 101645 बच्चे लाभान्वित हुए।

स्वास्थ्य/नेत्र/टीकाकरण शिविर: अपनाए गए गांवों में स्वास्थ्य, नेत्र और टीकाकरण शिविरों के आयोजन में एनएसएस इकाइयों ने सक्रिय भूमिका निभाई। वे सामान्य स्वास्थ्य शिविर, कैंसर जागरूकता और जांच शिविर, अंधापन नियंत्रण शिविर आदि के आयोजन के लिए विशेषज्ञों को जुटाते हैं और सामान्य दवा भी एकत्र करते हैं। इस क्रम में 12167 शिविर आयोजित किए गए, जिनमें 559403 एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

जागरूकता कार्यक्रम/रैली/अभियान: नियमित गतिविधि के एक भाग के रूप में देश भर में एनएसएस इकाइयों ने समुदाय से संबंधित मुद्दों पर जागरूकता कार्यक्रम/रैली/अभियान आयोजित किए, 2024-25 में कुल 152287 जागरूकता कार्यक्रम/रैली/अभियान आयोजित किए गए, जिनमें 7772280 स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

<u>आत्मरक्षा प्रशिक्षण</u>: देश भर में संबंधित एनएसएस इकाइयों के माध्यम से 19906 एनएसएस बालिका स्वयंसेवकों को आत्मरक्षा प्रशिक्षण दिया गया।

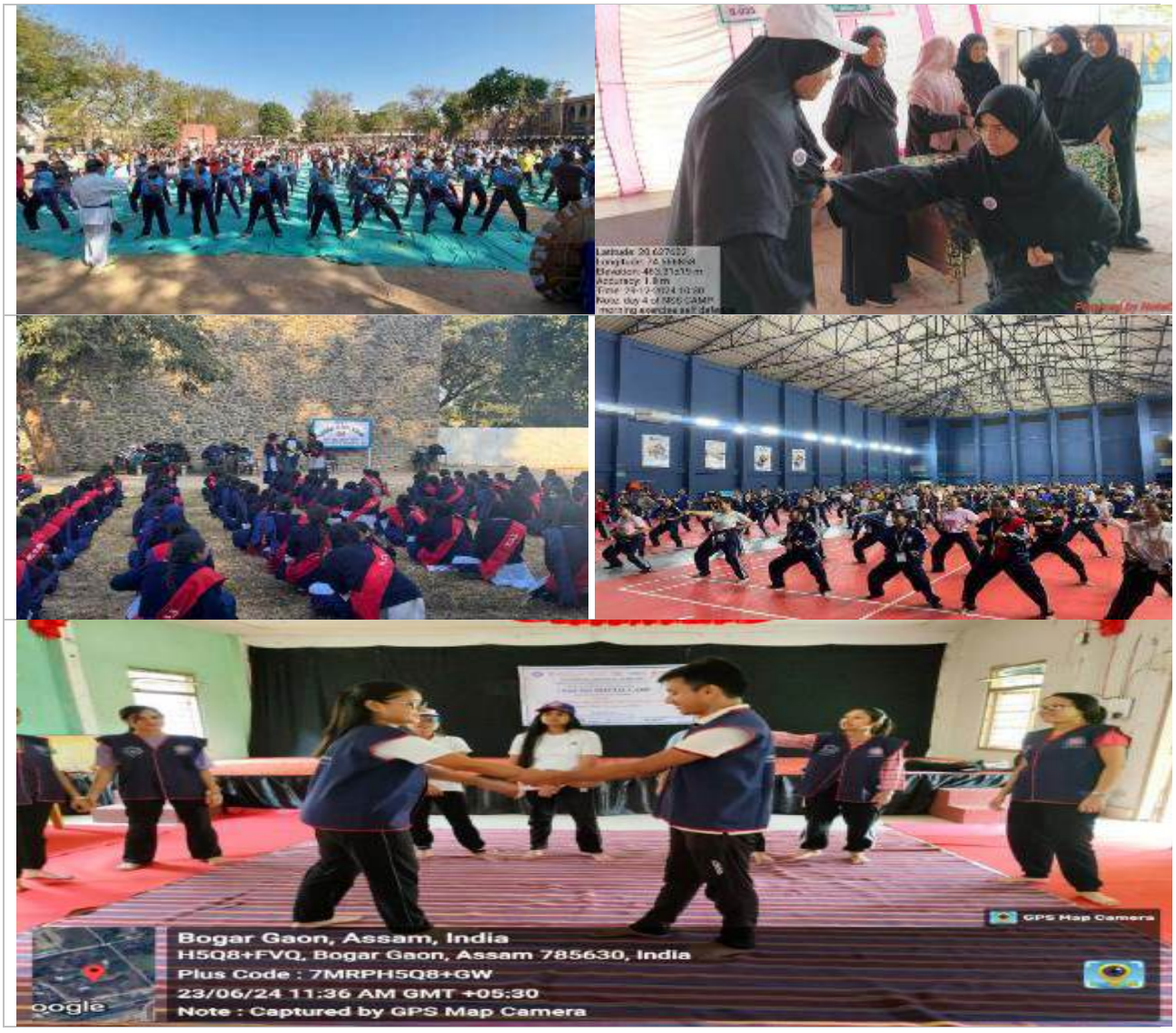

श्रमदान: राष्ट्रीय सेवा योजना के एक अभिन्न अंग के रूप में एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा 5373904 घंटे श्रमदान किया गया।

मतदाता जागरूकता अभियान: राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजित मतदाता जागरूकता अभियान के दौरान कुल 39,15,538 स्वयंसेवकों ने 1,00,175 गतिविधियों में भाग लिया। इसके अतिरिक्त 36,11,376 व्यक्तियों ने मतदान करने की शपथ ली, जिससे अभियान सफल हुआ।

माय भारत और डिजिटल साक्षरता प्रशिक्षण: माय भारत अनुभाग के सहयोग से एनएसएस द्वारा केआई पंजीकरण, स्वयंसेवक पंजीकरण, सीवी निर्माण, कार्यक्रम सृजन और सार्वजनिक प्रोफ़ाइल प्रशिक्षण हेतु आयोजित 240 माय भारत प्रशिक्षण कार्यक्रमों में कुल 42,943 एनएसएस कार्यक्रम अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया।

<u>विश्व पर्यावरण दिवस:</u> एनएसएस इकाइयों ने **5** जून, **2024** को पूरे देश में विश्व पर्यावरण दिवस मनाया, जिसमें **5,33,675** एनएसएस स्वयंसेवकों ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया।

<u>विश्व रक्तदाता दिवस</u>, 2024**<u>:</u>** विश्व रक्तदाता दिवस, **2024** का आयोजन एनएसएस इकाइयों द्वारा किया गया, जिसमें **71,023** स्वयंसेवकों ने भाग लिया और पूरे भारत में एनएसएस स्वयंसेवकों द्वारा कुल **6,371** यूनिट रक्त दान किया गया।

दान उत्सव: दान उत्सव, जिसे जॉय ऑफ गिविंग वीक भी कहा जाता है, राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा निःस्वार्थ दान और करुणा को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है। स्वयंसेवक दान अभियान और सामुदायिक सेवाओं जैसी गतिविधियों में भाग लेते हैं। यह स्वयंसेवकों और समाज के बीच संबंधों को मजबूत करता है और सहानुभूति तथा सामाजिक कल्याण पर बल देता है। यह सप्ताह सामूहिक कार्रवाई को प्रोत्साहित करता है ताकि ज़रूरतमंदों की सहायता की जा सके।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस–2024: एनएसएस इकाइयों द्वारा 21 जून 2024 को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2024 का आयोजन किया गया। इस अवसर को मनाने के लिए योग से संबंधित कुल 40,184 गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें 18,194 संस्थानों से 41,44,396 एनएसएस स्वयंसेवकों और अन्य प्रतिभागियों ने भाग लिया।

<u>एनएचए की डिजिटल स्वास्थ्य पहल:</u> एनएसएस स्वयंसेवकों को राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) की डिजिटल स्वास्थ्य पहल के अंतर्गत 7 अस्पतालों में तैनात किया गया, जहाँ उन्होंने 63,900 रोगियों की सहायता की। कुल 26 स्वयंसेवकों ने इस पहल के सफल क्रियान्वयन में योगदान दिया और डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार हेतु आवश्यक सहयोग प्रदान किया।

<u>केरल में जुलाई 2024 में एनएसएस इकाई द्वारा संचालित बाढ राहत अभियान:</u> द डेल व्यू कॉलेज ऑफ फार्मेसी एंड रिसर्च सेंटर की एनएसएस इकाई के नेतृत्व में वायनाड भूस्खलन पीड़ितों के लिए राहत सामग्री एकत्र की गई और 2 अगस्त 2024 को पंचायत को सौंपी गई। खाद्य सामग्री, वस्त्र, दवाइयाँ और पर्यावरण अनुकूल उत्पाद एकत्र किए गए और आर्यनाड पंचायत अधिकारियों को सौंपे गए। पंचायत अध्यक्ष ने इन सराहनीय सेवाओं की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ऐसी गतिविधियाँ एक बार फिर मानवीय प्रयासों में एनएसएस की भूमिका को प्रदर्शित करती हैं।

कॉलेज एनएसएस इकाई द्वारा वायनाड भूस्खलन आपदा पीड़ितों के लिए सहायता के दूसरा चरण में कॉलेज के छात्रों, शिक्षकों और गैर-शिक्षण कर्मचारियों की मदद से धनराशि एकत्र कर पूरा किया गया और इसे मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष में सौंपा गया।

<u>साइबर सुरक्षा (I4C):</u> साइबर सुरक्षा पहल के अंतर्गत कुल 892 कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनसे 77,768 व्यक्तियों को लाभ मिला। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य प्रतिभागियों में जागरूकता उत्पन्न करना और उन्हें आज की डिजिटल दुनिया में ऑनलाइन सुरक्षा और संरक्षा के महत्व के बारे में शिक्षित करना था।

<u>लाल किला, नई दिल्ली में स्वतंत्रता दिवस समारोह, 2024:</u> स्वतंत्रता दिवस समारोह 2024 (आईडीसी-2024) के दौरान लाल किला, नई दिल्ली में एनएसएस स्वयंसेवकों ने प्रभावशाली गतिविधियों के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई जिसमें 500 स्वयंसेवकों द्वारा "माय भारत" लोगो का निर्माण शामिल था, जो राष्ट्रीय एकता का प्रतीक था। इस समारोह में एनएसएस के 440 विशेष अतिथि और माय भारत पहल के 210 विशेष अतिथि उपस्थित थे, जिससे यह अवसर स्मरणीय और सार्थक बन गया। इस वर्ष आईडीसी में एनएसएस स्वयंसेवकों की अग्रणी टोली ने असाधारण उत्साह, समर्पण और योगदान प्रदर्शित किया, जिससे कार्यक्रम सफल रहा। इस सहयोग के

समापन पर, हम इसे एक वार्षिक परंपरा बनाने की आशा करते हैं, जिसमें हर वर्ष नए ऊर्जावान और प्रतिबद्धता से भरे एनएसएस स्वयंसेवकों की नई टोली का स्वागत किया जाए।

<u>हर घर तिरंगा अभियान:</u> एनएसएस द्वारा 1 से 15 अगस्त 2024 तक पूरे देश में हर घर तिरंगा अभियान आयोजित किया गया, जिसमें अत्यधिक उत्साहजनक भागीदारी देखने को मिली। इस अभियान के अंतर्गत कुल 8,645 तिरंगा मार्च आयोजित किए गए, जिनमें देश भर से 5,68,477 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। इसके अतिरिक्त 1,239 तिरंगा रन और मैराथन आयोजित किए गए, जिनमें 1,44,725 एनएसएस स्वयंसेवकों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

<u>अस्पतालों में अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम – "सेवा से सीखें" (17.09.2024 से 02.10.2024):</u>

"सेवा से सीखें" अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2024 तक अस्पतालों में किया गया। इस अवधि में एनएसएस स्वयंसेवकों को 235 अस्पतालों में तैनात किया गया। कुल 2,021 स्वयंसेवकों ने इस पहल में भाग लिया और स्वास्थ्य सुविधाओं को आवश्यक सेवा एवं सहयोग प्रदान करते हुए मूल्यवान व्यावहारिक अनुभव प्राप्त किया।

<u>स्वच्छता ही सेवा अभियान – सितम्बर 2024 (17 सितम्बर 2024 से 2 अक्टूबर 2024 तक):</u> 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर 2024 तक आयोजित स्वच्छता ही सेवा अभियान में पूरे देश से 40,89,097 एनएसएस स्वयंसेवकों ने सक्रिय भागीदारी की। सभी ने मिलकर स्वच्छता अभियान में उल्लेखनीय योगदान दिया और कुल 68,23,077 किलोग्राम कचरा एकत्र किया और स्वच्छता और स्वच्छ पर्यावरण को बढ़ावा देने के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

एनएसएस दिवस का आयोजन:

एनएसएस इकाइयों ने 24 सितम्बर 2024 को पूरे देश में एनएसएस दिवस का आयोजन किया। इस अवसर पर एनएसएस दिवस मनाने हेतु विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया।

साहसिक गतिविधियाँ: सितम्बर, 2024, अक्टूबर, 2024 और नवम्बर, 2024 के महीने में एनएसएस स्वयंसेवकों के लिए साहसिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। अटल बिहारी बाजपेयी पर्वतारोहण और संबद्ध खेल संस्थान द्वारा हिमाचल प्रदेश के चार केंद्रों मनाली, धर्मशाला, पोंग डैम और रिवर राफटिंग सेन्टर, पिरडिन में आयोजित साहसिक शिविरों में कुल 1060 एनएसएस स्वयंसेवकों और 106 कार्यक्रम अधिकारियों (पीओ) ने भाग लिया।

<u>पूर्वोत्तर युवा महोत्सव 2024:</u> उत्तर पूर्व एनएसएस महोत्सव 2024 का आयोजन 23 से 27 सितम्बर 2024 तक अगरतला, त्रिपुरा में किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 200 स्वयंसेवकों और कार्यक्रम अधिकारियों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय एकता दिवस – 31 अक्टूबर 2024: सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती, जिसे 31 अक्टूबर 2024 को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया गया, के अवसर पर एनएसएस इकाइयों ने देशभर में अनेक प्रभावशाली कार्यक्रम आयोजित किए। कुल 303 विश्वविद्यालयों और +2 परिषदों ने भाग लिया, जिससे 3,934 संस्थान इस आयोजन से जुड़े। एनएसएस स्वयंसेवकों ने एकता के प्रति दृढ़ संकल्प प्रदर्शित किया, जिसमें 2,21,775 स्वयंसेवकों ने राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ ली। इस दिन 1,994 एकता दौड़ आयोजित

की गईं, जिनमें 1,05,765 स्वयंसेवकों ने भाग लिया और सामूहिक रूप से 1,18,682 किलोमीटर की दूरी तय की गई। इसके अतिरिक्त, 201 ऑनलाइन गतिविधियों में 48,347 स्वयंसेवक जुड़े, जबकि 2,770 ऑफलाइन गतिविधियों में 1,93,301 स्वयंसेवकों ने सक्रिय भागीदारी की। विशेष रूप से, 200 स्वयंसेवकों ने मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में आयोजित "रन फॉर यूनिटी" में भाग लिया, जिसने एकता और राष्ट्रीय एकीकरण की भावना को और सुदृढ़ किया।

<u>एनएसएस प्री-गणतंत्र दिवस शिविर:</u> देश के पाँच क्षेत्रों में पाँच प्री-गणतंत्र दिवस शिविरों का आयोजन किया गया। इन शिविरों में पूरे देश से 1,000 एनएसएस स्वयंसेवकों और 50 कार्यक्रम अधिकारियों ने भाग लिया। इन शिविरों से सर्वश्रेष्ठ पात्र स्वयंसेवकों का चयन किया गया ताकि वे नई दिल्ली में आयोजित गणतंत्र दिवस परेड शिविर-2025 में भाग ले सकें।

माय भारत आउटरीच कार्यक्रम: माय भारत आउटरीच कार्यक्रम के अंतर्गत कुल 2,946 कार्यक्रम आयोजित कर देशभर के 633 जिलों को कवर किया गया। इन पहलों के माध्यम से 2,954 संस्थानों तक पहुँच बनाई गयी, जहाँ 3,245 पीयर एजुकेटर्स ने संदेश के प्रसार में सक्रिय भूमिका निभाई। इस कार्यक्रम में 1,69,981 स्वयंसेवकों ने भाग लिया, जो कि एक उपलब्धि है।

27 अक्टूबर 2024 से 30 अक्टूबर 2024 तक एनएसएस द्वारा माय भारत के साथ दिवाली : एनएसएस द्वारा आयोजित "माय भारत के साथ दिवाली" अभियान 27 अक्टूबर से 30 अक्टूबर 2024 तक 380 शहरों में संचालित किया गया जिसमें 32,429 एनएसएस स्वयंसेवकों ने सक्रिय भागीदारी की। इस पहल में कुल 440 संस्थान जुड़े थे और इस पहल के भाग के रूप में 451 बाज़ारों को शामिल किया गया। एनएसएस स्वयंसेवकों को 427 संस्थानों और 410 ट्रैफिक चोक पॉइंट्स पर तैनात किया गया, जहाँ उन्होंने 361 व्यापार संघों और उनके पदाधिकारियों के साथ सहयोग किया। इसके अतिरिक्त, 646 ट्रैफिक पुलिस कर्मियों के साथ समन्वय किया गया और 384 अस्पतालों में स्वयंसेवी गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इस अभियान में 356 एनएसएस पदाधिकारियों ने भी भाग लिया और माय भारत पोर्टल पर कुल 1,088 कार्यक्रमों का सृजन किया गया, जो इस पहल की व्यापक भागीदारी और प्रभाव को दर्शाता है।

<u>26 नवम्बर 2024 को संविधान दिवस आयोजन :</u> संविधान दिवस 2024 पर संविधान तथा उसके मूल्यों का सम्मान करने हेतु भारत भर में बड़ी संख्या में एनएसएस स्वयंसेवक एकत्र हुए। इस अवसर पर कुल 520 विश्वविद्यालयों और 17,749 संस्थानों ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। 12.6 लाख से अधिक स्वयंसेवकों ने संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया, जबकि 3,82,670 स्वयंसेवकों ने अन्य गतिविधियों में भाग लिया। 9,669 स्थानों पर पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें 6,34,828 स्वयंसेवकों ने श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके अतिरिक्त, 2,464 पदयात्राएँ आयोजित की गईं, जिनमें 1,31,882 स्वयंसेवकों ने भाग लिया और सामूहिक रूप से 26,083 किलोमीटर की दूरी तय की। दिल्ली के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें 4,500 एनएसएस स्वयंसेवकों ने "मेरा संविधान, मेरा स्वाभिमान" थीम पर आयोजित पदयात्रा में भाग लिया। एकता और समर्पण का यह उल्लेखनीय प्रदर्शन पूरे राष्ट्र में संविधान के आदर्शों को बढ़ावा देने के प्रति एनएसएस की अटूट प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करता है।

<u>चौथा जनजातीय गौरव दिवस उत्सव 2024:</u> एनएसएस ने जनजातीय समुदायों को उनके अधिकारों और सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूक करने हेतु कार्यशालाओं और जागरूकता अभियानों का आयोजन किया। इन प्रयासों का उद्देश्य स्थानीय लोगों को उपलब्ध संसाधनों तक पहुँचने में सक्षम बनाना और सामुदायिक विकास को बढ़ावा देना था। 4 जनवरी को जनजातीय गौरव दिवस उत्सव के दौरान, छत्तीसगढ़ में एनएसएस स्वयंसेवकों ने *माटी के वीर पदयात्रा* में सक्रिय भागीदारी की। यह पदयात्रा जनजातीय समुदायों के महत्वपूर्ण योगदान को सम्मानित करने के लिए आयोजित की गई थी। इस केंद्रीय कार्यक्रम में लगभग 60 एनएसएस इकाइयों का प्रतिनिधित्व करते हुए 5,500 स्वयंसेवकों ने भाग लिया, जिसने जनजातीय विरासत के संरक्षण और उत्सव में स्वयंसेवकों की एकता और समर्पण को उजागर किया।

<u>एक भारत श्रेष्ठ भारत:</u> एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत 2024-25 में देश के विभिन्न राज्यों में एनएसएस स्वयंसेवकों में देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना जागृत करने के लिए 15 राष्ट्रीय एकता शिविर आयोजित किए गए। राष्ट्रीय स्तर के इन शिविरों में पूरे देश से कार्यक्रम अधिकारियों के साथ कुल 2998 एनएसएस स्वयंसेवकों ने भाग लिया।

<u>विश्व एड्स दिवस 01 दिसंबर, 2024:</u> विश्व एड्स दिवस (01 दिसंबर) के अवसर पर विभिन्न एनएसएस इकाइयों द्वारा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। एनएसएस इकाइयों द्वारा अभियान के दौरान 01 दिसंबर 2024 को रैली, शपथ ग्रहण और कार्यशालाएँ आयोजित की गईं।

<u>सुशासन दिवस – 24 दिसम्बर 2024:</u> 24 दिसम्बर 2024 को सुशासन दिवस के अवसर पर गुजरात के वडनगर स्थित तानारीरी गार्डन में पदयात्रा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व माननीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री, डॉ. मनसुख मांडविया, माननीय युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री श्रीमती रक्षा खडसे, माननीय उच्च शिक्षा मंत्री, गुजरात सरकार, श्री ऋषिकेश पटेल तथा माननीय गृह, युवा कार्य एवं खेल मंत्री, गुजरात सरकार, श्री हर्ष संघवी ने किया। इस कार्यक्रम में लगभग 15,000 युवाओं ने भाग लिया।

<u>वीर बाल दिवस का आयोजन 26 दिसंबर, 2024:</u> महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित माननीय प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में 2680 स्वयंसेवकों ने हिस्सा लिया। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय सेवा योजना **(एनएसएस)** की सभी इकाइयों द्वारा देशभर में वीर बाल दिवस मनाया गया।

राष्ट्रीय युवा महोत्सव – 2025: राष्ट्रीय युवा महोत्सव 2025 का आयोजन 11-12 जनवरी को भारत मंडपम, नई दिल्ली में किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया गया और विकसित भारत युवा नेता संवाद का आयोजन किया गया। देशभर से आए 3,000 से अधिक युवा नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ राष्ट्र के भविष्य पर विचार-विमर्श किया जहां उन्होंने युवाओं से भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में प्रमुख भूमिका निभाने का आह्वान किया। इस आयोजन का उद्देश्य युवाओं को सशक्त बनाना, नेतृत्व को प्रोत्साहित करना और भारत की प्रगति के प्रति जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देना था।

17 जनवरी से 23 जनवरी 2025 तक सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान : 17 से 23 जनवरी 2025 तक पूरे देश में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न संस्थानों के एनएसएस स्वयंसेवकों ने सक्रिय भागीदारी की। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देना था, जिसके अंतर्गत कार्यशालाएँ, जागरूकता पोस्टर और संवादात्मक चर्चाएँ आयोजित की गईं। इस अभियान ने छात्रों और स्थानीय समुदायों को सफलतापूर्वक जोड़ा और जिम्मेदार ड्राइविंग तथा यातायात नियमों के पालन का संदेश व्यापक रूप से फैलाया।

<table>
<tr><th colspan="2">राष्ट्रीय सेवा योजना</th></tr>
<tr><th colspan="2">17 जनवरी से 23 जनवरी 2025 तक सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान</th></tr>
<tr><td><u>महानगरों में गतिविधियाँ</u>
आयोजित प्रशिक्षणों की संख्या: 75
प्रशिक्षित स्वयंसेवकों की संख्या: 5,931
कवर किए गए ट्रैफिक पॉइंट्स की संख्या: 162
तैनात स्वयंसेवकों की संख्या: 5,964
पहुँच : तैनात स्वयंसेवकों द्वारा जागरूक किए गए युवाओं और समुदाय के सदस्यों की कुल संख्या: 75,073</td><td><u>शहरी शहरों में गतिविधियाँ</u>
आयोजित प्रशिक्षणों की संख्या: 593
प्रशिक्षित स्वयंसेवकों की संख्या: 61,282
कवर किए गए ट्रैफिक पॉइंट्स की संख्या: 985
तैनात स्वयंसेवकों की संख्या: 60,621
पहुँच : तैनात स्वयंसेवकों द्वारा जागरूक किए गए युवाओं और समुदाय के सदस्यों की कुल संख्या: 3,76,594</td></tr>
<tr><td>जिलों में गतिविधियाँ
आयोजित प्रशिक्षणों की संख्या: 650
प्रशिक्षित स्वयंसेवकों की संख्या: 50,444
कवर किए गए ट्रैफिक पॉइंट्स की संख्या: 807
तैनात स्वयंसेवकों की संख्या: 51,131
पहुँच : तैनात स्वयंसेवकों द्वारा जागरूक किए गए युवाओं और समुदाय के सदस्यों की कुल संख्या: 2,47,805</td><td> </td></tr>
</table>

गणतंत्र दिवस परेड शिविर – 2025: जनवरी माह में नई दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में गणतंत्र दिवस परेड शिविर का आयोजन किया गया जिसमें भारत के सभी राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों से आए 200 एनएसएस स्वयंसेवकों तथा 15 दलनायकों ने भाग लिया। 26 जनवरी 2025 को 148 एनएसएस स्वयंसेवकों ने कर्तव्य पथ पर परेड में भाग लिया।

माननीय राष्ट्रपति से भेंट: एनएसएस गणतंत्र दिवस परेड शिविर 2025 के दौरान एनएसएस स्वयंसेवकों, दलनायकों और एनएसएस अधिकारियों ने भारत के माननीय राष्ट्रपति से राष्ट्रपति भवन में भेंट की। शिविर के दौरान उन्हें माननीय राष्ट्रपति, माननीय उपराष्ट्रपति तथा माननीय प्रधानमंत्री से उनके आवास पर मिलने का अवसर प्राप्त हुआ।

माननीय उपराष्ट्रपति से भेंट: गणतंत्र दिवस परेड शिविर 2025 के दौरान एनएसएस स्वयंसेवकों, दलनायकों और एनएसएस अधिकारियों ने भारत के माननीय उपराष्ट्रपति से संसद भवन में भेंट की।

माननीय प्रधानमंत्री से भेंट: गणतंत्र दिवस परेड शिविर 2025 के दौरान एनएसएस स्वयंसेवकों, दलनायकों और एनएसएस अधिकारियों ने भारत के माननीय प्रधानमंत्री से प्रधानमंत्री आवास पर भेंट की।

माननीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री तथा युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री से भेंट: गणतंत्र दिवस परेड शिविर 2025 के दौरान एनएसएस स्वयंसेवकों, दलनायकों और एनएसएस अधिकारियों ने भारत के माननीय युवा **कार्यक्रम और** खेल मंत्री श्री मनसुख मांडविया से भेंट की।

<u>फरवरी 2025 में परीक्षा पे चर्चा – 2025:</u> फरवरी 2025 में आयोजित परीक्षा पे चर्चा *2025* के लाइव प्रसारण को देशभर के 274 विश्वविद्यालयों और 8,026 संस्थानों से कुल 3,70,954 एनएसएस स्वयंसेवकों ने देखा। माननीय प्रधानमंत्री के संबोधन ने परीक्षा तनाव प्रबंधन, आत्मविश्वास निर्माण और आत्म-अनुशासन पर मूल्यवान मार्गदर्शन प्रदान किया। एनएसएस स्वयंसेवकों ने इसमें सक्रिय भागीदारी की और इस सत्र को अत्यंत प्रेरणादायक एवं लाभकारी पाया।

मार्च 2025 में *बड्स* प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण (टीओटी) :

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने युवाओं के वर्तमान स्वास्थ्य एवं फिटनेस स्थिति का विश्लेषण करने और किसी बीमारी या स्वास्थ्य समस्या के प्रारंभिक संकेतों का पता लगाने के लिए भी *बाल उमंग दृश्य संस्था (बड्स)* के सहयोग से स्वास्थ्य एवं फिटनेस परीक्षण आयोजित करने का निर्णय लिया।

इस क्रम में, फरवरी 2025 में दिल्ली में आयोजित ***बड्स* प्रशिक्षकों के लिए प्रशिक्षण** *(टीओटी)* में भाग लेने वाले कार्यक्रम अधिकारियों ने राज्य स्तर पर शारीरिक शिक्षा शिक्षकों को प्रशिक्षित किया ताकि वे फिटनेस परीक्षण आयोजित कर सकें।

मार्च, 2025 में देशभर में जिला एवं राज्य स्तरों पर युवा संसद का आयोजन जिसमें एनएसएस स्वयंसेवकों ने सहभागिता की:

देश भर के एनएसएस स्वयंसेवकों नें मार्च, 2025 में आयोजित जिला युवा संसद और राज्य युवा संख्या के कार्यक्रम में हिस्सा लिया।

अध्याय-7 : राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी)

1. परिचय

आरजीएनआईवाईडी एक महत्वपूर्ण संसाधन केंद्र है, जिसके बहुआयामी कार्यों में युवा विकास के विभिन्न आयामों को शामिल करते हुए अत्याधुनिक विशेष शैक्षणिक कार्यक्रम प्रस्तुत करना, युवा विकास के महत्वपूर्ण क्षेत्रों में मौलिक शोध करना और प्रशिक्षण कार्यक्रमों का समन्वय करना तथा साथ ही देश भर में विस्तार एवं आउटरीच पहलों का संचालन करना शामिल है।

संस्थान मंत्रालय के थिंक टैंक के रूप में कार्य करता है और देश में युवाओं से संबंधित कार्यकलाप का एक प्रमुख संगठन है। एक शीर्ष संस्थान के रूप में, यह प्रशिक्षण कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में एनएसएस, एनवाईकेएस, माय भारत और अन्य युवा संगठनों के साथ घनिष्ठ सहयोग में काम करता है। यह संस्थान ग्रामीण, शहरी और आदिवासी क्षेत्रों में युवा विकास कार्यकलाप के सुविधाकर्ता के रूप में युवाओं को प्रशिक्षित करने के लिए नोडल एजेंसी है।

आरजीएनआईवाईडी देश में युवा वेधशाला और निक्षेपागार के रूप में कार्य करता है, जिससे युवाओं से संबंधित मुद्दों पर निगरानी रखी जाती है। युवाओं के कल्याण और विकास के लिए काम करने वाले विभिन्न संगठनों के साथ इसका एक व्यापक नेटवर्क है। भारत के माननीय राष्ट्रपति संस्थान के विजिटर हैं।

संस्थान की विविध गतिविधियों की निगरानी इसके वैधानिक निकायों अर्थात कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक परिषद, वित्त समिति और भवन एवं निर्माण समिति द्वारा की जाती है।

निदेशक मुख्य कार्यकारी अधिकारी होता है जो विभिन्न विद्यालयों, विभागों और केंद्रों के माध्यम से संस्थान के दिन-प्रतिदिन के कामकाज के लिए जिम्मेदार होता है।

2. वर्ष 2024 - 2025 के दौरान आरजीएनआईवाईडी के कार्यक्रम और गतिविधियाँ:

i शैक्षणिक प्रभाग की गतिविधियाँ

शैक्षणिक प्रभाग विभिन्न शैक्षणिक क्षेत्रों में उचित रूप से डिजाइन किए गए और कुशलतापूर्वक संचालित पाठ्यक्रमों के माध्यम से देश में युवा विकास के लिए सक्षम पेशेवरों का एक ऐसा कैडर विकसित करने का प्रयास करता है जो युवा लोगों के विकास से जुड़ी उभरती आवश्यकताओं और आकांक्षाओं के लिए प्रासंगिक हैं और युवा कर्मियों के राष्ट्रीय मूल्यों और पेशेवर नैतिकता के अनुरूप हैं। वर्तमान में चलाए जा रहे शैक्षणिक पाठ्यक्रम दुनिया भर के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों द्वारा चलाए जा रहे पाठ्यक्रमों के अनुरूप हैं और अंतरराष्ट्रीय मानकों और पाठ्यक्रम संबंधी अपेक्षाओं के समकक्ष हैं।

क) संस्थान के प्रमुख कार्यों में निम्नलिखित शामिल हैं:

- देशभर में विस्तार एवं आउटरीच पहलों के संचालन के अलावा प्रशिक्षण कार्यक्रमों का समन्वय करना।
- ज्ञान, कौशल, नैतिकता, मूल्यों आदि के संबंध में युवा विकास में स्नातकोत्तर डिग्री प्रदान करना, जिससे महत्वाकांक्षी युवा पेशेवरों को संस्थान के शैक्षणिक पाठ्यक्रमों तक व्यापक पहुंच प्रदान होती है और जो देश के भीतर और बाहर युवा विकास के क्षेत्र में अपना करियर बनाना चाहते हैं।
- संस्थान के शिक्षण/प्रशिक्षण संकाय की व्यावसायिक क्षमताओं को विकसित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय ख्याति के संस्थानों और विश्वविद्यालयों के साथ संकाय सदस्यों के लिए आदान-प्रदान कार्यक्रम आयोजित करना।

- प्रतिष्ठित संस्थानों/विश्वविद्यालयों के साथ छात्र विनिमय कार्यक्रमों का प्रबंधन, छात्रों को अपनी पसंद के विषय में प्रवीणता प्राप्त करने में सक्षम बनाता है।
- राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ छात्रों के लिए इंटर्नशिप और प्लेसमेंट की पेशकश करना ताकि उन्हें व्यापक सामाजिक और सांस्कृतिक विविधताओं के लिए आवश्यक इंटरैक्टिव एक्सपोजर प्रदान किया जा सके, इस प्रकार, उन्हें वैश्विक नौकरी बाजार में प्रतिस्पर्धा करने में सक्षम बनाया जा सके।
- विभिन्न पाठ्यक्रमों के मौजूदा पाठ्यक्रम की समीक्षा करना ताकि उन्हें रोजगार एजेंसियों की जरूरतों के अनुरूप बनाया जा सके और देश के प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों के मानकों के साथ समानता सुनिश्चित की जा सके।
- संस्थान के अनुसंधान, प्रशिक्षण और शिक्षण, शैक्षणिक कार्यक्रमों में सहायता के लिए डॉक्टरेट फेलोशिप प्रदान करना।
- संस्थान के छात्रों और संकायों को विशेषज्ञ शैक्षणिक परिसंवाद प्रदान करने के लिए प्रख्यात विद्वानों, प्रोफेसरों और उत्कृष्ट कार्यकर्ताओं की विशेषज्ञता का उपयोग करना।

ख) युवा अध्ययन में उच्च शिक्षा के शीर्ष संस्थान के रूप में, आरजीएनआईवाईडी ने निम्नलिखित मास्टर डिग्री कार्यक्रम (दो वर्ष की अवधि) प्रदान करना जारी रखा है:

- एम.एस.सी. कंप्यूटर साइंस (डेटा साइंस)
- एम.एस.सी. कंप्यूटर साइंस (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग)
- एम.एस.सी. कंप्यूटर साइंस (साइबर सुरक्षा)
- एम.एस.सी. गणित
- एम.एस.सी. एप्लाइड साइकोलॉजी
- एम.ए. अंग्रेजी
- एम.ए. समाजशास्त्र
- एम.ए. विकास अध्ययन*
- एम.ए. लोक प्रशासन*
- एम.एस.डब्लू. (युवा और सामुदायिक विकास)

*क्षेत्रीय केंद्र चंडीगढ़ में उपलब्ध पाठ्यक्रम।

आरजीएनआईवाईडी द्वारा चलाए जा रहे ये स्नातकोत्तर कार्यक्रम सामग्री और संरचना के संदर्भ में अद्वितीय हैं जो छात्रों को युवा कार्य और समकालीन मुद्दों के बारे में दक्षता और सैद्धांतिक ज्ञान से लैस करने के लिए अंतःविषयी दृष्टिकोण अपनाते हैं। विद्वत्तापूर्ण अन्वेषण और क्षेत्र अभ्यास का विवेकपूर्ण मिश्रण, प्रत्येक स्नातकोत्तर कार्यक्रम शिक्षार्थियों को युवा विकास के क्षेत्र में पेशेवर व्यक्तियों के रूप में ढाल देता है।

ग) स्नातकोत्तर कार्यक्रमों के अलावा, आरजीएनआईवाईडी निम्नलिखित स्नातक कार्यक्रम प्रदान करता है:

- बी.वोक. परिधान विनिर्माण एवं उद्यमिता
- बी.वोक. फैशन डिजाइन और रिटेल

ये कार्यक्रम आरजीएनआईवाईडी, परिधान प्रशिक्षण और डिजाइन केंद्र (एटीडीसी) और परिधान प्रबंधन संस्थान (आईएएम) के बीच एक त्रिपक्षीय समझौते के माध्यम से देशभर 25 केंद्रों में उपलब्ध किए जाते हैं।

घ) आरजीएनआईवाईडी का क्रिएटिव आर्ट्स एजुकेशन सोसाइटी (सीएईएस) के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) जो कि पर्ल अकादमी के घटक शैक्षणिक संस्थानों के माध्यम से संचालित होता है।

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी), युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन राष्ट्रीय महत्व का संस्थान है, ने क्रिएटिव आर्ट्स एजुकेशन सोसाइटी (सीएईएस) के साथ स्नातक एवं स्नातकोत्तर डिग्री कार्यक्रम उपलब्ध कराने हेतु एक साझेदारी की है। उक्त एमओयू पर दिनांक 05 सितंबर, 2023 को हस्ताक्षर किए गए थे।

3. वर्ष 2024-25 के दौरान राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान की प्रमुख उपलब्धियां इस प्रकार हैं:

दिनांक 03 अप्रैल 2024 को साइबर अपराधों के विरुद्ध सुरक्षा उपायों पर अभिमुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी) के आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ ने संस्थान में दिनांक 3 अप्रैल, 2024 को विद्यार्थियों हेतु साइबर अपराधों से सुरक्षा पर एक अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया। अभिमुखीकरण कार्यक्रम के अंतर्गत साइबर सुरक्षा का परिचय एवं उसके महत्व; साइबर अपराधों का संक्षिप्त अवलोकन; वेब को सुरक्षित रूप से उपयोग करने की आवश्यकता; व्यक्तिगत जानकारी की सुरक्षा हेतु आवश्यक उपाय; उपयोगकर्ताओं के लिए संभावित साइबर जोखिम; इंटरनेट पर प्रचलित धोखाधड़ी, ठगी एवं साइबर अपराधों के विभिन्न रूप; सामान्य साइबर हैकिंग विधियाँ; फ़िशिंग विधियों का संक्षिप्त परिचय; साइबर अपराधों से संबंधित वास्तविक समय के अध्ययन प्रकरण; सोशल मीडिया सुरक्षा का महत्व समझना; सोशल मीडिया शिष्टाचार; सोशल मीडिया में भ्रामक जानकारी का प्रतिरोध; गोपनीयता सेटिंग्स का प्रभावी उपयोग एवं पासवर्ड प्रबंधन पर विद्यार्थियों को आवश्यक जानकारी प्रदान की गई।

एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारियों हेतु दिनांक 4 से 6 अप्रैल, 2024 तक आंध्र विश्वविद्यालय, विशाखापट्टनम में युवा अधिकार एवं विधिक सहायता पर प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम

आरजीएनआईवाआडी के प्रशिक्षण, अभिमुखीकरण एवं क्षमता निर्माण केंद्र द्वारा दिनांक 4 से 6 अप्रैल, 2024 तक आंध्र विश्वविद्यालय में एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारियों हेतु युवा अधिकार एवं विधिक सहायता विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत भारत का संविधान, प्रस्तावना, मौलिक कर्तव्य एवं मौलिक अधिकार, राष्ट्रीय युवा नीति, युवा एवं बाल अधिकार, बाल विवाह की रोकथाम, साइबर अपराध एवं उसकी रोकथाम, लैंगिक संवेदनशीलता, युवा महिलाओं एवं बालिकाओं के विरुद्ध अपराधों की रोकथाम तथा विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से युवाओं को विधिक सहायता सेवाएँ प्रदान करने जैसे विषयों पर सत्र आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम में आंध्र विश्वविद्यालय के घटक एवं संबद्ध महाविद्यालयों से कुल 35 एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारियों ने सहभागिता की।

माय भारत तथा डिजिटल साक्षरता एवं वित्तीय समावेशन विषय पर मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनवाईडी) के प्रशिक्षण, अभिमुखीकरण एवं क्षमता निर्माण केंद्र (सीटीओ और सीबी) द्वारा माय भारत, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार तथा राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के सहयोग से एन.एस.एस. जिला संपर्क अधिकारियों हेतु माय भारत तथा डिजिटल साक्षरता एवं वित्तीय समावेशन पर मास्टर ट्रेनर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम के 6 बैचों का आयोजन किया गया।

प्रथम बैच के प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की सचिव (युवा कार्यक्रम), श्रीमती मीता राजीव लोचन, आई.ए.एस. ने किया। उद्घाटन अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस), युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के उप कार्यक्रम सलाहकार डॉ. सी. सैमुअल चेल्लैया तथा नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) – तमिलनाडु के राज्य निदेशक श्री कुनाह्मद उपस्थित रहे। आरजीएनआईवाईडी के सीटीओ और सीबी प्रमुख प्रो. वसंथि राजेन्द्रन ने कार्यक्रम की आवश्यकता एवं उद्देश्यों की रूपरेखा प्रस्तुत की। तत्पश्चात सचिव (युवा कार्य) ने प्रतिभागियों से संवाद स्थापित किया तथा उन्हें प्रशिक्षण उपरांत युवाओं को डिजिटल साक्षरता, वित्तीय समावेशन तथा माय भारत पोर्टल पर ऑनबोर्डिंग हेतु प्रशिक्षक के रूप में उनकी भूमिका के संबंध में मार्गदर्शन प्रदान किया।

एन.एस.एस. कार्यक्रम अधिकारियों को एन.एस.एस. स्वयंसेवकों के पंजीकरण विवरण को अनुमोदित करने, अनुमोदन प्रदान करने तथा युवाओं के लिए एक्सपीरिएंशियल लर्निंग अवसरों की निगरानी करने एवं उनके लिए स्वैच्छिक अवसर सृजित करने, रिपोर्ट एवं फोटोग्राफ प्रस्तुत करने संबंधी प्रशिक्षण प्रदान किया गया। तत्पश्चात अधिकारियों को माय भारत के अंतर्गत संगठन सृजन करने तथा साझेदार (सरकारी, ज्ञान संस्थान, गैर-लाभकारी संगठन एवं व्यवसायिक संगठन/उद्योगों) के रूप में पंजीकरण करने की प्रक्रिया के संबंध में भी शिक्षित किया गया।

आरजीएनआईवाईडी, श्रीपेरंबुदूर में दिनांक 21 जून, 2024 को 10वाँ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह का आयोजन

भारत सरकार के निर्देशानुसार राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी) द्वारा दिनांक 21 जून, 2024 को संस्थान परिसर में व्यक्तिगत कल्याण एवं सामाजिक सद्भाव में योग के गहन लाभों को प्रोत्साहित करने हेतु वर्ष की थीम "योगा फॉर सेल्फ एंड सोसायटी - स्वयं और समाज के लिए योग" पर आधारित कार्यक्रम आयोजित किया गया।

सवीथा विश्वविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग के सहायक प्रोफेसर एवं अंतरराष्ट्रीय योग चैम्पियन डॉ. पी. भास्करन ने अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2024 के अवसर पर विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किया तथा उन्होंने योग के जैविक लाभों पर बल देते हुए बताया कि योग शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने, तनाव को कम करने, शरीर का लचीलापन बढ़ाने, मस्तिष्क की कार्यक्षमता सुधारने, शरीर का भार घटाने तथा हृदय रोग एवं श्वसन संबंधी विकारों को कम करने में सहायक है। तत्पश्चात उन्होंने विभिन्न योग आसन किए तथा उनके लाभों का विस्तारपूर्वक वर्णन किया।

प्रशिक्षण अधिकारी डॉ. पी. डेविड पॉल ने विद्यार्थियों, अधिकारियों, संकाय सदस्यों एवं कर्मचारियों का हार्दिक स्वागत करते हुए कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। आरजीएनआईवाईडी के सामाजिक कार्य विभागाध्यक्ष डॉ. एस. कुमारवेल ने कार्यक्रम का परिचय प्रस्तुत किया तथा कार्यक्रम के प्रतिभागियों को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2024 की शपथ दिलाई।

कश्मीर के लाभवंचित युवाओं हेतु टैली संबंधित कौशल प्रशिक्षण

आरजीएनआईवाईडी, श्रीपेरंबुदूर द्वारा भारतीय सेना के सहयोग से कश्मीर के लाभवंचित युवाओं हेतु टैली पर तीन माह का कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

गुरेज (तहसील) घाटी, कश्मीर के दावर गाँव के प्रतिभागी एवं स्थानीय जनसंख्या इस अवसर से अत्यंत उत्साहित हुए तथा आरजीएनआईवाईडी एवं भारतीय सेना के प्रति अपना आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम की सफलतापूर्वक पूर्णता के उपरांत प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए।

क्षमता निर्माण आयोग (सीबीसी) द्वारा दिनांक 12 अगस्त, 2024 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में मान्यता प्रत्यायन

भारत सरकार (कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन मंत्रालय के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग के अंतर्गत स्थापित क्षमता निर्माण आयोग (सीबीसी), जो नीति आयोग की सिफारिशों के आधार पर गठित किया गया है) के सिविल सेवा क्षमता निर्माण में शामिल मंत्रालयों एवं विभागों के अंतर्गत आने वाले सभी प्रशिक्षण संस्थानों को प्रशिक्षण संस्थानों की मान्यता प्रत्यायन हेतु सीबीसी द्वारा बनाए गए एनएससीएसटीआई वेब पोर्टल पर सम्मिलित करने की प्रक्रिया आरंभ की थी।

आरजीएनआईवाईडी के मूल्यांकन एवं मान्यता हेतु ऑनसाइट निरीक्षण के उपरांत, इसका क्षमता निर्माण आयोग (सीबीसी) के राष्ट्रीय मानकों के अंतर्गत **अति उत्तम** श्रेणी में मान्यता प्रत्यायन किया गया था। यह मूल्यांकन राष्ट्रीय शिक्षा एवं प्रशिक्षण मान्यता बोर्ड (एनएबीईटी) द्वारा दिनांक 8 सितंबर, 2023 को किया गया, जो 7 सितंबर, 2025 तक वैध रहेगा।

आरजीएनआईवाईडी की निदेशक श्रीमती सारा जयाल सॉओक्मे ने माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, पृथ्वी विज्ञान, प्रधानमंत्री कार्यालय, कार्मिक, लोक शिकायत एवं पेंशन, परमाणु ऊर्जा तथा अंतरिक्ष से प्रमाणपत्र प्राप्त किया।

आरजीएनआईवाईडी के प्रशिक्षण, अभिमुखीकरण एवं क्षमता निर्माण केंद्र की प्रमुख तथा क्षमता निर्माण आयोग हेतु नोडल अधिकारी प्रो. वसंथि राजेन्द्रन को क्षमता निर्माण आयोग की सदस्य (प्रशासन) डॉ. अल्का मित्तल द्वारा 12 अगस्त, 2024 को विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित सीएसटीआई सम्मेलन के दौरान क्षमता निर्माण आयोग के राष्ट्रीय मानकों के अंतर्गत मान्यता प्रत्यायन प्रदान किया गया।

कश्मीर के लाभवंचित युवाओं हेतु क्रेवल क्राफ्ट पर कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

कश्मीरी कढ़ाई कार्य, क्षेत्र की सर्वाधिक प्रसिद्ध कलाओं में से एक है। कश्मीरी क्रेवल वर्क सामान्यतः मोटे कपड़े पर किया जाता है तथा तैयार उत्पादों का उपयोग परदों एवं गद्दियों की सजावट हेतु किया जाता है। किसी शिल्पकार को डिज़ाइन की जटिलता के अनुसार इस कार्य को पूर्ण करने में लगभग 8 से 10 सप्ताह का समय लगता है। आरजीएनआईवाईडी, श्रीपेरंबुदूर ने भारतीय सेना के सहयोग से **क्रेवल क्राफ्ट प्रशिक्षण** के दो बैच आयोजित किए, जिनमें बगटोर एवं आसपास के गाँवों की 35 बालिकाओं ने भाग लिया। इस पहल का उद्देश्य स्थानीय युवाओं, विशेषकर महिलाओं को रोजगार एवं उद्यमिता के अवसर उपलब्ध कराना है।

दिनांक 17 सितंबर, 2024 से 2 अक्टूबर, 2024 तक 'स्वच्छता ही सेवा' (एसएचएस) पखवाड़े का आयोजन - आरजीएनआईवाईडी ने 17 सितंबर, 2024 से अपने परिसर में "स्वभाव स्वच्छता – संस्कार स्वच्छता" विषय पर 'स्वच्छता ही सेवा' पखवाड़े का आयोजन किया। आरजीएनआईवाईडी के संकाय सदस्य, कर्मचारी एवं विद्यार्थी आरआरआर सिद्धांत (कम करना, पुनः उपयोग, पुनर्चक्रण करना तथा मिशन लाइफ (पर्यावरण हेतु जीवनशैली) के अनुरूप गतिविधियां) शून्य अपशिष्ट सुनिश्चित करने के लिए अपने कार्यस्थलों तथा परिसर के आसपास स्वच्छता अभियान से जुड़े।

भारतीय सेना के सहयोग से कश्मीर के लाभवंचित युवाओं हेतु दिनांक 01 अक्टूबर से 29 दिसम्बर, 2024, बदुआब गाँव, गुरेज़ घाटी, कश्मीर को सोज़नी एवं शॉल बुनाई पर तीन माह का कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सहयोग केंद्र, आरजीएनआईवाईडी द्वारा भारतीय सेना, गुरेज़ ब्रिगेड, कश्मीर के सहयोग से सोज़नी एवं शॉल बुनाई पर तीन माह का कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम (बैच-1) सफलतापूर्वक आयोजित किया गया।इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बदुआब गाँव, गुरेज़ घाटी की 20 अनुसूचित जनजाति की युवतियों को सोज़नी एवं शॉल बुनाई की पारंपरिक कला में दक्ष बनाना था। यह कार्यक्रम युवा महिलाओं को सशक्त बनाने हेतु उन्नत तकनीकी ज्ञान एवं उद्यमिता कौशल प्रदान करने के उद्देश्य से संचालित किया गया है।

आरजीएनआईवाईडी, श्रीपेरंबुदूर में दिनांक 18 अक्टूबर, 2024 को 'सेल्फ हिपोनोसिस' विषय पर कार्यशाला का आयोजन

कार्यशाला का संचालन डॉ. एस. काधिरवन, नियंत्रक परीक्षाएँ (एफएसी) एवं मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष तथा प्रोफेसर, पेरियार विश्वविद्यालय, सलेम, तमिलनाडु द्वारा किया गया। डॉ. काधिरवन ने सेल्फ हिपोनोसिस के इतिहास का परिचय देते हुए सिगमंड फ्रायड, जेम्स ब्रैड तथा एमिल कूए जैसे प्रमुख विद्वानों, जिन्होंने अचेतन मन, मैस्मेरिज़्म तथा आत्म-सुझाव जैसी अवधारणाओं के माध्यम से सेल्फ हिपोनोसिस की अवधारणा को विकसित किया, के योगदान पर प्रकाश डाला। इसके अतिरिक्त, विशेषज्ञ ने परामर्श संबंधी मूलभूत कौशल एवं तकनीकें, ध्यान तथा संज्ञानात्मक व्यवहार चिकित्सा को भी विस्तारपूर्वक समझाया।

आरजीएनआईवाईडी, श्रीपेरंबुदूर में दिनांक 06 नवम्बर, 2024 को 'माइंड एक्सपो 2024' मनोविज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन

आरजीएनआईवाईडी के अप्लाइड मनोविज्ञान विभाग ने विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस **2024** के उपलक्ष्य में **06** नवंबर**, 2024** को 'माइंड एक्सपो **2024'** मनोविज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया।

प्रदर्शनी में मनोविज्ञान की विभिन्न शाखाओं जैसे सामाजिक मनोविज्ञान**,** उपभोक्ता मनोविज्ञान**,** आपराधिक मनोविज्ञान आदि के अंतर्गत विविध विषयों पर आधारित स्टॉल लगाए गए। कुछ स्टॉल जैसे कि **'**मिथ एंड फैक्ट**'** नामक स्टॉल में दर्शकों को मानसिक स्वास्थ्य एवं रोगों से संबंधित प्रचलित मिथकों और तथ्यों को पहचानने एवं समझने हेतु आमंत्रित किया गया। **'**ग्रे मैटर हब**'** नामक अन्य स्टॉल में विभिन्न वस्तुओं**,** पट्टी (ब्लाइंडफोल्ड**),** पजल्स तथा रंगीन अक्षरों का प्रयोग कर संवेदना**,** स्मृति एवं संज्ञानात्मक हस्तक्षेप को सुंदर ढंग से प्रदर्शित किया गया।

मनोविज्ञान प्रदर्शनी के समापन पर संगोष्ठी हॉल में सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। अप्लाइड मनोविज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. सुरेश सुन्दरम ने संक्षिप्त भाषण दिया तथा विभिन्न स्टॉल एवं गतिविधियों के विजेताओं को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किए। तत्पश्चात्

अप्लाइड मनोविज्ञान के विद्यार्थियों द्वारा गायन, नृत्य एवं संगीत नाटक जैसे कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिनमें उन्होंने लगाव, आघात तथा सहयोग की विविध अभिव्यक्तियों को प्रदर्शित किया।

आरजीएनआईवाईडी क्षेत्रीय केन्द्र, चंडीगढ़ की गतिविधियां

कश्मीर विश्वविद्यालय के एम.एस.डब्ल्यू. विद्यार्थियों हेतु 21 से 26 अक्टूबर, 2024 तक क्षेत्रीय कार्य शिविर सह एक्पोजर भ्रमण का आयोजन

राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान (आरजीएनआईवाईडी) क्षेत्रीय केन्द्र, चंडीगढ़ ने कश्मीर विश्वविद्यालय के सहयोग से एम.एस.डब्ल्यू. विद्यार्थियों हेतु आरजीएनआईवाईडी क्षेत्रीय केन्द्र, चंडीगढ़ में क्षेत्रीय कार्य शिविर और एक्सपोजर भ्रमण का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 41 विद्यार्थी, 3 संकाय सदस्य एवं 1 गैर-शैक्षणिक कर्मचारी की सहभागिता रही।

जनसांख्यिकीय लाभांश एवं नीतिगत प्राथमिकताएँ: शासन एवं विकास में युवाओं के मुख्यधारा में समावेशन का महत्व' विषय पर 19 नवम्बर 2024 को आयोजित संगोष्ठी

लोक प्रशासन विभाग द्वारा 19 नवम्बर, 2024 को 'जनसांख्यिकीय लाभांश एवं नीतिगत प्राथमिकताएँ: शासन एवं विकास में युवाओं के मुख्यधारा में समावेशन का महत्व' विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई जिसमें विकास अध्ययन विभाग एवं लोक प्रशासन विभाग के स्नातकोत्तर छात्र, पीएच.डी. शोधार्थी तथा संकाय सदस्य उपस्थित हुए। जनसांख्यिकीय बदलाव के विभिन्न चरणों पर विचार-विमर्श किया गया तथा राष्ट्रीय प्रगति हेतु जनसांख्यिकीय संभावनाओं का सदुपयोग करने के लिए शासन एवं विकास में युवाओं के समावेशन के महत्व पर विशेष बल दिया गया।

आरजीएनआईवाईडी के विद्यार्थियों की अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों में भागीदारी

आरजीएनआईवाईडी के पीएच.डी. शोधार्थी ने सोची, रूस में दिनांक 25 से 29 नवम्बर, 2024 तक ब्रिक्स युवा वैज्ञानिक मंच 2024 में भारत का प्रतिनिधित्व किया

श्री विजय वेल्मुरुगन, पीएच.डी. शोधार्थी, आरजीएनआईवाईडी ने ब्रिक्स युवा वैज्ञानिक मंच 2024 में भारत का प्रतिनिधित्व किया। यह आयोजन 25 से 29 नवंबर, 2024 के दौरान सोची, रूस में सम्पन्न हुआ, जिसमें ब्रिक्स देशों—ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन एवं दक्षिण अफ्रीका—के साथ-साथ नये सदस्य देशों ईरान, मिस्र, संयुक्त अरब अमीरात एवं इथियोपिया से 170 से अधिक युवा वैज्ञानिकों एवं नवोन्मेषकों ने सहभागिता की।

स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन (एसआईएच) 2024 का 11 और 12 दिसंबर, 2024 को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), सुरथकल में भव्य समापन समारोह का आयोजन

माननीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान द्वारा स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन (एसआईएच) 2024 के भव्य समापन समारोह का उद्घाटन किया गया।

आरजीएनआईवाईडी के कंप्यूटर विज्ञान विभाग (डेटा साइंस एवं एआई और एमएल) की टीम ने मूल्यांकन समिति के समक्ष अपनी संपूर्ण परियोजना का प्रस्तुतिकरण किया, जिसमें इसकी विशेषताओं, व्यावहारिकता एवं संभावित प्रभाव को रेखांकित किया गया और इसका चयन प्रथम स्थान हेतु किया गया। टीम को उसके नवोन्मेषी समाधान के लिए ₹1,00,000 का नकद पुरस्कार प्रदान किया गया।

इसके पश्चात् माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने स्मार्ट इंडिया हैकाथॉन के फाइनलिस्टों से वर्चुएल मोड द्वारा संवाद किया।

10 से 14 दिसम्बर, 2024 तक वेल्लोर प्रौद्योगिकी संस्थान में दक्षिण क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालयीय टेबल टेनिस (पुरुष) में आरजीएनआईवाईडी की भागीदारी

10 से 14 दिसम्बर, 2024 तक वेल्लोर प्रौद्योगिकी संस्थान में दक्षिण क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालयीय टेबल टेनिस (पुरुष) प्रतियोगिता में आरजीएनआईवाईडी की टीम, जिसमें द्वितीय वर्ष के पाँच छात्र सम्मिलित थे, ने भागीदारी की।

आरजीएनआईवाईडी की टीम ने 21 से 28 दिसम्बर, 2024 तक कैलिकट, केरल विश्वविद्यालय में दक्षिण क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालयीय फुटबॉल (पुरुष) चैम्पियनशिप में भागीदारी की।

आरजीएनआईवाईडी के 22 छात्रों ने 21 से 28 दिसम्बर, 2024 तक कैलिकट, केरल विश्वविद्यालय में दक्षिण क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालयीय फुटबॉल (पुरुष) चैम्पियनशिप में भागीदारी की। आरजीएनआईवाईडी ने चैम्पियनशिप में केरल कृषि विश्वविद्यालय टीम पर 6-0 से विजय हासिल की।

अध्याय-8 : राष्ट्रीय युवा एवं किशोर विकास कार्यक्रम

1. परिचय:

राष्ट्रीय युवा एवं किशोर विकास कार्यक्रम (एनपीवाईएडी) योजना राष्ट्रीय युवा सशक्तिकरण कार्यक्रम (आरवाईएसके) का एक घटक है। एनपीवाईएडी योजना के तहत, युवा एवं किशोर विकास हेतु कार्यकलाप शुरू करने के लिए सरकारी/गैर-सरकारी संगठनों को वित्तीय सहायता दी जाती है। एनपीवाईएडी के तहत सहायता 5 प्रमुख घटकों के तहत प्रदान की जाती है, अर्थात्,

क युवा नेतृत्व एवं व्यक्तित्व विकास प्रशिक्षण
ख राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देना (राष्ट्रीय एकता शिविर, अंतर-राज्यीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम, युवा उत्सव, बहु-सांस्कृतिक गतिविधियाँ, आदि)
ग साहसिक गतिविधियों को बढ़ावा देना; तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहसिक पुरस्कार
घ किशोरों का विकास और सशक्तिकरण (जीवन कौशल शिक्षा, परामर्श, कैरियर मार्गदर्शन आदि)
ङ तकनीकी एवं संसाधन विकास (युवाओं की समस्याओं पर अनुसंधान एवं अध्ययन, दस्तावेजीकरण, सेमिनार/कार्यशालाएं)

2. परिचालन दिशानिर्देश

सहायता के लिए पात्र संगठनों में सभी स्वायत्त संगठन शामिल हैं, चाहे वे आंशिक रूप से या पूरी तरह से सरकार द्वारा वित्तपोषित हों, पंजीकृत सोसायटी, ट्रस्ट, एनजीओ, विश्वविद्यालय, भारतीय विश्वविद्यालय संघ, राज्य स्तरीय संगठन, अर्थात राज्य सरकार के विभाग, पंचायती राज संस्थाएं और शहरी स्थानीय निकाय, शिक्षा संस्थाएं आदि।

योजना के लाभार्थी 15-29 वर्ष की आयु के युवा और 10-19 वर्ष की आयु के किशोर होते हैं। योजना के तहत प्रत्येक प्रकार के कार्यकलाप के लिए सहायता हेतु वित्तीय मानदंड योजना दिशानिर्देशों में निर्धारित किए गए हैं।

यह सहायता युवा कार्यक्रम सचिव की अध्यक्षता वाली परियोजना मूल्यांकन समिति (पीएसी) की सिफारिश के आधार पर स्वीकृत की जाती है।

3. 28वां राष्ट्रीय युवा महोत्सव

राष्ट्रीय युवा महोत्सव, 2025 : विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद:

एनपीवाईएडी के घटक (बी) राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के तहत, हर वर्ष जनवरी के महीने में राष्ट्रीय युवा महोत्सव आयोजित किया जाता जो स्वामी विवेकानंद की जयंती (12 जनवरी), जिसे राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता, है के उपलक्ष्य में होता है। यह महोत्सव इसकी मेजबानी करने के लिए इच्छुक और तैयार किसी राज्य में आयोजित किया जाता है। इसका व्यय केंद्र और मेजबान राज्य के बीच साझा किया जाता है।

विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद 2025 (वीबीवाईएलडी-2025), राष्ट्रीय युवा महोत्सव (एनवाईएफ) का पुनर्गठित स्वरूप है जिसे दिनांक 10 से 12 जनवरी, 2025 तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में स्वामी विवेकानंद की 162वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया था। इस आयोजन का औपचारिक उद्घाटन दिनांक 11 जनवरी, 2025 को भारत सरकार के माननीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री द्वारा किया गया। दिनांक 12 जनवरी, 2025 को माननीय प्रधानमंत्री की गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ी।

राष्ट्रीय युवा महोत्सव भारत के युवाओं की अपार क्षमता को स्वीकार करता है, जो उन्हें राष्ट्र के उज्ज्वल एवं समृद्ध भविष्य के निर्माता बनने हेतु प्रेरित करता है। इस संवाद ने **विकसित भारत 2047** के विजन को साकार करने की दिशा में कार्य करने और युवाओं को बड़े सपने देखने के लिए प्रोत्साहित किया।

वीबीवाईएलडी-2025 ने राष्ट्रव्यापी स्तर पर 28,31,200 प्रेरित युवाओं को आकर्षित किया; लगभग 2500 गतिशील युवाओं जिन्हें योग्यता-आधारित, बहु-स्तरीय प्रक्रिया के माध्यम से चयनित किया गया था और जो भारत के सबसे जीवंत जनसांख्यिकीय 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं, विकसित भारत युवा नेतृत्व संवाद 2025 में उपस्थित हुए थे। वीबीवाईएलडी- 2025 एक ऐतिहासिक आयोजन के रूप में उभरा, जिसने भावी नेताओं, नवोन्मेषकों और विचारकों, जो भारत की प्रगति को आगे बढ़ाएँगे, को प्रोत्साहित किया।

युवाओं का चयन:

दिनांक 10 से 12 जनवरी, 2025 तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में भाग लेने/प्रदर्शन करने के लिए युवाओं का चयन विकसित भारत चैलेंज तथा पारंपरिक ट्रैक के माध्यम से किया गया।

क विकसित भारत चैलेंज:

विकसित भारत चैलेंज के तहत युवाओं के चयन की प्रक्रिया चार चरणों में सम्पन्न हुई:

- चरण **I**: **विकसित भारत क्विज,** जो 12 भाषाओं में आयोजित एक देशव्यापी ऑनलाइन आयोजन था, में भारत की उपलब्धियों के बारे में ज्ञान की परीक्षा ली गई जिसमें 28,31,200 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।
- चरण **II**: **विकसित भारत निबंध** के अंतर्गत योग्य प्रतिभागियों ने 'विकसित भारत 2047' से जुड़े प्रमुख विषयों पर निबंध प्रस्तुत किए।
- चरण **III**: **विकसित भारत राज्य चैंपियनशिप चैलेंज** में लगभग 9,000 विद्यार्थियों ने भाग लिया और पावर प्वाइंट प्रस्तुतियों के माध्यम से अपने विचार प्रस्तुत किए, जिनका मूल्यांकन नेतृत्व क्षमता तथा सहयोग करने की योग्यता के आधार पर नेतृत्व मॉडरेटरों द्वारा की गई।
- चरण **IV**: भारत मंडपम में आयोजित **विकसित भारत राष्ट्रीय चेंपियनशिप**, जिसमें दिनांक 12 जनवरी, 2025 को माननीय प्रधानमंत्री के समक्ष 10 टीमों ने 10 प्रमुख विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए।

ख. पारंपरिक ट्रैक:

पारंपरिक ट्रैक के अंतर्गत, विकसित भारत युवा नेता संवाद की तैयारी के रूप में, राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में जिला एवं राज्य युवा महोत्सवों का आयोजन किया गया। जिला स्तर पर समूह लोक नृत्य, समूह लोकगीत, विज्ञान मेला (विषयगत प्रतियोगिता), कविता, कहानी लेखन, चित्रकला, भाषण आदि विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं और विजेताओं को राज्य युवा महोत्सव में प्रदर्शन हेतु चुना गया। इसके अतिरिक्त, राज्य युवा महोत्सव के विजेताओं को राष्ट्रीय स्तर पर भारत मंडपम, नई दिल्ली में प्रदर्शन हेतु चुना गया।

चित्र-1 और 2: पारंपरिक ट्रैक (संगीत) प्रतियोगिताएं

चित्र-3 और 4: पारंपरिक ट्रैक (नृत्य) प्रतियोगिताएं

माननीय प्रधानमंत्री द्वारा युवाओं के साथ उनकी प्रस्तुतियों पर संवाद:

विकसित भारत चैलेंज के अंतर्गत विषयगत प्रस्तुतियाँ एवं प्रतियोगिताएँ निम्नलिखित दस विषयगत ट्रैकों पर केंद्रित थीं:

- ➔ विकास भी विरासत भी
- ➔ महिलाओं का सशक्तिकरण और सामाजिक सूचकांकों में सुधार
- ➔ विकसित भारत हेतु प्रौद्योगिकी
- ➔ भारत को वैश्विक विनिर्माण शक्ति केंद्र बनाना
- ➔ भविष्य के लिए अवसंरचना का निर्माण
- ➔ कृषि में उत्पादकता बढ़ाना
- ➔ भारत को पूर्णतः संधारणीय भविष्य की ओर अग्रसर करना
- ➔ विकसित भारत हेतु युवाओं का सशक्तिकरण
- ➔ भारत को विश्व का स्टार्टअप केंद्र बनाना
- ➔ भारत को खेलों में अग्रणी और फिट राष्ट्र बनाना

विकसित भारत युवा नेता संवाद–2025 के प्रस्तुतकर्ताओं का माननीय प्रधानमंत्री के साथ एक प्रेरणादायी क्षण

माननीय प्रधानमंत्री के साथ हुई चर्चाओं, प्रस्तुतियों और संवाद ने सरकार की युवा सशक्तिकरण के प्रति प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ किया। प्रधानमंत्री का यह विजन कि प्रगति के प्रमुख प्रेरक के रूप में युवाओं को नेतृत्व भूमिकाओं में शामिल किया जाए *विकसित भारत* को आधार प्रदान करती है जिसमें युवा राष्ट्र के भविष्य को आकार देने में केंद्रीय भूमिका निभाएंगे।

भव्य पूर्ण अधिवेशन सत्र

परस्पर संवाद उन्मुख लंच सत्र के उपरांत, माननीय प्रधानमंत्री के संबोधन के साथ एक भव्य पूर्ण अधिवेशन सत्र प्रारंभ हुआ। उन्होंने अत्यंत प्रभावशाली ढंग से युवा नेताओं के साथ संवाद किया। उनके संबोधन ने न केवल चर्चाओं का प्रतिबिंब प्रस्तुत किया, बल्कि युवाओं को भारत के भविष्य को आकार देने की जिम्मेदारी संभालने का आह्वान भी किया। उन्होने अपने विश्वास को दोहराया कि भारत के युवाओं में परिवर्तनकारी बदलाव लाने की क्षमता है और राष्ट्र के भविष्य को आकार देने में भारत की हाल की उपलब्धियों और वैश्विक मान्यता से प्रेरणा लेते हुए आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में परिवर्तनकारी बदलाव लाने की उनकी क्षमता पर बल दिया।

सोशल मीडिया रिपोर्ट:

क्र. सं.	मंच	पोस्ट की संख्या	इंप्रेशंस की संख्या	जुड़ाव की संख्या
1	ट्विटर	7874	27429442	13233002
2	फेसबुक	7610	10177748	9129818
3	इंस्टाग्राम	7439	24095860	12954691
	कुल	22923	61703050	35317511

माननीय प्रधानमंत्री, दिनांक 12 जनवरी को भव्य पूर्ण अधिवेशन सत्र के दौरान युवाओं को 'विकसित भारत' की दिशा में प्रेरित करते हुए।

निष्कर्ष:

राष्ट्रीय युवा महोत्सव – 2025 : विकसित भारत युवा नेता संवाद भारत के युवाओं को सशक्त बनाने का एक महत्वपूर्ण क्षण सिद्ध हुआ जब उन्हें अपने विचार साझा करने और देश की प्रगति में योगदान देने के लिए एक मंच उपलब्ध हुआ। यह पहल पारंपरिक मॉडलों से अलग था, जिसने ऐसा वातावरण निर्मित किया जहां युवा मस्तिष्क विकसित भारत के निर्माण में सहयोग, नवाचार और देश के नेतृत्व के साथ संवाद कर सके।

वीबीवाईएलडी–2025 केवल एक आयोजन भर नहीं था; यह विकसित राष्ट्र बनने की भारत की यात्रा में एक नए अध्याय की शुरुआत का प्रतीक बना, जिसमें युवाओं ने परिवर्तनकारी बदलाव की अगुवाई संभाली है। यह ऐतिहासिक पहल राष्ट्र के विकसित भारत 2047 के विजन के अनुरूप है, जिसने नवाचार, समावेशिता और प्रगति से परिभाषित भविष्य का मार्ग प्रशस्त किया है।

4. तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साह पुरस्कार (टीएनएनएए)

तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहस पुरस्कार भूमि, समुद्र और हवा में साहस कार्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए दिया जाने वाला सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान है। यह पुरस्कार साहस कार्यों के क्षेत्र में आजीवन उपलब्धि के लिए भी प्रदान किया जाता है। पुरस्कार में एक कांस्य प्रतिमा, एक प्रमाण पत्र, एक रेशमी टाई के साथ एक ब्लेज़र /साड़ी और प्रत्येक पुरस्कार विजेता को 15 लाख रुपये की पुरस्कार राशि दी जाती है। यह पुरस्कार खेल उत्कृष्टता के लिए अर्जुन पुरस्कार के समकक्ष है। भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा विभिन्न खेल पुरस्कारों के साथ तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहस पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। इस वर्ष, 17.01.2025 को भूमि, जल, वायु और आजीवन उपलब्धियों के क्षेत्र में साहसिक कार्य के लिए 4 व्यक्तियों को तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहस पुरस्कार 2023 प्रदान किया गया।

5. युवा प्रवासी भारतीय दिवस, 2025 का उत्सव

विदेश मंत्रालय (एमईए) द्वारा प्रतिवर्ष 9 जनवरी को प्रवासी भारतीय दिवस का आयोजन किया जाता है। प्रत्येक दूसरा प्रवासी भारतीय दिवस युवा प्रवासी भारतीय दिवस के रूप में मनाया जाता है। युवा प्रवासी भारतीय दिवस का आयोजन वर्ष 2014 से प्रारंभ हुआ था।

18वें प्रवासी भारतीय दिवस (पीबीडी) के दौरान, युवा प्रवासी भारतीय दिवस का आयोजन विदेश मंत्रालय के सहयोग से दिनांक 8 जनवरी 2025 को भुवनेश्वर, ओडिशा में किया गया, जिसका विषय 'बियॉन्ड बॉर्डर्स: डायस्पोरा यूथ लीडरशिप इन अ ग्लोबलाइज्ड वर्ल्ड' था। माननीय विदेश मंत्री, माननीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री, ओडिशा के माननीय मुख्यमंत्री, माननीय राज्य मंत्री विदेश मंत्रालय तथा माननीय राज्य मंत्री (युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय) की गरिमामयी उपस्थिति से युवा प्रवासी भारतीय दिवस सुशोभित हुआ था।

इस आयोजन के विशेष अतिथि अमेरिका के डॉ. देव प्रागद, सीईओ, न्यूज़वीक थे। अन्य वक्ताओं में राजनीति, व्यवसाय और अकादमिक क्षेत्र के प्रवासी नेता शामिल थे। माननीय विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और ओडिशा के माननीय मुख्यमंत्री श्री मोहन चरण माझी की अध्यक्षता में आयोजित एक संयुक्त व्यापार सत्र के दौरान राज्य में विद्यमान व्यापारिक अवसरों पर प्रकाश डाला गया और यह बताया गया कि वैश्विक निवेशक इसकी आर्थिक और तकनीकी प्रगति से कैसे लाभ उठा सकते हैं। इसके अतिरिक्त, ओडिशा सरकार ने ओडिशा पर दो विषयगत सत्रों का आयोजन किया जिनके शीर्षक थे – 'अनरेवलिंग इंडियास बेस्ट केप्ट सीक्रेट' और 'विकसित ओडिशा: द रोड अहेड'। अंत में राज्य की कला विधाओं को प्रदर्शित करने वाले मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ समापन हुआ।

6. पूर्वोत्तर युवा महोत्सव (एनईवाईएफ)

भारत सरकार के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के तत्वावधान में, सिक्किम सरकार के युवा कार्यक्रम और खेल विभाग द्वारा राष्ट्रीय सेवा योजना तथा नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) के सहयोग से दिनांक 17 से 20 मार्च, 2025 तक गंगटोक में 8वे पूर्वोत्तर युवा महोत्सव (एनईवाईएफ) का आयोजन किया गया। इस महोत्सव का विषय– 'सशक्त युवा, सशक्त क्षेत्र – माय भारत, विकसित भारत' था। इस अवसर पर सभी पूर्वोत्तर राज्यों से लगभग 896 युवाओं ने प्रतिस्पर्धात्मक एवं गैर-प्रतिस्पर्धात्मक कार्यक्रमों तथा एकल वाद्य गिटार,

रॉक बैंड, एकांकी नाटक, लोक नृत्य, लोक गीत, राष्ट्रीय सेवा योजना हेतु युवा सम्मेलन/संगोष्ठी/सुविचार (प्रेरक वक्तव्य), साहसिक गतिविधियों, मार्शल आर्ट्स, युवा कृति तथा खाद्य उत्सव आदि विभिन्न आयोजनों में हिस्सा लिया। इसके अतिरिक्त, एनएसएस, एनवाईकेएस तथा विभिन्न राज्य दलों के कुल 29 अधिकारियों सहित भारत सरकार के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के अधिकारियों ने भी इस महोत्सव में भाग लिया।

विषय: 8वें पूर्वोत्तर युवा महोत्सव का विषय– 'सशक्त युवा, सशक्त क्षेत्र – माय भारत, विकसित भारत' था।

मास्कॉट: 8वें उत्तर-पूर्व युवा महोत्सव का आधिकारिक मास्कॉट 'रेड पांडा' (एल्युरस फल्गेन्स) था।

लोगो: 8वें पूर्वोत्तर युवा महोत्सव का लोगो, भारत के सभी पूर्वोत्तर राज्यों के युवाओं की एकता, सांस्कृतिक विरासत तथा उनकी आकांक्षाओं का सशक्त एवं कलात्मक प्रस्तुतीकरण था।

उद्घाटन समारोह:

सिक्किम के माननीय राज्यपाल श्री ओम प्रकाश माथुर द्वारा दिनांक 17 मार्च, 2025 को पालजोर स्टेडियम, गंगटोक में चार दिवसीय 8वें पूर्वोत्तर युवा महोत्सव का उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह के उपरांत पूर्वोत्तर के सहभागी राज्यों द्वारा सांस्कृतिक परेड प्रस्तुत की गई, जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) तथा नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) के प्रतिभागियों ने भी भाग लिया।

युवा कृति एवं खाद्य महोत्सव:

8वें पूर्वोत्तर युवा महोत्सव के अंतर्गत नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) गंगटोक की देख-रेख में गंगटोक स्थित एम.जी. मार्ग पर युवा कृति एवं खाद्य स्टॉल लगाया गया, जिसका उद्देश्य भारत के आठों पूर्वोत्तर राज्यों की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर, कला एवं पाक-शैली का प्रदर्शन करना था।

इस आयोजन में विभिन्न खाद्य स्टॉल लगाए गए, जिनमें पूर्वोत्तर राज्यों के पारंपरिक व्यंजन पेश किए गए तथा कला एवं शिल्प प्रदर्शनी के माध्यम से क्षेत्र की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान को उजागर किया गया। महोत्सव ने पूर्वोत्तर के युवाओं को सांस्कृतिक आदान-प्रदान एवं क्षेत्रीय धरोहर के संवर्धन हेतु एक मंच प्रदान किया, जिससे पूर्वोत्तर राज्यों के मध्य एकता एवं सांस्कृतिक महत्ता को और अधिक बढ़ाने में इस महोत्सव की भूमिता परिलक्षित हुई। युवा कृति प्रदर्शनी एवं खाद्य महोत्सव में कुल 40 स्टॉल लगाए गए थे।

युवा सम्मेलन, संगोष्ठी एवं सुविचार:

8वें पूर्वोत्तर युवा महोत्सव के दौरान दिनांक 18 एवं 19 मार्च, 2025 को चिंतन भवन में संगोष्ठी, युवा सम्मेलन एवं सुविचार जैसे जीवन कौशल कार्यक्रम का दो दिवसीय आयोजन किया गया।

प्रतिस्पर्धी कार्यक्रम:

क) एकल प्रतियोगिता: वाद्य संगीत (गिटार),
ख) सामूहिक प्रतियोगिताएं: लोक नृत्य, लोक गीत, रॉक बैंड एवं एकांकी नाटक।
ग) क्विज प्रतियोगिता : विषय था- 'अपने पूर्वोत्तर को जानें'

दिनांक 18 और 19 मार्च, 2025 को ताडोंग, गंगटोक स्थित नार बहादुर भंडारी राजकीय महाविद्यालय के सभागार में दो दिवसीय सांस्कृतिक प्रतिस्पर्धी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

आठों पूर्वोत्तर राज्यों के बीच दिनांक 19 मार्च, 2025 को गंगटोक स्थित चिंतन भवन में 'अपने पूर्वोत्तर को जानें' विषय पर क्विज प्रतियोगिता का आयोजन और गंगटोक के पालजोर स्टेडियम में रॉक बैंड प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर, मिज़ोरम, मेघालय, नागालैंड, सिक्किम तथा त्रिपुरा के प्रतिभागियों ने इन प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

गैर-प्रतिस्पर्धी कार्यक्रम:

पूर्वोत्तर भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता को प्रदर्शित करने हेतु दिनांक 18 एवं 19 मार्च, 2025 को गंगटोक स्थित एम.जी. मार्ग पर पारंपरिक संस्कृति का जीवंत प्रदर्शन करते हुए गैर-प्रतिस्पर्धी कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मार्शल आर्ट्स प्रदर्शन, योग प्रदर्शन तथा

ज़ुम्बा नृत्य जैसे अन्य गैर-प्रतिस्पर्धी कार्यक्रम का आयोजन पालजोर स्टेडियम में किया गया था। इन कार्यक्रमों ने पूर्वोत्तर के युवाओं को अपनी कला एवं संस्कृति दर्शाने का अवसर प्रदान किया।

साहसिक कार्यक्रम:

8वें पूर्वोत्तर युवा महोत्सव के दौरान दिनांक 18 एवं 19 मार्च, 2025 को गंगटोक स्थित फम्बोंग लो वन्यजीव अभयारण्य तथा सेलेप टैंक में दो दिवसीय साहसिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। साहसिक कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 18 मार्च, 2025 को फम्बोंग लो वन्यजीव अभयारण्य में कुल 16 किलोमीटर की ट्रेकिंग आयोजित की गई। दिनांक 19 मार्च, 2025 को सेलेप टैंक में रॉक क्लाइम्बिंग गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसमें प्रतिभागियों को रॉक क्लाइम्बिंग की तकनीकों जैसे कि रैपलिंग, ट्रैवर्सिंग, जुमारिंग तथा रॉक क्लाइम्बिंग के सिद्धांतों का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

साहसिक गतिविधियों के कार्यक्रम में सात पूर्वोत्तर राज्यों से कुल 68 प्रतिभागियों तथा 20 प्रशिक्षकों ने सहभागिता की।

समापन समारोह / पुरस्कार वितरण

8वें पूर्वोत्तर युवा महोत्सव का समापन समारोह 20 मार्च, 2025 को गंगटोक स्थित पालजोर स्टेडियम में आयोजित किया गया, जिसमें सिक्किम के माननीय मुख्यमंत्री श्री प्रेम सिंह तमांग (गोलय) मुख्य अतिथि थे तथा भारत सरकार के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की माननीय राज्य मंत्री श्रीमती रक्षा निखिल खडसे प्रसाद 'विशिष्ट अतिथि' के रूप में सम्मिलित हुई थीं।

इस आयोजन में अरुणाचल प्रदेश, मिज़ोरम, सिक्किम और त्रिपुरा के प्रतिभागियों द्वारा मार्शल आर्ट्स का प्रदर्शन किया गया, जिसके बाद सांस्कृतिक प्रतिस्पर्धी कार्यक्रमों के विजेताओं द्वारा नृत्य और गीत प्रस्तुत किए गए तथा स्थानीय कलाकारों द्वारा पारंपरिक याक नृत्य, थीम गीत तथा एकता नृत्य का भी प्रदर्शन किया गया।

इस कार्यक्रम के दौरान, विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन के आधार पर प्रतिभागी राज्यों को प्रमाणपत्र एवं नगद पुरस्कार प्रदान किए गए। इसके उपरांत, माननीय मुख्यमंत्री ने इस महोत्सव के औपचारिक रूप से समापन की घोषणा की।

MARCH 2025

अध्याय-9 : अंतरराष्ट्रीय सहयोग

1. परिचय:

यह विभाग युवाओं से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर अन्य देशों और अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों/संगठनों के साथ मिलकर युवाओं के बीच एक अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य बनाने का प्रयास करता है। यह विभाग युवाओं से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों जैसे कि संयुक्त राष्ट्र स्वयंसेवक (यूएनवी)/संयुक्त राष्ट्रीय विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) और राष्ट्रमंडल युवा कार्यक्रम (सीवाईपी) के साथ भी सहयोग करता है।

2.अंतरराष्ट्रीय सहयोग कार्यक्रम

विभिन्न देशों के युवाओं के बीच विचारों, मूल्यों और सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने तथा शांति और आपसी समझ को बढ़ावा देने के लिए पारस्परिक आधार पर मित्र देशों के साथ युवा प्रतिनिधिमंडलों का आदान-प्रदान किया जाता है। इससे युवाओं में अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य विकसित करने में मदद मिलती है। वित्तीय वर्ष 2024-25 [01.04.2024 से 31.12.2025] के दौरान आयोजित युवा आदान-प्रदान कार्यक्रमों और अन्य कार्यक्रमों का विवरण निम्नानुसार है:

i. विदेश जाने वाला युवा प्रतिनिधिमंडल

दिनांक	स्थान	कार्यक्रम का विवरण	भागीदारी
21 - 26 अप्रैल 2024	क्वालालंपुर, मलेशिया	राष्ट्रमंडल एशिया क्षेत्रीय युवा नेता शिखर सम्मेलन	दो भारतीय युवा प्रतिनिधिमंडल
17- 20 जून 2024	ब्राजील	वाई20 पूर्व - शिखर सम्मेलन	दो भारतीय युवा प्रतिनिधिमंडल
22 - 26 जुलाई, 2024	रूस	10वां ब्रिक्स युवा शिखर सम्मेलन	14-सदस्यीय भारतीय युवा प्रतिनिधिमंडल
10 - 17 अगस्त, 2024	ब्राजील	वाई20 शिखर सम्मेलन	5-सदस्यीय भारतीय युवा प्रतिनिधि

ii. देश में आने वाला युवा प्रतिनिधिमंडल

दिनांक	स्थान	कार्यक्रम का विवरण	भागीदारी
19 से 27 फरवरी, 2025	अहमदाबाद, जामनगर, पोरबंदर, सासन गिर, कोल्हापुर, दिल्ली	जामसाहेब मेमोरियल युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत पोलैंड युवा प्रतिनिधिमंडल का भारत भ्रमण	21- सदस्यीय पोलैंड युवा प्रतिनिधिमंडल
22– 28 मार्च 2025	दिल्ली, आगरा एवं गोवा	मध्य एशिया युवा प्रतिनिधिमंडल	मध्य एशिया के पाँच देशों – (कज़ाकिस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान) से 99-सदस्यीय युवा प्रतिनिधिमंडल

iii. अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में युवा कार्यक्रम विभाग की भागीदारी

दिनांक	स्थान/ मोड	कार्यक्रम का विवरण	भागीदारी
16 - 18 अप्रैल 2024	न्यूयॉर्क	संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक परिषद (ईसीओएसओसी) युवा फोरम	सचिव (युवा कार्यक्रम)
16 अप्रैल 2024	वर्चुअल रूप में	पब्लिक डिप्लोमेसी पर रूस द्वारा आयोजित ब्रिक्स अंतरराष्ट्रीय युवा फोरम	संयुक्त सचिव(युवा कार्यक्रम)
17 अप्रैल 2024	वर्चुअल रूप में	रूस द्वारा आयोजित ब्रिक्स युवा परिषद की द्वितीय बैठक	संयुक्त सचिव(युवा कार्यक्रम) और निदेशक(एनवाईकेएस)
21 - 26 अप्रैल 2024	क्वालालंपुर, मलेशिया	राष्ट्रमंडल एशिया क्षेत्रीय युवा नेतृत्व शिखर सम्मेलन एवं वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक	निदेशक(अंतरराष्ट्रीय सहयोग)
25 - 30 जून, 2024	उज्बेकिस्तान	वैश्विक युवा महोत्सव	संयुक्त सचिव (युवा कार्यक्रम) और निदेशक (अंतरराष्ट्रीय सहयोग)
22 से 26th जुलाई, 2024	रूस	10वां ब्रिक्स युवा शिखर सम्मेलन	संयुक्त सचिव (युवा कार्यक्रम)
25 जुलाई, 2024	रूस	ब्रिक्स युवा मंत्रालयी बैठक	माननीय युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री (एमओएस)
3 – 4 अक्तूबर, 2024	अस्ताना, कज़ाकिस्तान	सीआईसीए देशों के स्वयंसेवी आंदोलन नेताओं की रैली और सातवीं सीआईसीए युवा परिषद बैठक	5-सदस्यीय भारतीय प्रतिनिधिमंडल (अधिकारी)
30 अक्तूबर – 2 नवंबर, 2024	कजान, रूस	ब्रिक्स युवा परिषद बैठक	निदेशक (अंतरराष्ट्रीय सहयोग) और एक अधिकारी (एनवाईकेएस)

iv. अन्य अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम/ बैठक/ संगोष्ठियां

दिनांक	स्थान/ मोड	कार्यक्रम का विवरण	भागीदारी
7 से 11 फरवरी, 2025	अहमदाबाद/ गांधीनगर, गुजरात	प्रथम बीआईएमएसटीईसी युवा शिखर सम्मेलन	(i) 55 अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधिमंडल (ii) 8 भारतीय प्रतिनिधिमंडल (iii) युवा कार्यक्रम विभाग

वर्तमान में, युवा कार्यक्रम विभाग के पास अंतरराष्ट्रीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम और युवा मामलों के संबंध में सहयोग हेतु विभिन्न देशों अर्थात् आर्मेनिया, बहरीन, बांग्लादेश, बेलारूस, भूटान, मिस्र, फिजी, इंडोनेशिया, केन्या, कुवैत, किर्गिस्तान, मॉरीशस, नेपाल, फिलिस्तीन, रूस, सऊदी अरब, सेनेगल, सेशेल्स, दक्षिण कोरिया, श्रीलंका, ताजिकिस्तान, ट्यूनीशिया, तुर्की, तुर्कमेनिस्तान, वियतनाम, मलेशिया,

मालदीव, मलावी, ग्रीस एवं उज्बेकिस्तान के कुल **30** द्विपक्षीय समझौता ज्ञापन/संयुक्त वक्तव्य सक्रिय हैं। इसके अतिरिक्त, इसी उद्देश्य के लिए ब्रिक्स (ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन एवं दक्षिण अफ्रीका) और एससीओ (शंघाई सहयोग संगठन) के साथ दो बहुपक्षीय समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए गए हैं।

3. संयुक्त राष्ट्र एजेंसियों/राष्ट्रमंडल युवा कार्यक्रम के साथ सहयोग

i. **संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी)/संयुक्त राष्ट्र स्वयंसेवक (यूएनवी):**

मंत्रालय युवाओं से जुड़े विभिन्न मामलों पर इन एजेंसियों के साथ निकट सहयोग से काम कर रहा है। मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग की मंजूरी से यूएनवी कार्यक्रम के लिए भारत की ओर से स्वैच्छिक योगदान के रूप में प्रति वर्ष 20,000 अमेरिकी डॉलर जारी करता है।

ii. **राष्ट्रमंडल युवा कार्यक्रम (सीवाईपी):**

सीवाईपी 1973 से अस्तित्व में है और पहले लंदन स्थित मुख्यालय तथा भारत, गुयाना, जाम्बिया और सोलोमन द्वीप में स्थापित अपने 4 क्षेत्रीय केंद्रों से संचालित किया जाता था। तथापि, 2013-14 के दौरान, सीवाईपी ने चंडीगढ़ सहित अपने कार्यालय सहित सभी क्षेत्रीय केंद्रों को बंद करने का निर्णय लिया। भारत राष्ट्रमंडल सचिवालय को वार्षिक वचनबद्धता राशि का योगदान देता है। मंत्रालय राष्ट्रमंडल सचिवालय को भारत के वार्षिक योगदान के रूप में 138968 जीबीपी (लगभग 1.50 करोड़ रुपये) का योगदान जारी करता है।

4. अंतरराष्ट्रीय आदान-प्रदान कार्यक्रम

i. पोलैंड युवा प्रतिनिधिमंडल का भारत दौरा:

भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 21-22 अगस्त 2024 को पोलैंड की यात्रा के दौरान "जामसाहेब मेमोरियल यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम" के अंतर्गत भारत में पोलैंड युवा प्रतिनिधिमंडल का दौरा पहल की घोषणा की थी। यह आदान-प्रदान कार्यक्रम भारत और पोलैंड के ऐतिहासिक संबंधों को दर्शाता है और वैश्विक स्तर पर जन-से-जन तक संपर्क, युवा आदान-प्रदान तथा युवा सहभागिता को बढ़ावा देने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

यह प्रतिनिधिमंडल गुजरात के नवानगर के महाराजा जामसाहेब दिग्विजय सिंहजी, जिन्होंने द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान पोलिश बच्चों को शरण दी थी, की मानवीय विरासत से प्रेरित है और दोनों देशों के बीच स्थायी मित्रता को और मजबूत करने का एक प्रयास है। 19 से 27 फरवरी 2025 तक 21 सदस्यीय पोलिश युवा प्रतिनिधिमंडल ने भारत का दौरा किया जिसमें उन्होंने अहमदाबाद, जामनगर, पोरबंदर, गिर, दीव, कोल्हापुर और दिल्ली सहित कई सांस्कृतिक और ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण स्थानों का भ्रमण किया।

यह दौरा भारत और पोलैंड के ऐतिहासिक संबंधों को मान्यता देता है। जामनगर में स्थित बालाचड़ी स्मारक, जहाँ पोलिश प्रतिनिधिमंडल ने भ्रमण किया, इस मानवीय कार्य का उदाहरण है और भारत-पोलैंड मित्रता का स्थायी प्रतीक है। यह प्रतिनिधिमंडल भारत और पोलैंड के बीच बढ़ते युवा सहयोग का भी संकेत देता है, जो आपसी समझ को बढ़ावा देगा, द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करेगा और भविष्य में विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग का मार्ग प्रशस्त करेगा।

प्रतिनिधिमंडल ने भारत की ऐतिहासिक विरासत, सांस्कृतिक समृद्धि और आधुनिक उपलब्धियों का अनुभव किया।

भारत में पोलिश युवा प्रतिनिधिमंडल का दौरा एक ऐतिहासिक और परिवर्तनकारी पहल है, जो भारत और पोलैंड के बीच स्थायी मित्रता और साझा इतिहास का स्मरण कराती है।

जामसाहेब मेमोरियल यूथ एक्सचेंज कार्यक्रम के अंतर्गत पोलैंड युवा प्रतिनिधिमंडल के भारत दौरे की झलकियां:

पोलैंड युवा प्रतिनिधिमंडल ने ऐतिहासिक दीव किले का दौरा किया और इसकी भव्य वास्तुकला का अवलोकन किया।

पोलैंड युवा प्रतिनिधिमंडल ने पोरबंदर, गुजरात में महात्मा गांधी के जन्मस्थान, कीर्ति मंदिर का दौरा किया।

ii. **मध्य एशिया युवा प्रतिनिधिमंडल का भारत दौरा:**

युवा कार्यक्रम विभाग अंतरराष्ट्रीय साझेदारों के सहयोग से भारतीय युवाओं में वैश्विक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। इसकी प्रमुख पहलों में से एक, अंतरराष्ट्रीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम (आईवाईईपी), मित्र देशों के साथ युवा प्रतिनिधिमंडलों के पारस्परिक आदान-प्रदान को सुगम बनाने के लिए तैयार किया गया है। इन आदान-प्रदानों का उद्देश्य भाग लेने वाले देशों के युवाओं के बीच आपसी समझ, शांति और सांस्कृतिक सद्भाव को विकसित करना है, जिससे द्विपक्षीय और बहुपक्षीय संबंधों को और मजबूत बनाया जा सके।

इस विजन के अनुरूप, युवा कार्यक्रम विभाग ने 22 से 28 मार्च 2025 तक तीसरे मध्य एशियाई युवा प्रतिनिधिमंडल की मेजबानी की। 100 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने आगरा, गोवा और दिल्ली में ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और शैक्षणिक स्थलों का भ्रमण किया। इस दौरे में सांस्कृतिक अनुभव के साथ-साथ बौद्धिक सहभागिता का अवसर भी शामिल था।

ये उच्च-स्तरीय सहभागिताएँ भारत की युवा-केंद्रित नीतियों को प्रदर्शित करने और विकास के लिए अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को उजागर करने के लिए संरचित की गई थीं।

कार्यक्रम ने अंतर-सांस्कृतिक शिक्षा पर बल दिया और भारत की युवा कूटनीति तथा साझा क्षेत्रीय विकास को रेकांकित किया । भारतीय युवा नेताओं और स्वयंसेवकों के साथ संवाद से लेकर भारत की तकनीकी प्रगति और सांस्कृतिक जीवंतता को समझने तक, मध्य एशियाई

युवा प्रतिनिधिमंडल ने भारत को व्यापक रूप से देखा जहां समृद्ध विरासत और प्रगतिशील विजन के साथ-साथ लोकतांत्रिक और बहुलवादी समाज विद्यमान है।

यह पहल भारत और मध्य एशिया के बीच युवाओं के विकास, शिक्षा और सांस्कृतिक कूटनीति के क्षेत्रों में बढ़ते सामंजस्य को दर्शाती है। यह एक दूरदर्शी साझेदारी का प्रतिनिधित्व करती है जो युवाओं को सशक्त बनाती है, सीमाओं के पार पुल बनाती है और साझा एवं सतत भविष्य के लिए ऐतिहासिक संबंधों को मजबूत करती है।

5 मध्य एशियाई देशों के युवा प्रतिनिधिमंडल द्वारा भारत के दौरे की झलकियाँ:

मध्य एशियाई युवा प्रतिनिधिमंडल ने ताजमहल का दौरा किया।

मध्य एशिया युवा प्रतिनिधिमंडल ने गोवा में सहकारी स्पाइस फार्म का दौरा किया और भारतीय मसालों की समृद्धी का अवलोकन किया।

मध्य एशिया के युवा प्रतिनिधिमंडल ने गोवा के फोंटेनहास के आकर्षक लैटिन क्वार्टर की जीवंत गलियों में भ्रमण किया और वहाँ की समृद्ध पुर्तगाली विरासत, रंगीन गलियों तथा शाश्वत सुंदरता का अनुभव किया।

मध्य एशियाई युवा प्रतिनिधिमंडल ने माननीय विदेश मंत्री के साथ सारगर्भित संवाद किया।

5. अंतरराष्ट्रीय आयोजन

i. बिम्सटेक युवा शिखर सम्मेलन, भारत 2025:

बिम्सटेक में युवाओं की भागीदारी को मजबूत करने की भारत की प्रतिबद्धता के तहत, देश में **7 से 11 फरवरी 2025 तक गुजरात के अहमदाबाद/गांधीनगर में प्रथम बिम्सटेक युवा शिखर सम्मेलन** की मेजबानी की गई। इस शिखर सम्मेलन का उद्देश्य विशेष रूप से युवा

पहलों और सतत विकास के संदर्भ में बिम्सटेक देशों के युवा नेताओं को अनुभवों और विचारों को साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करना है।

शिखर सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य :

- वैश्विक आर्थिक और सामाजिक चुनौतियों का समाधान करने में युवाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करना।
- युवा नेताओं को सशक्त बनाने संबंधी रणनीतिक चर्चाओं को सुगम बनाना।
- क्षेत्रीय विकास और सहयोग के लिए नवोन्मेषी विचारों का समर्थन करना।

शिखर सम्मेलन का विषय, **"यूथ एज ए ब्रिज फॉर इंट्रा-बिम्सटेक एक्सचेंज"**, सदस्य देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने और सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) 2030 की प्राप्ति में युवा नेताओं की भूमिका को उजागर करता है।

इस शिखर सम्मेलन में 63 प्रतिनिधियों (बिम्सटेक देशों से) ने भाग लिया। शिखर सम्मेलन में डिजिटल अवसंरचना के माध्यम से व्यापार वृद्धि, शासन के लिए आईसीटी और सांस्कृतिक आदान-प्रदान पर चर्चाएं शामिल थीं।

बिम्सटेक क्षेत्रीय विकास का एक प्रमुख प्रेरक बना हुआ है, जो अपने सदस्य देशों के बीच आर्थिक संबंधों और जन-से-जन संपर्कों को मजबूत करता है।

बिम्सटेक युवा शिखर सम्मेलन, भारत 2025 की प्रमुख झलकियां:

माननीय गुजरात के मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र रजनीकांत पटेल, माननीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री तथा राज्य मंत्री द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ बिम्सटेक युवा शिखर सम्मेलन का शुभारंभ हुआ जिन्होंने इस अवसर पर उपस्थित प्रतिनिधियों का हार्दिक स्वागत किया।

श्रीमती मीता राजीवलोचन (सचिव, युवा कार्यक्रम), श्री इंद्र मणि पांडे, महासचिव (बिम्सटेक) और श्री मोनिक पारिख, निदेशक, पारिख इन्फ्राकॉन ने प्रमुख युवा पहलों पर चर्चा की और माय भारत पोर्टल को युवाओं के सशक्तिकरण और राष्ट्र-निर्माण के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में रेखांकित किया।

बिम्सटेक युवा शिखर सम्मेलन का समापन गांधी नगर, गुजरात के महात्मा मंदिर में प्रेरणादायी समापन सत्र के साथ हुआ।

प्रतिनिधिमंडल ने साबरमती रिवरफ्रंट का दौरा किया, जो प्रकृति और आधुनिकता का सुंदर संगम है।

ii. **ब्रिक्स युवा परिषद उद्यमिता पूर्व-परामर्श**:

ब्रिक्स युवा परिषद में भारत को उद्यमिता कार्य समूह का नेतृत्व सौंपा गया, जिसका उद्देश्य अपने जीवंत स्टार्ट-अप इकोसिस्टम को प्रदर्शित करना और इस मंच का उपयोग सहयोग, कौशल-विकास तथा अंतरराष्ट्रीय आर्थिक एकीकरण को बढ़ावा देने के लिए करना था।

इसके अंतर्गत, युवा कार्यक्रम विभाग ने आठ विषयगत पूर्व-कार्यक्रम आयोजित किए। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य जमीनी स्तर पर भागीदारी का विस्तार करना और केंद्रीय विषय "सतत विकास के लिए युवा उद्यमिता" की गहन समझ विकसित करना था।

पहचाने गए क्षेत्रीय सहभागिता विषयों में डिजिटल नवाचार, सतत अर्थव्यवस्था और सार्वजनिक-निजी भागीदारी जैसे ब्रिक्स अर्थव्यवस्थाओं में युवा नेतृत्व पर विशेष बल देने वाले नवोन्मेषी और दूरदर्शी विषय शामिल थे।

ये सहभागिताएं एक सुसंगत वर्णन और प्रभावशाली परिणाम निर्मित करने में महत्वपूर्ण थीं, जिन्हें मुख्य कार्य समूह बैठक के दौरान प्रस्तुत किया जा सकता है। ये पूर्व-कार्यक्रम देश के विभिन्न हिस्सों में आयोजित किए गए ताकि सभी क्षेत्रों और जीवन के विभिन्न क्षेत्रों से युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। सहभागिताओं का विवरण नीचे तालिका में दिया गया है:

तिथि	विश्वविद्यालय	स्थान	विषय
15.01.2025	मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय	नई दिल्ली	सार्वजनिक-निजी भागीदारी में युवा नेतृत्व: भारत के आर्थिक और सुरक्षा एजेंडा को आगे बढ़ाना
17.01.2025	माता सुंदरी महिला महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय	नई दिल्ली	समावेशी अर्थव्यवस्थाओं के नवप्रवर्तक के रूप में युवा: भारत में सतत विकास को आगे बढ़ाना
24.01.2025	भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम), जम्मू	जम्मू और कश्मीर	उद्यमिता, स्थिरता और भारत की अग्रणी विकास के लिए युवा-जनित नवाचार
28.01.2025	नेशनल फॉरेंसिक साइंस यूनिवर्सिटी (एनएफएसयू), गांधीनगर	गांधीनगर	परंपरा और नवाचार का संगम: भारत में परंपराओं के पुनर्उत्थान और सतत विकास के लिए युवा उद्यमिता
04.02.2025	कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी (केआईआईटी), भुवनेश्वर	भुवनेश्वर	युवाओं को सशक्त बनाना: भारत में ब्लू इकॉनमी और सतत तकनीकी उद्यमिता के केंद्र के रूप में ओडिशा
07.02.2025	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), गुवाहाटी	गुवाहाटी	पूर्वोत्तर भारत को सशक्त बनाना: सतत विकास और राष्ट्रीय संपर्कता के लिए युवा नवाचार
15.02.2025	मानसरोवर ग्लोबल विश्वविद्यालय, भोपाल	भोपाल	डिजिटल नवाचार और उद्यमिता: भारत के युवाओं को एक सहनशील भविष्य के लिए सक्षम बनाना
19.02.2025	भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बंगलुरु	बंगलुरु	भविष्य के लिए डीप टेक: उभरती प्रौद्योगिकियों में भारत की नेतृत्व क्षमता को आगे बढ़ाने वाले युवा-जनित नवाचार

8 **पूर्व-कार्यक्रमों की झलकियां**:

श्रीमती मीता राजीवलोचन, सचिव (युवा कार्यक्रम), प्रोफेसर बिजयलक्ष्मी नंदा और अन्य गणमान्य जन मिरांडा हाउस, दिल्ली विश्वविद्यालय का ब्रिक्स युवा परिषद उद्यमिता पूर्व-परामर्श में आगमन

डॉ. सिमर प्रीत कौर और डॉ. प्रियदर्शिनी भट्टाचार्य, सहायक प्रोफेसर, माता सुंदरी कॉलेज, ने ब्रिक्स युवा परिषद उद्यमिता पूर्व-परामर्श का वर्णन किया, जिसमें इसके उद्देश्यों, नवाचार और भारत में सतत विकास पर बल दिया गया।

उद्यमशील नवाचार और प्रभावशाली विकास के लिए रणनीतियों पर पैनल चर्चा

आईआईएससी, बेंगलुरु, कर्नाटक में राष्ट्रीय गान के दौरान वक्ता, अतिथि और प्रतिभागी

अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर, भोपाल में कार्यक्रम के सफल उद्घाटन के दौरान 1000+ से अधिक प्रतिभागियों की सहभागिता

राष्ट्रीय फॉरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय, गांधीनगर, गुजरात में गहरी उत्सुकता और सहभागिता को दर्शाता छात्रों, उद्यमियों, शिक्षाविदों और उद्योग का विविधतापूर्ण समागम।

i. वॉइस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट (वीओजीएसएस)- युवा मंत्रियों का सत्र

वर्ष 2023 में भारत ने जनवरी और नवंबर माह में वॉइस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट (वीओजीएसएस) के क्रमशः प्रथम और द्वितीय वर्चुअल संस्करणों की सफल मेजबानी की। इन सम्मेलनों में 100 से अधिक विकासशील देशों को अपने विकास संबंधी चिंताओं को व्यक्त करने, दृष्टिकोण साझा करने और वैश्विक चुनौतियों पर सहयोग करने का मंच मिला।

पिछले शिखर सम्मेलनों के परिणामों को ध्यान में रखते हुए, 17 अगस्त, 2024 को तृतीय वॉइस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट आयोजित किया गया, जिसमें सदस्य देशों के बीच युवा सहयोग को संस्थागत बनाने के लिए ठोस परिणामों पर विशेष बल दिया गया।

सचिव (युवा कार्यक्रम) की अध्यक्षता में "बेहतर भविष्य के लिए युवा सहभागिता" विषय पर आयोजित युवा मंत्रियों के सत्र में विकास में युवाओं को प्रमुख हितधारक के रूप में स्थापित करने हेतु व्यावहारिक प्रस्ताव प्राप्त हुए। इनमें युवाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रौद्योगिकी-आधारित मंचों का निर्माण और विस्तार शामिल था, जो भारत की माय भारत पहल के मॉडल पर आधारित हो जिसपर बड़े पैमाने पर एक्पीरिएंशियल लर्निंग और स्वयंसेवा के अवसर प्रदान किया जाए।

इस सत्र में एक व्यापक युवा सहभागिता और सशक्तिकरण रूपरेखा की भा सलाह दी गई, जो ग्लोबल साउथ की विविध सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियों के अनुरूप हो और शिक्षा, मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक भागीदारी और खेलों में समग्र समर्थन सुनिश्चित करे। ये परिणाम ग्लोबल साउथ देशों के बीच दीर्घकालिक, युवा-केंद्रित सहयोग के लिए एक दूरदर्शी खाका प्रस्तुत करते हैं।

वॉइस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट (वीओजीएसएस) - युवा मंत्रियों के सत्र की झलकियां

वॉइस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट (वीओजीएसएस) में युवा मंत्रियों के सत्र में युवा कार्यक्रम विभाग का प्रतिनिधित्व सचिव (युवा कार्यक्रम) ने किया।

अध्याय-10: राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम (एनवाईएलपी)

1. पृष्ठभूमि

वर्ष 2014-15 की बजट घोषणा के अनुसरण में, युवाओं में नेतृत्व क्षमता विकसित करने के उद्देश्य से दिसंबर, 2014 में 'राष्ट्रीय युवा नेता कार्यक्रम (एनवाईएलपी)' नामक एक नई केंद्रीय क्षेत्र की योजना शुरू की गई थी ताकि वे अपनी पूरी क्षमता का उपयोग कर सकें और इस तरह राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में योगदान दे सकें।

2. कार्यक्रम के लाभार्थी

इस कार्यक्रम के लाभार्थी 15-29 वर्ष की आयु वर्ग के युवा हैं, जो राष्ट्रीय युवा नीति, 2014 में 'युवा' की परिभाषा के अनुरूप है।

3. कार्यक्रम का उद्देश्य

इस कार्यक्रम का उद्देश्य एक ऐसा संस्थागत मंच तैयार करना है, जहां युवा अपने विचार व्यक्त कर सकें और अपने जीवन को प्रभावित करने वाले मुद्दों/सरोकारों की ओर स्थानीय प्रशासन का ध्यान आकर्षित कर सकें, युवाओं को समकालीन सामाजिक-आर्थिक विकास के मुद्दों के बारे में शिक्षित किया जा सके तथा वे सामुदायिक विकास और समाज कल्याण से जुड़ी गतिविधियों पर अपने अनुभव और विचार साझा करने कर सकें। कार्यक्रम के अंतर्गत, आठ श्रेणियों के विषयों से मुद्दे लिए गए। कार्यक्रमों के दौरान, विषयगत विशेषज्ञों के अलावा, बड़ी संख्या में माननीय सांसदों, माननीय मंत्रियों, जन प्रतिनिधियों, पंचायती राज संस्थाओं के सदस्यों, युवा क्लबों के सदस्यों और युवा स्वयंसेवकों ने कार्यक्रमों के विचार-विमर्श के दौरान भाग लिया।

4. पड़ोस युवा संसद:

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने जिला, ब्लॉक और गांव स्तर पर योजना के प्रमुख घटक अर्थात् 'पड़ोस युवा संसद' (एनवाईपी) को कार्यान्वित करने की जिम्मेदारी एनवाईकेएस को सौंपी है।

एनवाईपी के उद्देश्य निम्नानुसार हैं:

- गाँव स्तर तक एक संस्थागत मंच बनाना, जहाँ युवा विभिन्न मुद्दों पर अपने विचार व्यक्त कर सकें और अपने जीवन को प्रभावित करने वाले ऐसे मुद्दों/समस्याओं की ओर स्थानीय प्रशासन का ध्यान आकर्षित कर सकें।
- युवा क्लबों के मंच को जीवंत 'पड़ोस युवा संसद' के रूप में विकसित करना ताकि युवा क्लब के सदस्यों को स्थानीय समुदायों और विशेष रूप से युवाओं के सामने आने वाले समकालीन सामाजिक-आर्थिक विकास मुद्दों के बारे में जानकारी दी जा सके और उन्हें ऐसे मुद्दों पर बहस/चर्चा में शामिल किया जा सके।
- अपने अनुभव और विचार साझा करना; पंचायती राज संस्थाओं, विकास भागीदारों, सेवा प्रदाताओं, ग्राम समुदायों और स्थानीय प्रशासन के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में पड़ोस युवा संसद के माध्यम से समाज और विशेष रूप से युवाओं से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर वाद-विवाद करना।
- समाज के सभी वर्गों के प्रतिनिधित्व के साथ युवा क्लबों और महिला मंडलों के मौजूदा नेटवर्क को मजबूत और उन्नत करना।

अध्याय-11: युवा छात्रावास

यूथ हॉस्टल (युवा छात्रावास) का निर्माण युवाओं में यात्रा करने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देने और युवाओं को देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का अनुभव कराने के लिए किया जाता है। युवा छात्रावास केंद्र और राज्य सरकारों का संयुक्त उपक्रम है। जहां केंद्र सरकार निर्माण की लागत वहन करती है, वहीं राज्य सरकार मुफ्त में पूरी तरह से विकसित भूमि, जलापूर्ति, बिजली और पहुंच मार्ग उपलब्ध कराती है। युवा छात्रावास युवाओं को उचित दरों पर अच्छा आवास मुहैया कराते हैं और केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त प्रबंधकों और वार्डन द्वारा उनकी व्यवस्था देखी जाती है।

इन उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए, युवा छात्रावास आमतौर पर ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक केन्द्रों में और पर्यटन का महत्व रखने वाले स्थानों पर स्थापित किए जाते हैं। युवा छात्रावास के प्रबंधन के लिए छात्रावास प्रबंधन समिति (एचएमसी) का गठन किया जाता है। राज्यों की राजधानियों के अलावा अन्य जिलों में स्थित युवा छात्रावासों के लिए, उपायुक्त/जिला मजिस्ट्रेट एच.एम.सी. के अध्यक्ष होते हैं, जबकि राज्यों की राजधानियों में स्थित युवा छात्रावासों के लिए, संबंधित राज्य सरकार के युवा कार्यक्रम विभाग के सचिव एच.एम.सी. के अध्यक्ष होते हैं।

देश भर में कुल 84 युवा छात्रावासों का निर्माण किया गया है और कोटा में एक और युवा छात्रावास निर्माणाधीन है। 84 युवा छात्रावासों में से वर्तमान में 73 युवा छात्रावास युवा कार्यक्रम विभाग के प्रशासनिक नियंत्रण में हैं (सूची अनुबंध-IV में दी गई है) जबकि 11 छात्रावासों को युवाओं और खेल विकास के लिए इष्टतम उपयोग के लिए नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस)/भारतीय खेल प्राधिकरण (साई)/संबंधित राज्य सरकारों को हस्तांतरित कर दिया गया है (सूची अनुबंध-II में दी गई है)। कुल अठारह युवा छात्रावासों को आईएसओ 9001: 2015 प्रमाणन (सूची अनुबंध-V में दी गई है) प्राप्त है।

अध्याय-12: स्काउटिंग एवं गाइडिंग संगठनों को प्रोत्साहन

देश में स्काउट और गाइड अभियान को बढ़ावा देने के लिए 1980 के दशक की शुरुआत में केंद्रीय क्षेत्र की योजना स्काउटिंग और गाइडिंग योजना शुरू की गई थी। यह एक अंतरराष्ट्रीय अभियान है जिसका उद्देश्य युवा लड़कों और लड़कियों में चरित्र-निर्माण, आत्मविश्वास, आदर्शवाद और देशभक्ति एवं सेवा-भाव पैदा करना है। इस प्रक्रिया में स्काउटिंग और गाइडिंग लोगों के बीच संतुलित शारीरिक और मानसिक विकास को बढ़ावा भी देता है।.

इस योजना के अंतर्गत स्काउटिंग एवं गाइडिंग संगठनों को विभिन्न कार्यक्रमों, जैसे कि प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन, कौशल विकास कार्यक्रम, जम्बूरी का आयोजन आदि के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इन गतिविधियों में अन्य बातों के साथ-साथ वयस्क साक्षरता, पर्यावरण संरक्षण, सामुदायिक सेवा, स्वास्थ्य जागरूकता तथा स्वच्छता एवं सफाई को बढ़ावा देने से संबंधित कार्यक्रम शामिल हैं।

भारत स्काउट्स एंड गाइड्स (बीएसएंडजी) और हिंदुस्तान स्काउट्स एंड गाइड्स (एचएसएंडजी) नामक दो गैर-सरकारी संगठन हैं, जिन्हें देश भर में स्काउटिंग और गाइडिंग के कार्यकलाप के संचालन के लिए युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। वर्ष 2024-25 के दौरान, विभाग ने विभिन्न स्काउटिंग और गाइडिंग कार्यकलाप के संचालन के लिए भारत स्काउट्स एंड गाइड्स, राष्ट्रीय मुख्यालय, नई दिल्ली को 75 लाख रुपये की अनुदान राशि मंजूर की।

खेल विभाग

अध्याय-13: खेल विभाग का परिचय

समग्र मानव विकास के लिए खेल और खेलकूद महत्वपूर्ण हैं, जो न केवल मनोरंजन और शारीरिक जिननास्टिक्स के रूप में काम करते हैं, बल्कि स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और सामुदायिक जुड़ाव की भावना को भी बढ़ावा देते हैं। वैश्विक मंच पर एथलेटिक उपलब्धियाँ लंबे समय से राष्ट्रीय गौरव का स्रोत रही हैं।

राष्ट्र के लिए खेलों का महत्व अब केवल वैश्विक मंच पर उत्कृष्टता दिखाने से आगे बढ़कर एक बहुआयामी भूमिका निभाने तक पहुँच गया है जहां यह स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देकर, आर्थिक गतिविधियों को प्रेरित करके, सामुदायिक जुड़ाव को बढ़ावा देकर और अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियों के माध्यम से राष्ट्रीय गौरव के अवसर देकर देश के समग्र विकास में योगदान दे रहा है। राष्ट्र निर्माण में इस बहुआयामी महत्व को पहचानते हुए, भारत सरकार ने खेल विभाग के माध्यम से कई प्रमुख योजनाओं और पहलों को लागू किया है, जिनका उद्देश्य एथलीटों और हितधारकों को विभिन्न विषयों में अपनी पूरी क्षमता तक पहुँचने में सहायता करना है। खेलो इंडिया, राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय तथा राष्ट्रीय खेल विज्ञान और अनुसंधान केंद्र जैसे प्रमुख कार्यक्रमों के साथ, इसका उद्देश्य भारत के खेलों के बुनियादी ढांचे और क्षमताओं को प्रमुख देशों के समकक्ष तैयार करना है। हालांकि खेलों ने दशकों तक ध्यान आकर्षित किया, फिर भी 1982 के एशियाई खेलों की मेजबानी के बाद इसे सम्पूर्ण बल मिला, जिससे 1984 और 2001 की राष्ट्रीय खेल नीतियाँ बनीं, जिसमें खेलों के विकास और बढ़ावा देने के लिए एक सुव्यवस्थित रूपरेखा तैयार की गई, जिसमें "व्यापक आधार" और "उत्कृष्टता प्राप्त करना" के दोहरे स्तंभ एक सुदृढ़ खेल संस्कृति और विशिष्ट प्रतिभा को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

चूंकि आधुनिक खेल अत्यधिक प्रतिस्पर्धी हो गए हैं, इसलिए उन्नत बुनियादी ढांचे, उपकरणों और वैज्ञानिक सहायता के उपयोग ने अंतरराष्ट्रीय खेल परिदृश्य को बदल दिया है। ऐसे अत्याधुनिक संसाधनों की बढ़ती मांगों को स्वीकारते हुए, भारत सरकार ने भी एथलीटों को प्रशिक्षण देकर, अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने का अवसर देकर और वैज्ञानिक सहायता एवं अत्याधुनिक उपकरणों तक पहुँच देकर सहायता करने के लिए कई पहल की हैं। इस व्यापक सहायता का उद्देश्य भारतीय खिलाड़ियों को विश्व मंच पर उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक उपकरणों से लैस करना है।

खेल विभाग (डीओएस) की योजनाएं

खेल विभाग ने राष्ट्रीय खेल नीति-2001 में उल्लिखित प्रमुख उद्देश्यों यथा "खेलों का व्यापक आधार" और "राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करना" को पूरा करने के लिए अपनी योजनाएँ तैयार की हैं। इन योजनाओं का संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है:

1.1. **खेलो इंडिया - राष्ट्रीय खेल विकास कार्यक्रम**

वित्त वर्ष **2016-17** में, **'**खेलो इंडिया - राष्ट्रीय खेल विकास कार्यक्रम**'** या खेलो इंडिया योजना को केंद्रीय क्षेत्र की योजना के रूप में चलाया गया था। इसे तीन पूर्व योजनाओं यथा- राजीव गांधी खेल अभियान (आरजीकेए), शहरी खेल अवसंरचना योजना (यूएसआईएस) और राष्ट्रीय खेल प्रतिभा खोज योजना (एनएसटीएसएस) को समेकित करके तैयार किया गया था। वर्ष 2016-17 में योजना के कार्यान्वयन से प्राप्त अनुभव और प्रमुख हितधारकों, विशेषकर राज्य सरकारों से प्राप्त परामर्श और सुझावों के आधार पर खेलो इंडिया योजना को 12 घटकों के साथ पुनर्गठित किया गया और दिनांक 14.10.2017 को ₹1756 करोड़ के कुल परिव्यय के साथ अधिसूचित किया गया। पुनर्गठित खेलो इंडिया योजना को तीन वित्तीय वर्षों 2017-18 से 2019-20 तक अर्थात् 31.03.2020 तक स्वीकृति दी गई। योजना को एक वर्ष की अंतरिम अवधि के लिए 31.03.2021 तक बढ़ाया गया।

योजना को पुनः पाँच वर्षों की अवधि के लिए 2021-22 से 2025-26 तक जारी रखा गया। इसके अतिरिक्त, परिव्यय में ₹625 करोड़ की वृद्धि की गई, जिससे खेलो इंडिया योजना की कुल परिव्यय ₹3165.50 करोड़ से बढ़कर ₹3790.50 करोड़ हो गई।

1.2. राष्ट्रीय खेल महासंघों को सहायता

इस योजना के माध्यम से, भारत सरकार राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) और अन्य खेल संगठनों को सहायता देती है। इस सहायता में राष्ट्रीय चैंपियनशिप का आयोजन, भारत के भीतर अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट की मेजबानी, विदेशों में अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में भागीदारी की सुविधा, कोचिंग कैंप आयोजित करना, आवश्यक खेल उपकरण खरीदना तथा प्रशिक्षण और कौशल विकास को बढ़ाने के लिए विदेशी कोचों की सेवाएँ लेना शामिल है।

1.3 अंतरराष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं में पदक विजेताओं और उनके कोचों को नकद प्रोत्साहन स्कीम

1986 में शुरू की गई 'अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में पदक विजेताओं और उनके कोचों को नकद पुरस्कार' योजना का उद्देश्य उत्कृष्ट खिलाड़ियों को बड़ी उपलब्धियों के लिए प्रयास करने के लिए प्रोत्साहित करना और प्रेरित करना है, तथा युवा पीढ़ी को खेल को करियर के रूप में अपनाने के लिए आकर्षित करना है। इस पहल के माध्यम से, प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों और उनके संबंधित कोचों को उनकी उपलब्धियों के सम्मान में ₹1.00 लाख से लेकर ₹75.00 लाख तक के नकद पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। यह वित्तीय प्रोत्साहन असाधारण प्रदर्शनों को पुरस्कृत करने और खेल उत्कृष्टता के लिए अनुकूल माहौल को बढ़ावा देने के साधन के रूप में कार्य करता है।

1.4. राष्ट्रीय खेल पुरस्कार (एनएसए)

प्रतिष्ठित राष्ट्रीय खेल पुरस्कार भारत के माननीय राष्ट्रपति द्वारा सामान्यत: राष्ट्रीय खेल दिवस (29 अगस्त, हॉकी के दिग्गज मेजर ध्यानचंद की जयंती) पर प्रतिवर्ष प्रदान किए जाते हैं। ये पुरस्कार उत्कृष्ट खिलाड़ियों, कोचों और खेलों को बढ़ावा देने वाली संस्थाओं को सम्मानित करते हैं। राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों में शामिल ये हैं:

- मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार: वर्ष **1991-92** में शुरू किया गया यह पुरस्कार पिछले चार वर्षों में खिलाड़ी के शानदार और उत्कृष्ट प्रदर्शन को मान्यता देता है। इसमें एक पदक, प्रमाण पत्र, औपचारिक पोशाक और रु.**25** लाख का नकद पुरस्कार शामिल है।
- अर्जुन पुरस्कारः वर्ष **1961** में स्थापित, यह पुरस्कार उन खिलाड़ियों को दिया जाता है जिन्होंने पिछले चार वर्षों से नेतृत्व गुणों, खेल भावना और विधा को दर्शाते हुए अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है, है। पुरस्कार विजेताओं को एक प्रतिमा, प्रमाण पत्र, औपचारिक पोशाक और रु.**15** लाख का नकद पुरस्कार दिया जाता है।
- **अर्जुन पुरस्कार (जीवनपर्यन्त) पुरस्कार:** यह पुरस्कार उन खिलाड़ियों को दिया जाता है जिनकी उत्कृष्ट उपलब्धियाँ रही हैं और जो अपने सक्रिय खेल करियर से संन्यास लेने के बाद भी खेलों के प्रचार-प्रसार में योगदान करते रहते हैं। पुरस्कार विजेताओं को एक प्रतिमा, प्रमाणपत्र, औपचारिक पोशाक और ₹15 लाख की नकद राशि प्रदान की जाती है।
- **द्रोणाचार्य पुरस्कार**ः वर्ष **1985** में स्थापित, यह पुरस्कार उन प्रतिष्ठित प्रशिक्षकों को सम्मानित करता है जिन्होंने उत्कृष्ट अंतर्राष्ट्रीय परिणाम प्राप्त करने में राष्ट्रीय एथलीटों और टीमों की सहायता की है। पुरस्कार विजेताओं को एक प्रतिमा, प्रमाण पत्र, औपचारिक पोशाक और रु.**15** लाख (आजीवन श्रेणी) या रु.**10** लाख (नियमित श्रेणी) का नकद पुरस्कार दिया जाता है।

- **मौलाना अबुल कलाम आजाद (माका) ट्रॉफी:** कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में प्रतिस्पर्धी खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, माका ट्रॉफी, रु.15 लाख के नकद पुरस्कार के साथ, खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के विजेता को दी जाती है। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में दूसरे और तीसरे स्थान पर आने वालों को क्रमशः रु.7.5 लाख और रु.4.5 लाख मिलते हैं।
- **राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार:** वर्ष 2009 में शुरू किए गए इस पुरस्कार में किसी निजी, कॉर्पोरेट कम्पनी तथा गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) द्वारा खेल संवर्धन और विकास के एक से अधिक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करते हैं, को मान्यता दी जाती है एवं उसे राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार में विचार के लिए पात्र माना जाएगा। इसमें चार श्रेणियां हैं: (क) नवोदित/युवा प्रतिभाओं की पहचान और पोषण, (ख) कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के माध्यम से खेलों को प्रोत्साहन, (ग) खिलाड़ियों को रोजगार और खेल संबंधी कल्याण उपाय और (घ) विकास के लिए खेल।

1.5. मेधावी खिलाड़ियों को पेंशन के लिए खेल निधि स्कीम

वर्ष 1994 में शुरू की गई मेधावी खिलाड़ियों को पेंशन योजना का उद्देश्य उन उत्कृष्ट भारतीय पूर्व खिलाड़ियों को वित्तीय सहायता प्रदान करना है, जिन्होंने प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में अपनी उपलब्धियों के माध्यम से देश को गौरवान्वित किया है। इस योजना के तहत, ओलंपिक खेलों, पैरालंपिक खेलों, विश्व कप/विश्व चैंपियनशिप, एशियाई खेलों, पैरा एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण, रजत या कांस्य पदक जीतने वाले खिलाड़ी 30 वर्ष की आयु प्राप्त करने और सक्रिय खेल करियर से सेवानिवृत्त होने पर आजीवन मासिक पेंशन के लिए पात्र हैं। वर्तमान पेंशन दरें ₹12,000 से ₹20,000 प्रति माह तक हैं, जो यह सुनिश्चित करती हैं कि इन मेधावी खिलाड़ियों को खेल उत्कृष्टता के लिए अपना जीवन समर्पित करने के बाद उचित मान्यता और समर्थन मिले।

1.6. खिलाड़ियों के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय कल्याण कार्यक्रम

खिलाड़ियों के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय कल्याण कार्यक्रम (जिसे पहले खिलाड़ियों के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय कल्याण कोष – पीडीयूएनडब्ल्यूएफएस के नाम से जाना जाता था) मार्च 1982 में उन उत्कृष्ट पूर्व खिलाड़ियों की सहायता करने के उद्देश्य से शुरू किया गया था, जिन्होंने अपनी उपलब्धियों से देश को गौरवान्वित किया था, लेकिन वर्तमान में वित्तीय कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। यह योजना पात्र व्यक्तियों को चिकित्सा उपचार, उपकरणों की खरीद और राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों में भागीदारी सहित विभिन्न आधारों पर ₹10 लाख तक की सहायता प्रदान करती है। इस सहायता के जरिए कार्यक्रम यह सुनिश्चित करता है कि इन प्रतिष्ठित खिलाड़ियों के योगदान को मान्यता दी जाए और ज़रूरत के समय उनकी देखभाल की जाए।

1.7. खेल में मानव संसाधन विकास

वित्तीय वर्ष 2013-14 में, खेल विभाग ने पूर्ववर्ती "प्रतिभा खोज और प्रशिक्षण योजना" में व्यापक संशोधन करने के बाद खेल में मानव संसाधन विकास योजना नामक केंद्रीय क्षेत्र की योजना शुरू की। इस नई योजना का मुख्य उद्देश्य उन विशिष्ट खेलों और खेल विषयों, जहाँ मानव संसाधनों की कमी है, में मास्टर और डॉक्टरेट स्तर पर विशेष अध्ययन के लिए योग्य उम्मीदवारों को फेलोशिप प्रदान करके खेल प्रबंधन के शैक्षणिक और बौद्धिक पहलुओं पर जोर देना है। इस योजना का उद्देश्य इन क्षेत्रों में उन्नत शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देकर देश में खेलों की प्रभावी ढंग से प्रबंध-व्यवस्था करने और बढ़ावा देने में सक्षम कुशल कार्यबल तैयार करना है।

1.8. राष्ट्रीय खेल विकास निधि

वर्ष **1998** में, चैरिटेबल एंडोमेंट एक्ट **1890** के तहत राष्ट्रीय खेल विकास निधि (एनएसडीएफ़) की स्थापना की गई थी, जिसका प्राथमिक उद्देश्य गैर-सरकारी स्रोतों से संसाधन जुटाना था। इस पहल का उद्देश्य निजी और कॉर्पोरेट क्षेत्रों से धन प्राप्त करना था, साथ ही अनिवासी भारतीयों (एनआरआई) से भी योगदान प्राप्त करना था। वित्तपोषण के स्रोतों में विविधता लाकर, एनएसडीएफ़ ने देश में खेलों के विकास और प्रचार के लिए उपलब्ध वित्तीय संसाधनों को बढ़ाने की कोशिश की, जिससे इस क्षेत्र में सरकार के प्रयासों को बल मिला।

1.9. राष्ट्रीय खेल विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्र

वर्ष 2017 से शुरू, राष्ट्रीय खेल विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्र (एनसीएसएसआर) योजना लागू की गई है, जिसका उद्देश्य उच्च स्तरीय अनुसंधान, शिक्षा और नवाचार का समर्थन करना है, ताकि शीर्ष एथलीटों के प्रदर्शन को बढ़ाया जा सके। वित्त वर्ष 2025-26 तक आवंटित रु.260 करोड़ की कुल लागत के साथ, यह केंद्रीय क्षेत्र योजना खेल चिकित्सा सहित खेल विज्ञान के क्षेत्र को आगे बढ़ाने पर केंद्रित है। इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए एनसीएसएसआर योजना निम्नलिखित संस्थागत तंत्रों की स्थापना और सहायता पर केंद्रित है:

क. राष्ट्रीय खेल विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्र (एनसीएसएसआर) को हब और स्पोक मॉडल के अनुरूप एक केंद्रीकृत हब के रूप में स्थापित किया गया है।(रु. 123.70 करोड़)। एनसीएसएसआर केंद्र इंदिरा गांधी स्टेडियम नई दिल्ली में स्थापित किया गया है।

ख. इसके साथ ही यह योजना छह चयनित विश्वविद्यालयों/संस्थानों में खेल विज्ञान विभागों और पांच चयनित संस्थानों/मेडिकल कॉलेजों में खेल चिकित्सा विभागों को सहायता प्रदान करती है। (रु.136.30 करोड़)।

अध्याय-14: वर्ष 2024-2025 के दौरान खेल में महत्वपूर्ण कार्यक्रम

2.1. 33वां ओलंपिक खेल 2024: भारतीय दल जिसमें 117 खिलाड़ी शामिल थे, ने 16 विधाओं में भाग लिया। ये ओलंपिक खेल 2024 पेरिस, फ्रांस में 26 जुलाई से **11** अगस्त 2024 तक आयोजित हुए। भारत ने कुल छह पदक जीते जिनमें एक रजत और पाँच कांस्य शामिल हैं। मनु भाकर ने निशानेबाज़ी में दो कांस्य पदक जीते और स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय बनीं। नीरज चोपड़ा ने पुरुष जेवलिन थ्रो प्रतियोगिता में रजत पदक जीता और ओलंपिक में स्वर्ण और रजत दोनों पदक जीतने वाले पहले भारतीय व्यक्तिगत पदक विजेता बने।

2.2. 17वीं पैरालंपिक गेम्स 2024: भारतीय पैरा दल ने 17वें संस्करण के पैरालंपिक गेम्स में अपनी अब तक की सर्वश्रेष्ठ पदक संख्या दर्ज की। ये गेम्स पेरिस, फ्रांस में 28 अगस्त से 8 सितंबर 2024 तक आयोजित हुए। भारत ने कुल 29 पदक (7 स्वर्ण, 9 रजत और 13 कांस्य) जीते, जो 2020 गेम्स में प्राप्त 19 पदकों के पिछले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से अधिक है और पदक तालिका में 18वाँ स्थान प्राप्त किया। 29 पदकों में से 17 पदक एथलेटिक्स विधा में जीते गए।

2.3. 9वां एशियाई शीतकालीन खेल: 88 सदस्यीय भारतीय दल ने 9वें एशियाई शीतकालीन खेलों (एडब्ल्यूजी) 2025 में भाग लिया जिसमें 59 एथलीट और 29 टीम अधिकारी शामिल थे। ये खेल 7 से 14 फरवरी तक हार्बिन, चीन में आयोजित हुए। पहली बार, अल्पाइन स्कीइंग, क्रॉस-कंट्री स्कीइंग, फिगर स्केटिंग, शॉर्ट ट्रैक स्पीड स्केटिंग और स्पीड स्केटिंग (लॉन्ग ट्रैक) में प्रतिस्पर्धा करने वाले एथलीटों को राष्ट्रीय खेल महासंघों को सहायता (एएनएसएफ) योजना के अंतर्गत पूर्ण वित्तीय सहयोग प्रदान किया गया।

2.4. 38वें राष्ट्रीय खेल: 38वें राष्ट्रीय खेल 14 फरवरी 2025 को हल्द्वानी, उत्तराखंड में माननीय गृह मंत्री श्री अमित शाह और माननीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया की उपस्थिति में संपन्न हुए। खेलों का उद्घाटन को भारत के माननीय प्रधानमंत्री द्वारा **28** जनवरी **2025** देहरादून स्थित महाराणा प्रताप खेल महाविद्यालय में आयोजित समारोह में किया गया, जिसमें उत्तराखंड के राज्यपाल गुरमीत सिंह, मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी और अन्य गण्यमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। 2.4.स्पेशल ओलंपिक विश्व ग्रीष्मकालीन खेल: सेवा खेल नियंत्रण बोर्ड (एसएससीबी) ने **121** पदक जीतकर -**68** स्वर्ण, **26** रजत और **27** कांस्य- राष्ट्रीय खेल **2025** उत्तराखंड में पहला स्थान प्राप्त किया। इसके बाद महाराष्ट्र ने **201** पदक -**54** स्वर्ण, **71** रजत और **76** कांस्य- जीतकर दूसरा स्थान प्राप्त किया। इन खेलों में **37** टीमों के माध्यम से **10,000** से अधिक एथलीटों ने भाग लिया।

2.5. बैडमिंटन फ्रेंच ओपन सुपर 750 और थाईलैंड सुपर 500 टूर्नामेंट: सात्विकसैराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की युगल जोड़ी ने फ्रेंच ओपन सुपर 750 और थाईलैंड सुपर 500 दोनों टूर्नामेंटों में खिताब जीते। मार्च में पेरिस में हुए फ्रेंच ओपन फाइनल में उन्होंने चीनी ताइपे की जोड़ी ली झे-हुई और यांग पो-ह्सुआन को हराया। मई में थाईलैंड ओपन फाइनल में उन्होंने चीन के चेन बो यांग और लियू यी को पराजित किया।

2.6. 10वां एशिया पैसिफिक बधिर खेल: 10वां एशिया पैसिफिक बधिर खेल 01 दिसंबर – 08 दिसंबर 2024 तक कुआलालंपुर, मलेशिया में आयोजित हुए। वर्ष 2024 के खेलों में नौ खेल शामिल थे जिनमें बैडमिंटन, एथलेटिक्स, फुटबॉल, जूडो, ताइक्वांडो, शतरंज, बॉलिंग, टेबल टेनिस और कुश्ती शामिल हैं। 24 देशों के 1,130 से अधिक एथलीटों ने भाग लिया। 42 पुरुष और 26 महिलाओं सहित 68 सदस्यीय भारतीय टीम थी जिसमें भारत ने कुल 55 पदक जीते जिनमें 8 स्वर्ण, 18 रजत और 29 कांस्य शामिल हैं और पदक तालिका में पाँचवें स्थान पर रहा।

2.7. चौथा एशियाई रोल बॉल चैम्पियनशिप 2024: यह चैम्पियनशिप दिसंबर 2024 में मडगाँव, गोवा, भारत के मनोहर पर्रिकर इंडोर स्टेडियम में आयोजित हुई जिसमें 12 देशों ने भाग लिया। भारतीय पुरुष और महिला दोनों टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चैम्पियनशिप खिताब जीते।

2.8. आईएसएसएफ विश्व कप 2024: भारत ने सात वर्षों बाद 13 से 18 अक्टूबर 2024 तक नई दिल्ली के डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में आईएसएसएफ विश्व कप फाइनल 2024 शूटिंग प्रतियोगिता की मेजबानी की। भारतीय खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता में 2 रजत और 2 कांस्य पदक जीते।

2.9. स्पेशल ओलंपिक विश्व शीतकालीन खेल 2025: भारत ने ट्यूरिन, इटली में आयोजित स्पेशल ओलंपिक विश्व शीतकालीन खेल 2025 में शानदार प्रदर्शन किया और कुल 33 पदक हासिल किए। भारतीय दल ने विभिन्न शीतकालीन खेलों में असाधारण कौशल और दृढ़ संकल्प का प्रदर्शन करते हुए 8 स्वर्ण, 18 रजत और 7 कांस्य पदक जीते। प्रतियोगिता के अंतिम दिन भारत ने अपनी झोली में 12 और पदक जोड़कर इसे विशेष रूप से उल्लेखनीय बना दिया।

2.10. खेलो इंडिया शीतकालीन खेल: खेलो इंडिया शीतकालीन खेलों का *5*वाँ संस्करण 23 से 27 जनवरी 2025 तक लेह, लद्दाख में आइस स्पोर्ट्स के लिए और 22 से 27 फरवरी 2025 तक गुलमर्ग, जम्मू एवं कश्मीर में स्नो स्पोर्ट्स के लिए आयोजित किया गया। ये खेल लेह और गुलमर्ग के *4* स्थलों पर *6* खेल विधाओं में आयोजित हुए, जिनमें लगभग *700* खिलाड़ियों ने भाग लिया। पदक तालिका में सेना पहले स्थान पर रही, जिसने 18 पदक (*07* स्वर्ण, *05* रजत, *06* कांस्य) जीते। इसके बाद हिमाचल प्रदेश ने *18* पदक (*06* स्वर्ण, *05* रजत, *07* कांस्य) जीतकर दूसरा स्थान प्राप्त किया और लद्दाख ने *07* पदक (*04* स्वर्ण, *02* रजत, *01* कांस्य) जीतकर तीसरा स्थान प्राप्त किया।

2.11. खेलो इंडिया पैरा गेम्स: नई दिल्ली द्वारा आयोजित खेलो इंडिया पैरा गेम्स का दूसरा संस्करण **20** से **27** मार्च **2025** के बीच सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इसमें सभी राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों से **1,300** से अधिक पैरा-एथलीट्स ने भाग लिया। परिणामों की दृष्टि से, हरियाणा ने पदक तालिका में कुल **104** पदक (**34** स्वर्ण, **39** रजत, **31** कांस्य) जीतकर प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके बाद तमिलनाडु ने **74** पदक (**28** स्वर्ण, **19** रजत, **27** कांस्य) और उत्तर प्रदेश ने **64** पदक (**23** स्वर्ण, **21** रजत, **20** कांस्य) हासिल किए।

अध्याय-15: खेलो इंडिया - खेलों के विकास के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम

एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना, 'खेलो इंडिया-खेलों के विकास के लिए राष्ट्रीय कार्यक्रम' या खेलो इंडिया योजना को वित्तीय वर्ष 2016-17 से लागू किया गया था और इसे राजीव गांधी खेल अभियान (आरजीकेए) शहरी खेल अवसंरचना योजना (यूएसआईएस) और राष्ट्रीय खेल प्रतिभा खोज योजना (एनएसटीएसएस) की मौजूदा पूर्व योजनाओं को मिलाकर तैयार किया गया था वर्ष 2016-17 के दौरान योजना को लागू करने में प्राप्त अनुभव और प्रमुख हितधारकों, विशेष रूप से राज्य सरकारों के साथ परामर्श और उनसे प्राप्त इनपुट के आधार पर, खेलो इंडिया योजना को 12 वर्टिकल्स के साथ और संशोधित किया गया और दिनांक 14.10.2017 को अधिसूचित किया गया। संशोधित खेलो इंडिया योजना को तीन वित्तीय वर्षों 2017-18 से वर्ष 2019-20 अर्थात दिनांक 31.03.2020 तक के लिए अनुमोदित किया गया था। इस योजना को दिनांक 31.03.2021 तक एक वर्ष का अंतरिम विस्तार दिया गया था। इस योजना को फिर से वर्ष 2021-22 से वर्ष 2025-26 तक पांच साल की अवधि के लिए जारी रखा गया है। इसके अलावा, परिव्यय को रु.6.625 करोड़ तक बढ़ाया गया, जिससे खेलो इंडिया योजना का कुल परिव्यय 3165.50 करोड़ रुपये से बढ़कर रु.3790.50 करोड़ हो गया।

संशोधित खेलो इंडिया योजना के घटकों को फिर से व्यवस्थित और युक्तियुक्त बनाया गया है, कार्यक्रम को सुव्यवस्थित करने और इसकी प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए समान घटकों का विलय या समावेश किया गया है। इस पुनर्गठन के कारण बारह वर्टिकल्स को घटाकर पाँच अलग-अलग घटक कर दिए गए हैं। अद्यतन खेलो इंडिया योजना (वर्ष 2021-22 से 2025-26) को निम्नलिखित पांच घटकों में व्यवस्थित किया गया है:

क्र.सं.	संशोधित खेलो इंडिया योजना के घटक (2021-22 से 2025-26)	क्र.सं.	खेलो इंडिया योजना के वर्टिकल्स (2017-18 से 2019-20)
1	खेल अवसंरचना का निर्माण और उन्नयन	1	खेल अवसंरचना के निर्माण/उन्नयन का उपयोग
		2	खेल मैदान का विकास
2	खेल प्रतियोगिताएं और प्रतिभा विकास	3	वार्षिक खेल प्रतियोगिताएँ
		4	प्रतिभा खोज और विकास
		5	सामुदायिक कोचिंग विकास
3	खेल अवसंरचना का निर्माण और उन्नयन	6	राज्य स्तरीय खेलो इंडिया केंद्र
		7	राष्ट्रीय/क्षेत्रीय/राज्य खेल अकादमियों को सहायता
4	फिट इंडिया मूवमेंट	8	स्कूल जाने वाले बच्चों की शारीरिक फिटनेस
5		9	शांति और विकास के लिए खेल

क्र.सं.	संशोधित खेलो इंडिया योजना के घटक (2021-22 से 2025-26)	क्र.सं.	खेलो इंडिया योजना के वर्टिकल्स (2017-18 से 2019-20)
	खेलों के माध्यम से समावेशिता को बढ़ावा देना	10	ग्रामीण और स्वदेशी/आदिवासी खेलों को बढ़ावा देना
		11	विकलांग व्यक्तियों के बीच खेलों को बढ़ावा देना
		12	महिलाओं के लिए खेल

खेलो इंडिया योजना के अंतर्गत प्रारंभ से अब तक बजट आवंटन और उपयोग का विवरण।

खेलो इंडिया योजना का बजट आवंटन और उपयोग निम्नानुसार है: -

(₹ करोड़ में)

वित्तीय वर्ष	स्वीकृत आवंटन		वास्तविक व्यय
	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	
2016-17	140.00	118.10	118.10
2017-18	350.00	350.00	346.99
2018-19	520.09	376.09	342.24
2019-20	500.00	578.00	575.52
2020-21	890.42	328.77	338.06
2021-22	657.71	869.00	764.29
2022-23	974.00	600.00	596.39
2023-24	1000.00	880.00	872.20
2024-25	900.00	746.541	620.745

3.1. खेलो इंडिया योजना के घटक

3.1.1. खेल अवसंरचना का निर्माण एवं उन्नयन

महत्वपूर्ण घटक, नामतः खेलो इंडिया योजना के तहत खेल अवसंरचना का निर्माण और उन्नयन, का उद्देश्य राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को पूंजी प्रदान करके पूरे देश में खेल अवसंरचना का निर्माण और उन्नयन करना है - युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के तहत भारतीय खेल प्राधिकरण (एसएआई), और अन्य पात्र संस्थाएं, जैसे कि केंद्रीय/राज्य शैक्षणिक संस्थान, रक्षा/अर्धसैनिक संगठन आदि, आधुनिक खेल अवसंरचना बनाने के साथ-साथ मौजूदा खेल, खेल विज्ञान और खेल उपकरण और अन्य संबंधित अवसंरचना में सुधार करने के लिए हैं। इस योजना में ग्रीनफील्ड और ब्राउनफील्ड दोनों परियोजनाओं की विभिन्न प्रकार की खेल अवसंरचना परियोजनाओं को सहायता प्रदान करने की परिकल्पना की गई है, बशर्ते उनका उद्देश्य मौजूदा मांगों को पूरा करने के लिए खेल अवसंरचना में महत्वपूर्ण अंतराल को पाटना हो।

इस घटक के तहत, 32 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में ₹3119.81 करोड़ की कुल स्वीकृत लागत में कुल 326 नई खेल अवसंरचना परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है(जिनमें से 235 पूरी हो चुकी हैं और 91 पर काम चल रहा है) । मंत्रालय इस घटक के तहत खेल अवसंरचना के निर्माण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करता है, जिसमें सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक, सिंथेटिक हॉकी फील्ड, सिंथेटिक टर्फ फुटबॉल ग्राउंड, बहुउद्देशीय हॉल, स्विमिंग पूल, खेल के मैदान आदि शामिल हैं। विवरण इस प्रकार है:

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	परियोजनाओं की संख्या	स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)
1	अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह	0	0.00
2	आंध्र प्रदेश	10	56.24
3	अरुणाचल प्रदेश	21	180.68
4	असम	8	47.68
5	बिहार	8	47.82
6	चंडीगढ़	0	0.00
7	छत्तीसगढ़	8	48.51
8	दादरा और नगर हवेली तथा दमन एंड दीव	0	0.00
9	दिल्ली	9	91.98
10	गोवा	1	4.24
11	गुजरात	5	606.37
12	हरियाणा	11	96.85
13	हिमाचल प्रदेश	8	186.51
14	जम्मू और कश्मीर	4	20.76
15	झारखंड	5	32.38
16	कर्नाटक	20	131.13
17	केरल	7	75.08
18	लद्दाख	3	17.28
19	लक्षद्वीप	0	0.00
20	मध्य प्रदेश	17	107.53
21	महाराष्ट्र	14	117.82
22	मणिपुर	8	80.45

क्र.सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	परियोजनाओं की संख्या	स्वीकृत राशि (करोड़ रु. में)
23	मेघालय	6	28.00
24	मिज़ोरम	8	50.50
25	नागालैंड	12	66.58
26	ओडिशा	5	71.96
27	पुदुच्चेरी	2	10.25
28	पंजाब	12	106.21
29	राजस्थान	48	125.09
30	सिक्किम	7	33.34
31	तमिलनाडु	5	29.50
32	तेलंगाना	6	23.58
33	त्रिपुरा	7	38.34
34	उत्तर प्रदेश	31	508.46
35	उत्तराखंड	7	34.28
36	पश्चिम बंगाल	3	44.42
	कुल	**326**	**3119.81**

खेलो इंडिया योजना के इस घटक के अंतर्गत दो विशेष अवसंरचना परियोजनाएं शुरू की गई हैं। इनका विवरण इस प्रकार है:

क. **नारनपुरा, अहमदाबाद, गुजरात में खेल परिसर का निर्माण -** गुजरात के अहमदाबाद के नारनपुरा में स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण **115636.99** वर्ग मीटर [बिल्ड-अप एरिया] में किया जाना है, जिसमें उत्कृष्ट खेल केंद्र (भोजन सुविधाओं के साथ अकादमी और छात्रावास), इनडोर मल्टीस्पोर्ट एरिना (ओलंपिक प्रतियोगिताएं), एक्वाटिक स्टेडियम, सामुदायिक खेल केंद्र (आउटडोर कोर्ट और फिट इंडिया ज़ोन के साथ) और अन्य खेल संबंधी सुविधाएं होंगी।

- परियोजना का कुल वित्तीय परिव्यय रु.**583.99** करोड़ है, जिसमें से रु.578.14 करोड़ पहले ही जारी कर दिया गया है।
- अभी तक, परियोजना की भौतिक प्रगति लगभग 98**%** है
- वित्तीय प्रगति लगभग 90**% (**समग्र) है।

- इस परियोजना के अप्रैल, 2025 तक होने पूरा होने की संभावना थी।

ख. **सिगरा स्टेडियम, वाराणसी का विकास और आधुनिकीकरण -** वाराणसी में सिगरा स्टेडियम का विकास और आधुनिकीकरण तीन चरणों में किया जाएगा, अर्थात **I, II** और **III, 64,182** वर्ग मीटर [निर्माण क्षेत्र] के क्षेत्र में। परियोजना के चरण **I** में एक अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता स्थल का निर्माण शामिल है, जिसमें ओलंपिक आकार का स्विमिंग पूल और **2000** दर्शकों के बैठने की क्षमता शामिल है। परियोजना के चरण **II** और चरण **III** में, विभिन्न इनडोर और आउटडोर खेल सुविधाएँ भी प्रस्तावित हैं। परियोजना का कुल वित्तीय परिव्यय रु.**315.48** करोड़ है, जिसमें से रु.265.81 करोड़ पहले ही जारी कर दिए गए हैं।

- अभी तक, परियोजना की भौतिक प्रगति लगभग 100**%** है।
- वित्तीय प्रगति लगभग 96% (समग्र) है।
- दिनांक 20 अक्टूबर **2024** को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने उद्घाटन किया गया।

3.1.2. खेल प्रतियोगिताएं एवं प्रतिभा विकास

क. **वार्षिक खेल प्रतियोगिताएं:** खेलो इंडिया के घटक "खेल प्रतियोगिता और प्रतिभा विकास" के अंतर्गत प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को प्रतिभावान और प्रतिभाशाली बच्चों के लिए उत्कृष्टता प्राप्त करने के मार्ग विकसित करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। केंद्र सरकार देश भर में विभिन्न स्थानों पर उच्च प्राथमिकता/प्राथमिकता वाले खेल विषयों जैसे तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, मुक्केबाजी, साइकिलिंग, फुटबॉल, जिम्नास्टिक, हैंडबॉल, हॉकी, जूडो, कबड्डी, खो-खो, निशानेबाजी, तैराकी, टेबल टेनिस, टेनिस, वॉलीबॉल, भारोत्तोलन, कुश्ती आदि के संबंध में राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताएं, यानी खेलो इंडिया युवा खेल और खेलो इंडिया विश्वविद्यालय खेल आयोजित करती है।

खेलो इंडिया यूथ गेम्स और यूनिवर्सिटी गेम्स का आयोजन विभिन्न हितधारकों जैसे एनएसएफ, राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों, एआईयू आदि के सहयोग से किया जाता है। खेलो इंडिया यूथ गेम्स में एथलीट राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं।

अब तक आयोजित विभिन्न खेलो इंडिया गेम्स का विवरण निम्नानुसार है:

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम आयोजन का स्थान	दिनांक	भाग लेने वाले एथलीटों की संख्या
1.	खेलो इंडिया स्कूल गेम्स, 2018	नई दिल्ली	31.01.2018 से 08.02.2018	3507
2.	खेलो इंडिया यूथ गेम्स, 2019	पुणे	09.01.2019 से 20.01.2019	5922
3.	खेलो इंडिया यूथ गेम्स, 2020	गुवाहाटी	10.01.2020 से 22.01.2020	6130
4.	खेलो इंडिया यूथ गेम्स, 2021	पंचकुला	04.06.2022 से 13.06.2022	4453
5.	खेलो इंडिया यूथ गेम्स, 2022	भोपाल	30.01.2023 से 11.02.2023	4783
6.	खेलो इंडिया यूथ गेम्स, 2023	चेन्नई	19.01.2024 से 31.01.2024	4454
7.	खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स, 2020	भुवनेश्वर	22.02.2020 से 01.03.2020	3182
8.	खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स, 2021	बेंगलुरु	23.04.2022 से 03.05.2022	3894
9.	खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स, 2022	लखनऊ	25.05.2023 से 03.06.2023	3613
10.	खेलो इंडिया विंटर गेम्स, 2020	गुलमर्ग	07.03.2020 से 11.03.2020	1123
11.	खेलो इंडिया विंटर गेम्स, 2021	गुलमर्ग	26.02.2021 से 02.03.2021	1208
12.	खेलो इंडिया शीतकालीन खेल, 2023	गुलमर्ग	10.02.2023 से 14.03.2023	2023
13.	खेलो इंडिया विंटर गेम्स, 2024	गुलमर्ग और लद्दाख	02.02.2024 से 06.02.2024 & 21.02.2024 से 25.02.2024	650
14	खेलो इंडिया विंटर गेम्स, 2025	गुलमर्ग और लद्दाख	23.01.2025 से 27.01.2025 और 22.02.2025 से 27.02.2025	750
15	खेलो इंडिया पैरा गेम्स, 2023	नई दिल्ली	10.12.2023 से 17.12.2023	1370
16	खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2023	उत्तर-पूर्वी राज्य	19.02.2024 से 29.03.2024	4600
17	खेलो इंडिया पैरा गेम्स, 2025	नई दिल्ली	20.03.2025 से 27.05.2025	1233

इसके अलावा वर्ष 2023-2024 में आयोजित हुए खेलो इंडिया गेम्स और अचीवर्स का विवरण निम्नानुसार है:

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	कार्यक्रम का स्थान	विजेता और उपलब्धियाँ
1.	खेलो इंडिया यूथ गेम्स, 2022	भोपाल	महाराष्ट्र 161 पदक (56 स्वर्ण, 55 रजत, 50 कांस्य)
2.	खेलो इंडिया यूथ गेम्स, 2023	चेन्नई	महाराष्ट्र 158 पदक (57- स्वर्ण, 48- रजत,
3.	खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स, 2022	लखनऊ	पंजाब विश्वविद्यालय 69 पदक (26 स्वर्ण, 17 रजत, 26 कांस्य)
4.	खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स, 2023	उत्तर-पूर्वी राज्य	चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी 71 पदक (32-स्वर्ण, 18-रजत, 21-कांस्य)
5.	खेलो इंडिया विंटर गेम्स, 2024	गुलमर्ग और लद्दाख	सेना 21 पदक (10 स्वर्ण, 05 रजत, 06 कांस्य)
6.	खेलो इंडिया विंटर गेम्स, 2025	गुलमर्ग और लद्दाख	सेना 18 पदक (07 स्वर्ण, 05 रजत, 06 कांस्य)
7.	खेलो इंडिया पैरा गेम्स, 2023	नई दिल्ली	हरियाणा 105 पदक (40- स्वर्ण, 39- रजत, 26- कांस्य)
8.	खेलो इंडिया पैरा गेम्स, 2025	नई दिल्ली	हरियाणा 104 पदक (34 स्वर्ण, 39 रजत, 31 कांस्य)

ख. प्रतिभा खोज और विकास: निर्धारित दिशा-निर्देशों के आधार पर, चयनित प्रतिभाओं की पहचान खेलो इंडिया एथलीट (केआईए) के रूप में की जाती है, जिन्हें प्रशिक्षण के उद्देश्य से एसएआई या गैर-एसएआई मान्यता प्राप्त अकादमी में शामिल होने का विकल्प दिया जाता है। खेलो इंडिया मान्यता प्राप्त अकादमियों में प्रशिक्षण लेने वाले केआईए प्रति वर्ष रु.6.28 लाख तक की वित्तीय सहायता के हकदार हैं और इसके अलावा उन्हें आउट ऑफ पॉकेट अलाउंस (ओपीए) के रूप में प्रति माह रु.**10,000/-** मिलते हैं। जिन केआईए ने किसी अकादमी में शामिल नहीं हुए हैं, उन्हें केवल ओपीए प्रदान किया जाता है। दिनांक 31/03/25 तक खेलो इंडिया योजना के तहत **2024** में शामिल किए गए केआईए का विवरण इस प्रकार है:

क्र. सं.	विधा	एथलीटों की संख्या
1	तीरंदाजी	144
2	एथलेटिक्स	235
3	बैडमिंटन	159
4	बास्केटबॉल	93
5	मुक्केबाजी	150

क्र. सं.	विधा	एथलीटों की संख्या
6	साइकिल चलाना	128
7	तलवारबाजी	147
8	फुटबॉल	104
9	जिम्नास्टिक	96
10	हॉकी	190
11	जूडो	127
12	कबड्डी	99
13	खो-खो	82
14	रोइंग	118
15	शूटिंग	213
16	तैराकी	148
17	टेबल टेनिस	116
18	वॉलीबॉल	75
19	भारोत्तोलन	111
20	कुश्ती	146
21	तीरंदाजी	164
कुल		**2845**

इसके अतिरिक्त, वर्ष 2024-25 के लिए जारी धनराशि का विवरण निम्नानुसार है:

तिमाही **1**	तिमाही **2**	तिमाही **3**	तिमाही **4**
5.91	6.02	6.05	6.03

3.1.3. खेलो इंडिया केंद्र एवं खेल अकादमियाँ

राज्यों/संघ शासित प्रदेशों के खेल बुनियादी ढांचे के बेहतर उपयोग के लिए उपयुक्त समझौता ज्ञापन (एमओयू) के माध्यम से कोचों की नियुक्ति, डे-बोर्डिंग सुविधाएं, प्रशिक्षुओं को वजीफा आदि के लिए सहायता प्रदान की जा रही है। "एक राज्य, एक खेल" पहल के तहत राज्य द्वारा चुने गए प्राथमिकता वाले खेल के लिए राज्य उत्कृष्टता केंद्रों और खेलो इंडिया केंद्रों को अधिकतम धन मुहैया कराया जा रहा है। राज्य उत्कृष्टता केंद्रों और खेलो इंडिया केंद्रों के लिए क्षमता निर्माण और व्यवहार्यता अंतर निधि सहायता का प्रावधान किया जा रहा है, जिसमें विश्वविद्यालय (निजी विश्वविद्यालय सहित) शामिल हो सकते हैं

खेलो इंडिया केंद्रों की स्थापना में हुई प्रगति (31/12/23 तक) नीचे सूचीबद्ध है:

विवरण	**केआईसी (दिनांक** 01.05.2025 **तक)**	**वित्तीय वर्ष 2025-26 में केआईसी (दिनांक** 01.05.2025 **तक)**
नियोजित केआईसी	1250	-
नियोजित केआईसी	1048	0
नियोजित केआईसी	958	04
जारी/वितरित निधि	₹ 149.29 करोड़ (आवर्ती: ₹ 123.24 करोड़ और गैर-आवर्ती: ₹ 26.05 करोड़)	₹ 0.40 करोड़ (आवर्ती: ₹ 0.40 करोड़ और गैर-आवर्ती: ₹ 0.00 करोड़)
प्रशिक्षित एथलीट	**28110**	**199**

खेल अकादमियाँ: खेलो इंडिया एथलीटों (केआईए) के प्रशिक्षण के लिए कुल 301 अकादमियों (**232** गैर-साई और 69 एनसीओई, साई) को मान्यता दी गई है। मान्यता प्राप्त खेल अकादमियों के तहत आवासीय खेलो इंडिया एथलीट के वित्तपोषण के मानदंडों के तहत प्रति प्रशिक्षु प्रति वर्ष कुल लागत रु.**6,28,400** है। खेलो इंडिया योजना के तहत मान्यता प्राप्त अकादमियों का राज्यवार सारांश इस प्रकार है:

क्र. सं.	**राज्य/संघ राज्य क्षेत्र**	**मान्यता प्राप्त अकादमियों की संख्या**
1.	अंडमान और निकोबार	0
2.	आंध्रप्रदेश	0
3.	अरुणाचल प्रदेश	4
4.	असम	5
5.	बिहार	0
6.	चंडीगढ़	4
7.	छत्तीसगढ	6
8.	दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव	0
9.	दिल्ली	9
10.	गोवा	1
11.	गुजरात	13
12.	हरियाणा	20
13.	हिमाचलप्रदेश	11
14.	जम्मू एवं कश्मीर	2
15.	झारखंड	10

क्र. सं.	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	मान्यता प्राप्त अकादमियों की संख्या
16.	कर्नाटक	39
17.	केरल	16
18.	लद्दाख	0
19.	लक्षद्वीप	0
20.	मध्य प्रदेश	16
21.	महाराष्ट्र	42
22.	मणिपुर	10
23.	मेघालय	0
24.	मिजोरम	0
25.	नागालैंड	0
26.	ओडिशा	8
27.	पुदुचेरी	0
28.	पंजाब	24
29.	राजस्थान	7
30.	सिक्किम	0
31.	तमिलनाडु	20
32.	तेलंगाना	14
33.	त्रिपुरा	0
34.	उत्तर प्रदेश	14
35.	उत्तराखंड	0
36.	पश्चिम बंगाल	11
	कुल	**306**

3.1.4. फिट इंडिया मूवमेंट

फिट इंडिया मूवमेंट का शुभारंभ भारत के प्रधानमंत्री द्वारा 29 अगस्त 2019 को किया गया था, जिसका विजन स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना है, ताकि व्यक्ति और समुदाय अपनी दैनिक दिनचर्या में शारीरिक गतिविधियों और खेलों को शामिल करें। यह एक स्वैच्छिक, जन-केंद्रित पहल है जो सभी आयु वर्गों में स्वास्थ्य और कल्याण को प्रोत्साहित करने पर केंद्रित है। नागरिकों को फिटनेस को प्राथमिकता देने के लिए प्रेरित करके, यह आंदोलन इसके महत्व के बारे में जागरूकता पैदा करना चाहता है, सभी आयु वर्ग के लोगों को सक्रिय

दिनचर्या अपनाने के लिए प्रेरित करता है और व्यापक सामुदायिक भागीदारी को प्रोत्साहित करता है। इन प्रयासों के माध्यम से, यह जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य और कल्याण की संस्कृति स्थापित करने का प्रयास करता है, जिससे फिटनेस सभी के दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बन सके।

प्रमुख गतिविधियां:

- **फिट इंडिया वीक:** भारत के स्कूलों/कॉलेजों/विश्वविद्यालयों ने छात्रों को फिटनेस को बढ़ावा देने के लिए शारीरिक गतिविधियों और खेलों में शामिल किया। पिछले वर्ष फिट इंडिया वीक का 6वां संस्करण आयोजित किया गया, जो 15 नवंबर 2024 से 31 दिसंबर 2024 तक निर्धारित था। कुल 27,856 आयोजकों और 85 लाख व्यक्तियों ने फिट इंडिया वीक मनाया।
- **फिट इंडिया फ्रीडम रन:** फिटनेस को स्वच्छता के साथ जोड़ने वाली एक दौड़, जिसमें प्रतिभागी दौड़ते समय प्लास्टिक कचरा एकत्र करते हैं। पिछले वर्ष स्वतंत्रता दौड़ का शुभारंभ को गांधी जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर 2024 किया गया, जो महीने भर चलने वाले फिट इंडिया फ्रीडम रन 5.0 अभियान का हिस्सा था और यह अभियान 31 अक्टूबर 2024 को सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर एकता दौड़ के साथ संपन्न हुआ। कुल 10,433 आयोजकों और 1,27,62,063 व्यक्तियों ने फिट इंडिया फ्रीडम रन 5.0 में भागीदारी की।
- **फिट इंडिया क्विज:** स्वास्थ्य और फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए एक क्विज़ किया गया। फिट इंडिया क्विज़ के नवीनतम संस्करण में कुल 41,789 स्कूलों और 1,03,671 छात्रों ने फिट इंडिया क्विज़ 2023 के लिए पंजीकरण किया।
- **राष्ट्रीय खेल दिवस:** हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय खेल दिवस (एनएसडी) 2024 का आयोजन 29 अगस्त 2024 को किया गया। इस वर्ष फिट इंडिया मिशन ने सभी प्रमुख हितधारकों जैसे मंत्रालयों और सरकारी विभागों, स्कूलों, कॉलेजों आदि से संपर्क किया और उन्हें इस आयोजन के लिए प्रोत्साहित किया। देशभर में मनोरंजक और प्रतिस्पर्धात्मक खेलों का आयोजन किया गया और सभी को 21 अगस्त से 29 अगस्त 2024 के बीच किसी भी दिन इस दिवस को मनाने की स्वतंत्रता दी गई। कार्यक्रमों के पंजीकरण हेतु एक समर्पित पोर्टल विकसित किया गया जो इसकी वेबसाइट और फिट इंडिया मोबाइल ऐप से सुलभ है। राष्ट्रीय खेल दिवस 2024 में 25 लाख से अधिक नागरिकों की भागीदारी देखी गई।
- **फिटनेस चुनौतियाँ:** ऑनलाइन और ऑफलाइन चुनौतियाँ लोगों को अपने फिटनेस लक्ष्यों को ट्रैक करने के लिए प्रोत्साहित करती हैं।
- **फिट इंडिया मोबाइल ऐप:** उपयोगकर्ताओं को फिटनेस प्रगति ट्रैक करने और लक्ष्य निर्धारित करने में मदद करने के लिए एक ऐप लॉन्च किया गया। अब तक इस ऐप को कुल 9.5 लाख बार डाउनलोड किया गया है।
- **फिट इंडिया साइक्लिंग ड्राइव:** यह फिट इंडिया मिशन के अंतर्गत एक और प्रमुख पहल है, जिसका उद्देश्य शारीरिक फिटनेस बनाए रखने के लिए साइक्लिंग को एक अभिन्न हिस्सा बनाना है। इस अभियान का आधिकारिक शुभारंभ 17 दिसंबर 2024 को नई दिल्ली के मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में किया गया। यह देशभर के लोगों को 17 दिसंबर 2024 से प्रत्येक रविवार को साइक्लिंग गतिविधियों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करता है। यह राष्ट्रव्यापी आयोजन स्वस्थ जीवन और साइक्लिंग के लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाने का प्रयास करता है। कुल 2000+ आयोजकों और 21 लाख व्यक्तियों ने पहले ही "फिट इंडिया साइक्लिंग ड्राइव" अभियान में पंजीकरण किया है और ये अभियान अभी भी चल रहा है।

3.1.5. खेलों के माध्यम से समावेशिता को बढ़ावा

क. शांति एवं विकास के लिए खेल

जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, उत्तर-पूर्वी राज्यों और वामपंथी उग्रवाद (एलडब्ल्यूई)-प्रभावित राज्यों में लोकप्रिय खेल विधाओं में ग्रामीण स्तर की प्रतियोगिताओं का आयोजन करके युवाओं की ऊर्जा को लाभकर दिशा देना।

- खेलो इंडिया शीतकालीन खेल (केआईडब्ल्यूजी) 2020 और 2021 में लद्दाख और जम्मू और कश्मीर में आयोजित किए गए थे। इन खेलों को राष्ट्रीय खेल कैलेंडर का नियमित हिस्सा बनाया गया है। स्थानीय और क्षेत्रीय रैलियों के माध्यम से उत्तर-पूर्वी राज्यों सहित शांति और सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए अशांत क्षेत्रों में 25 करोड़ रु. से अधिक खर्च किए गए।

खेलो इंडिया योजना का उद्देश्य आतंकवाद प्रभावित क्षेत्रों और अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं के साथ शांति और विकास को बढ़ावा देना है, आत्मविश्वास पैदा करने और युवाओं को स्वस्थ गतिविधियों में शामिल करने के लिए खेलों का उपयोग करना है। भारत सरकार विशेष पैकेज के तहत जम्मू और कश्मीर में खेल सुविधाओं का वित्त पोषण कर रही है।

- युवाओं के बीच एकता और सद्भावना को बढ़ावा देने के लिए उत्तर-पूर्वी राज्यों में इस वर्टिकल के तहत स्थानीय और क्षेत्रीय बाइक और कार रैलियों का समर्थन किया जाता है।

ख."एक भारत श्रेष्ठ भारत" कार्यक्रम

- **एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी) कार्यक्रम** का उद्देश्य भारत के विभिन्न राज्यों और संघ राज्यक्षेत्रों में बसे विविध संस्कृतियों के लोगों के बीच आपसी बातचीत को बढ़ाना है ताकि उनके बीच अधिक से अधिक आपसी समझ को बढ़ावा दिया जा सके।
- **ईबीएसबी के उद्देश्य को पूरा करने के लिए**, राज्य/संघ राज्यक्षेत्रों को मंत्रिमंडल सचिवालय द्वारा युग्म में जोड़ा गया है। शिक्षा मंत्रालय ईबीएसबी कार्यक्रम के लिए नोडल मंत्रालय है। कार्यक्रम की निगरानी मंत्रिमंडल सचिवालय द्वारा की जाती है। वर्ष 2023 में आयोजित किए गए कार्यक्रमों का विवरण नीचे दिया गया है:-
  - ईबीएसबी शूटिंग बॉल चैम्पियनशिप यूथ बॉयज़ एंड गर्ल्स ज़ोन 2 का आयोजन 21 से 23 जनवरी 2023 तक स्पोर्ट्स ग्राउंड कावेरीपुरा, कामाक्षीपाल्या, बेंगलुरु, कर्नाटक में किया गया था। इस आयोजन में युग्मित राज्यों पंजाब-आंध्र प्रदेश, दिल्ली-सिक्किम, गुजरात-छत्तीसगढ़, हिमाचल प्रदेश-केरल के 122 प्रतिभागियों ने भाग लिया। श्री डॉ. अनिल अग्रवाल, राज्यसभा सांसद युवा लड़कों और लड़कियों में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत शूटिंग बॉल चैम्पियनशिप' के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि थे ताकि सभी प्रतिभागियों को प्रेरित किया जा सके।
  - सीनियर लड़के और लड़कियों के लिए एक भारत श्रेष्ठ भारत जोन-2 रोल बॉल चैंपियनशिप (दो आयोजन) 27 से 29 जनवरी 2023 तक दक्षिण गोवा में आयोजित की गई। इस कार्यक्रम का उद्घाटन खेल, कला और संस्कृति मंत्री श्री गोविंद गौड़े ने किया और इसमें जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, हरियाणा, झारखंड, पंजाब और राजस्थान सहित विभिन्न राज्यों के प्रतिभागियों ने भाग लिया।
  - सीनियर लड़कों और लड़कियों के लिए एक भारत श्रेष्ठ भारत रोल बॉल चैंपियनशिप 2023 का आयोजन 14 से 15 फरवरी 2023 तक जम्मू-कश्मीर में जम्मू के बिरला ओपन माइंड इंटरनेशनल स्कूल में किया गया। इस कार्यक्रम में गुजरात, मध्य प्रदेश, मणिपुर, नागालैंड, झारखंड, गोवा, दिल्ली और सिक्किम सहित विभिन्न राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों के प्रतिभागी शामिल हुए।
  - सीनियर लड़कों और लड़कियों के अंडर-21 वर्ग में एक भारत श्रेष्ठ भारत जोन 1 एसक्यूएवाई चैंपियनशिप हरियाणा के पंचकुला में 17 से 19 फरवरी 2023 तक आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में तेलंगाना, महाराष्ट्र, ओडिशा, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और तमिलनाडु के युग्मित राज्यों के 133 खिलाड़ी, कोच और तकनीकी अधिकारी शामिल हुए। मुख्य अतिथि श्री रतन लाल कटारिया ने अतिथियों और खिलाड़ियों का स्वागत किया, प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और युवा कार्यक्रम

और खेल मंत्रालय को इस योजना की शुरुआत करने के लिए हार्दिक धन्यवाद ज्ञापित किया। मुख्य अतिथि ने बेहतर आपसी समझ और राष्ट्रीय एकता को मजबूत करने के लिए विविध पृष्ठभूमि के युवाओं को एक साथ लाने के लिए मेजबान और प्रबंधन की प्रशंसा की।

ग. महिलाओं के लिए खेल:

यह पहल विविध गतिविधियों के माध्यम से खेलों में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है। इस प्रयास के तहत, कई खेलो इंडिया महिला लीग शुरू की गई हैं। अब तक देश भर में 20 खेल विधाओं में महिला लीग आयोजित की गई हैं। महिला एथलीटों के लिए कुल 901 प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई हैं, जिनमें 970654 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए हैं। इस पहल ने देश भर में खेलों में महिलाओं की भागीदारी को उल्लेखनीय रूप से बढ़ाया है और महिला एथलीटों को प्रतिस्पर्धा करने, सीखने और सभी आयु वर्गों में आगे बढ़ने के व्यापक अवसर मिले हैं।

मंत्रालय का लक्ष्य विविध आयु समूहों के खेलो इंडिया महिला लीग टूर्नामेंट आयोजित करने के लिए राष्ट्रीय खेल महासंघ (एनएसएफ)/राज्य सरकारों को सहायता मुहैया कराना है, जिसमें तकनीकी संचालन और अन्य आकस्मिक खर्चों के लिए आंशिक या पूर्ण

रूप से साई द्वारा धन मुहैया कराया जाता है। बजट का आवंटन इस प्रकार है:

खेलो इंडिया योजना के तहत समावेशिता को बढ़ावा देने वाले घटक में, महिलाओं के बीच खेलों को बढ़ावा देने वाले घटक के माध्यम से, विशेष रूप से महिलाओं के लिए खेल, प्रतियोगिताओं, लीग और टूर्नामेंट के आयोजनों के लिए अतिरिक्त अवसर मुहैया करने और महिलाओं को खेल गतिविधियों में भाग लेने और उनमें उत्कृष्टता हासिल करने के अवसर मुहैया करने का प्रयास किया गया है।इस संदर्भ में, सरकार ने निम्नलिखित गतिविधियां शुरू की हैं:	• 25 राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों में 20 खेल विधाओं में महिला खेल लीग का आयोजन किया गया।. • इस वर्ष 145 प्रतियोगिताओं में 14402 महिला एथलीटों ने भाग लिया।.

(₹ करोड़ में)

बजट स्वीकृति	2020-21	2021-22	2022-23	2023-24	2024-25
	₹ 0.32 करोड़	₹ 0.55 करोड़	₹ 21.29 करोड़	₹ 13.60 करोड़	₹ 25.54 करोड़

3.2. विशेष उपलब्धियां

खेलो इंडिया योजना के भीतर डैशबोर्ड का कार्यान्वयन, ऑनलाइन फॉर्म जमा करना और जियो-टैगिंग, प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने और खेल क्षेत्र में पहुंच बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हैं। ये पहल देश भर में खेल गतिविधियों में बेहतर संगठन, प्रबंधन और भागीदारी में बहुत योगदान कर सकती हैं।

- **डैशबोर्ड और डिजिटल पुस्तिका का शुभारंभ**: भारत सरकार ने खेलो इंडिया पहल की प्रगति की निगरानी और निगरानी के लिए खेलो इंडिया डैशबोर्ड विकसित किया है। यह मंच हितधारकों को वास्तविक समय के डेटा तक पहुंचने, रुझानों का विश्लेषण करने और कार्यक्रम के प्रभाव और पहुंच को बढ़ाने के लिए सूचित निर्णय लेने में सक्षम बनाता है। डैशबोर्ड के शुभारंभ के साथ-साथ, माननीय मंत्री ने एक डिजिटल पुस्तिका का भी उद्घाटन किया, जिसमें अद्यतन एथलेटिक्स विवरण शामिल हैं, जिससे प्रासंगिक जानकारी तक पहुंच में सुधार हुआ है। ये पहल भारत में खेलों को बढ़ावा देने में पारदर्शिता और प्रभावकारिता के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित करती हैं।
- **ऑनलाइन आवेदन जमा करना**: ऑनलाइन आवेदन जमा करने की प्रक्रिया खेलो इंडिया योजना का एक आवश्यक तत्व है। भारत सरकार ने एक ऑनलाइन पोर्टल विकसित किया है जहाँ एथलीट, कोच और अन्य खेल उत्साही खेलो इंडिया के तहत विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के लिए अपने आवेदन जमा कर सकते हैं।
- **इसके अलावा, जियो-टैगिंग** खेल विकास के लिए आवंटित धन के उपयोग में पारदर्शिता और जवाबदेही की सुविधा प्रदान करता है, क्योंकि यह हितधारकों को प्रगति की निगरानी करने और वास्तविक समय में निवेश के प्रभाव का आकलन करने की अनुमति देता है। कुल मिलाकर, खेलो इंडिया योजना के भीतर एक जियो-टैगिंग प्रणाली का कार्यान्वयन, खेल उत्कृष्टता की संस्कृति को बढ़ावा देने और देश भर में सक्रिय जीवन शैली को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

3.3. प्रधानमंत्री विकास पैकेज (पीएमडीपी) - जम्मू-कश्मीर में खेल अवसंरचना सुविधाओं में वृद्धि

माननीय प्रधानमंत्री ने दिनांक 07.11.2015 को जम्मू-कश्मीर के लिए विशेष पैकेज को मंजूरी दी और इसकी घोषणा की, जिसमें अन्य बातों के साथ-साथ कोचों/प्रशिक्षकों / फर्नीचर/ प्रतियोगिता/प्रोत्साहन/ पुरस्कार राशि की खेल अवसंरचना सुविधाओं के लिए 260 करोड़ रु. के पैकेज शामिल हैं। कार्य प्रगति पर हैं। एक बार खेल अवसंरचना परियोजनाएं पूरी हो जाने के बाद, उन्हें जम्मू और कश्मीर सरकार द्वारा राज्य में खेल संवर्धन गतिविधियों के लिए संचालित और उपयोग किया जाएगा।

क. युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित की जा रही परियोजनाएँ:

(रुपए करोड़ में)

क्र.सं.	परियोजनाएँ	चिन्हित राशि	स्वीकृत राशि	जारी की गई राशि	प्रतिबद्ध दायित्व	स्थिति
1	बख्शी स्टेडियम, श्रीनगर का फीफा मानक के अनुसार नवीनीकरण और विकास	44	40.85	37.68	3.17	पूर्ण
	बख्शी स्टेडियम, श्रीनगर में अतिरिक्त कार्य		9.05	0	9.05	
2	मौलाना आज़ाद (एम.ए.) स्टेडियम, जम्मू का अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैचों के लिए आईसीसी मानक के अनुसार नवीनीकरण और विकास। एम.ए. स्टेडियम, जम्मू में अतिरिक्त कार्य	40	42.17	39.18	2.99	पूर्ण
	जम्मू के एम.ए. स्टेडियम में अतिरिक्त कार्य		5.78	4.62	1.16	
	कुल(क)	**84**	**97.85**	**81.48**	**16.37**	

3	22 बहुउद्देशीय हॉल का निर्माण (प्रत्येक 4 करोड़ रुपये)	88	88	85.57	2.43	22 एमपीएच में से 17 पूर्ण हो चुके हैं तथा 5 का कार्य प्रगति पर है।
	राजौरी और पुंछ में मौजूदा स्टेडियमों का उन्नयन	4	4	4	0	पूर्ण
	उधमपुर, जम्मू में सुभाष स्टेडियम का उन्नयन/पूर्ण होना	10	10	10	0	प्रगति पर है
	जम्मू और श्रीनगर में जल क्रीड़ा अवसंरचना का विकास (नेहरू पार्क, श्रीनगर और रंजीत सागर बांध, बसोहली)	6	6	6	0	नेहरू पार्क पूर्ण हुआ, रणजीत सागर का कार्य प्रगति पर (80%)
	टीआरसी मैदान/गनी स्टेडियम में प्रकाश व्यवस्था	2.63	2.63	2.63	0	पूर्ण
	खेल उपकरण, कोच/प्रशिक्षक आदि	5.37	5.37	5.37	0	प्रगति पर है
	कुल(ख)	**116**	**116**	**113.57**	**2.43**	
4	स्वर्गीय श्री अरुण जेटली की स्मृति में कठुआ जिले में अंतरराष्ट्रीय स्तर के मिनी स्टेडियम का निर्माण	60	58.23	0	58.23	भूमि अधिग्रहण पूरा हो चुका है, डिजाइन का अंतिम रूप देने का काम अंतिम चरण में है।.
	कुल(ग)	**60**	**58.23**	**0**	**58.23**	
	कुल(क+ख+ग)	**260**	**272.08**	**195.05**	**77.03**	

ख.जम्मू और कश्मीर राज्य सरकार द्वारा क्रियान्वित की जा रही परियोजनाएं:

(रुपए करोड़ में)

क्र.सं.	परियोजनाएँ	निर्धारित राशि	स्थिति
1.	22 इनडोर हॉल का निर्माण i. सेहपोरा गांदरबल ii. शादीपोरा संबल, बांदीपोरा iii. कइमोह, कुलगाम iv. बिजबेहारा, अनंतनाग v. त्राल, पुलवामा vi. रामनगर, उधमपुर vii. साम्बा viii. भगवती नगर, जम्मू ix. बिलावर, कठुआ x. मिरगुंडपट्टन, बारामूला xi. सोइबुघ, बडगाम xii. राजपोरा, पुलवामा xiii. जदीबल, श्रीनगर xiv. शोपियां xv. कुर्बाथांग, कारगिल xvi. कोटरंका, राजौरी xvii. मंडी, पुंछ xviii. गूल, रामबन xix. डोडा xx. किश्तवाड़ xxi. रियासी xxii. हांडवाड़ा, कुपवाड़ा	88.00 (22 इनडोर हॉल के लिए प्रत्येक ₹4.00 करोड़)	सत्तरह इनडोर हॉल (सेहपोरा, गांदरबल, शादीपोरा सुंबल बांदीपोरा, रामनगर उधमपुर, बिलावर कठुआ, भगवती नगर, सांबा, कैमोह कुलगाम, बिजबेहरा अनंतनाग, त्रालपुलवामा, बडगाम, इलाहीबाग श्रीनगर, कोटेरंका, राजपोरा, मीर गुंड पट्टन और रियासी) पूरे हो चुके हैं और अन्य इनडोर हॉल का काम प्रगति पर है।
2.	राजौरी और पुंछ में मौजूदा स्टेडियमों का उन्नयन	4.00	पूर्ण
3.	उधमपुर, जम्मू में सुभाष स्टेडियम का उन्नयन/पूर्ण होना	10.00	प्रगति पर है
4.	जम्मू और श्रीनगर में जल क्रीड़ा अवसंरचना का विकास (नेहरू पार्क, श्रीनगर और रंजीत सागर बांध, बसोहली)	6.00 (3 – प्रत्येक परियोजना के लिए)	नेहरू पार्क का निर्माण पूरा हो चुका है तथा रंजीत सागर बांध, बसोहली का 80% कार्य हो गया है।
5.	टीआरसी ग्राउंड/गनी स्टेडियम में प्रकाश व्यवस्था	2.63	पूर्ण
6.	खेल उपकरण, कोच/प्रशिक्षक आदि	5.37	प्रगति पर है
कुल (ख)		**116.00**	
कुल योग (क+ख)		**200.00**	

परियोजनाएं	निर्धारित राशि	स्थिति
स्वर्गीय श्री अरुण जेटली की स्मृति में कठुआ जिले में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के मिनी स्टेडियम का निर्माण	58.23	भूमि अधिग्रहण पूरा हो चुका है, निविदा प्रक्रिया प्रगति पर है।
कुल (ग)	**58.23**	

ग. प्रधानमंत्री विकास पैकेज (पीएमडीपी) के अंतर्गत बजट आवंटन और उपयोग – वित्तीय वर्ष 2023-24 में जम्मू और कश्मीर में खेल अवसंरचना सुविधाओं को बढ़ावा देने हेतु

(रुपए करोड़ में)

वर्ष	स्वीकृत आवंटन		वास्तविक व्यय
	बजट अनुमान	संशोधित अनुमान	
2023-24	15	20	0

अध्याय-16: खिलाड़ियों को प्रोत्साहन संबंधी योजनाएँ

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय खिलाड़ियों को खेलों में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु विभिन्न योजनाएं क्रियान्वित करता है:-

4.1 राष्ट्रीय खेल पुरस्कार योजना

4.1.1. मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार

वर्ष 1991-92 में स्थापित, मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार (पूर्व में राजीव गांधी खेल रत्न पुरस्कार के रूप में जाना जाता है) भारत में सर्वोच्च खेल सम्मान है। यह पुरस्कार वर्ष से पहले चार साल की अवधि में अपने-अपने खेल में एक एथलीट के असाधारण और असाधारण प्रदर्शन को मान्यता देता है। प्राप्तकर्ता को एक पदक, प्रमाण पत्र, औपचारिक पोशाक और रु.25 लाख का नकद पुरस्कार दिया जाता है। आमतौर पर, केवल एक खिलाड़ी को सालाना इस प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है। इसकी स्थापना के बाद से, 61 एथलीटों को खेल के क्षेत्र में उनकी उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। वर्ष 2024 में निम्नलिखित खिलाड़ियों को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया है:

क्र. सं.	खिलाड़ी का नाम	विधा
1.	श्री गुकेश डी	शतरंज
2.	श्री हरमनप्रीत सिंह	हॉकी
3.	श्री प्रवीन कुमार	पैरा-एथलीट
4.	सुश्री मनु भाकर	शूटिंग

4.1.2. अर्जुन पुरस्कार

वर्ष **1961** में स्थापित, अर्जुन पुरस्कार भारतीय एथलीटों को दिया जाने वाला एक सम्मानित सम्मान है, जिन्होंने पिछले चार वर्षों की अवधि में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लगातार असाधारण प्रदर्शन किया है। यह पुरस्कार न केवल उनकी खेल उत्कृष्टता को बल्कि उनके नेतृत्व, खेल भावना और अनुशासित आचरण के गुणों को भी मान्यता देता है। प्राप्तकर्ताओं को एक प्रतिमा, प्रमाण पत्र, औपचारिक पोशाक और रु.**15** लाख का नकद पुरस्कार दिया जाता है। आमतौर पर, प्रत्येक वर्ष **15** से अधिक अर्जुन पुरस्कार प्रदान नहीं किए जा सकते हैं। इसकी स्थापना के बाद से, विभिन्न विषयों में 1017 उत्कृष्ट खिलाड़ियों को उनके संबंधित क्षेत्रों में उनकी उल्लेखनीय उपलब्धियों को स्वीकार करते हुए इस प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। वर्ष 2024 के लिए निम्नलिखित 32 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया है:

क्र.सं.	खिलाड़ी का नाम	विधा
1.	सुश्री ज्योति यार्राजी	एथलेटिक्स
2.	सुश्री अन्नू रानी	एथलेटिक्स
3.	सुश्री नीतू	बॉक्सिंग
4.	सुश्री सावीती	बॉक्सिंग
5.	सुश्री वंतिका अग्रवाल	शतरंज

6.	सुश्री सलीमा टेटे	हॉकी
7.	श्री अभिषेक	हॉकी
8.	श्री संजय	हॉकी
9.	श्री जर्मनप्रीत सिंह	हॉकी
10.	श्री सुखजीत सिंह	हॉकी
11.	श्री राकेश कुमार	पैरा-आर्चरी
12.	सुश्री प्रीति पाल	पैरा-एथलेटिक्स
13.	सुश्री जीवनजी दीप्ति	पैरा-एथलेटिक्स
14.	श्री अजीत सिंह	पैरा-एथलेटिक्स
15.	श्री सचिन सरजेराव खिलारी	पैरा-एथलेटिक्स
16.	श्री धरमबीर	पैरा-एथलेटिक्स
17.	श्री प्रणव सूरमा	पैरा-एथलेटिक्स
18.	श्री एच होकाटो सेमा	पैरा-एथलेटिक्स
19.	सुश्री सिमरन	पैरा-एथलेटिक्स
20.	श्री नवदीप	पैरा-एथलेटिक्स
21.	श्री नितेश कुमार	पैरा-बैडमिंटन
22.	सुश्री तुलसीमति मुरुगेसन	पैरा-बैडमिंटन
23.	सुश्री नित्या श्री सुमति सिवन	पैरा-बैडमिंटन
24.	सुश्री मनीषा रामदास	पैरा-बैडमिंटन
25.	श्री कपिल परमार	पैरा-जूडो
26.	सुश्री मोना अग्रवाल	पैरा-शूटिंग
27.	सुश्री रुबीना फ्रांसिस	पैरा-शूटिंग
28.	श्री स्वप्निल सुरेश कुसले	शूटिंग
29.	श्री सरबजोत सिंह	शूटिंग
30.	श्री अभय सिंह	स्क्वैश
31.	श्री सज्जन प्रकाश	तैराकी
32.	श्री अमन	कुश्ती

4.1.3. अर्जुन पुरस्कार (आजीवन)

यह पुरस्कार उन खिलाड़ियों को दिया जाता है जिन्होंने उत्कृष्ट उपलब्धियाँ हासिल की हैं और सक्रिय खेल करियर से संन्यास लेने के बाद भी खेलों के संवर्धन में योगदान जारी रखा है। पुरस्कार विजेताओं को एक प्रतिमा, प्रमाणपत्र, औपचारिक पोशाक और **₹15** लाख की नकद राशि प्रदान की जाती है। सामान्यतः वर्ष में **3** से अधिक पुरस्कार नहीं दिए जाते। वर्ष **2024** के लिए निम्नलिखित **2** खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार (जीवनपर्यन्त) से सम्मानित किया गया है:

क्र.सं.	खिलाड़ी का नाम	विधा
1	श्री सुचा सिंह	एथलेटिक्स
2	श्री मुरलीकांत राजाराम पेटकर	पैरा-तैराकी

4.1.4. द्रोणाचार्य पुरस्कार

वर्ष 1985 में स्थापित, द्रोणाचार्य पुरस्कार प्रतिष्ठित प्रशिक्षकों को दिया जाने वाला एक प्रतिष्ठित सम्मान है, जिन्होंने अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट परिणाम प्राप्त करने के लिए राष्ट्रीय एथलीटों और टीमों का मार्गदर्शन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह पुरस्कार वैश्विक मंच पर भारतीय खिलाड़ियों की सफलता को पोषित करने और आकार देने में इन प्रशिक्षकों के अमूल्य योगदान को मान्यता देता है। पुरस्कार विजेताओं को एक प्रतिमा, एक प्रमाण पत्र, औपचारिक पोशाक और आजीवन श्रेणी के लिए रु.15 लाख या नियमित श्रेणी के लिए रु.10 लाख का नकद पुरस्कार दिया जाता है। आमतौर पर, प्रत्येक वर्ष पाँच द्रोणाचार्य पुरस्कार प्रदान किए जा सकते हैं। इसकी स्थापना के बाद से, 159 सम्मानित कोचों को भारतीय खेलों के विकास के प्रति उनके समर्पण और प्रभाव को स्वीकार करते हुए इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। निम्नलिखित कोचों को वर्ष 2024 के लिए द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया है:

क. नियमित श्रेणी

क्र.सं.	कोच का नाम	विधा
1	श्री सुभाष राणा	पैरा-शूटिंग
2	सुश्री दीपाली देशपांडे	शूटिंग
3	श्री संदीप सांगवान	हॉकी

ख. जीवनपर्यन्त - श्रेणी

क्र. सं.	कोच का नाम	विधा
1	श्री एस. मुरलीधरन	बैडमिंटन
2	श्री आर्मांडो एग्नेलो कोलाको	फुटबॉल

4.1.5. मौलाना अबुल कलाम आज़ाद (एमएकेए) ट्रॉफी

शैक्षणिक संस्थानों के भीतर प्रतिस्पर्धी खेलों की संस्कृति को बढ़ावा देने के प्रयास में, मौलाना अबुल कलाम आजाद (एमएकेए) ट्रॉफी, रु.15 लाख के नकद पुरस्कार के साथ, खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के विजेता को प्रदान की जाती है। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को क्रमशः ₹7.5 लाख और ₹4.5 लाख प्रदान किए जाते हैं। चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी, पंजाब को वर्ष 2024 के लिए एमएकेए ट्रॉफी से सम्मानित किया गया।

4.1.6. राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार

खेलों के विकास में एथलीटों और कोचों के अतिरिक्त किसी भी निजी, कॉर्पोरेट इकाई और गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) द्वारा किए गए अमूल्य योगदान को मान्यता देते हुए भारत सरकार ने वर्ष 2009 में राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार प्रारंभ किया था। इस पुरस्कार का उद्देश्य उन निजी, कॉर्पोरेट इकाइयों और गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओज़) के प्रयासों को स्वीकारना और प्रोत्साहित करना है जिन्होंने खेलों के संवर्धन और विकास के किसी एक या एक से अधिक क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है तथा राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार में विचार किए जाने के लिए पात्र होंगे। इसकी चार श्रेणियाँ हैं: (क) नवोदित/युवा प्रतिभा की पहचान और पोषण (ख) कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी के माध्यम से खेलों को प्रोत्साहन, (ग) खिलाड़ियों का रोजगार और खेल कल्याण उपाय, तथा (घ) विकास के लिए खेल। इस पहल के माध्यम से सरकार पूरे देश में खेल प्रतिभा के विकास और पोषण के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करना चाहती है। वर्ष 2024 में निम्नलिखित संस्थाओं को राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार से सम्मानित किया गया:

क्र.सं.	संस्था का नाम
1.	फिजिकल एजुकेशन फाउंडेशन ऑफ इंडिया

4.2. अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं और उनके प्रशिक्षकों को नकद पुरस्कार की योजना

यह योजना वर्ष 1986 में उत्कृष्ट खिलाड़ियों को उच्च उपलब्धियों के लिए प्रोत्साहित करने और प्रेरित करने और युवा पीढ़ी को खेल को करियर के रूप में अपनाने के लिए आकर्षित करने के लिए शुरू की गई थी। इन योजनाओं को अंतिम बार 31 जनवरी, 2025 को संशोधित किया गया था। मंत्रालय ने अब एक समर्पित ऑनलाइन पोर्टल (https://dbtyas-sports.gov.in/) के माध्यम से नकद पुरस्कार के लिए खिलाड़ियों के आवेदन को अग्रेषित करने की प्रक्रिया को संशोधित किया है और खिलाड़ियों को भुगतान प्रत्यक्ष लाभार्थी हस्तांतरण (डीबीटी) प्रणाली के माध्यम से किया जाता है। अब, पात्र आवेदक अपने संबंधित आयोजनों/प्रतियोगिताओं के समापन के 6 महीने के भीतर अपने आवेदन ऑनलाइन जमा कर सकते हैं। इस योजना के तहत, निम्नलिखित तालिका के अनुसार, मान्यता प्राप्त अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजनों में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों और उनके प्रशिक्षकों को विशेष पुरस्कार दिए जाते हैं:

(क) श्रेणी : ओपन श्रेणी खेल

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	पुरस्कार राशि (₹ में)		
		स्वर्ण पदक	रजत पदक	कांस्य पदक
1.	ओलंपिक खेल (ग्रीष्म एवं शीतकालीन)	75 लाख	50 लाख	30 लाख
2.	एशियाई खेल	30 लाख	20 लाख	10 लाख
3.	राष्ट्रमंडल खेल	30 लाख	20 लाख	10 लाख
4.	विश्व चैंपियनशिप या विश्व कप (चार साल के चक्र में आयोजित)	40 लाख	25 लाख	15 लाख

5.	विश्व चैम्पियनशिप/विश्व कप (दो साल में एक बार आयोजित)	20 लाख	14 लाख	8 लाख
6.	विश्व चैम्पियनशिप/विश्व कप (प्रतिवर्ष आयोजित) /ऑल इंग्लैंड बैडमिंटन चैम्पियनशिप	10 लाख	7 लाख	4 लाख
7.	एशियाई चैंपियनशिप (चार साल में एक बार आयोजित)	15 लाख	10 लाख	5 लाख
8.	एशियाई चैंपियनशिप (दो साल में एक बार आयोजित)	7.5 लाख	5 लाख	2.5 लाख
9.	एशियाई चैंपियनशिप (प्रतिवर्ष आयोजित)	3.75 लाख	2.5 लाख	1.25 लाख
10.	विश्व विश्वविद्यालय खेल	3.75 लाख	2.5 लाख	1.25 लाख

(ख) श्रेणी: पैरा-स्पोर्टर्स

क्र.सं.	**कार्यक्रम का नाम**	**पुरस्कार राशि (₹ में)**		
		स्वर्ण पदक	**रजत पदक**	**कांस्य पदक**
1.	पैरालम्पिक खेल (ग्रीष्म एवं शीतकालीन)	75 लाख	50 लाख	30 लाख
2.	पैरा एशियाई खेल	30 लाख	20 लाख	10 लाख
3.	राष्ट्रमंडल खेल(पैरा-एथलीट)	30 लाख	20 लाख	10 लाख
4.	आईपीसी विश्व कप/ चैम्पियनशिप* (द्विवार्षिक आयोजित)	20 लाख	14 लाख	8 लाख
5.	आईपीसी विश्व कप/ चैम्पियनशिप* (प्रतिवर्ष आयोजित)	10 लाख	7 लाख	4 लाख

**ऐसे आयोजन जो अंतरराष्ट्रीय पैरालंपिक समिति (आईपीसी) के अंतर्गत आयोजित नहीं किए जाते हैं, लेकिन जो आईपीसी के प्राधिकरण के साथ शारीरिक रूप से सक्षम खिलाड़ियों के लिए अंतरराष्ट्रीय खेल महासंघ द्वारा आयोजित किए जाते हैं, वे भी नकद पुरस्कार के लिए पात्र हैं, बशर्ते कि खेल विधाओं को पैरालंपिक खेलों में शामिल किया जाना चाहिए।*

(ग) श्रेणी : दिव्यांग एथलीटों के खेल विधाएँ

क्र.सं.	**कार्यक्रम का नाम (चार साल में एक बार)**	**पुरस्कार राशि (₹ में)**		
		स्वर्ण पदक	**रजत पदक**	**कांस्य पदक**
1.	आईबीएसए विश्व चैंपियनशिप/विश्व कप	20 लाख	14 लाख	8 लाख
2.	ब्लाइंड क्रिकेट वर्ल्ड कप	20 लाख	14 लाख	8 लाख
3.	डेफलिम्पिक्स	20 लाख	14 लाख	8 लाख
4.	स्पेशल ओलंपिक्स वर्ल्ड गेम्स*	20 लाख	14 लाख	8 लाख
5.	बधिर खेलों की विश्व चैम्पियनशिप @	20 लाख	14 लाख	8 लाख

- उपरोक्त नकद प्रोत्साहन, जब तक अन्यथा निर्दिष्ट न हो, चार वर्षीय आयोजनों के लिए हैं।
- दो वर्षीय आयोजनों के लिए नकद प्रोत्साहन चार वर्षीय आयोजनों के लिए आवंटित राशि का आधा (50%) होगा।
- वार्षिक आयोजनों के लिए नकद प्रोत्साहन चार वर्षीय आयोजनों के लिए आवंटित राशि का एक-चौथाई (25%) होगा।

* सक्षम खिलाड़ियों द्वारा पैरा खिलाड़ियों के साथ खेलते समय उन्हें नकद प्रोत्साहन के लिए पात्र नहीं माना जाएगा।

@ केवल उन्हीं खेल विधाओं के लिए पात्रता होगी जो डेफलिम्पिक्स खेलों में शामिल हैं।

i. वर्ष 2024-25 में नकद पुरस्कार योजना के लिए संशोधित अनुमान चरण में ₹38.65 करोड़ का बजटीय प्रावधान किया गया है।
ii. वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, ₹38.55 करोड़ की एकमुश्त नकद पुरस्कार राशि 425 लाभार्थियों (राष्ट्रीय खेल पुरस्कार सहित) को प्रदान की गई।

4.3. मेधावी खिलाड़ियों को पेंशन के लिए खेल निधि स्कीम:

यह योजना वर्ष 1994 में उन खिलाड़ियों के लिए शुरू की गई थी, जो भारतीय नागरिक हैं और जिन्होंने ओलंपिक/पैरालिंपिक खेलों, विश्व कप/विश्व चैंपियनशिप, एशियाई खेलों या राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण, रजत या कांस्य पदक जीता है; 30 वर्ष की आयु प्राप्त कर ली है; और सक्रिय खेल करियर से संन्यास ले चुके हैं, वे आजीवन पेंशन के लिए पात्र हैं। पेंशन की वर्तमान दरें इस प्रकार हैं (07 जून, 2018 से प्रभावी):

क्र.सं.	**मेधावी खिलाड़ियों की श्रेणी**	**पेंशन की दर (₹ प्रति माह)**
1	ओलंपिक खेलों/पैरा ओलंपिक खेलों में पदक विजेता खेल	20,000
2	ओलंपिक और ओलंपिक खेलों में विश्व कप/विश्व चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक विजेता	16,000
3	ओलंपिक और एशियाई खेल विधाओं में विश्व कप में रजत और कांस्य पदक विजेता	14,000
4	एशियाई/राष्ट्रमंडल खेल/पैरा एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता	14,000
5	एशियाई/राष्ट्रमंडल खेलों/पैरा एशियाई खेलों के रजत और कांस्य पदक विजेता	12,000

** केवल उन विश्व कप/विश्व चैम्पियनशिप पर विचार किया जाएगा जो चार वर्ष में एक बार आयोजित होते हैं।*

पेंशन का भुगतान भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के माध्यम से किया जाता है, जिसके लिए मंत्रालय एलआईसी को एकमुश्त भुगतान करके व्यक्तिगत पेंशनभोगियों के लिए पेंशन-वार्षिकी खरीदता है। वर्ष 2024-25 के दौरान मेधावी खिलाड़ियों को पेंशन की योजना के लिए रु.4.00 करोड़ का बजटीय आवंटन किया गया है। वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान 17 लाभार्थियों को जीवनपर्यन्त पेंशन देने के लिए रु.3.82 करोड़ की एकमुश्त सहायता दी गई।

4.4. खिलाड़ियों हेतु पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय कल्याण कार्यक्रम

मार्च 1982 में स्थापित, पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय कल्याण कार्यक्रम (जिसे पहले खिलाड़ियों के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय कल्याण कोष (पीडीयूएनडबल्यूएफ़एस) के रूप में जाना जाता था (दिनांक 10.10.2023 को संशोधित), उन उत्कृष्ट पूर्व खिलाड़ियों को सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से स्थापित किया गया था, जिन्होंने देश को गौरव दिलाया था, लेकिन वित्तीय कठिनाइयों का सामना कर रहे थे।

वित्तीय सहायता हेतु पात्र अधिक खिलाड़ियों को शामिल करने के लिए समय के साथ कार्यक्रम का दायरा बढ़ाया गया है। सितंबर 2017 में, इस योजना का नाम बदलकर खिलाड़ियों हेतु पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय कल्याण कोष कर दिया गया। इसके बाद, जनवरी 2019 में, मंत्रालय के भीतर आवेदनों को समयबद्ध तरीके से संसाधित करने के लिए समय-सीमा को शामिल करने हेतु वांछित संशोधन

किए गए, साथ ही कोष से सहायता निधि की मात्रा में भी उल्लेखनीय वृद्धि की गई। आगे की समीक्षा और संशोधन मई 2020 में, और हाल ही में 10 अक्टूबर 2023 को किए गए हैं। नवीनतम संशोधन ने कोष से वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए वार्षिक आय पात्रता सीमा को सभी स्रोतों से बढ़ाकर रु.8 लाख कर दिया है। इस उपाय का उद्देश्य पूर्व एथलीटों की एक व्यापक श्रृंखला को समर्थन देना है, जिन्होंने विशिष्टता के साथ राष्ट्र का प्रतिनिधित्व किया है लेकिन आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं।

संशोधित योजना के अंतर्गत खिलाड़ी और उनके परिवार के सदस्य निम्नलिखित वित्तीय सहायता राशि के लिए पात्र होंगे:

(i) वर्तमान में गरीबी की स्थिति में रह रहे किसी उत्कृष्ट खिलाड़ी को वित्तीय सहायता दी जाएगी, जो अधिकतम रु.5.00 लाख तक होगी।

(ii) मृतक खिलाड़ियों के परिवारों को अधिकतम रु.5.00 लाख तक की वित्तीय सहायता दी जा सकती है।

(iii) खिलाड़ियों या उनके आश्रित परिवार के सदस्यों को चिकित्सा उपचार के लिए रु.10.00 लाख से अधिक की वित्तीय सहायता प्रदान नहीं की जा सकती।

(iv) प्रशिक्षण के दौरान लगी चोटों के लिए और योजना में सूचीबद्ध खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए रु.10.00 लाख से अधिक की वित्तीय सहायता प्रदान की जा सकती है, लेकिन इसमें सब जूनियर और जूनियर श्रेणी की प्रतियोगिताएं भी शामिल होंगी।

(v) ऐसे खिलाड़ियों को प्रशिक्षण, उपकरणों की खरीद और राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय खेल आयोजनों में भागीदारी के लिए रु.2.50 लाख से अधिक की वित्तीय सहायता नहीं दी जा सकती है, जिनके माता-पिता गरीबी की स्थिति में रह रहे हैं। ऐसे खेल खिलाड़ी जिनके संघों की मान्यता समाप्त कर दी गई है या जिनकी मान्यता सरकार या संघों ने निलंबित कर दी है और जिन्हें अभी तक सरकार से मान्यता नहीं मिली है, वे भी इस उद्देश्य के लिए सहायता के पात्र होंगे।

(vi) ऐसे कोचों और सहायक कार्मिकों को, जो वरिष्ठ श्रेणी के खिलाड़ियों और राष्ट्रीय टीमों (वरिष्ठ श्रेणी) के लिए राष्ट्रीय कोचिंग शिविरों से जुड़े रहे हैं, तथा अंपायरों, रेफरी और मैच अधिकारियों को, जो ओलंपिक, एशियाई खेलों और राष्ट्रमंडल खेलों में शामिल खेल विधाओं में मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय चैंपियनशिप (वरिष्ठ श्रेणी) और अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंटों (वरिष्ठ श्रेणी) से जुड़े रहे हैं, जो अत्यन्त गरीबी में रह रहे हैं या ऐसे मृतक सहायक कार्मिकों के परिवार के सदस्यों को, जो अत्यन्त गरीबी में रह रहे हैं, रु.2.00 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जा सकती है।

(vii) गरीब परिस्थितियों में रहने वाले प्रशिक्षकों और सहायक कर्मियों को या गरीब परिस्थितियों में रहने वाले ऐसे मृत सहायक कर्मियों के परिवार के सदस्यों को चिकित्सा उपचार के लिए रु.4.00 लाख तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जा सकती है।

वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान 45 लाभार्थियों को 1.07 करोड़ रुपये की एकमुश्त वित्तीय सहायता दी गई।

अध्याय-17: खेल विभाग के प्रमुख संस्थान

1. भारतीय खेल प्राधिकरण:

भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) की स्थापना युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय (एमवाईएएस) के तहत 1982 में नई दिल्ली में आयोजित IXवें एशियाई खेलों की विरासत को जारी रखते हुए 25 जनवरी 1984 को प्रस्ताव संख्या 1-1/83/एसएआई के बाद सोसायटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1860 के तहत एक पंजीकृत सोसायटी के रूप में की गई थी। साई को खेलों को बढ़ावा देने और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दोनों स्तरों पर खेल उत्कृष्टता प्राप्त करने के दोहरे उद्देश्य सौंपे गए हैं।

इसके बाद, भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) को एक सशक्त खेल प्रोत्साहन संस्था के रूप में विकसित करने की सुविधा हेतु इसमें खेल कोचिंग और शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में आवश्यक ज्ञान और कौशल को सम्मिलित किया गया। इसके लिए पूर्ववर्ती सोसाइटी फॉर नेशनल इंस्टिट्यूट्स ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स (एसनआईपीएस), जिसमें नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान (एनएसएनआईएस), पटियाला और उसके केंद्र शामिल थे तथा दो अन्य शैक्षणिक संस्थान—लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय (एलएनसीपीई) ग्वालियर और तिरुवनंतपुरम का विलय 1 मई, 1987 को साई में कर दिया गया। तथापि, एलएनसीपीई ग्वालियर को सितंबर 1995 में "मानद विश्वविद्यालय" का दर्जा प्राप्त होने पर साई से अलग कर दिया गया। आज साई देश में खेलों को प्रोत्साहन और खेल उत्कृष्टता के लिए एक शीर्ष संस्था के रूप में स्थापित है।

1.1. **साई का सामान्य निकाय और शासी निकाय**: भारत सरकार द्वारा संध के ज्ञापन और साई के नियमों के अनुसार, साई के सामान्य निकाय (सोसायटी) और शासी निकाय का गठन किया जाता है। माननीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री साई के सामान्य निकाय और शासी निकाय के अध्यक्ष होते हैं।

1.2. साई के लक्ष्य एवं उद्देश्य नीचे दिए गए हैं:

- देश में खेलों को बढ़ावा देना और उनका व्यापक आधार बनाना;
- खेल प्रतिभाओं की पहचान करना/उनकी खोज करना और उनका पोषण करना;
- भारत को एक प्रमुख खेल शक्ति के रूप में स्थापित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न विधाओं में खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए योजनाओं/कार्यक्रमों को लागू करना;
- दिल्ली में स्टेडियमों का प्रबंधन करना, जिनका निर्माण 1982 में आयोजित **IX**वें एशियाई खेलों के लिए किया गया था;
- युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय और संबंधित राज्य सरकारों के साथ-साथ देश में खेलों के संवर्धन/विकास के लिए जिम्मेदार अन्य एजेंसियों के बीच मिलन-बिन्दु के रूप में कार्य करना;
- उच्च स्तरीय कोच, खेल वैज्ञानिक और शारीरिक शिक्षा के शिक्षक तैयार करने के लिए संस्थाओं की स्थापना, संचालन, प्रबंधन और प्रशासन करना;
- देश में खेल अवसंरचना और सुविधाओं की योजना बनाना, निर्माण करना, अधिग्रहण करना, विकास करना, प्रबंधन करना, रख-रखाव करना और उनका उपयोग करना;
- खेलों, खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों के उन्नयन के लिए विभिन्न खेल विज्ञानों से संबंधित अनुसंधान परियोजनाओं की पहल करना, कार्यान्वयन करना, प्रायोजित करना, प्रेरित करना और प्रोत्साहित करना; तथा
- देश में खेलों के संवर्धन और खेल उत्कृष्टता बढ़ाने में शामिल अन्य केंद्रीय अथवा राज्य निकायों और अन्य संस्थाओं के साथ मुद्दों का समाधान करना और/अथवा सहयोग करना।

1.3. संगठनात्मक संरचना

इस संगठन के प्रधान कार्यकारी अधिकारी महानिदेशक साई होते हैं। विभिन्न विभागों/प्रभागों के वरिष्ठ कार्यात्मक प्रमुखों की टीम उनकी सहायता करती है जिसमें सचिव साई, कार्यकारी निदेशक और शैक्षणिक संस्थानों/क्षेत्रीय केंद्रों के प्रमुख शामिल होते हैं। वर्ष 2024-25 के लिए साई का संगठनात्मक चार्ट निम्नानुसार है:

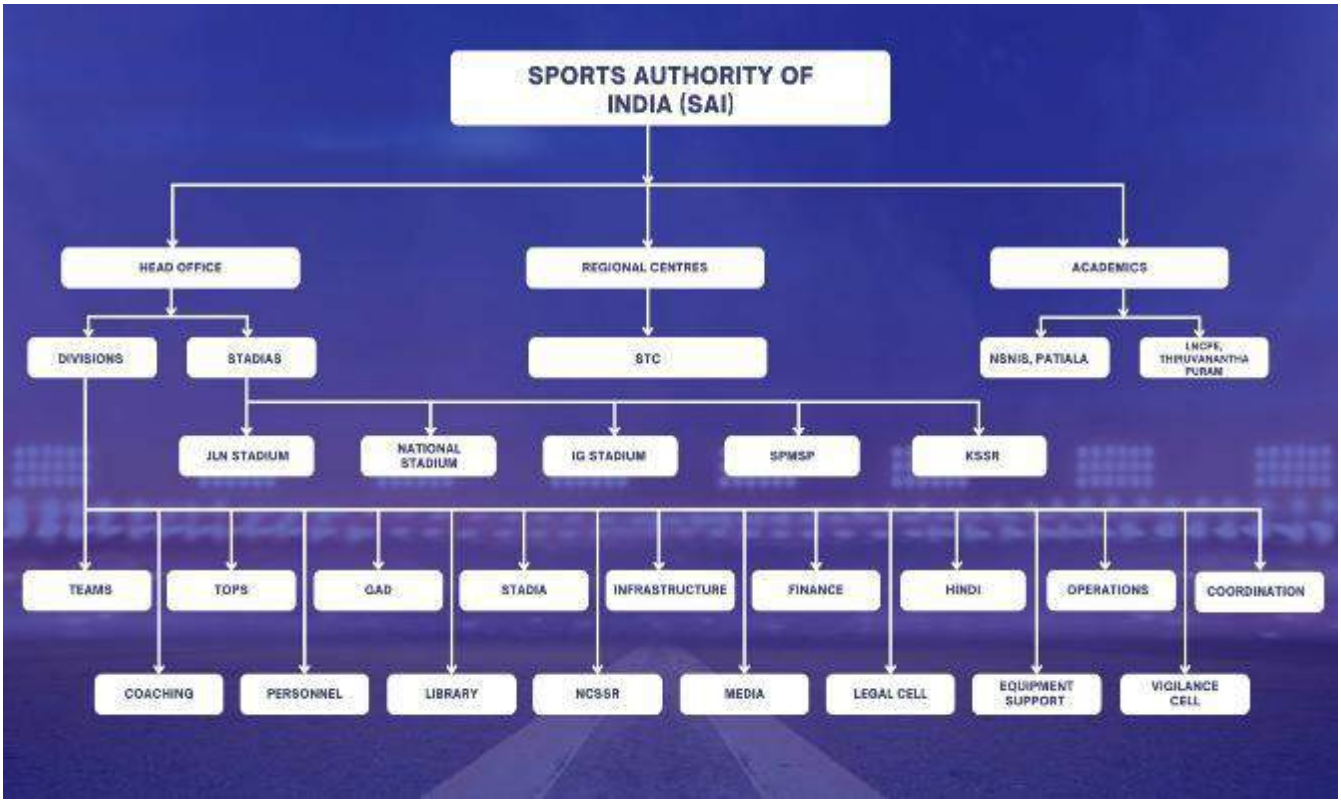

1.4. भारतीय खेल प्राधिकरण के प्रमुख प्रभाग/संस्थाएं तथा उनकी कार्यात्मक जिम्मेदारियों का संक्षिप्त वर्णन निम्नानुसार है:

क्र.सं.	प्रभाग का नाम	कार्य
(i)	शैक्षणिक (कोचिंग) एनएस एनआईएस, पटियाला	खेल कोचिंग में सर्टिफिकेट और डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित करना। नियमित रिफ्रेशर पाठ्यक्रम आयोजित करके प्रशिक्षकों के कौशल को उन्नत करना।
(ii)	शैक्षणिक (शारीरिक शिक्षा) एलएनसीपीई, तिरुवनंतपुरम	शारीरिक शिक्षा में स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम संचालित करना।
(iii)	संचालन प्रभाग, भारतीय खेल प्राधिकरण-मुख्यालय, नई दिल्ली	साई की खेल संवर्धन स्कीमों की आयोजना, कार्यान्वयन और निगरानी।
(iv)	टीमें डिवीजन भारतीय खेल प्राधिकरण- मुख्यालय, नई दिल्ली	राष्ट्रीय खेल महासंघों के सहयोग से युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की ओर से उत्कृष्ट एथलीटों का प्रशिक्षण और प्रबंधन सहायता, जिसमें राष्ट्रीय शिविरों का आयोजन, विदेशी प्रदर्शन की सुविधा और विदेशी कोचों की सेवाएं शामिल हैं।

क्र.सं.	प्रभाग का नाम	कार्य
(v)	टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टीओपीएस)	चयन, बहिष्कार और प्रस्ताव के अनुमोदन सहित अपने अधिदेश को पूरा करने में मिशन ओलंपिक प्रकोष्ठ की सहायता करना। इसका उद्देश्य योजना के तहत चुने गए एथलीट की शुरू से अंत तक की आवश्यकता हेतु सहायता प्रदान करना है, अर्थात चयन, प्रस्ताव, मंजूरी और प्रदर्शन समीक्षा।
(vi)	उपकरण सहायता भारतीय खेल प्राधिकरण- मुख्यालय, नई दिल्ली	भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) और/अथवा अन्य खेल निकायों के लिए विभिन्न खेल उपस्करों की आवश्यकता का समेकन तथा स्थानीय और विदेशी विक्रेताओं से इनकी प्राप्ति करना।
(vii)	स्टेडियम डिवीजन भारतीय खेल प्राधिकरण-मुख्यालय, नई दिल्ली	दिल्ली में साई स्टेडियमों का रखरखाव और उपयोग।
(viii)	इन्फ्रास्ट्रक्चर भारतीय खेल प्राधिकरण- मुख्यालय, नई दिल्ली	देश भर में भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) केंद्रों पर खेल और खेल से संबंधित बुनियादी ढांचे का निर्माण, विकास और रखरखाव करना।
(ix)	कार्मिक प्रभाग भारतीय खेल प्राधिकरण- मुख्यालय, नई दिल्ली	अधिकारियों और कर्मचारियों की भर्ती और साई के कर्मचारियों के सेवा संबंधी मामलों पर कार्रवाई करना।
(x)	कोचिंग प्रभाग भारतीय खेल प्राधिकरण- मुख्यालय, नई दिल्ली	साई के कोचों की भर्ती और सेवा मामलों से संबंधित है।
(xi)	वित्त प्रभाग भारतीय खेल प्राधिकरण- मुख्यालय, नई दिल्ली	दिल्ली स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण के विभिन्न प्रभागों, शैक्षणिक संस्थानों और क्षेत्रीय इकाइयों के लिए वित्तीय योजना और बजट आवंटन से संबंधित कार्य।
(xii)	समन्वय प्रभाग भारतीय खेल प्राधिकरण- मुख्यालय, नई दिल्ली	एमवाईएएस/अन्य एजेंसियों और साई के विभिन्न प्रभागों के साथ विशेष रूप से संसद और आरटीआई से संबंधित मामलों पर संपर्क स्थापित करने के लिए नोडल प्रभाग।
(xiii)	मीडिया और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग प्रकोष्ठ भारतीय खेल प्राधिकरण-मुख्यालय, नई दिल्ली	प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के साथ संपर्क, एनआईटी/विज्ञापन जारी करना, प्रेस ब्रीफिंग आयोजित करना और साई अधिकारियों की वेबसाइट का रखरखाव करना। साथ ही, विभिन्न देशों के साथ खेल के क्षेत्र में सांस्कृतिक आदान-प्रदान

क्र.सं.	प्रभाग का नाम	कार्य
		कार्यक्रमों/द्विपक्षीय संबंधों से संबंधित मुद्दों पर युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के साथ संपर्क करना।
(xiv)	सामान्य प्रशासन भारतीय खेल प्राधिकरण- मुख्यालय, नई दिल्ली	सामान्य भंडारण की खरीद और रखरखाव। भवन निर्माण, कम्प्यूटरीकरण और हाउसकीपिंग, परिवहन, बैठक और सेमिनार, आधिकारिक टेलीफोन और हवाई टिकट का रखरखाव।
(xv)	कानूनी प्रभाग भारतीय खेल प्राधिकरण- मुख्यालय, नई दिल्ली	भारतीय खेल प्राधिकरण से संबंधित सभी विधिक मामलों को संभालना।
(xvii)	सतर्कता प्रकोष्ठ भारतीय खेल प्राधिकरण-एचओ, नई दिल्ली	भारतीय खेल प्राधिकरण से संबंधित सभी सतर्कता मामलों को संभालना।
(xviii)	राजभाषा प्रभाग भारतीय खेल प्राधिकरण- मुख्यालय, नई दिल्ली	भारत सरकार की राजभाषा नीति का कार्यान्वयन।
(xix)	खेलो इंडिया प्रभाग, भारतीय खेल प्राधिकरण- मुख्यालय, नई दिल्ली	खेलों में जन भागीदारी और उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के दोहरे उद्देश्यों को हासिल करना।
(xx)	फिट इंडिया डिवीजन, भारतीय खेल प्राधिकरण- मुख्यालय, नई दिल्ली	आसान, मजेदार और मुफ्त रूप में फिटनेस को बढ़ावा देना, फिटनेस और विभिन्न शारीरिक गतिविधियों के बारे में जागरूकता फैलाना जो केंद्रित अभियानों के माध्यम से फिटनेस को बढ़ावा देते हैं, स्वदेशी खेलों और फिटनेस के आसपास की गतिविधियों को प्रोत्साहित करते हैं, फिटनेस को हर स्कूल, कॉलेज/विश्वविद्यालय, गांव, पंचायत आदि तक पहुंचाते हैं।
(xxi)	कोच विकास और प्रशिक्षण	कोच विकास और प्रशिक्षण प्रभाग की स्थापना कोचों, वैज्ञानिक कर्मचारियों और प्रशासनिक कर्मचारियों हेतु उनके ज्ञान और कौशल को उन्नत करने के लिए प्रशिक्षण आयोजित करने के उद्देश्य से की गई है।
(xxii)	राष्ट्रीय खेल विज्ञान और अनुसंधान केंद्र (एनसीएसएसआर)	राष्ट्रीय खेल विज्ञान और अनुसंधान केंद्र (एनसीएसएसआर) की योजना का उद्देश्य उत्कृष्ट खिलाड़ियों के उच्च प्रदर्शन से संबंधित उच्च स्तरीय अनुसंधान, शिक्षा और नवाचार को सहायता प्रदान करना है।

दिल्ली में निम्नलिखित स्टेडियम, जिन्हें वर्ष 1982 में नई दिल्ली में आयोजित 9वें एशियाई खेलों हेतु निर्मित/पुनर्निर्मित किया गया था, और बाद में वर्ष 2010 में नई दिल्ली में आयोजित 19वें राष्ट्रमंडल खेलों हेतु पुनर्निर्मित किया गया था, का रखरखाव और उपयोग साई द्वारा किया जा रहा है:

क. जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम परिसर
ख. इंदिरा गांधी खेल परिसर
ग. डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्विमिंग पूल परिसर (जिसे पहले तालकटोरा स्विमिंग पूल के नाम से जाना जाता था)
घ. मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम (जिसे पहले राष्ट्रीय स्टेडियम के नाम से जाना जाता था)
ङ. डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज (जिसे पहले शूटिंग रेंज तुगलकाबाद के नाम से जाना जाता था)

1.5. भारतीय खेल प्राधिकरण की खेल संवर्धन स्कीमें

संचालन प्रभाग, साई द्वारा विभिन्न खेल संवर्धन स्कीमों का कार्यान्वयन किया जाता है, जिनका उद्देश्य राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए विभिन्न आयु समूहों में प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान करना और उनका पोषण करना है।

इन स्कीमों का प्रबंधन साई द्वारा बेंगलुरु, कोलकाता, गांधीनगर, कांदिवली (मुंबई) भोपाल, सोनीपत, लखनऊ, चंडीगढ़(जिरकपुर), गुवाहाटी और इम्फाल में स्थित अपने क्षेत्रीय केंद्रों के साथ-साथ एनएस एनआईएस, पटियाला और एलएनसीपीई, तिरुवनंतपुरम में शैक्षणिक शाखाओं के माध्यम से किया जाता है। खेल विज्ञान केंद्र की स्थापना पटियाला, बेंगलुरु और कोलकाता में अच्छी तरह विकसित की गई है और इन सुविधाओं को अन्य केंद्रों में भी उन्नत किया जा रहा है।

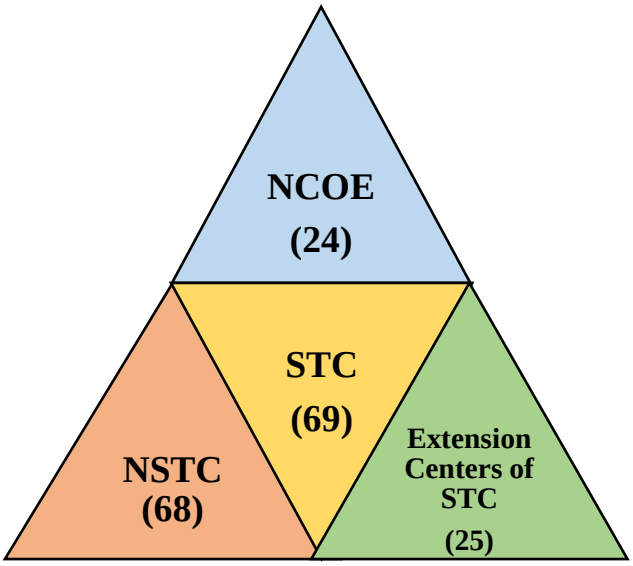

स्कीमों की प्रमुख विशेषताएँ इस प्रकार हैं:

क. **साई राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई)**

भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) प्रतिभाशाली एथलीटों की पहचान करने और राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उनका पोषण करने के लिए उनके क्षेत्रीय केंद्रों, शैक्षणिक संस्थानों और एसएआई प्रशिक्षण केंद्रों (एसटीसी) में फैले देश भर में खेल संवर्धन योजनाओं का कार्यान्वयन कर रहा था।

वित्तीय मानदंडों को सुव्यवस्थित करने और साई क्षेत्रीय केंद्रों, शैक्षणिक संस्थानों और स्टेडियमों में एक ही कैंपस/परिसर में एथलीटों के बीच भेदभाव को खत्म करने के लिए, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार ने दिनांक 18.09.2019 को कार्यालय ज्ञापन संख्या के-11020/4/2019-खेल-V के तहत एक निर्णय लिया था कि कैम्पस/परिसर में

भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के क्षेत्रीय केंद्रों, शैक्षणिक संस्थानों और स्टेडियमों में एक ही स्थान पर संचालित सभी योजनाओं का एसएआई राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई) में विलय कर दिया जाएगा।

एक ही कैंपस और स्टेडियम के भीतर साई की संवर्धन स्कीमों के विलय के बाद, उत्कृष्टता केंद्रों (सीओई) को राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों के रूप में अपग्रेड किया गया। तथापि, क्षमता और बुनियादी ढांचे पर विचार करने के बाद तीन और एनसीओई स्थापित किए गए। वर्तमान में, 24 स्वीकृत एनसीओई में से 23 देश भर में (ज़ीरकपुर संचालित नहीं हैं) 13 प्राथमिकता और 11 अन्य खेल विधाओं में संचालित हैं।

लक्ष्य और उद्देश्य:

राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई) की स्थापना भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) ने ओलंपिक और अन्य अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में खिलाड़ियों को उत्कृष्टता प्राप्त करने के उद्देश्य से की है। इन केंद्रों का उद्देश्य प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान करना है। इन केंद्रों में अत्याधुनिक अवसंरचना और खेल सुविधाएँ, खेल विज्ञान का सहयोग, प्रशिक्षित पोषण विशेषज्ञों द्वारा निर्धारित व्यक्तिगत आहार, और श्रेष्ठ कोचों, योग्य सहयोगी स्टाफ तथा उच्च प्रदर्शन निदेशकों के मार्गदर्शन में समग्र पर्यवेक्षण उपलब्ध कराया जाता है। राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र नियमित कोचिंग शिविरों के रूप में कार्य करते हैं और भारत में उपलब्ध शीर्ष जूनियर प्रतिभाओं को प्रशिक्षण देते हैं। ये संभावित खिलाड़ियों के स्तर तैयार करते हैं, जिससे राष्ट्रीय टीमों के चयन के लिए व्यापक विकल्प और निरंतरता सुनिश्चित होती है। साथ ही वैकल्पिक दूसरे और तीसरे विकल्प भी उपलब्ध कराते हैं। एनसीओई उत्कृष्ट खिलाड़ियों से लेकर विकासशील खिलाड़ियों तक को समायोजित करने में सक्षम हैं।

एनसीओई द्वारा कवर की गई विधाएं: एनसीओई में 13 केंद्रित/प्राथमिकता वाले विधा और 11 अन्य विधा शामिल हैं, जहां भारतीय एथलीट अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और उनकी अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों/चैंपियनशिप/खेलों में पदक जीतने की संभावना है।

केंद्रित खेल विधा: तीरंदाजी, एथलेटिक्स, मुक्केबाजी, साइक्लिंग, फेंसिंग, हॉकी, जूडो, रोइंग, तैराकी, शूटिंग, टेबल टेनिस, भारोत्तोलन ओर कुश्ती।

अन्य विधा: फ़ुटबॉल, जिमनास्टिक, बैडमिंटन, हैंडबॉल, कब्बडी, खो-खो, कयाकिंग और कैनोइंग, पैरा स्पोर्ट्स, तायक्वोंडो, वॉलीबॉल एवं वुशु।

प्रत्येक एनसीओई में शामिल विधाएं इस प्रकार हैं:

क्र.सं.	केंद्र का नाम	विधाएं
1	अल्लेप्पी	रोइंग, कयाकिंग और कैनोइंग
2	तिरुवनंतपुरम	एथलेटिक्स, सायक्लिंग, फ़ुटबॉल, तायक्वोंडो, वॉलीबॉल
3	औरंगाबाद	मुक्केबाजी, फेन्सिंग, हॉकी, भारोत्तोलन, जिमनास्टिक
4	कांदिवली	हॉकी, कबड्डी, कुश्ती
5	बेंगलुरु	एथलेटिक्स, हॉकी, तायक्वोंडो, भारोत्तोलन
6	भोपाल	एथलेटिक्स, मुक्केबाजी, हॉकी, जूडो, वुशु, कयाकिंग और कैनोइंग
7	जीरकपुर	रोक कर रखा गया
8	धर्मशाला	एथलेटिक्स, कबड्डी, खो-खो, वॉलीबॉल केवल **लड़कियों** के लिए
9	हमीरपुर	एथलेटिक्स, बैडमिंटन, मुक्केबाजी, हॉकी, जूडो, कुश्ती
10	गुवाहाटी	तीरंदाजी, एथलेटिक्स, मुक्केबाजी, सायक्लिंग, फेन्सिंग, फ़ुटबॉल, तायक्वोंडो
11	गांधीनगर	हैंडबॉल, कबड्डी, खो-खो एवं एथलेटिक्स, पावर लिफ्टिंग, तैराकी, टेबल टेनिस **(पैरा के लिए)**
12	इंफाल	तीरंदाजी, एथलेटिक्स, सायक्लिंग, फेन्सिंग, फ़ुटबॉल, हॉकी, जूडो, भारोत्तोलन, वुशु
13	ईटानगर	मुक्केबाजी, भारोत्तोलन, वुशु

14	जगतपुर	रोइंग, कयाकिंग और कैनोइंग
15	कोलकाता	तीरंदाजी एथलेटिक्स जिमनास्टिक हॉकी, टेबल टेनिस
16	कूच बेहार	
17	लखनऊ	एथलेटिक्स, हॉकी, तायक्वोंडो, भारोत्तोलन, कुश्ती
18	पटियाला	एथलेटिक्स, सायक्लिंग, फेन्सिंग, हॉकी, जूडो, भारोत्तोलन
19	रोहतक	मुक्केबाजी
20	सोनीपत	तीरंदाजी, एथलेटिक्स, हॉकी, कबड्डी, कुश्ती
21	आईजी स्टेडियम, दिल्ली	सायक्लिंग, जिमनास्टिक
22	डॉ. एसपीएमएसपीसी, दिल्ली	तैराकी
23	एमडीसीएनएस, दिल्ली	हॉकी
24	डॉ. केएसएसआर, दिल्ली	शूटिंग

स्वीकृत संख्या: बुनियादी ढांचे की उपलब्धता, पदक जीतने की संभावनाओं, खेल की लोकप्रियता और कई अन्य कारकों के आधार पर साई समय-समय पर एथलीटों की संख्या निर्धारित करता है, जिन्हें प्रत्येक एनसीओई में प्रत्येक विधा में प्रशिक्षित किया जा सकता है। कुल स्वीकृत संख्या को आवासीय और गैर-आवासीय एथलीटों में विभाजित किया गया है और तत्पश्चात, सभी लिंगों के लिए पर्याप्त प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए पुरुष और महिला एथलीटों में विभाजित किया गया है। एनसीओई में एथलीटों की वर्तमान स्वीकृत संख्या 4232 (3787 आवासीय, 445 गैर-आवासीय) है । हालांकि, चालू वर्ष की वर्किंग स्ट्रेंथ 3733 एथलीट (1978 पुरुष और 1755 महिलाएं) है।

प्रवेश मानदंड: सभी विधाओं की प्रतिभा पहचान और विकास समितियां जिनमें उस विधा के प्रख्यात एथलीट, प्रतिष्ठित कोच, एनएसएफ प्रतिनिधि आदि शामिल हैं, को एनसीओई से एथलीटों का चयन करने/उन्हें छंटनी करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

प्रशिक्षित एवं कुशल जनशक्ति:

i **कोचिंग स्टाफ:** एनसीओई अपने यहां प्रशिक्षण ले रहे एथलीटों को सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण वातावरण और कोचिंग प्रदान कर रहे हैं। एथलीटों को सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए, योग्य साई कोचों के अलावा, प्रतिष्ठित और अनुभवी कोचों को नियुक्त किया जा रहा है या अन्य विभागों से प्रतिनियुक्ति पर लिया जा रहा है।

ii **वैज्ञानिक स्टाफ:** युवा एथलीटों के प्रदर्शन का मूल्यांकन/सहायता करने के लिए, खेल नृविज्ञान, जिननास्टिक्स शरीर क्रिया विज्ञान, शक्ति और कंडीशनिंग, जैव यांत्रिकी, खेल मनोविज्ञान, खेल चिकित्सा, फिजियोथेरेपी आदि के विशेष क्षेत्र में वैज्ञानिक विशेषज्ञों को प्रत्येक एनसीओई में नियुक्त किया जा रहा है।

iii **प्रशासनिक कर्मचारी:** एनसीओई के सुचारू संचालन के लिए प्रत्येक एनसीओई में पर्याप्त प्रशासनिक कर्मचारी तैनात किए गए हैं।

iv **मेस स्टाफ:** प्रत्येक खिलाड़ी की दैनिक आवश्यकता के अनुसार गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने हेतु मेस के प्रभावी संचालन की देखभाल के लिए विशेष मेस स्टाफ को नियुक्त किया गया है।

खेल विज्ञान सुविधाएं: एनसीओई में वैज्ञानिक बैकअप के संबंध में, युवा एथलीटों के प्रदर्शन का मूल्यांकन/उन्नयन करने के लिए आवश्यक विशेष उपकरण एनसीओई में उपलब्ध कराए जा रहे हैं। एनसीओई में नवीनतम वैज्ञानिक उपकरण खरीदे गए हैं/खरीदे जा रहे हैं। एनसीओई में निम्नलिखित विभागों में वैज्ञानिक सुविधाएं स्थापित करने की कुल लागत रु.80.00 करोड़ है:

1. मानवमिति
2. बायोमेट्री
3. बायोमैकेनिक्स

4. पोषण
5. प्रदर्शन विश्लेषण
6. फिजियोलॉजी
7. फिजियोथेरेपी
8. मनोविज्ञान
9. स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग

ख.साई प्रशिक्षण केंद्र स्कीम:(एसटीसी)

उद्देश्य:
जमीनी स्तर/विधा उपयुक्त आयु वर्ग के एथलीटों को तैयार करने के लिए, साई प्रशिक्षण केंद्र (एसटीसी) उन राज्यों में स्थापित किए जाते हैं जहां संबंधित राज्य सरकारों द्वारा खेल अवसंरचना प्रदान की जाती है।

शामिल विधाएं:
तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबाल, मुक्केबाजी, सायक्लिंग, फेन्सिंग, फ़ुटबॉल, जिननास्टिक्स, हैंडबॉल, हॉकी, जूडो, कबड्डी, कराटे, कयाकिंग और कैनोइंग, खो-खो, रोइंग, सेपकटकरॉ, शूटिंग, सॉफ्टबॉल, तैराकी, टेबल टेनिस, तायक्वोंडो, वॉलीबॉल, भारोत्तोलन, कुश्ती एवं वुशु (27 विधा)।

चयन मानदंड :

आयु: 12 से 18 वर्ष

(क) एकल प्रतिस्पर्धा:

वर्तमान वर्ष या प्रवेश से पूर्व के वर्ष के दौरान किसी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल परिसंघ द्वारा आयोजित सब-जूनियर (कैडेट सहित) और जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में आठवां (08) स्थान तथा भारतीय विश्वविद्यालय संघ और भारतीय स्कूल खेल परिसंघ द्वारा आयोजित अंतर-विश्वविद्यालय चैंपियनशिप में छठा (06) स्थान।

अथवा

मान्यता प्राप्त राज्य खेल संघ द्वारा आयोजित राज्य चैम्पियनशिप में प्रथम तीन (03) स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ी।

अथवा

वे खिलाड़ी जो पूर्वोत्तर खेलों और राष्ट्रीय ग्रामीण एवं महिला चैंपियनशिप में प्रथम तीन (03) स्थानों में से कोई भी स्थान प्राप्त करते हैं।

अथवा

वे खिलाड़ी जिसने संबंधित मान्यता प्राप्त अंतर्राष्ट्रीय महासंघ द्वारा किसी मान्यता प्राप्त चैम्पियनशिप/टूर्नामेंट में भारत का प्रतिनिधित्व किया हो।

अथवा

जिला चैंपियनशिप, अंतर-शिक्षा जिला स्तरीय लघु प्रतियोगिता, पब्लिक स्कूल परिसंघ, सीबीएसई, केन्द्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय आदि द्वारा आयोजित चैंपियनशिप के प्रथम तीन (03) स्थान धारकों को चयन ट्रायल में भाग लेने के लिए विचार किया जा सकता है।

आयु: 10 से 18 वर्ष

(ख) टीम स्पर्धाएँ:

जो प्रतिभाएँ परीक्षणों की श्रृंखला के अनुसार मोटर/गतिविधि गुणवत्ता के न्यूनतम स्तर तक नहीं पहुँच पाती हैं, उन्हें छह महीने के लिए अनंतिम रूप से चुना जा सकता है और उसके बाद मोटर गुणवत्ता परीक्षण और विशिष्ट कौशल परीक्षण पास करने के बाद ही, यदि वे उपयुक्त पाए जाते हैं, तो औपचारिक रूप से शामिल किया जा सकता है।

प्रवेश हेतु प्रदर्शन मानदंड: किसी टीम का कोई भी सदस्य, जिसने मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल महासंघ द्वारा आयोजित सब-जूनियर और जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में प्रथम चार (4) स्थान प्राप्त किए हों, और भारतीय विश्वविद्यालय संघ और भारतीय स्कूल खेल महासंघ द्वारा आयोजित अंतर-क्षेत्रीय और अंतर-विश्वविद्यालय चैंपियनशिप में प्रथम दो (02) स्थान प्राप्त किए हों।

अथवा

किसी मान्यता प्राप्त राज्य खेल संघ द्वारा आयोजित राज्य चैम्पियनशिप में प्रथम (01) या द्वितीय (02) स्थान प्राप्त करने वाली टीम का सदस्य।

अथवा

वह खिलाड़ी जिसने किसी मान्यता प्राप्त चैम्पियनशिप/टूर्नामेंट में सब-जूनियर और जूनियर टीम के सदस्य के रूप में भारत का प्रतिनिधित्व किया हो, जिसके लिए टीम को भारत सरकार द्वारा आधिकारिक रूप से भेजा गया हो।

अथवा

उत्तर पूर्व खेलों में टीम खेलों में विजेता और उपविजेता के सदस्य।

अथवा

ऐसे खिलाड़ियों जिन्होंने राज्य खेल संघों, राज्य खेल परिषदों और राज्य खेल विभागों द्वारा आयोजित मान्यता प्राप्त राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में भाग लिया है, उन पर चयन ट्रायल में भाग लेने के लिए विचार किया जा सकता है।

प्रवेश के लिए पूर्व शर्त: उपरोक्त दो श्रेणियों में प्रवेश प्रदर्शन संकेतकों, मानवमितीय माप, शारीरिक और मनोवैज्ञानिक परीक्षणों और आयु, अनुशासन, संघटना और चयन परीक्षणों में उपस्थित होकर भविष्य की क्षमता के मूल्यांकन के आधार पर किया जा सकता है। कोई सीधा प्रवेश नहीं होगा। प्रवेश केवल प्रदर्शन और परीक्षण परिणाम की बैटरी के आधार पर होगा और प्रेरण के समय इसका दस्तावेजीकरण किया जाना चाहिए।

पार्श्विक प्रवेश: जिन्होंने जिला, राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में वांछित प्रदर्शन किया है और परीक्षण-श्रृंखला, तकनीकी एवं विशिष्ट कौशल परीक्षणों को सफलतापूर्वक पूरा किया है, उन्हें वर्ष के किसी भी समय शामिल किया जा सकता है।

प्रतिधारण मानदंड: एथलीट का प्रतिधारण उसके द्वारा प्रदर्शन के उस न्यूनतम स्तर को बनाए रखने पर आधारित है जिसके आधार पर उसे प्रवेश दिया गया था और साथ ही वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करना भी शामिल है।

प्रवेश के समय विचार किए गए परीक्षण परिणाम, विशिष्ट परीक्षण परिणाम और प्रदर्शन मूल्यांकन रिकॉर्ड को आधारिक प्रदर्शन के तौर पर ठीक से प्रलेखबद्ध किया जाना चाहिए ताकि एथलीटों के प्रदर्शन में हुई बेहतरी की समय-समय पर तुलना की जा सके।

प्रत्येक एथलीट की प्रशिक्षण डायरी रखी जाती है, जिसे खिलाड़ियों को बनाए रखने और हटाने के समय ध्यान में रखा जाता है।

चिकित्सा जांच और आयु सत्यापन आवश्यक है, विशेषकर जब प्रवेश सब-जूनियर और जूनियर स्तर की प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन के आधार पर किया जाता है, यह आयु धोखाधड़ी के खिलाफ एक प्रभावी निवारक उपाय है।

छंटनी करना:

(क) अपेक्षित स्तर का प्रदर्शन न कर पाना।

(ख) प्रशिक्षण और/या प्रतियोगिता से छह महीने से अधिक समय तक अनुपस्थित रहने के कारण चोट लगना; और

(ग) डोप दुरुपयोग, उम्र संबंधी धोखाधड़ी, कदाचार आदि।

भर्ती किये गये एथलीटों के लिए निगरानी, अर्धवार्षिक वैज्ञानिक मूल्यांकन और शैक्षणिक बैकअप:

(क) भर्ती किए गए सभी एथलीटों की कड़ी निगरानी और अर्धवार्षिक वैज्ञानिक मूल्यांकन संस्थागत/क्षेत्रीय प्रमुखों द्वारा इन-हाउस खेल विज्ञान सुविधा-केंद्रों की सेवाएं लेकर या प्रसिद्ध खेल विज्ञान संस्थाओं के जरिए किया जाता है।

(ख) जहां तक संभव हो, नजदीकी स्कूलों में प्रवेश दिलाने का प्रयास किया जाता है;

(ग) अकादमिक सत्र के साथ जोड़ने के बजाय प्रतिभा को शामिल करना एक निरंतर प्रक्रिया हो सकती है, ताकि जब भी कोई प्रतिभा दिखाई दे और प्रवेश के लिए योग्य पाया जाए तो साई प्रतिभा को प्रवेश देने में सक्षम हो सके।

18 वर्ष से अधिक और 21 वर्ष तक की आयु के एथलीटों को रखने में छूट के संबंध में शैक्षणिक संस्थाओं/क्षेत्रों के प्रमुख द्वारा ऐसे विशेष मामलों में ही विचार किया जा सकता है, जहां प्रदर्शन और भावी संभावनाओं के आधार पर ठोस औचित्य अवश्य हो।

एसटीसी में खिलाड़ियों की वर्तमान स्वीकृत संख्या 4819 (3840 आवासीय, 979 गैर-आवासीय) है। वर्तमान में देश में 69 एसटीसी केंद्र हैं जिनमें कुल 4473 एथलीट (2708 लड़के और 1765 लड़कियां) हैं।

इसके अलावा कोच, सहयोगी स्टाफ और रखरखाव का वेतन **SAI** द्वारा प्रदान किया जाता है।

ग. एसटीसी केन्द्रों के विस्तार केन्द्र:

उद्देश्य

एसटीसी के विस्तार केंद्रों की योजना 16 विषयों में स्कूलों और कॉलेजों को व्यापक कवरेज के लिए शुरू की गई थी, जिसका उद्देश्य स्कूलों और कॉलेजों में खेल के मानक को विकसित करना था, जिनके पास आवश्यक बुनियादी खेल अवसंरचना है और जिन्होंने खेलों में अच्छे परिणाम दिखाए हैं। एथलीटों का चयन नियमित प्रशिक्षण के लिए गैर-आवासीय आधार पर किया जाता है।

शामिल विधा:

तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, मुक्केबाजी, फुटबॉल, जिमनास्टिक, हैंडबॉल, हॉकी, जूडो, कबड्डी, कयाकिंग और कैनोइंग, खो-खो, टेबल टेनिस, ताइक्वांडो और कुश्ती।

संस्था का चयन:

खेलों में सक्रिय रूप से शामिल और पर्याप्त अवसंरचना वाले स्कूल और कॉलेज इस योजना के तहत पात्र हैं। संस्था का राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी तैयार करने का पिछला इतिहास होना चाहिए।

एथलीटों का चयन:

इस योजना के तहत एक स्कूल/कॉलेज के अधिकतम 20 खिलाड़ियों को गोद लिया जाता है। आस-पास के स्कूलों/कॉलेजों के छात्रों को भी प्रवेश दिया जा सकता है। खिलाड़ियों का चयन विधिवत गठित समिति द्वारा किया जाता है, जिसमें (1) क्षेत्रीय निदेशक (एसएआई) या उनके प्रतिनिधि, (2) कॉलेज/संस्थान के प्रमुख या उनके प्रतिनिधि, (3) संबंधित अनुशासन के स्कूल/कॉलेज के विशेषज्ञ/कोच और (4) क्षेत्र के उत्कृष्ट खिलाड़ी शामिल होते हैं। सराहनीय परिणाम/असाधारण प्रतिभा के मामले में आयु में छूट दी जाती है।

ये विस्तार केंद्र निकटतम एसटीसी से जुड़े हुए हैं और इनकी निगरानी एसएआई क्षेत्रीय केंद्रों के प्रमुखों द्वारा की जाती है, जिनके अंतर्गत संबंधित स्कूल/कॉलेज आते हैं।

चयन मानदंड:-

क. स्कूल

- **व्यक्तिगत खेल कार्यक्रम का आयोजन:** जिला चैंपियनशिप, अंतर-शैक्षणिक संस्थाओं की जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं, जो पब्लिक स्कूल, सीबीएसई, केवी, जेएनवी के परिसंघ द्वारा आयोजित की जाती हैं, के पहले चार स्थान प्राप्तकर्ताओं में से कोई भी।
- **टीम खेल:** जिला चैंपियनशिप, पब्लिक स्कूल परिसंघ, सीबीएसई, केवी, जेएनवी द्वारा आयोजित अंतर-शैक्षणिक संस्थाओं की जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं के विजेता या उपविजेता और मानदंडों के अनुसार परीक्षण श्रृंखला के तहत अर्हता प्राप्त खिलाड़ी।

ख. कॉलेज:

- **व्यक्तिगत:** मान्यता प्राप्त राज्य खेल संघों द्वारा आयोजित सब-जूनियर और जूनियर राज्य चैंपियनशिप, विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित अंतर-कॉलेज चैंपियनशिप और एसजीएफआई मानदंडों के अनुसार आयोजित राज्य स्तरीय एसजीएफआई चैंपियनशिप में चौथे स्थान/पोज़ीशन प्राप्त करने वाले तक।

- **टीम खेल:** जिला चैंपियनशिप, पब्लिक स्कूल परिसंघ, सीबीएसई, केवीएस, जेएनवीएस द्वारा आयोजित अंतर-शैक्षणिक संस्थान जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं के विजेता या उपविजेता और मानदंडों के अनुसार परीक्षण श्रृंखला के तहत अर्हता प्राप्त खिलाड़ी।

ग. **विश्वविद्यालय: व्यक्तिगत और टीम:** ऐसे खिलाड़ी जिन्होंने भारतीय विश्वविद्यालय संघ और मान्यता प्राप्त राज्य संघों/राष्ट्रीय खेल महासंघों द्वारा आयोजित क्षेत्रीय/राष्ट्रीय चैंपियनशिप में विश्वविद्यालय, राज्य का प्रतिनिधित्व किया हो।.

परीक्षणों की श्रृंखला में एथलीटों के प्रदर्शन और प्रवेश दिए जाने के समय उनकी उपलब्धियों का स्पष्ट रूप से दस्तावेजीकरण किया जाना चाहिए।

परीक्षणों की श्रृंखला में असफल होने वाले एथलीटों का अनंतिम रूप से चयन किया जाएगा तथा छह महीने बाद उन्हें टीम में बनाए रखने के लिए मूल्यांकन किया जाएगा।

प्रवेश के समय विचार किए गए परीक्षणों के परिणाम, विशिष्ट परीक्षण परिणाम और प्रदर्शन मूल्यांकन रिकॉर्ड को आधार प्रदर्शन के रूप में उचित रूप से प्रलेखित किया जाना चाहिए, ताकि समय-समय पर एथलीटों के प्रदर्शन में वृद्धि की तुलना की जा सके।

प्रवेश के लिए पूर्व शर्त: उपर्युक्त दो श्रेणियों में प्रवेश प्रदर्शन संकेतकों, मानवमितीय माप, शारीरिक और मनोवैज्ञानिक परीक्षणों के आधार पर किया जा सकता है, तथा आयु, अनुशासन, घटना और भविष्य की संभावनाओं के मूल्यांकन के आधार पर प्रवेश दिया जा सकता है, तथा प्रवेश के समय परीक्षण परिणामों का दस्तावेजीकरण किया जाना है।

पार्श्विक प्रवेश: जिन्होंने जिला, राज्य, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में वांछित प्रदर्शन किया है और परीक्षण-श्रृंखला, तकनीकी एवं विशिष्ट कौशल परीक्षणों को सफलतापूर्वक पूरा किया है, उन्हें वर्ष के किसी भी समय शामिल किया जा सकता है।

प्रतिधारण मानदंड: खिलाड़ी को जिस प्रदर्शन के न्यूनतम स्तर के आधार पर भर्ती किया गया था, उसके द्वारा उस स्तर को बनाए रखने और साथ ही वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने के आधार पर उसे रखा जाएगा।

छंटनी करना:

- अपेक्षित स्तर का प्रदर्शन न बनाए रखना
- डोप का दुरुपयोग, आयु धोखाधड़ी, कदाचार। अपेक्षित स्तर का प्रदर्शन न बनाए रखना

भर्ती किये जाने वाले एथलीटों के लिए निगरानी, अर्धवार्षिक वैज्ञानिक मूल्यांकन और अकादमिक बैकअप:

क यह अनुशंसा की जाती है कि भर्ती किए गए सभी एथलीटों की करीबी निगरानी और आधा प्रारंभिक वैज्ञानिक मूल्यांकन संस्थागत/क्षेत्रीय प्रमुखों द्वारा, इन-हाउस खेल विज्ञान सुविधाओं की सेवाओं को शामिल करके, या प्रसिद्ध खेल विज्ञान संस्थानों की सेवाओं को शामिल करके किया जा सकता है।

ख जहां तक संभव हो, एनआईओएस, मानव संसाधन विकास मंत्रालय और इंदिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय के तहत राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय प्रणाली स्थापित करने के प्रयास किए जाने चाहिए, ताकि भर्ती प्रतिभाओं पर नियमित शैक्षणिक दबाव को दूर किया जा सके।

ग अकादमिक सत्र के साथ जुड़ने के बजाय प्रतिभा को शामिल करना एक निरंतर प्रक्रिया हो सकती है, ताकि जब भी कोई प्रतिभा देखी जाए और प्रवेश के लिए योग्य पाया जाए, तो साई को प्रतिभा को स्वीकार करने में सक्षम बनाया जा सके।

घ प्रवेश प्रदान किए गए अभ्यर्थियों की सामाजिक/नौकरी की सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्रों/सशस्त्र बलों/कॉरपोरेट के साथ मिलकर ठोस प्रयास किए जा सकते हैं।

छूट: हालांकि, परीक्षणों की श्रृंखला में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर, तथा खेलों की विशिष्ट प्रकृति को ध्यान में रखते हुए, अपवादात्मक मामलों में निचली तथा ऊपरी आयु सीमा में छूट तथा प्रवेश की अनुमति दी जा सकती है, जो कि नए प्रवेश के 25% तक सीमित होगी।

वित्तीय मानदंड

क्र.सं.	विवरण	राशि (रु .)
1	खेल किट (प्रत्येक एथलीट के लिए, प्रत्येक वर्ष)	5000.00
2	प्रतियोगिता अनुभव (प्रत्येक एथलीट, प्रत्येक वर्ष)	3000.00
3	वजीफा (प्रत्येक एथलीट के लिए साल में 10 महीने के लिए)	6000.00
4	इंश्योरेंस (प्रत्येक एथलीट, प्रत्येक साल)	150.00
5	पहचान किए गए संस्थानों में अवसंरचना और उपकरण सहायता, प्रति एथलीट, 1.00 लाख रुपये की सीमा के अधीन।	5000.00

अभी देश में 25 विस्तार केंद्र हैं , जिनमें कुल 277 एथलीट (193 लड़के और 84 लड़कियां) हैं।

घ. राष्ट्रीय खेल प्रतिभा प्रतियोगिता स्कीम (एनएसटीसी)

उद्देश्य:

- राष्ट्रीय खेल प्रतिभा प्रतियोगिता (एनएसटीसी) स्कीम का कार्यान्वयन स्कूलों से 8-14 वर्ष की आयु वर्ग में खेल प्रतिभाओं की खोज करने और वैज्ञानिक प्रशिक्षण प्रदान करके भविष्य में पदक की उम्मीदों में उनका पोषण करने के लिए किया जा रहा है।
- स्कीम के तहत, अच्छी खेल अवसंरचना वाले और शानदार खेल प्रदर्शन का रिकॉर्ड रखने वाले स्कूलों को साई द्वारा गोद लिया जाता है। यह स्कीम नवोदित खिलाड़ियों को एक ही स्कूल में पढ़ने और खेलने में सक्षम बनाती है। एनएसटीसी (1985 में शुरू की गई) की मुख्य स्कीम के अलावा, भारत में खेल प्रतिभाओं तक और अधिक पहुँच बनाने के लिए कुछ विशिष्ट उप-स्कीमें भी प्रारंभ की गईं, जिनमें देशज खेलों एवं गेम्स में भाग लेने वाले प्रतिभागियों को भी शामिल किया गया। एनएसटीसी की इन उप-स्कीमों में शामिल हैं:

  (i) नियमित स्कूल

  (ii) देशज खेल और मार्शल आर्ट (आईजीएमए)

  iii) अखाड़े

एनएसटीसी के तहत आने वाली विधाएं:

नियमित स्कूल - एथलेटिक्स, बास्केटबॉल, फुटबॉल, जिमनास्टिक, हॉकी, खो-खो, तैराकी, टेबल टेनिस, वॉलीबॉल (09 विधाएं)।

आईजीएमए - गतका , कबड्डी , कलारियापयतु , मुकना , मलखंब , थांग -ता, सिलंबम , खोमलाइनाई (08 विधाएं)

अखाड़े – कुश्ती (01 विधा)

नियमित प्रशिक्षण के लिए गोद लिए गए स्कूलों और अखाड़ों को एनएसएनआईएस प्रशिक्षित कोच प्रदान किए जाते हैं।

नियमित स्कूलों का चयन मानदंड (एनएसटीसी): एथलीटों के प्रदर्शन को, परीक्षणों की श्रृंखला में तथा प्रवेश के समय उनकी उपलब्धियों के साथ, स्पष्ट रूप से प्रलेखित किया जाना चाहिए।

व्यक्तिगत/टीम स्पर्धाएं:

क. राज्य/राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में पदक विजेता एथलीटों को, चिकित्सकीय रूप से फिट पाए जाने की शर्त पर, स्कीम में प्रवेश दिया जाता है।

ख. जिला स्तर की प्रतियोगिताओं में पदक विजेता या राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं में भागीदारी करने वाले एथलीटों को, चिकित्सकीय एवं शारीरिक रूप से फिट पाए जाने तथा परीक्षणों की श्रृंखला द्वारा आंकी गई आवश्यक क्षमता होने की शर्त पर प्रवेश दिया जाता है।

ग. दूरस्थ, जनजातीय एवं तटीय क्षेत्रों से चयन हेतु प्रतिभागियों के बीच प्रतियोगिताओं का आयोजन कर एथलीटों का चयन किया जाता है। चयन, एक चयन समिति द्वारा किया जाता है जिसमें साई, विद्यालय/अखाड़ों, साई कोचों, खेल वैज्ञानिकों आदि के प्रतिनिधि शामिल होते हैं। इस आधार पर चिन्हित एथलीटों को आयु सत्यापन, चिकित्सकीय परीक्षण तथा परीक्षणों की श्रृंखला लागू कर उपयुक्त पाए जाने पर प्रवेश प्रदान किया जाता है।

प्रवेश पूर्व-शर्तें:

उपरोक्त दोनों श्रेणियों में प्रवेश, प्रदर्शन संकेतकों, मानवमितीय माप, शारीरिक एवं मनोवैज्ञानिक परीक्षणों तथा आयु, विधा, स्पर्धा और भविष्य की संभावनाओं के मूल्यांकन एवं परीक्षणों की श्रृंखला के परिणामों के आधार पर किया जा सकता है, और इन्हें प्रवेश के समय प्रलेखित किया जाना चाहिए।

प्रतिधारण मानदंड: खिलाड़ियों का प्रतिधारण, उनके द्वारा उस न्यूनतम प्रदर्शन स्तर को बनाए रखने तथा वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति पर आधारित होगा जिसके आधार पर उन्हें प्रवेश दिया गया था।

छंटनी करना:

क) अपेक्षित प्रदर्शन स्तर को बनाए न रखना।

ख) डोपिंग दुरुपयोग, आयु में धोखाधड़ी, अनुशासनहीनता।

एथलीटों के लिए निगरानी, अर्धवार्षिक वैज्ञानिक मूल्यांकन और अकादमिक बैकअप: यह सिफारिश की जाती है कि भर्ती किए गए सभी एथलीटों की करीबी निगरानी और अर्धवार्षिक वैज्ञानिक मूल्यांकन संस्थागत/क्षेत्रीय प्रमुखों द्वारा इन-हाउस खेल विज्ञान सुविधाओं की सेवाओं को संलग्न करके या प्रसिद्ध खेल विज्ञान संस्थानों की सेवाओं को शामिल करके किया जा सकता है।

छूट: तथापि, परीक्षणों की श्रृंखला में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर, तथा खेलों की विशिष्ट प्रकृति को ध्यान में रखते हुए, अपवादात्मक मामलों में निचली तथा ऊपरी आयु सीमा में छूट तथा प्रवेश की अनुमति दी जा सकती है, जो कि नए प्रवेश के 25% तक सीमित होगी। इसके लिए डीजी, साई की पूर्व स्वीकृति आवश्यक होगी।

देशज खेल और मार्शल आर्ट्स (आईजीएमए) (एनएसटीसी की उप-स्कीम): ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों के स्कूलों में देशज खेलों और मार्शल आर्ट्स को बढ़ावा देने तथा इन खेलों में प्रतिभा की खोज कर उन्हें आधुनिक खेलों में विकसित करने के उद्देश्य से यह स्कीम नवंबर 2001 में शुरू की गई थी। शैक्षणिक संस्थानों द्वारा संचालित स्कूल समूह जैसे कि केंद्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय, डीएवी, विद्या भारती एवं इसी प्रकार के अन्य संस्थान भी देशज खेलों और मार्शल आर्ट्स के प्रचार-प्रसार और विकास हेतु एनएसटीसी स्कीम का हिस्सा बनाए गए।

चयन मानदंड: आयु : 14 से 8 वर्ष।

एथलीटों के परीक्षणों की श्रृंखला में प्रदर्शन तथा प्रवेश के समय की उपलब्धियों को स्पष्ट रूप से प्रलेखित किया जाना चाहिए।

प्रवेश हेतु चयन मानदंड:

- वे प्रतिभाएँ, जो राज्य/राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में पदक विजेता हैं, उन्हें स्कीम में प्रवेश दिया जाता है, बशर्ते वे चिकित्सकीय रूप से योग्य पाए जाएं।
- वे प्रतिभाएँ, जो जिला स्तर की प्रतियोगिताओं में पदक विजेता हैं या राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं में भाग ले चुकी हैं, उन्हें भी प्रवेश दिया जाता है, बशर्ते वे चिकित्सकीय एवं शारीरिक रूप से योग्य पाए जाएँ।
- देशज खेलों में प्रतिभा की खोज प्रतिभागियों के बीच खुली प्रतियोगिताओं के आधार पर की जाती है। चयन एक चयन समिति द्वारा किया जाता है, जिसमें साई संस्थानों के प्रतिनिधि, साई कोच, संबंधित खेल के गुरु/मार्गदर्शक शामिल होते हैं। इस आधार पर पहचाने गए खिलाड़ियों को आयु सत्यापन, चिकित्सकीय परीक्षण आदि के बाद प्रवेश दिया जाता है।

प्रतिधारण मानदंड : खिलाड़ी को जिस प्रदर्शन के न्यूनतम स्तर के आधार पर भर्ती किया गया था, उसके द्वारा उस स्तर को बनाए रखने और साथ ही वर्ष के लिए निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने के आधार पर उसे रखा जाएगा।

छटनी करना:

- अपेक्षित स्तर का प्रदर्शन न बनाए रखना
- डोप का दुरुपयोग, आयु धोखाधड़ी, कदाचार।

निगरानी: स्वीकृत क्लबों/संस्थानों की गहन निगरानी तथा अर्धवार्षिक मूल्यांकन संस्थागत प्रमुखों/क्षेत्रीय केंद्रों के माध्यम से किया जाता है।असाधारण रूप से प्रतिभाशाली लड़के एवं लड़कियाँ संबंधित खेल विधा और पात्रता मानदंडों के अनुसार साई सीएजी केंद्र या साई खेल अकादमी में प्रवेश पा सकते हैं।

छूट: तथापि, परीक्षणों की श्रृंखला में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर, तथा खेलों की विशिष्ट प्रकृति को ध्यान में रखते हुए, अपवादात्मक मामलों में निचली तथा ऊपरी आयु सीमा में छूट तथा प्रवेश की अनुमति दी जा सकती है, जो कि नए प्रवेश के 25% तक सीमित होगी। इसके लिए डीजी, साई की पूर्व स्वीकृति आवश्यक होगी।

एनएसटीसी स्कीम के अंतर्गत अखाड़ों को गोद लिया जाना:

परिचय :

कुश्ती देश का पारंपरिक देशज खेल रहा है और मुख्यतः गाँव स्तर पर खेला जाता है। भारत ने अतीत में कई अंतरराष्ट्रीय पदक जीते हैं और यह एक महत्वपूर्ण खेल शक्ति रहा है। इसलिए, आधुनिक कुश्ती के लिए व्यापक आधार तैयार करने और देश के विभिन्न अखाड़ों द्वारा किए जा रहे प्रयासों को पूरक बनाने के लिए प्रयास किए जा रहे हैं।

अखाड़ों को गोद लिया जाना:

कुश्ती खेल की विशिष्ट प्रकृति को ध्यान में रखते हुए, उन अखाड़ों को गोद लिया जाना स्वीकृत है जिनमें कम से कम 20x20 मीटर का ढका हुआ हॉल हो, जहाँ कुश्ती मैट लगाए जा सकें,तथा 15x15 मीटर का ढका हुआ हॉल हो, जहाँ मल्टी-जिम और अन्य सहायक सुविधाएँ स्थापित की जा सकें।

चयन मानदंड : प्रतिभाशाली पहलवानों के चयन हेतु एनएसटीसी के नियमित गोद लिए गए स्कूलों के चयन मानदंड लागू किए जाते हैं।

एनएसटीसी स्कीम के अंतर्गत उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाएँ : वर्तमान में इस स्कीम के अंतर्गत चयनित एथलीटों को गैर-आवासीय आधार पर प्रवेश दिया जाता है। तथापि, विशेष मामलों में दो विद्यालयों में एथलीटों को आवासीय आधार पर प्रवेश दिया गया है और उन्हें वजीफे के स्थान पर भोजन एवं आवास की सुविधा प्रदान की जाती है।

वित्तीय मानदंड:

नियमित स्कूल

क्र. सं.	विवरण	राशि (रु.)
1	खेल किट (प्रति एथलीट प्रति वर्ष)	2000.00
2	बीमा (प्रति एथलीट प्रति वर्ष)	150.00
3	प्रतियोगिता अनुभव (प्रति एथलीट प्रति वर्ष)	2000.00
4	10 महीने के लिए वजीफा (प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष)	3000.00
5	खेल सामग्री खरीदने के लिए स्कूल के लिए वार्षिक अनुदान (प्रति वर्ष)	20000.00

देशज खेल और मार्शल आर्ट

क्र. सं.	विवरण	राशि (रु.)
1	खेल किट (प्रति एथलीट प्रति वर्ष)	1500.00
2	बीमा (प्रति एथलीट प्रति वर्ष)	150.00
3	10 महीने के लिए वजीफा (प्रति व्यक्ति प्रति वर्ष)	3000.00
4	खेल सामग्री खरीदने के लिए स्कूल के लिए वार्षिक अनुदान (प्रति वर्ष)	20000.00
5	स्कूल को प्रतिभा खोज प्रतियोगिताओं के आयोजन हेतु दिया जाने वाला वार्षिक अनुदान(प्रति वर्ष)	25000.00

अखाड़े

क्र. सं.	विवरण	राशि (रु.)
1	खेल किट (प्रति एथलीट प्रति वर्ष)	3000.00
2	प्रतियोगिता अनुभव (प्रति एथलीट प्रति वर्ष)	3000.00
3	वजीफा (प्रति एथलीट प्रति माह)	1000.00
4	दुर्घटना बीमा (प्रति एथलीट प्रति वर्ष)	150.00
5	गोद लिए गए अखाड़ों को अनुभवी कोच की सेवाओं के अलावा, कुश्ती मैट और/या मल्टी-जिम का एक सेट भी दिया जाता है।	

वर्तमान में, 09 नियमित स्कूल गोद लिए गए हैं, 09 स्कूल देशज खेल/मार्शल आर्ट को बढ़ावा देने के लिए गोद लिए गए हैं। 50 अखाड़े गोद लिए गए हैं जहाँ प्रशिक्षण दिया जा रहा है? एनएसटीसी स्कीम के तहत कुल 1072 एथलीट (857 लड़के और 215 लड़कियाँ) हैं।

सारांश एक नज़र में

2024-25 में साई केंद्रों की संख्या और एथलीटों की संख्या

क्र. सं.	स्कीमों का नाम	केंद्रों की संख्या	(आवासीय)			(गैर-आवासीय)			कुल योग
			लड़के	लड़कियाँ	कुल	लड़के	लड़कियाँ	कुल	
1	साई राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई)	**24**	1785	1593	**3378**	193	162	**355**	**3733**
2	साई प्रशिक्षण केंद्र (एसटीसी)	**69**	2271	1418	**3689**	437	347	**784**	**4473**
3	**एसटीसी का विस्तार केंद्र**	**25**	**0**	**0**	**0**	193	84	**277**	**277**
4	**एनएसटीसी**	**0**	0	0	0	0	0	0	**0**
I)	नियमित स्कूल	**9**	0	0	0	69	12	81	**81**
ii)	आईजीएमए	**9**	0	0	0	72	67	139	**139**
iii)	अखाड़े	**50**	0	0	0	716	136	852	**852**
	कुल:	**186**	**4056**	**3011**	**7067**	**1680**	**808**	**2488**	**9555**
			लड़के		**लड़कियाँ**		**कुल योग**		
			5736		**3819**		**9555**		

1.6. साई के क्षेत्रीय केंद्र

भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के क्षेत्रीय केंद्र एवं शैक्षणिक संस्थान देशभर में इसकी खेल प्रोत्साहन स्कीमों तथा शैक्षणिक कार्यक्रमों के क्रियान्वयन हेतु कार्यान्वयन एजेंसियाँ हैं।

उद्देश्य और कार्य

- कोचिंग शिविर लगाना और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भागीदारी हेतु राष्ट्रीय टीमों की मदद करना;
- क्षेत्र में साई और भारत सरकार की खेल प्रोत्साहन स्कीमों को लागू करना और उनकी निगरानी करना;
- एनएसएनआईएस पटियाला में साई की शैक्षणिक शाखा के सहयोग से कोचिंग में डिप्लोमा पाठ्यक्रम संचालित करना;
- रिफ्रेशर पाठ्यक्रम आयोजित करके कोचों की तकनीकी क्षमता और ज्ञान को बढ़ाना;
- शारीरिक शिक्षा शिक्षकों के लिए पुनश्चर्या पाठ्यक्रम संचालित करना;
- ज्ञान वृद्धि के माध्यम से खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के उद्देश्य से सभी संबंधित लोगों को संगठनात्मक सहायता, दस्तावेज़ीकरण और खेल विज्ञान की जानकारी प्रदान करना;

- अन्य संगठनों/खेल निकायों, राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन के साथ संपर्क स्थापित करना एवं खेल संबंधी विषयों पर जानकारी प्रदान करना;
- विभिन्न आयु वर्गों की खेल प्रतिभाओं की पहचान करना तथा उनके प्रदर्शन में उत्कृष्टता प्राप्त करने हेतु उनको तराशना; और
- खिलाड़ियों को खेलों में उच्च स्तरीय प्रदर्शन करने हेतु वैज्ञानिक सहयोग प्रदान करना।

I. साई नेताजी सुभाष पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र (एनएसईसी), कोलकाता

साई का पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र 23 जनवरी, 1983 को सॉल्ट लेक सिटी, कोलकाता में स्थापित किया गया था। यह केंद्र संघ राज्य क्षेत्र अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह तथा बिहार, ओडिशा, झारखंड, त्रिपुरा एवं पश्चिम बंगाल राज्यों में साई की स्कीमों के क्रियान्वयन एवं निगरानी के लिए उत्तरदायी है।

यह केंद्र विभिन्न राष्ट्रीय कोचिंग शिविर, खेल विधाओं में खेल कोचिंग में डिप्लोमा पाठ्यक्रम, विभिन्न खेल विधाओं में छह सप्ताह का प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम, कौशल विकास पाठ्यक्रम तथा साई के कोचों एवं राज्य सरकार के कोचों हेतु रेफ़रेशर पाठ्यक्रम भी संचालित करता है।

यह केंद्र खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के उद्देश्य से संगठनात्मक सहायता, दस्तावेजीकरण तथा वैज्ञानिक सहयोग भी प्रदान करता है।

फिट इंडिया मूवमेंट के माध्यम से एक संघ राज्य क्षेत्र एवं छह राज्यों से युवा प्रतिभाओं की पहचान एवं उनके संवर्धन हेतु व्यापक प्रतिभा खोज कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस क्षेत्र में संचालित विभिन्न खेल प्रोत्साहन आवासीय एवं गैर-आवासीय स्कीमों में चयनित प्रतिभाओं को वैज्ञानिक सहयोग के साथ नवीनतम प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

II. भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) – नेताजी सुभाष दक्षिणी केंद्र (एनएसएससी), बेंगलुरु

श्री कांतीरवा स्टेडियम, बेंगलुरु में 13 अप्रैल, 1974 को दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना की गई थी तथा बाद में 29 जुलाई, 1985 को इसे इसके वर्तमान स्थान ज्ञानभारती परिसर, बेंगलुरु विश्वविद्यालय, मैसूर रोड, बेंगलुरु में स्थानांतरित कर दिया गया। एनएसएससी, बेंगलुरु आंध्र प्रदेश, कर्नाटक एवं तेलंगाना राज्यों में साई की खेल प्रोत्साहन स्कीमों के क्रियान्वयन एवं निगरानी के लिए उत्तरदायी है।

III. साई नेताजी सुभाष पश्चिमी केंद्र (एनएसडब्ल्यूसी), गांधीनगर

साई का पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र 29 अगस्त, 1987 को निम्नलिखित राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में साई की खेल प्रोत्साहन स्कीमों के क्रियान्वयन हेतु स्थापित किया गया था:

1. गुजरात

2. राजस्थान

गुजरात राज्य सरकार द्वारा प्रारंभ में 64 एकड़ क्षेत्रफल वाला खेल परिसर साई को हस्तांतरित किया गया था। 20 जुलाई, 2010 को गुजरात राज्य सरकार ने महात्मा मंदिर परियोजना के विकास हेतु 64 एकड़ में से 7.5 एकड़ भूमि पुनः अपने अधीन ले ली तथा इसके स्थान पर सेक्टर-25, गांधीनगर में 7.5 एकड़ भूमि आवंटित की, साथ ही एक नए अतिथि गृह, स्विमिंग पूल फिल्टरेशन संयंत्र तथा प्रक्रिया के दौरान प्रभावित सीमा दीवार के एक भाग के निर्माण की प्रतिबद्धता व्यक्त की। पैरा एथलीटों के लिए एथलेटिक्स, पावर लिफ्टिंग, टेबल टेनिस एवं तैराकी विधाओं में नियमित रूप से आयोजित राष्ट्रीय कोचिंग शिविरों के कारण इस केंद्र को "नोडल केंद्र" के रूप में नामित किया गया है।

IV. साई उद्धव दास मेहता (भाई जी) सेंट्रल केंद्र, भोपाल

वर्ष 2000 में शासी निकाय द्वारा लिए गए निर्णय के अनुसार, 6 जून 2001 से साई केंद्रीय क्षेत्रीय केंद्र को भोपाल में स्थानांतरित कर दिया गया है। शासी निकाय द्वारा 18 मार्च 2002 को लिए गए निर्णय के अनुसार 17 अप्रैल 2002 को इस केंद्र का नाम बदलकर "उधव दास मेहता (भाई जी) केंद्रीय क्षेत्रीय केंद्र" कर दिया गया। भोपाल में साई खेल परिसर 97 एकड़ में फैला है और इसकी भूमि मध्य प्रदेश सरकार द्वारा प्रदान की गई थी। इस केंद्र को सितंबर 2005 से चालू किया गया था, जिसमें 144 बेड वाला छात्रावास, एस्ट्रो टर्फ हॉकी मैदान (2), बहुउद्देश्यीय हॉल, 400 मीटर सिंडर एथलेटिक्स ट्रैक, बास्केटबॉल, वॉलीबॉल, फुटबॉल के मैदान उपलब्ध हैं। वर्तमान में, केंद्रीय क्षेत्रीय केंद्र, भोपाल को भारत सरकार के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा 1 नवम्बर 2019 से राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र (एनसीओई) के रूप में चिन्हित किया गया है, जो एथलेटिक्स, बॉक्सिंग, जूडो, हॉकी एवं वुशु जैसे विशेष खेल विधाओं में प्रशिक्षण प्रदान करता है।

V. साई चौधरी देवी लाल उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, सोनीपत

जीटी रोड (बाहलगढ़ के निकट), जिला सोनीपत में स्थित चौधरी देवी लाल उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र वर्ष 2005 में 83 एकड़ भूमि में स्थापित किया गया था। यह हरियाणा राज्य का एक प्रतिष्ठित केंद्र है, जो राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

इसके अतिरिक्त, वर्ष 2009 से इस केंद्र को साई द्वारा विभिन्न प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भारतीय टीमों की भागीदारी हेतु संभावित पहलवानों के प्रशिक्षण के लिए कुश्ती हब के रूप में चिन्हित किया गया है। इस केंद्र ने कुश्ती खेल विधा में श्री सुशील कुमार एवं श्री योगेश्वर दत्त तथा मुक्केबाजी में विजेंदर सिंह जैसे ओलंपिक पदक विजेताओं को तैयार किया है। इसके अतिरिक्त, अनेक पहलवानों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट हासिल की है। वर्तमान में, यह केंद्र हरियाणा एवं दिल्ली में साई की खेल संवर्धन स्कीमों के क्रियान्वयन एवं निगरानी के लिए उत्तरदायी है।

VI. साई क्षेत्रीय केंद्र, चंडीगढ़ (ज़ीरकपुर)

भारतीय खेल प्राधिकरण, एनआरसी, सोनीपत का विभाजन कर मार्च, 2009 में चंडीगढ़ में एक पृथक क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना की गई, जो 1 अप्रैल, 2009 से 31.10.2020 तक संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन द्वारा सेक्टर-42, चंडीगढ़ स्थित हॉकी स्टेडियम में उपलब्ध कराए गए परिसर से संचालित था। वर्तमान में यह केंद्र पंजाब सरकार द्वारा प्रदत्त भूमि(73 बीघा 06 बिस्वा) पर नाभा साहिब, गुरुद्वारा के निकट, पटियाला रोड, जीरकपुर (मोहाली) स्थित अपने स्वयं के परिसर से संचालित हो रहा है। इस क्षेत्रीय केंद्र का प्रशासनिक अधिकार 2 राज्यों पंजाब एवं हिमाचल प्रदेश तथा 3 संघ राज्य क्षेत्र चंडीगढ़, जम्मू एवं कश्मीर तथा लद्दाख तक फैला है।

VII. साई नेताजी सुभाष उत्तर-पूर्व क्षेत्रीय केंद्र, इंफाल

भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों में खेलों के क्षेत्र में उपलब्ध प्रतिभाओं को ध्यान में रखते हुए, प्रशिक्षण शिविरों एवं डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के संचालन हेतु खेल सुविधाएँ प्रदान करने के उद्देश्य से 15 सितंबर, 1986 को टाक्येल, इम्फाल में नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान का उत्तर-पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र स्थापित किया गया। यह केंद्र मणिपुर, मिजोरम एवं नागालैंड राज्यों में साई की खेल प्रोत्साहन स्कीमों के क्रियान्वयन एवं निगरानी के लिए उत्तरदायी है।

VIII. साई क्षेत्रीय केंद्र, लखनऊ

भारतीय खेल प्राधिकरण का नेताजी सुभाष उप-केंद्र, लखनऊ वर्ष 2004 में लखनऊ में स्थापित किया गया था। इस केंद्र का उद्घाटन भारत के तत्कालीन माननीय प्रधानमंत्री, श्री अटल बिहारी वाजपेयी (भारत रत्न) द्वारा 23 फरवरी, 2004 को किया गया था। वर्तमान परिसर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदत्त 52 एकड़ भूमि में फैला है। इस केंद्र में उत्कृष्ट श्रेणी के खिलाड़ियों के लिए आवश्यक सभी आधुनिक अवसंरचना एवं खेल सुविधाएँ उपलब्ध हैं।

यह केंद्र मार्च, 2009 तक केंद्रीय केंद्र, भोपाल के अधिकार क्षेत्र में था। भोपाल से विभाजन के पश्चात यह केंद्र 1 अप्रैल, 2009 से स्वतंत्र रूप से संचालित है। फरवरी, 2013 में इस केंद्र को स्वतंत्र क्षेत्रीय केंद्र के रूप में अधिसूचित किया गया, जिसका अधिकार क्षेत्र दो राज्यों अर्थात उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड में है, जो देश की लगभग 22% जनसंख्या की आवश्यकता को पूरा करता है। साई क्षेत्रीय

केंद्र को विशेष रूप से महिला कुश्ती की सभी श्रेणियों तथा जूडो, हैंडबॉल, कबड्डी एवं टेबल टेनिस जैसी अन्य खेल विधाओं में राष्ट्रीय कोचिंग शिविरों के आयोजन हेतु नोडल केंद्र के रूप में अधिसूचित किया गया है।

IX. साई क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी

पूर्वोत्तर में खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारतीय खेल प्राधिकरण ने 1987 में साई उत्तर पूर्व क्षेत्रीय केंद्र, इम्फाल के अंतर्गत गुवाहाटी में अपना उप केंद्र स्थापित किया था। साई क्षेत्रीय उप केंद्र, गुवाहाटी की आधारशिला वर्ष 1987 में भारत सरकार की पूर्व युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री श्रीमती मार्गरेट अल्वा ने रखी थी। यह केंद्र गुवाहाटी शहर के केंद्र में बहुत ही भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में केवल 9.3 एकड़ भूमि पर स्थित है। यह भूखंड असम सरकार द्वारा साई को 99 साल के लिए 1.00 रुपये प्रति वर्ष की लीज पर सौंपा गया था। जनवरी 2013 में उप केंद्र गुवाहाटी का क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी के रूप में उन्नयन किया गया। विभिन्न साई संवर्धन स्कीमें चार पूर्वोत्तर राज्यों अर्थात् असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश और सिक्किम में कार्यशील हैं।

X. साई क्षेत्रीय केंद्र, मुंबई

मुंबई में खेल प्रशिक्षण केंद्र की स्थापना वर्ष 1989 में महाराष्ट्र में खेलों के समग्र प्रोत्साहन एवं विकास के प्राथमिक उद्देश्य से की गई थी। भारतीय खेल प्राधिकरण एवं महाराष्ट्र सरकार के बीच 31 अगस्त, 1989 को एक समझौता निष्पादित किया गया, जिसके अंतर्गत खेल छात्रावास की स्थापना हेतु परिसर एवं अन्य सुविधाएँ साई को हस्तांतरित की गईं। साई क्षेत्रीय केंद्र, मुंबई ने स्वतंत्र रूप से जून, 2015 से महाराष्ट्र, गोवा राज्यों तथा दमन एवं दीव तथा दादरा एवं नगर हवेली संघ राज्य क्षेत्रों के लिए कार्य करना प्रारंभ किया। 29 अप्रैल, 2016 को महाराष्ट्र सरकार ने साई, नेताजी सुभाष दीनदयाल उपाध्याय क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना हेतु नागपुर में 140 एकड़ भूमि हस्तांतरित की।

साई, क्षेत्रीय केंद्र, कांदिवली, मुंबई का नाम परिवर्तित कर "साई, श्री अटल बिहारी वाजपेयी राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र, मुंबई" कर दिया गया है।

1.7. साई के शैक्षणिक संस्थान

i) नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान, पटियाला

राष्ट्रीय खेल संस्थान का उद्घाटन 7 मई, 1961 को देश में व्यवस्थित एवं वैज्ञानिक खेल प्रशिक्षण के एक नए युग की शुरुआत हेतु किया गया था। वर्ष 1973 में इस संस्थान को सुभाष चंद्र बोस की स्मृति हेतु समर्पित किया गया। वर्ष 1987 में साई एवं एसएनआईपीईएस के विलय के पश्चात, यह संस्थान भारतीय खेल प्राधिकरण की शैक्षणिक शाखा बन गया है। इसे एशिया के प्रमुख खेल संस्थानों में से एक माना जाता है। यह संस्थान पटियाला (पंजाब) के मोती बाग पैलेस में स्थित है। इस संस्थान का कुल क्षेत्रफल 268 एकड़ है।

संस्थान के उद्देश्य और लक्ष्य

i. खेल प्रशिक्षण, खेल विज्ञान तथा अन्य संबंधित क्षेत्रों में अल्पकालिक एवं दीर्घकालिक शैक्षणिक पाठ्यक्रम संचालित करना।
ii. रेफ़रेशर पाठ्यक्रमों के माध्यम से कोचों की दक्षता में वृद्धि करना।
iii. अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं हेतु शीर्ष खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय कोचिंग शिविर आयोजित करना।
iv. शीर्ष खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रदर्शन हासिल करने के लिए वैज्ञानिक सहयोग प्रदान करना।
v. खेल संबंधी विषयों पर सम्मेलन, सेमिनार एवं कार्यशालाओं का आयोजन करना।
vi. विशेषज्ञों के माध्यम से खेल अवसंरचना से संबंधित जानकारी एवं परामर्श उपलब्ध कराना।
vii. साई की खेल संवर्धन स्कीमों का क्रियान्वयन करना।
viii. एमवाईएएस की खेल संवर्धन स्कीमों के अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं का आयोजन करना।
ix. भारत सरकार की खेल प्रोत्साहन स्कीमों के अंतर्गत राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में खेल प्रतिभाओं की पहचान कर उनको तराशना।

iilक्ष्मीबाई (राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय (एलएनसीपीई), तिरुवनंतपुरम

भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के युवा कार्यक्रम और खेल विभाग के तत्वावधान में 17 अगस्त, 1985 को लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय, करियावट्टोम, तिरुवनंतपुरम की स्थापना की गई थी। 1 मई, 1987 को एसएनआईपीईएस के भारतीय खेल प्राधिकरण में विलय के पश्चात यह महाविद्यालय भारतीय खेल प्राधिकरण की शैक्षणिक विंग का हिस्सा बन गया, जो नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान, पटियाला तथा लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा महाविद्यालय, ग्वालियर के समकक्ष है। यह महाविद्यालय केरल विश्वविद्यालय के करियावट्टोम परिसर से अधिग्रहित 50 एकड़ भूमि पर, एनएच-47 के उत्तरी भाग में, करियावट्टोम जंक्शन, तिरुवनंतपुरम से 1 कि.मी. की दूरी पर स्थापित किया गया है।

प्रमुख उद्देश्य:

i. शारीरिक शिक्षा, खेल एवं गेम्स तथा संबद्ध क्षेत्रों में उच्च दक्षता एवं कौशलयुक्त नेतृत्वकर्ता, शिक्षक, कोच, शोधार्थी एवं प्रशासक तैयार करना।
ii. शारीरिक शिक्षा एवं संबद्ध क्षेत्रों में अनुसंधान हेतु उत्कृष्टता केंद्र के रूप में कार्य करना।
iii. भारत एवं विदेशों में स्थित अन्य शारीरिक शिक्षा संस्थानों को तकनीकी, व्यावसायिक एवं शैक्षणिक नेतृत्व प्रदान करना।
iv. इस क्षेत्र में लोगों को व्यावसायिक मार्गदर्शन एवं प्लेसमेंट सेवाएँ प्रदान करना।
v. सामूहिक शारीरिक शिक्षा गतिविधियों के कार्यक्रमों का विकास एवं प्रोत्साहन करना।
vi. राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के कोचिंग शिविरों हेतु अवसंरचना, आवास एवं भोजन सुविधाएँ उपलब्ध कराना तथा इस महाविद्यालय को साई की चल रही स्कीमों के लिए एक प्रतिष्ठित केंद्र के रूप में विकसित करना।

1.8. शीर्ष एथलीटों के लिए प्रशिक्षण और प्रबंधन सहायता (टीईएएमएस)

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा, संबंधित राष्ट्रीय खेल परिसंघों के समन्वय से, विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय खेल स्पर्धाओं के लिए टीईएएमएस (शीर्ष एथलीटों के लिए प्रशिक्षण और प्रबंधन सहायता) प्रभाग को 14 खेल विधाओं (जिनकी देखरेख टीओपीएस प्रभाग द्वारा की जा रही है) के अतिरिक्त विभिन्न खेल विधाओं जैसे कि शतरंज, ब्रिज, रग्बी, हैंडबॉल, वुशु, कयाकिंग एवं कैनोइंग, बिलियर्ड्स एवं स्नूकर, टेनिस, वॉलीबॉल, स्क्वैश, बास्केटबॉल, डेफ स्पोर्ट्स, सेपक टकरा, फुटबॉल, पैरा खेल, स्पेशल ओलंपिक भारत, सेलिंग, खो-खो आदि में राष्ट्रीय टीमों को तैयार करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। दूसरे शब्दों में, यह प्रभाग ओलंपिक, एशियाई खेल, राष्ट्रमंडल खेल और विश्व कप तथा अन्य अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धाओं (भारत एवं विदेशों में आयोजित) के लिए तैयारी कर रहे शीर्ष खिलाड़ियों को आवश्यक सुविधाएँ प्रदान करता है। यह विभिन्न राष्ट्रीय खेल परिसंघों द्वारा उनके वार्षिक प्रशिक्षण एवं प्रतियोगिता कैलेंडर (एसीटीसी) के अंतर्गत तैयार की गई योजनाओं, जिन्हें राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं हेतु राष्ट्रीय टीमों की तैयारी के लिए समिति द्वारा अनुमोदित किया जाता है, को निम्नलिखित सुविधाएँ प्रदान करते हुए लागू करता है:

कोचिंग शिविर: "राष्ट्रीय खेल परिसंघों को वित्तीय सहायता" स्कीम के अंतर्गत 14 खेल विधाओं में कुल 39 राष्ट्रीय कोचिंग शिविर आयोजित किए गए।

अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताएँ/प्रशिक्षण: भारतीय टीमों ने 17 खेल विधाओं में कुल 78 अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

खेल विज्ञान सहयोग: राष्ट्रीय कोचिंग शिविरों के दौरान खिलाड़ियों की फिटनेस, चोट से उबरने और चिकित्सीय कमी की भरपाई हेतु आवश्यक बजटीय प्रावधान के साथ खेल चिकित्सा के डॉक्टर, वैज्ञानिक, फिजियोथेरेपिस्ट और मालिश विशेषज्ञ आदि की सेवाओं के रूप में खेल विज्ञान सहयोग प्रदान किया गया।

उपकरण सहयोग: राष्ट्रीय शिविरार्थियों और भारतीय टीमों को उनकी तैयारी एवं भारत तथा विदेश में आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं, जिसमें ओलंपिक, पैरालंपिक और शतरंज ओलंपियाड जैसी प्रमुख प्रतियोगिताएं शामिल हैं; में भागीदारी के लिए आवश्यक आयातित एवं स्वदेशी उपकरण सहयोग प्रदान किया गया।

प्रमुख संपन्न कार्य: प्रमुख खेल विधाओं में एसीटीसी बैठकों का सफल आयोजन किया गया। ओलंपिक, पैरालंपिक और शतरंज ओलंपियाड भारतीय टीमों एवं पदक विजेताओं के सम्मान समारोह का सफल आयोजन किया गया।

1.9. कोचिंग

कोचिंग प्रभाग की भूमिका साई के एक महत्वपूर्ण उद्देश्य से उत्पन्न होती है, जोकि देश में खेलों के उन्नयन हेतु उच्च-स्तरीय कोच तैयार करना है। इस उद्देश्य की पूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कोचिंग प्रभाग के प्रमुख कार्य निम्नलिखित हैं:

1. साई के कोचों की नियुक्ति, स्थानांतरण, भर्ती, अनुशासनात्मक मामलों एवं सेवा संबंधी मामलों (पदोन्नति, एमएसीपी) से संबंधित कार्यों का निष्पादन करना;
2. वित्त समिति, शासी निकाय, ईडी/आरडी की बैठकों, महानिदेशक की समीक्षा बैठकों तथा अन्य बैठकों से संबंधित मामलों को देखना;
3. क्षेत्रीय केंद्रों सहित सभी संविदात्मक भर्तियों से संबंधित मामलों का प्रबंधन;
4. विभिन्न खेल-संबंधी गतिविधियों के संचालन हेतु अन्य संगठनों एवं खेल परिसंघों को सहयोग देने के लिए साई कोचों की तैनाती करना।

उपरोक्त के अतिरिक्त, सभी कोचों का एक सतत डेटाबेस संधारित किया जाता है। उनके प्रदर्शन की समय-समय पर समीक्षा की जाती है तथा प्रत्येक कोच के लिए मासिक एवं वार्षिक रिपोर्ट तैयार की जाती हैं। सूचना का अधिकार, ऑडिट और लोक शिकायत, सेवानिवृत्ति एवं प्रतिनियुक्ति से संबंधित मामलों की देखरेख भी इसी प्रभाग द्वारा की जाती है। विधिक मामलों एवं अनुशासनात्मक कार्यवाहियों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाती है। साई के कोचों की प्रोफाइल को संधारित करने हेतु विकसित पीआईएमएस पोर्टल का नियमित रूप से अद्यतन किया जाता है।

1.10. साई स्टेडियम

स्टेडियम प्रभाग दिल्ली स्थित पाँच स्टेडियमों के उपयोग हेतु नीतिगत दिशानिर्देश तैयार करने के लिए उत्तरदायी है, इन स्टेडियमों में विभिन्न खेल सुविधाएँ इस दोहरे उद्देश्य के साथ विकसित की गई हैं कि खेलों का व्यापक प्रसार हो तथा खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त की जा सके। इन स्टेडियमों का निर्माण वर्ष 1982 में एशियाई खेलों के आयोजन के लिए किया गया था, जिन्हें बाद में वर्ष 2010 में राष्ट्रमण्डल खेलों के सफल संचालन हेतु पुनर्निर्मित/नवीनीकृत किया गया। सभी स्टेडियम अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित हैं।

<u>उद्देश्य</u>

निम्नलिखित हेतु सुविधाएँ एवं परिसर उपलब्ध कराना:

क) राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताएँ
ख) राष्ट्रीय कोचिंग शिविर
ग) राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र
घ) “कम एंड प्ले”

हालांकि, खेल सुविधाओं के अधिकतम एवं प्रभावी उपयोग और खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए, मई 2011 में “कम एंड प्ले” स्कीम शुरू की गई थी। इसके अतिरिक्त, दिल्ली स्थित साई के स्टेडियमों में उपलब्ध खेल अवसंरचना को 1 नवम्बर 2019 से देशभर के सभी खिलाड़ियों के लिए निःशुल्क सुलभ बना दिया गया है। राष्ट्रीय एवं राज्य खेल परिसंघों, लीग तथा क्लबों को सरकार के स्वामित्व वाली सभी खेल सुविधाओं में निःशुल्क खेल स्पर्धाओं के संचालन हेतु अनुमति/प्रोत्साहन प्रदान किया जाएगा। खेल सुविधाएँ उन कोचों के लिए भी निःशुल्क उपलब्ध होंगी, जो ऐसे एथलीटों को प्रशिक्षण दे रहे हैं जो साई केंद्रों में आयोजित शिविरों का हिस्सा नहीं हैं। इनमें प्रवेश ऑफलाइन अथवा वेब पोर्टल <u>sportsauthorityofindia.nic.in /online sports facility</u> के माध्यम से किया जा सकता है।

इन स्टेडियमों को शैक्षणिक संस्थानों/परिसंघों/संघों को नि:शुल्क विभिन्न स्तरों पर उनके खेल टूर्नामेंट, बैठकों एवं सेमिनारों, खेलों के अंतर्गत खाद्य उत्सवों तथा गैर-खेल आयोजनों (भुगतान के आधार पर) के लिए दिया जाता है और स्थान (विशेष रूप से खेल उद्देश्यों के लिए नहीं) को सरकारी कार्यालयों को किराये पर दिया जाता है ताकि राजस्व अर्जित किया जाता है, जिसका उपयोग इन स्टेडियमों के रख-रखाव हेतु किया जाए।

साई स्टेडियमों की अप्रयुक्त / अल्प-प्रयुक्त अवसंरचना का उपयोग

साई के शासी निकाय की 56वीं बैठक में उच्चतम नियत राजस्व आधार (एच1) पर साई केंद्रों के अप्रयुक्त/ अल्प-प्रयुक्त अवसंरचना के उपयोग के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई, जिसे जेएनएस के लिए 3 वर्ष की करार अवधि जिसे 2 साल तक बढ़ाया जा सकता है और अन्य स्टेडियमों के लिए 5 साल की करार अवधि जिसे 2 साल तक बढ़ाया जा सकता है। तदनुसार, साई के जीबी की मंजूरी से एच1 बोलीदाताओं को साई स्टेडियम, दिल्ली में निम्नलिखित गैर-एफओपी और एफओपी के संचालन और रखरखाव के लिए ऑपरेटर के रूप में नियुक्त किया गया है और उनके साथ समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं।

स्टेडियम	**एफओपी/गैर-एफओपी**	**टिप्पणी**
जेएन स्टेडियम	सभागार	समझौते पर हस्ताक्षर हो गए हैं
एमडीसीएनएस	गेट नंबर 5 के सामने खुली जगह	
	गेट नंबर 2 और के बीच खुली जगह 2ए बजरी ग्राउंड	
	स्विमिंग पूल	
आईजीएससी	इनडोर खेल सुविधा	एनओए 01/07/24 को जारी किया गया

क. जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम कॉम्प्लेक्स (जेएनएस) - 100 एकड़ भूमि क्षेत्र

- आउटडोर स्टेडियम (सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक और फुटबॉल ग्राउंड) जिसमें 60,000 स्थायी सीटें हैं, और जो पीटीएफएफ मेम्ब्रेन छत से ढका है।
- पूर्णतः वातानुकूलित भारोत्तोलन ऑडिटोरियम (26,000 वर्ग मीटर) जिसमें 2,172 स्थायी सीटों की क्षमता।
- 150 बेड और 100 बेड वाले खेल छात्रावास।
- जेएनएस में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक प्रतिस्थापन का कार्य प्रगति पर है, जिसके अगस्त 2024 में पूरा होने की संभावना है।
- उपलब्ध खेल सुविधाएं – एथलेटिक्स, फुटबॉल, वॉलीबॉल, भारोत्तोलन, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, लॉन टेनिस, क्रिकेट, बास्केटबॉल, तीरंदाजी, फिटनेस सेंटर।

ख. इंदिरा गांधी स्टेडियम कॉम्प्लेक्स (आईजीएससी**) -** 104 एकड़ भूमि क्षेत्र

- जिमनास्टिक हॉल लकड़ी का फ़र्श (पूरी तरह वातानुकूलित) जिसमें 15000 स्थायी सीटें हैं,
- कुश्ती हॉल (पूरी तरह वातानुकूलित) जिसमें 6000 स्थायी सीटें हैं
- साइक्लिंग वेलोड्रोम (पूरी तरह वातानुकूलित) जिसमें 3800 स्थायी सीटें हैं
- 150 बेड वाला खेल छात्रावास
- 300 बेड वाला छात्रावास– इस कार्य को मेसर्स एनबीसीसी लिमिटेड को सौंपा गया है। इस कार्य की लागत 29.46 करोड़ रु है और कार्य चल रहा है, इसके 31 मई, 2025 तक पूरा होने की उम्मीद है।
- 275 वाले केएलडी सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण पूरा हो चुका है और एचटीपी का रखरखाव एवं संचालन एनबीसीसी द्वारा 01.07.24 से 2 वर्षों तक के लिए किया जा रहा है।
- आधुनिक फिजियोथेरेपी एवं अन्य उपकरणों सहित मेडिकल सेंटर।

- उपलब्ध खेल सुविधाएँ - बैडमिंटन, बास्केटबॉल, बॉक्सिंग, जिमनास्टिक, जूडो, टेबल टेनिस, वॉलीबॉल, सेपकटकरा, साइकिलिंग, कुश्ती, मल्टी जिम

ग. डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्विमिंग पूल कॉम्प्लेक्स (डॉ. एसपीएमएसपीसी) - 12.3 एकड़ भूमि क्षेत्र, पूर्णत: वातानुकूलित इनडोर स्टेडियम जिसमें 5000 स्थायी सीटें हैं

- 50 मीटर स्विमिंग पूल (10 लेन)
- 25 मीटर डाइविंग पूल
- 50 मीटर वॉर्म-अप पूल (छह लेन)
- उपलब्ध खेल सुविधाएँ – स्विमिंग और डाइविंग के अतिरिक्त वॉलीबॉल और स्केटिंग की सुविधाएँ भी उपलब्ध हैं.

घ. मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम (एमडीसीएनएस) - 37 एकड़

- आउटडोर स्टेडियम, वीआईपी सीटिंग स्टैंडिंग सीम रूफ से ढकी हुई, नई खुली गैलरी जिसमें 14,000 स्थायी सीटें और ढके हुए क्षेत्र में 6000 सीटें हैं। तीन अंतरराष्ट्रीय मानक प्रतियोगिता हॉकी एस्ट्रोटर्फ।
- उपलब्ध खेल सुविधाएँ – हॉकी, कबड्डी, टेनिस, तैराकी, क्रिकेट, स्क्वैश कोर्ट और मल्टी जिम।

ङ. डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज (डॉ. केएसएसआर) - 72.41 एकड़

- अंतिम रेंज, जो 10 मिनट के भीतर पूर्णत: वातानुकूलित 10 मीटर रेंज से बिना वातानुकूलित 25 मीटर और 50 मीटर रेंज में परिवर्तित की जा सकती है।
- पूर्णत: ढकी हुई वातानुकूलित 10 मीटर रेंज जिसमें 80 फायरिंग पॉइंट्स, 25 मीटर रेंज में 50 फायरिंग पॉइंट्स और 50 मीटर रेंज में 80 फायरिंग पॉइंट्स तथा ट्रैप और स्कीट के लिए 6 रेंज है।
- नव निर्मित 162 बेड वाला पूर्णत: वातानुकूलित छात्रावास जिसमें अटैच शौचालय की सुविधा उपलब्ध है।
- 300 बेड वाला खेल छात्रावास निर्माणाधीन है।

1.11. समन्वय

साई का समन्वय प्रभाग मुख्यतः संसद/संसदीय स्थायी समिति, साई के उपविधि एवं नियमों से संबंधित विषयों से निपटता है, जिसमें साई की जनरल बॉडी एवं संचालन निकाय की बैठकों को सुगम बनाना शामिल है। यह वार्षिक प्रतिवेदन तैयार करने तथा उसे लेखा परीक्षण प्रतिवेदन एवं साई के लेखा-परीक्षित खातों सहित एमवाईएएस को प्रस्तुत करने के लिए भी उत्तरदायी है, ताकि उसे संसद के दोनों सदनों के समक्ष रखा जा सके। इसके अतिरिक्त, यह प्रभाग, मुख्यालय के विभिन्न प्रभागों, क्षेत्रीय केन्द्रों/उप-केन्द्रों/शैक्षणिक संस्थानों/एमवाईएएस के साथ सामान्य प्रकृति के विषयों पर समन्वय स्थापित करता है|

- **स्वच्छ भारत अभियान:** भारतीय खेल प्राधिकरण ने 02/10/2024 को महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर देश को स्वच्छ रखने हेतु स्वच्छ भारत अभियान का आभासी आयोजन किया गया।
- **राष्ट्रीय एकता दिवस:** भारतीय खेल प्राधिकरण ने 31/10/2024 को श्री सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस का आभासी आयोजन किया गया।
- **संविधान दिवस**: भारतीय खेल प्राधिकरण ने 26 नवम्बर 2024 को संविधान दिवस का आभासी आयोजन किया। साई तथा इसकी क्षेत्रीय इकाइयों के अंतर्गत कार्यरत अधिकारी, कोचों एवं कर्मचारी प्रतिभागियों के साथ मिलकर संविधान दिवस का उत्सव निम्नलिखित गतिविधियों के माध्यम से मनाया गया:
- माननीय प्रधानमंत्री के साथ साई के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं कोचों द्वारा संविधान की प्रस्तावना का वाचन किया गया।

- साई मुख्यालय/साई स्टेडियम एवं क्षेत्रीय केन्द्रों के अधिकारियों, कर्मचारियों एवं कोचों हेतु एक विशेषज्ञ द्वारा संविधानिक मूल्यों एवं उनके महत्व पर ज़ूम सत्र का आयोजन किया गया।
- साई मुख्यालय/साई स्टेडियम एवं क्षेत्रीय केन्द्रों में संविधान की प्रस्तावना वाल स्थापित की गई।
- साई की वेबसाइट पर भी संविधान की प्रस्तावना अपलोड की गई।
- प्रतिभागियों, जिनमें जमीनी स्तर से लेकर शीर्ष स्तर तक के खिलाड़ी शामिल थे, ने संविधान की प्रस्तावना वाल पर हस्ताक्षर कर भारत के संविधान के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की।
- दिल्ली स्थित साई स्टेडियमों में ज़ूम कॉन्फ्रेंस के माध्यम से अधिकारियों एवं कोचों के लिए भारतीय संविधान के अंतर्गत "मौलिक अधिकार एवं कर्तव्य" विषय पर वार्ता आयोजित की गई।
- सभी कर्मचारियों के लिए प्रस्तावना, मौलिक कर्तव्य एवं मौलिक अधिकारों पर व्याख्यान आयोजित किए गए।
- संविधान की प्रस्तावना, मौलिक अधिकार एवं मौलिक कर्तव्यों पर ई-क्विज़/क्विज़ का आयोजन किया गया, जिसमें मौद्रिक पुरस्कार भी दिए गए ताकि संविधानिक मूल्यों का पुनः स्मरण एवं प्रोत्साहिन किया जा सके|

1.12. कोच विकास और प्रशिक्षण

उद्देश्य: कोच विकास एवं प्रशिक्षण प्रभाग की स्थापना इस उद्देश्य से की गई कि कोचिंग, वैज्ञानिक तथा प्रशासनिक संवर्ग के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रमों की योजना बनाई जा सके, इसमें प्रशिक्षण संगठनों, प्रशिक्षकों एवं संस्थानों, जो सरकारी/अर्ध-सरकारी हो सकते हैं, के साथ संबंध स्थापित करना शामिल है। यह प्रभाग प्रशासनिक संवर्ग में नए नियुक्त कर्मचारियों के लिए प्रारम्भिक कार्यक्रम भी आयोजित करता है।

लक्ष्य: संबंधित क्षेत्रों में ज्ञान एवं कौशल का उन्नयन।

1 अप्रैल **2024** से **31** दिसम्बर **2024** तक की अवधि में की गई गतिविधियाँ निम्नलिखित हैं:

1. तनाव प्रबंधन पर सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबंधन संस्थान (आईएसटीएम) द्वारा आयोजित ऑनलाइन कार्यशाला (एसएम-**11)-10** से **11** जून **2024** तक सचिवालय प्रशिक्षण और प्रबंधन संस्थान (आईएसटीएम) द्वारा तनाव प्रबंधन पर दो दिन की ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें प्रशिक्षण के लिए साई के **10** अधिकारियों को नामित किया गया था, जिनमें से **9** अधिकारियों ने उपरोक्त कार्यशाला में भाग लिया था।
2. तीन संस्थानों नामतः सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी (एसवीपीएनपीए), हैदराबाद, भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए), नई दिल्ली और अरुण जेटली राष्ट्रीय वित्तीय प्रबंधन संस्थान (एजेएनआईएफएम), फरीदाबाद, हरियाणा में साई के नए सहायक निदेशकों का प्रशिक्षण कार्यक्रम- तीन संस्थानों नामतः एसवीपीएनपीए (24.06.2024 से 28.06.2024), आईआईपीए (02.07.2024 से 12.07.2024) और एजेएनआईएफएम (15.07.2024 से 26.07.2024) में विभिन्न प्रशासनिक विषयों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया था, जिसमें साई के 27 नए सहायक निदेशकों (बैच 2022 और 2023) को नामित किया गया, जिन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया था।
3. भारतीय प्रशासनिक स्टाफ कॉलेज (एएससीआई), हैदराबाद में सरकारी अधिकारियों के लिए सार्वजनिक खरीद पर प्रशिक्षण कार्यक्रम- 11 बैचों के लिए 24 जून 2024 से शुरू होने वाले 5-5 दिनों की एक ऑफलाइन प्रशिक्षण सत्र को मंजूरी दी गई जो एएससीआई, हैदराबाद में मार्च 2025 तक जारी रही। विभिन्न आरसी और खेलो इंडिया और एनसीएसएसआर के सक्षम प्राधिकारी द्वारा कुल 21 अधिकारियों को नामित किया गया था।
4. अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता एवं सुलह केंद्र **(**आईएएमसी**),** हैदराबाद के सहयोग से सार्वजनिक उद्यम विभाग **(**डीपीई**)** द्वारा प्रशासनिक तंत्र पर एक दिवसीय लंबा ब्रेकअवे सत्र- सार्वजनिक उद्यम विभाग (डीपीई) द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता एवं सुलह केंद्र (आईएएमसी), हैदराबाद के सहयोग से वाणिज्यिक विवाद के समाधान हेतु प्रशासनिक तंत्र (एएमआरसीडी) पर एक दिवसीय

लंबा ब्रेकअवे सत्र आयोजित किया गया था, साई के तीन(03) अधिकारियों ने 09 जुलाई 2024 को भारत मंडपम, प्रगति मैदान, नई दिल्ली में इस सत्र में भाग लिया।

5. 20 सितम्बर से 21 सितम्बर 2024 तक एनएस एनआईएस पटियाला में साई की विभिन्न खेल विधाओं से जुड़े **17** उच्च प्रदर्शन निदेशकों (एचपीडी) हेतु ओरिएंटेशन कार्यक्रम - एनएस एनआईएस पटियाला में साई की विभिन्न खेल विधाओं में कार्यरत **17** उच्च प्रदर्शन निदेशक (एचपीडी) के लिए **20** सितम्बर से **21** सितम्बर **2024** तक दो दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया।
6. एथलेटिक्स स्तर – **I** एवं **II:** एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआइ) ने **02** नवम्बर से **14** नवम्बर **2024** तक विश्व एथलेटिक्स सीईसीएस स्तर-**II** का आयोजन किया, जिसमें **06** कोचों ने एनएस एनआईएस पटियाला एवं तिरुवनंतपुरम स्थित विभिन्न केन्द्रों पर प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया और **15** नवम्बर से **25** नवम्बर **2024** तक विश्व एथलेटिक्स सीईसीएस स्तर-**I** पाठ्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें **06** कोचों ने एनएस एनआईएस पटियाला में प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। कोचिंग प्रभाग द्वारा साई के कुल **12** कोचों को नामित किया गया जिन्होंने नवम्बर **2024** में विश्व एथलेटिक्स सीईसीएस स्तर-**I** एवं स्तर-**II** में भाग लिया।
7. भारतीय खेल एवं व्यायाम चिकित्सा सोसायटी का द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "आईएसएसईएमकॉन-**2024**"। यह सम्मेलन दिनांक **15** से **16** नवम्बर **2024** तक बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, लंका, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, भारत में आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में साई के विभिन्न क्षेत्रीय केंद्रों से वैज्ञानिक संवर्ग के कुल **17** अधिकारी/कर्मचारी तथा साई (आरसी बेंगलुरु) के वैज्ञानिक संवर्ग के **5** अधिकारी/कर्मचारी (कुल **22** अधिकारी/कर्मचारी) को विभिन्न खेल विज्ञान सिद्धांतों से संबंधित सक्षम प्राधिकारी द्वारा नामित किया गया और उन्होंने सम्मेलन में भाग लिया।
8. रोइंग कोच एवं रिफ्रेशर सेमिनार सह क्लिनिक जिसमें विभिन्न क्षेत्रीय केंद्रों से **05** रोइंग कोच को फ्लैट वाटर एवं बीच रोइंग के लिए कोच शिक्षा एवं रिफ्रेशर सेमिनार सह क्लिनिक हेतु नामित किया गया, यह **02** से **04** दिसम्बर **2024** तक आर्मी रोइंग नोड, पुणे में आयोजित किया गया।
9. हॉकी स्तर-**2** कोचिंग पाठ्यक्रम: हॉकी स्तर-**2** कोचिंग पाठ्यक्रम (बैच-**1**) लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान (एलएनआईपीई), ग्वालियर (मध्य प्रदेश) में **14** से **16** दिसम्बर **2024** तक आयोजित किया गया, जिसमें एचपीडी हॉकी द्वारा अनुशंसित **06** कोचों को सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति के बाद हॉकी स्तर-2 कोचिंग पाठ्यक्रम में भाग लेने हेतु नामित किया गया था|

1.13. आईटी प्रभाग: चलाई गई प्रमुख गतिविधियाँ निम्नानुसार हैं—

i. राष्ट्रीय खेल रिपॉजिटरी प्रणाली (एनएसआरएस): राष्ट्रीय खेल रिपॉजिटरी प्रणाली (एनएसआरएस) खेल प्रशासन के विभिन्न पहलुओं को सुव्यवस्थित करने के लिए एक व्यापक डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म के रूप में कार्य करती है। इसकी प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं:

- डिजिटल डेटाबेस: यह एथलीटों, कोचों एवं सहयोगी स्टाफ की जानकारी का केंद्रीकृत भंडार है।
- एंड-टू-एंड मैपिंग: यह एथलीटों का कोचों, खेल विधाओं, प्रशिक्षण केंद्रों, शिविरों, विदेश का अनुभव एवं प्रतियोगिताओं से संबंध ट्रैक करता है।
- प्रदर्शन एवं सरकारी सहायता: यह एथलीटों के प्रदर्शन डेटा और सरकारी सहायता के विवरण की केंद्रीकृत उपलब्धता प्रदान करता है।
- उपस्थिति निगरानी: यह एथलीटों, कोचों एवं सहयोगी स्टाफ की उपस्थिति के लिए चेहरा पहचानने की तकनीक का उपयोग करता है।
- पुरस्कार प्रबंधन: यह एथलीटों एवं कोचों के लिए पुरस्कार आवेदन, नामांकन एवं अंतिम चयन हेतु ऑनलाइन मंच है|

- अवसंरचना बुकिंग: यह खेल स्टेडियम एवं अन्य सुविधाओं की ऑनलाइन बुकिंग, प्रोसेसिंग एवं भुगतान सुविधा सहित प्रदान करता है।
- रोजगार आवेदन प्रक्रिया: यह कोचों एवं सहयोगी स्टाफ की शॉर्टलिस्टिंग एवं चयन हेतु ऑनलाइन मंच प्रदान करता है।
- पेपररहित एमआईएस मंच: यह प्रशासकों, प्रतिभा खोजकर्ताओं एवं अन्य हितधारकों के लिए प्रबंधन सूचना प्रणाली (एमआईएस) उपलब्ध कराता है।
- यह प्रणाली खेल प्रबंधन प्रक्रियाओं में दक्षता एवं पारदर्शिता को बढ़ाती है।

ii. **फिट इंडिया मोबाइल एप्लीकेशन:**
फिट इंडिया मोबाइल एप्लीकेशन की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं:

- बहुभाषी उपलब्धता: यह व्यापक पहुँच हेतु 11 भाषाओं में उपलब्ध है।
- अनुकूलित आहार योजना: यह प्रश्नावली के आधार पर व्यक्तिगत डाइट योजना प्रदान करती है।
- साइक्लिंग एवं दौड़ गतिविधियाँ: यह यात्राओं एवं इतिहास की ट्रैकिंग, सेल्फी अपलोड सहित चेकपॉइंट सुविधा, तथा सोशल मीडिया पर साझा करने की सुविधा देता है।
- आयुष्मान भारत डिजिटल हेल्थ मिशन के साथ एकीकरण: उपयोगकर्ताओं को सहज रूप से आभा (आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट) आईडी बनाने की सुविधा प्रदान करता है।

iii. **कीर्ति - खेलो इंडिया राइजिंग टैलेंट इनिशिएटिव (चरण-2):** कीर्ति पहल प्रतिभा पहचान पर केंद्रित है, जिसकी प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं:

- माय भारत के साथ एकीकरण: यह पंजीकरण एवं डेटा प्रबंधन को सुव्यवस्थित करता है।
- सुगमता से ऑनबोर्डिंग: यह सभी हितधारकों के लिए सुगमता से ऑनबोर्डिंग की सुविधा प्रदान करता है।
- सहज डैशबोर्ड: यह विश्लेषण एवं बेंचमार्किंग हेतु निर्यात योग्य डेटा उपलब्ध कराता है।
- डिजिटल रिपोर्ट कार्ड: यह एथलीट प्रदर्शन डेटा के बेहतर अवलोकन की सुविधा प्रदान करता है।
- व्यापक प्रतिभा पहचान: यह उन्नत तकनीकों के माध्यम से प्रतिभा के चयन में मदद करता है।
- उन्नत डेटा विश्लेषण: यह प्रतिभा के मूल्यांकन हेतु भारत बेंचमार्क स्थापित करने का प्रयास है।

iv. **खेलो इंडिया डिजिटलीकरण:** इस पहल की प्रमुख विशेषताएँ निम्नलिखित हैं:

- खेलो इंडिया केंद्र: यह प्रस्ताव, स्वीकृति एवं निगरानी का प्रबंधन करता है।
- प्रतिभा पहचान: यह स्काउटिंग, चयन, शामिल करना एवं अन्य प्रदर्शन मूल्यांकन (ओपीए) कवर करता है।
- महिलाओं के लिए खेल: यह लीग निर्माण, विजेता सूची, पुरस्कार वितरण एवं प्रमाणपत्र जारी करने की सुविधा प्रदान करता है।
- खेलो इंडिया डैशबोर्ड: यह खेलो इंडिया से संबंधित सभी सूचनाओं का केंद्रीकृत मंच है।
- रीयल-टाइम निगरानी: यह खेलो इंडिया स्कीम की प्रगति की ट्रैकिंग करता है।
- सुगम सूचना प्रवाह: यह हितधारकों के बीच प्रभावी संचार सुनिश्चित करता है।

v. **एथलीट प्रबंधन प्रणाली (एएमएस**): यह प्रणाली संभावित एवं शीर्ष एथलीटों के प्रबंधन हेतु एंड-टू-एंड डिजिटल समाधान प्रदान करती है, जिसकी प्रमुख विशेषताएँ इस प्रकार हैं:

- अवधि नियोजन: यह एथलीटों के मैक्रो, माइक्रो एवं मेसो चक्रों को कवर करता है।
- डेटा रिकार्ड करना एवं विश्लेषण: यह लोड, स्वस्थता, चोट, पोषण एवं समग्र प्रदर्शन को ट्रैक करता है।
- प्रदर्शन एवं स्वास्थ्य सुधार: यह एथलीट के प्रदर्शन एवं स्वास्थ्य में सुधार पर केंद्रित है।

- योजना एवं निगरानी: यह बेहतर योजना, निगरानी एवं प्रतियोगिता की ट्रैकिंग करता है।

vi. **प्रदर्शन मूल्यांकन:** प्रदर्शन मूल्यांकन मॉड्यूल में निम्नलिखित शामिल हैं:

- उपलब्धियों का रिकॉर्ड रखना एवं निगरानी: यह विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं चैंपियनशिप में खिलाड़ी के प्रदर्शन को ट्रैक करता है।
- परीक्षणों का अनुकूलन: यह विशिष्ट आवश्यकता के अनुसार प्रदर्शन आकलन परीक्षण कराता है।
- प्रदर्शन संकेतकों को ट्रैक करना : यह कोच एवं सहयोगी स्टाफ द्वारा निर्धारित लक्ष्यों के अनुसार डाटा की निगरानी करता है।
- दृश्यावलोकन : यह प्रदर्शन मेट्रिक्स का ग्राफ़ एवं रिपोर्ट आधारित विश्लेषण करता है।
- रीयल-टाइम अपडेट: यह एथलीट के प्रदर्शन की अद्यतन जानकारी देता है।
- प्रभावी निगरानी: यह बेहतर ट्रैकिंग हेतु सत्यापित डेटा तक पहुंच बनाने के लिए कोचों और सहायक कर्मचारियों को सक्षम बनाता है।

vii. बायोमेट्रिक उपस्थिति कार्यान्वयन: बायोमेट्रिक उपस्थिति प्रणाली की विशेषताएं हैं:

- चेहरे की पहचान: इसमें एथलीटों और कोचों की उपस्थिति का पता लगाने के लिए जियो-फेंसिंग सहित उपस्थिति ट्रैक करने की क्षमता है।
- रिपोर्ट तैयार करना : यह विस्तृत और सारांश उपस्थिति रिपोर्ट तैयार करता है।
- रुझान विश्लेषण एवं दृश्यावलोकन : यह उपस्थिति पैटर्न का विश्लेषण और दृश्यावलोकन करता है।
- अनुकूलन योग्य मॉड्यूल: यह प्रतियोगिताओं एवं स्पर्धाओं में उपस्थिति दर्ज करने की सुविधा प्रदान करता है।
- लाभ: यह अकादमी प्रबंधन में सुधार, अपव्यय में कमी एवं बेहतर समर्थन लक्ष्यीकरण करता है।

viii. **खेल प्रबंधन प्रणाली:** इस प्रणाली में शामिल है:

- ऑनलाइन पंजीकरण एवं नामांकन: यह एथलीटों और हितधारकों के पंजीकरण और नामांकन का प्रबंधन करता है।
- समग्र प्रबंधन: यह सत्यापन, प्रत्यायन, खेल किट का वितरण, आवास एवं यात्रा विवरण की निगरानी करता है।
- प्रतियोगिता प्रबंधन: यह ड्रॉ, शेड्यूल, फिक्स्चर, परिणाम एवं रिकॉर्ड प्रकाशित कराना है।
- डिजिलॉकर एकीकरण: यह डिजिलॉकर के माध्यम से प्रमाणपत्र जारी कराना है।
- बेहतर पारदर्शिता: यह हितधारकों के लिए रियल-टाइम निगरानी की सुविधा प्रदान करता है।
- लागत में कमी: यह खेलों के आयोजन की लागत को कम करने में मदद करता है।

ix. टीओपीएस/एसीटीसी मॉड्यूल: यह मॉड्यूल निम्न सुविधाएँ प्रदान करता है—

- ऑनलाइन प्रस्ताव जमा करना एवं प्रोसेसिंग: यह परिसंघ और टीओपीएस एथलीटों को प्रस्ताव ऑनलाइन जमा करने और उनकी प्रक्रिया पूरी करने की सुविधा देता है।
- प्रस्ताव ट्रैक करना : यह जमा किए गए प्रस्तावों को रियल-टाइम में ट्रैक करने की सुविधा प्रदान करता है।
- पेपर रहित समाधान: इसमें स्वीकृतियाँ प्रकाशित करने, ई-सिग्नेचर और अन्य कार्यों के लिए इन-बिल्ट एडिटर शामिल है।
- रीयल-टाइम प्रदर्शन अपडेट : यह हितधारकों तक एथलीटों के प्रदर्शन की जानकारी रियल-टाइम में पहुँचाता है।
- प्रभावी निगरानी: यह बेहतर निगरानी के लिए कोच और सहायक कर्मचारियों को सत्यापित डेटा प्रदान करता है।

x. स्टेडियम की ऑनलाइन बुकिंग का पोर्टल: यह पोर्टल निम्न सुविधाएँ प्रदान करता है—

- ऑनलाइन आवेदन एवं भुगतान: यह स्टेडियम और खेल सुविधाओं की बुकिंग तथा भुगतान की प्रक्रिया आसान बनाता है।

- समर्पित डैशबोर्ड: यह उपयोगकर्ताओं और प्रशासकों के लिए बुकिंग और अपडेट प्रबंधन हेतु डैशबोर्ड प्रदान करता है।
- एडमिन एक्सेस नियंत्रण: यह प्रशासकों को स्थल, शुल्क और अन्य सेटिंग्स को प्रबंधित करने की सुविधा देता है।
- लाभ: यह पारदर्शिता सुनिश्चित करता है, बुकिंग प्रक्रिया को सरल बनाता है और प्रभावी निर्णय लेने में मदद करता है।

xi. **ऑनलाइन जॉब पोर्टल:** इस पोर्टल की मुख्य विशेषताएँ इस प्रकार हैं :-

- ऑनलाइन पंजीकरण एवं आवेदन: यह कोच और अन्य हितधारकों को पंजीकरण करने तथा पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन करने की सुविधा देता है।
- शॉर्टलिस्टिंग एवं चयन: यह उम्मीदवारों की ऑनलाइन शॉर्टलिस्टिंग, चयन और परिणाम प्रकाशन की सुविधा देता है।
- सूचनाएँ/अलर्ट: यह हितधारकों को अद्यतित सूचनाएँ भेजता है।
- लाभ: यह पारदर्शिता बढ़ाता है, आवेदन प्रक्रिया को सरल बनाता है और भर्ती प्रबंधन को बेहतर बनाता है।

xii. पुरस्कार मॉड्यूल: इस मॉड्यूल में निम्न सुविधाएँ शामिल हैं :-

- ऑनलाइन पंजीकरण एवं आवेदन: यह एथलीट, कोच और अन्य हितधारकों को पुरस्कारों के लिए ऑनलाइन पंजीकरण और आवेदन करने की सुविधा देता है।
- नामांकन एवं शॉर्टलिस्टिंग: यह नामांकन, शॉर्टलिस्टिंग और अंतिम चयन की प्रक्रिया को आसान बनाता है तथा परिणामों का डिजिटल प्रकाशन करता है।
- सूचनाएँ/अलर्ट: यह हितधारकों को समय पर अद्यतित सूचनाएँ भेजता है।
- लाभ: यह पुरस्कार प्रक्रिया को सरल बनाता है, पारदर्शिता सुनिश्चित करता है और चयन प्रक्रिया की दक्षता बढ़ाता है।

2. लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान, ग्वालियर (मानद विश्वविद्यालय)

2.1 परिचय

लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा संस्थान की स्थापना आरंभ में महाविद्यालय के रूप में 17 अगस्त, 1957 को अर्थात् भारत की स्वतंत्रता के लिए युद्ध के शताब्दी वर्ष में की गई थी। यह संस्थान ग्वालियर में स्थित है, जहां झांसी की रानी लक्ष्मीबाई ने देश के स्वतंत्रता संग्राम के लिए अपना जीवन न्योछावर कर दिया था। शारीरिक शिक्षा और खेल के क्षेत्र में संस्थान द्वारा प्रदान की गई सेवाओं के आलोक में, भारत सरकार द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 की धारा 3 के तहत विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सिफारिशों पर वर्ष 1995 में इसे मानद विश्वविद्यालय का दर्जा प्रदान किया गया था। यह संस्थान भारत सरकार के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक स्वायत्त संगठन है और इसका संचालन मध्य प्रदेश सोसायटी पंजीकरण अधिनियम, 1973 के तहत पंजीकृत सोसायटी के माध्यम से किया जाता है।

2.2. उद्देश्य:

इस संस्थान के उद्देश्य निम्नलिखित हैं—

1. ज्ञान की ऐसी शाखाओं में उत्कृष्टता और नवाचारों के लिए अग्रणी उच्च शिक्षा प्रदान करना, जो मुख्य रूप से एम.ए. और अनुसंधान डिग्री स्तरों पर उपयुक्त मानी जा सकती है, विश्वविद्यालय की अवधारणा के पूरी तरह अनुरूप है, जैसा कि विश्वविद्यालय शिक्षा रिपोर्ट (1948) और भारत में उच्च शिक्षा के नवीकरण और कायाकल्प पर समिति की रिपोर्ट (2009) और मानद विश्वविद्यालयों के लिए समीक्षा समिति की रिपोर्ट (2009) में वर्णित है।
2. विशेषज्ञता के उन क्षेत्रों में संलग्न होना जिनमें विश्वविद्यालय शिक्षा प्रणाली के उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु विशिष्ट योगदान देने की सिद्ध क्षमता हो, अर्थात् ऐसे शैक्षणिक कार्यक्रम संचालित करना जो सामान्य प्रकृति के पारंपरिक संस्थानों द्वारा नियमित रूप से पढ़ाए जाने वाले पारंपरिक डिग्री कार्यक्रमों जैसे कि कला, विज्ञान, अभियांत्रिकी, चिकित्सा, दंत चिकित्सा, फार्मेसी, प्रबंधन आदि से स्पष्ट रूप से भिन्न हों।
3. उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षण एवं शोध व्यवस्था उपलब्ध कराना तथा विविध विषयों में पर्याप्त संख्या में पूर्णकालिक संकाय सदस्यों/शोधार्थियों (पीएच.डी. एवं पोस्ट-डॉक्टोरल) द्वारा संस्थान में संचालित विभिन्न शोध कार्यक्रमों के माध्यम से ज्ञान का संवर्धन एवं प्रसार करना।
4. शारीरिक शिक्षा, अन्य अंतर-डिस्सीप्रिनरी विषयों और खेल/गेम्स के क्षेत्र में उच्च योग्यता वाले नेताओं को तैयार करना।
5. शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता एवं नवाचार के केंद्र के रूप में कार्य करना तथा इस क्षेत्र में अनुसंधान को प्रोत्साहित करना, उसका प्रसार करना एवं संबंधित साहित्य का प्रकाशन करना।
6. शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में अन्य संस्थानों को पेशेवर और अकादमिक नेतृत्व प्रदान करना।
7. इस क्षेत्र में लोगों को व्यावसायिक मार्गदर्शन और पेशेवर सेवाएं प्रदान करना।
8. शारीरिक शिक्षा गतिविधियों में व्यापक जनसहभागिता को प्रोत्साहित करना।
9. समाज के विकास में योगदान हेतु बाह्य अध्ययन (एक्स्ट्रा-म्यूरल स्टडीज़), विस्तार कार्यक्रम तथा क्षेत्रीय संपर्क गतिविधियाँ संचालित करना।
10. शैक्षिक संस्थानों और अन्य संगठनों में शारीरिक शिक्षा और खेल/गेम्स के कार्यक्रमों को विकसित करना और बढ़ावा देना।
11. स्वास्थ्य एवं फिटनेस, तंदुरुस्ती, योग तथा अन्य देशज शिक्षण गतिविधियों जैसे क्षेत्रों में आवश्यकतानुसार निर्देश एवं प्रशिक्षण प्रदान करना।
12. उपर्युक्त उद्देश्यों की प्राप्ति एवं उन्नयन हेतु तथा एलएनआईपीई के सुचारु संचालन के लिए आवश्यक अथवा वांछनीय सभी कार्य करना।

2.3. संकाय एवं विभाग: (2024-25)

संस्थान में दो संकायों के अंतर्गत निम्नलिखित आठ शैक्षणिक विभाग संचालित हैं।

(i) शारीरिक शिक्षा संकाय शिक्षणशास्त्र और संबद्ध क्षेत्र:

शारीरिक शिक्षा शिक्षणशास्त्र विभाग
खेल प्रबंधन और कोचिंग विभाग
योग विज्ञान विभाग
मुक्त और दूरस्थ शिक्षा निदेशालय

(ii) खेल विज्ञान संकाय:

व्यायाम शरीर क्रिया विज्ञान विभाग

खेल मनोविज्ञान विभाग
खेल बायोमैकेनिक्स विभाग
स्वास्थ्य विज्ञान विभाग

2.4. प्रस्तावित पाठ्यक्रम: (2024-25)

संस्थान वर्तमान में निम्नलिखित पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है:-

शारीरिक शिक्षा शिक्षणशास्त्र विभाग (i) बी.पी.एड. – 8 सेमेस्टर (ii) एम.पी.एड. – 4 सेमेस्टर (शारीरिक शिक्षा शिक्षणशास्त्र) (iii) शारीरिक शिक्षा में पीएच.डी.
व्यायाम शरीर क्रिया विज्ञान विभाग (i) एम.पी.एड.– 4 सेमेस्टर (व्यायाम शरीर क्रिया विज्ञान) (ii) शारीरिक शिक्षा में पीएच.डी.
खेल मनोविज्ञान विभाग (i) एम.पी.एड.– 4 सेमेस्टर (खेल मनोविज्ञान) (ii) शारीरिक शिक्षा में पीएच.डी.
खेल बायोमैकेनिक्स विभाग (i) एम.पी.एड.– 4 सेमेस्टर (खेल बायोमैकेनिक्स) (ii) शारीरिक शिक्षा में पीएच.डी.
स्वास्थ्य विज्ञान विभाग (i) एम.पी.एड.– 4 सेमेस्टर (स्वास्थ्य विज्ञान) (ii) शारीरिक शिक्षा में पीएच.डी.
खेल प्रबंधन और कोचिंग विभाग (i) एम.पी.एड.– 4 सेमेस्टर (खेल प्रबंधन और कोचिंग) (ii) एम.ए. (खेल प्रबंधन) – 4 सेमेस्टर (iii) शारीरिक शिक्षा में पीएच.डी. (iv) खेल कोचिंग में डिप्लोमा (2 सेमेस्टर) (v) खेल कोचिंग में एम.ए. डिप्लोमा (2 सेमेस्टर) (vi) फिटनेस प्रबंधन में एम.ए. डिप्लोमा (2 सेमेस्टर) (vii) स्ट्रेंथ और स्पोर्ट्स कंडीशनिंग में एम.ए. डिप्लोमा (2 सेमेस्टर)
योग विज्ञान विभाग (i) योग शिक्षा में एम.ए. डिप्लोमा (2 सेमेस्टर) (ii) एम.ए. योग (4 सेमेस्टर)
मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा निदेशालय (i) खेल प्रबंधन में डिप्लोमा (2 सेमेस्टर) (ii) खेल पत्रकारिता में डिप्लोमा (2 सेमेस्टर) (iii) योग में डिप्लोमा (2 सेमेस्टर) (iv) खेल एनालिटिक्स में डिप्लोमा (2 सेमेस्टर) (v) खेल पोषण में डिप्लोमा (2 सेमेस्टर) (vi) खेल साइकोलॉजी में डिप्लोमा (2 सेमेस्टर) (vii) खेल इवेंट मैनेजमेंट में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (4 सेमेस्टर)

2.5. शासन प्रणाली:

यह संस्थान एमपी सोसायटी पंजीकरण अधिनियम के तहत एक गैर-लाभकारी सोसायटी के रूप में पंजीकृत, मानद विश्वविद्यालय है, जिसे युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के माध्यम से केंद्र सरकार द्वारा वित्त पोषित किया जाता है।

संस्थान का सर्वोच्च शासी निकाय प्रबंधन बोर्ड है जिसकी अध्यक्षता कुलपति करते हैं। प्रबंधन बोर्ड में कम से कम दस सदस्य और अधिकतम पंद्रह सदस्य होते हैं।

संस्थान का प्रबंधन बोर्ड प्रायोजक सोसायटी से स्वतंत्र है तथा अपने शैक्षणिक एवं प्रशासनिक दायित्वों के निर्वहन में पूर्ण स्वायत्तता रखता है। प्रबंधन बोर्ड में सोसायटी के प्रतिनिधि/नामित सदस्यों की संख्या अधिकतम चार तक सीमित है। प्रायोजक सोसायटी के अध्यक्ष पदेन रूप में माननीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री होते हैं।

प्रबंधन बोर्ड में ऐसे प्रतिष्ठित व्यक्ति शामिल होते हैं जो संस्थान के आदर्शों एवं परंपराओं को कायम रखने तथा उनमें योगदान देने में सक्षम हों।

प्रबंधन बोर्ड की संरचना निम्नानुसार है—

(i) कुलपति – अध्यक्ष।

(ii) संकायों के डीन, जो अधिकतम दो हो, को कुलपति द्वारा वरिष्ठता के आधार पर रोटेशन से नियुक्त किया जाता है।

(iii) तीन प्रतिष्ठित खेल शिक्षाविद्, जिन्हें संस्थान के अध्यक्ष द्वारा नामित किया जाता है; जो प्रोफेसर के पद पर कार्य कर चुके हों तथा न तो संस्थान या प्रायोजक सोसायटी से संबंधित हों और न ही उनके परिजन हों।

(iv) भारत सरकार के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, खेल विभाग का एक प्रतिनिधि, जो संयुक्त सचिव/प्रोफेसर से नीचे के पद का न हो।

(v) दो शिक्षक (प्रोफेसर एवं एसोसिएट प्रोफेसर में से), जिन्हें कुलपति द्वारा वरिष्ठता के आधार पर रोटेशन से नियुक्त किया जाता है।

(vi) एक शिक्षक (असिस्टेंट प्रोफेसर में से), जिसे कुलपति द्वारा वरिष्ठता के आधार पर रोटेशन से नियुक्त किया जाता है।

(vii) प्रायोजक सोसायटी (युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय) द्वारा अधिकतम चार नामित सदस्य (शिक्षाविद्), जो खेल से जुड़े शिक्षाविद हों और प्रोफेसर पद से निम्न न हों।

(viii) रजिस्ट्रार – सचिव।

2.6. पूर्वोत्तर क्षेत्रीय केंद्र:

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने वर्ष 2009 में गुवाहाटी में पूर्वोत्तर क्षेत्रीय केंद्र की स्थापना को मंजूरी दी थी और इसके शैक्षणिक सत्र 2009-10 के पहला बैच ने ग्वालियर से ऑफ-कैंपस के रूप में कार्य किया। इसके उपरांत, मई 2010 में असम सरकार से टेपेसिया खेल परिसर लेने के बाद, शैक्षणिक सत्र 2011-12 से एनईआरसी ने वास्तविक रूप से कार्य करना प्रारंभ किया, जहाँ इंडोर बहुउद्देशीय हॉल, फुटबॉल मैदान, हॉकी मैदान, वेलोड्रोम एवं वॉलीबॉल कोर्ट जैसी अनेक सुविधाएँ पहले से ही उपलब्ध थीं, तत्पश्चात संस्थान द्वारा शैक्षणिक उद्देश्यों हेतु आवश्यक अन्य अवसंरचनाओं का निर्माण किया गया। वर्तमान में यह संस्थान वहीं से बी.पी.एड. तथा एम.पी.एड. पाठ्यक्रम पूर्ण रूप से एवं नियमित संचालित कर रहा है। एनईआरसी, गुवाहाटी के लिए नियमित मानव संसाधन की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय द्वारा वर्ष 2011-12 में कुल 11 पद स्वीकृत किए गए, जिनमें से अधिकांश पदों पर नियुक्तियाँ की जा चुकी हैं। हॉकी टर्फ बिछाने, एथलेटिक्स ट्रैक एंड फील्ड (सिंथेटिक), ऑडिटोरियम, पुस्तकालय तथा संकाय एवं कर्मचारियों के लिए आवास के निर्माण का कार्य चल रहा हैं।

2.7. अनुदान सहायता :

यह संस्थान को पूर्ण रूप से भारत सरकार के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा प्रदत अनुदान सहायता के माध्यम से वित्तपोषित किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए अनुदान आवंटन एलएनआईपीई, ग्वालियर के लिए 68.51 करोड़ रुपये और एनईआरसी, गुवाहाटी के लिए 10.00 करोड़ रुपये है।

2.8. शैक्षणिक विवरण

वर्ष 2024-25 के दौरान डिग्री पाठ्यक्रम की श्रेणी-वार संख्या (ग्वालियर)

कक्षा	कुल संख्या	लिंग-वार		छात्रों की संख्या									
				अनुसूचित जनजाति		अनुसूचित जाति		अन्य पिछड़ा वर्ग		सामान्य		ईडब्ल्यूएस	
	पंजीकृत	लड़के	लड़कियाँ	लड़के	लड़कियाँ	लड़के	लड़कियाँ	लड़के	लड़कियाँ	लड़के	लड़कियाँ	लड़के	लड़कियाँ
बीपीएड I सेमेस्टर	110	79	31	**07**	**02**	**12**	**05**	**31**	**15**	**17**	**05**	**09**	**05**
बीपीएड III सेमेस्टर	102	74	28	**05**	**01**	**13**	**06**	**23**	**11**	**21**	**06**	**10**	**04**
बीपीएड V सेमेस्टर	113	81	32	**05**	**02**	**14**	**05**	**31**	**12**	**23**	**11**	**06**	**02**
बीपीएड VII सेमेस्टर	104	70	34	**04**	**02**	**13**	**06**	**32**	**11**	**12**	**09**	**09**	**05**
एमपीएड I सेमेस्टर	88	66	22	**02**	**02**	**10**	**04**	**29**	**06**	**14**	**06**	**11**	**04**
एमपीएड III सेमेस्टर	84	63	21	**05**	**-**	**07**	**05**	**27**	**06**	**11**	**07**	**11**	**02**
एम.ए. योग I सेमेस्टर	04	01	03	**0**	**0**	**0**	**01**	**0**	**01**	**0**	**01**	**0**	**01**
एम.ए. योग III सेमेस्टर	08	03	05	**-**	**-**	**01**	**-**	**01**	**03**	**01**	**02**	**-**	**-**
पीजीडीएससी I सेमेस्टर	227	177	50	**08**	**06**	**20**	**12**	**68**	**18**	**71**	**12**	**10**	**02**
पीजीडीएसए ससी	06	6	0	**0**	**0**	**0**	**0**	**04**	**0**	**02**	**0**	**0**	**0**
पीजीडीवाईडी I सेमेस्टर	06	02	04	**0**	**0**	**0**	**0**	**01**	**03**	**01**	**01**	**0**	**0**
डीएससी- I सेमेस्टर	23	23	0	**0**	**0**	**01**	**0**	**07**	**0**	**15**	**0**	**0**	**0**
पीएच.डी. 22-23	56	32	24	**02**	**01**	**06**	**04**	**06**	**08**	**15**	**10**	**03**	**01**
पीएच.डी. 23-24	10	06	04	**0**	**-**	**02**	**-**	**01**	**02**	**01**	**01**	**01**	**-**

पीएच.डी. ओल्ड (19-20, 20-21 और 21-22)	66	46	20	**01**	**01**	**06**	**01**	**21**	**08**	**14**	**09**	**03**	**00**
कुल	**1006**	**727**	**279**	**49**	**17**	**105**	**50**	**279**	**103**	**219**	**80**	**73**	**26**

वर्ष 2024-25 के दौरान डिग्री पाठ्यक्रम की श्रेणी-वार संख्या (गुवाहाटी)

कक्षा	कुल संख्या	लिंग-वार		छात्रों की संख्या									
				अनुसूचित जनजाति		अनुसूचित जाति		अन्य पिछड़ा वर्ग		सामान्य		ईडब्ल्यूएस	
	पंजीकृत	लड़के	लड़कियाँ	लड़के	लड़कियाँ	लड़के	लड़कियाँ	लड़के	लड़कियाँ	लड़के	लड़कियाँ	लड़के	लड़कियाँ
बीपीएड I सेमेस्टर	**104**	**75**	**29**	**04**	**02**	**12**	**03**	**19**	**08**	**37**	**14**	**05**	**0**
बीपीएड III सेमेस्टर	**85**	**58**	**27**	**07**	**03**	**09**	**05**	**17**	**07**	**17**	**12**	**08**	**0**
बीपीएड V सेमेस्टर	**106**	**74**	**32**	**06**	**02**	**09**	**05**	**17**	**09**	**35**	**15**	**08**	**01**
बीपीएड VII सेमेस्टर	**101**	**71**	**30**	**04**	**02**	**09**	**05**	**18**	**06**	**33**	**14**	**06**	**03**
एमपीएड I सेमेस्टर	**45**	**29**	**16**	**02**	**01**	**02**	**04**	**08**	**04**	**15**	**06**	**02**	**01**
एमपीएड III सेमेस्टर	**43**	**27**	**16**	**01**	**01**	**05**	**03**	**07**	**04**	**13**	**08**	**0**	**01**
पीएच.डी. 2021-22	**14**	**11**	**03**	**04**	**0**	**0**	**0**	**0**	**01**	**07**	**02**	**0**	**0**
पीएच.डी. 2022-23	**07**	**05**	**02**	**0**	**01**	**01**	**01**	**01**	**0**	**03**	**0**	**0**	**0**
पीएच.डी. 2023-24	**05**	**05**	**0**	**0**	**0**	**01**	**0**	**01**	**0**	**03**	**0**	**0**	**0**
कुल	**510**	**355**	**155**	**28**	**12**	**48**	**26**	**88**	**39**	**163**	**71**	**29**	**6**

वर्ष 2024-25 में मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रमों की संख्या (ग्वालियर)

पाठ्यक्रम का नाम	छात्रों का विवरण		
	महिला	पुरुष	कुल
स्पोर्ट्स इवेंट मैनेजमेंट में पीजी डिप्लोमा (पीजीडीएसईएम)	**06**	**41**	**47**
खेल प्रबंधन में डिप्लोमा (डीएसएम)	**07**	**36**	**43**
खेल पत्रकारिता में डिप्लोमा (डीएसजे)	**-**	**03**	**03**

पाठ्यक्रम का नाम	छात्रों का विवरण		
	महिला	पुरुष	कुल
योग में डिप्लोमा (डीवाई)	**03**	**08**	**11**
स्पोर्ट्स एनालिटिक्स में डिप्लोमा (डीएसए)	**01**	**14**	**15**
खेल पोषण में डिप्लोमा (डीएसएन)	**08**	**16**	**24**
खेल मनोविज्ञान में डिप्लोमा (डीएसपी)	**04**	**08**	**12**
कुल	**29**	**126**	**155**

2.9 अवसंरचनात्मक सुविधाएँ :

यह संस्थान अपनी स्थापना से ही सह-शिक्षात्मक एवं पूर्णतः आवासीय संस्थान है, इसके ग्वालियर परिसर में खेल मैदानों, भवनों आदि सहित आवश्यक अवसंरचनात्मक सुविधाएं उपलब्ध हैं जबकि उत्तर-पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र (एन.ई.आर.सी.), गुवाहाटी में प्राथमिकताओं तथा उपलब्ध वित्तीय संसाधनों को ध्यान में रखते हुए चरणबद्ध रूप से इसी प्रकार की अवसंरचनात्मक सुविधाओं का विकास किया जा रहा है।

2.10 महत्वपूर्ण कार्यक्रम:

i. भारत सरकार के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा 01.01.2024 से 31.01.2024 तक आयोजित गणतंत्र दिवस परेड शिविर एवं परेड में सुश्री हर्षिता मिश्रा, बी.पी.एड. 5वां सेमेस्टर ने सहभागिता की।
ii. 12.01.2024 को स्वामी विवेकानंद जयंती को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया गया।
iii. 18.01.2024 को डॉ. के.के. साहू, सह-प्राध्यापक; डॉ. वाई.एस. राजूपत, सह-प्राध्यापक एवं डॉ. आशीष फुलकर, सह-प्राध्यापक ने भारत सरकार के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के संयुक्त सचिव के साथ 'सेवानिवृत्त खिलाड़ी सशक्तिकरण (रिसेट) योजना' के अंतर्गत विभिन्न पाठ्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने हेतु आयोजित ऑनलाइन बैठक में सहभागिता की।
iv. 26.01.2024 को संस्थान द्वारा 75वां गणतंत्र दिवस समारोह आयोजित किया गया।
v. 05.02.2024 से 07.02.2024 तक नेतृत्व एवं व्यक्तित्व विकास विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें दीक्षा फाउंडेशन के प्रेरक वक्ता श्री सुरेंद्र हुल एवं सुश्री मोना वर्मा द्वारा विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया गया।
vi. 22.02.2024 को ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर के.डी.एस. झाला एवं 8 एम.पी. एन.सी.सी. बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल लोकेश देव द्वारा विद्यार्थियों को छात्र जीवन में एन.सी.सी. के महत्व, राष्ट्रीय विकास एवं अनुशासन संबंधी विषयों पर जानकारी दी। इस कार्यक्रम का आयोजन डॉ. बृज किशोर प्रसाद, सह-प्राध्यापक एवं प्रभारी एन.सी.सी. के निर्देशन में हुआ।
vii. डॉ. के.के. साहू, एसोसिएट प्रोफेसर एवं डॉ. आशीष फुलकर, एसोसिएट प्रोफेसर ने 22.02.2024 से 28.02.2024 तक 'डिज़ाइन एंड डेवलपमेंट ऑफ सेल्फ एंड लर्निंग मटेरियल फॉर डिस्टेंस, ऑनलाइन एंड ब्लेंडेड लर्निंग' विषयक राष्ट्रीय सम्मेलन में एक साथ सहभागिता की, जिसका आयोजन नई दिल्ली स्थित इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा किया गया।
viii. बी.पी.एड. विद्यार्थियों हेतु लीडर्स ट्रेनिंग कैंप का आयोजन 20 से 27 फरवरी 2025 तक थरमन पार्क, राष्ट्रीय प्रशिक्षण केंद्र, भारत स्काउट्स एंड गाइड्स, पचमढ़ी (म.प्र.) में किया गया।
ix. 01.03.2024 को श्री मनमोहन कुशवाह, कोच (बैडमिंटन) के मार्गदर्शन में बैडमिंटन (पुरुष एवं महिला) आंतरिक प्रतियोगिता आयोजित की गई।
x. 06.03.2024 को श्री महेश कपाड़वाल, कोच (फुटबॉल) के मार्गदर्शन में फुटबॉल (पुरुष एवं महिला) आंतरिक प्रतियोगिता आयोजित की गई।
xi. 07.03.2024 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 'महिला खेल भावना' विषय पर ऑनलाइन वेबिनार आयोजित किया गया, जिसमें डॉ. सुमन पांडे, पुणे ने व्याख्यान दिया। इस कार्यक्रम का समापन संस्थान की कुलपति प्रो. इंदु बोरा की गरिमामयी उपस्थिति में हुआ।

xii. 07.03.2024 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला खेल प्रतियोगिता आयोजित की गई।

xiii. 14 एवं 15 मार्च 2024 को 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति एवं विज़न-2047 के परिप्रेक्ष्य में शारीरिक शिक्षा एवं खेल' विषयक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया, जिसमें 10 अंतर्राष्ट्रीय एवं 40 राष्ट्रीय वक्ताओं ने सहभागिता की। इस सम्मेलन में 136 शोध-पत्र एवं 32 पोस्टर प्रस्तुतियाँ की गईं तथा कुल 410 प्रतिनिधियों ने सहभागिता की।

xiv. 18.03.2024 से 24.03.2024 तक राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा स्वामी विवेकानंद नीडम, ग्वालियर में सात दिवसीय विशेष शिविर आयोजित किया गया। इस विशेष शिविर के दौरान, स्वच्छता कार्यक्रम के अंतर्गत स्वच्छता, श्रमदान एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन डॉ. गौरव सनोत्रा, सहायक प्राध्यापक एवं कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना के निर्देशन में किया गया।

xv. 19.03.2024 को संस्थान में एक सीपीआर कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें संस्थान के 40 विद्यार्थियों को सीपीआर प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला में अध्यक्ष के रूप में डॉ. रश्मि गुप्ता ने विद्यार्थियों को हार्ट अटैक रोग और उसके बचाव के बारे में जानकारी दी।

xvi. 03.05.2024 को राष्ट्रीय सेवा योजना का बी-सर्टिफिकेट वितरण समारोह आयोजित किया गया जिसमें प्रो. इंदु बोरा, कार्यवाहक कुलपति, डॉ. के.के. साहू, सहायक प्राध्यापक और डॉ. गौरव सनोत्रा, कार्यक्रम अधिकारी, राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम में उपस्थित थे।

xvii. डॉ. कृष्णकांत साहू, सहायक प्राध्यापक को 09.05.2024 से 12.5.2024 तक श्री कुनाल आईएएस संयुक्त सचिव (खेल), खेल विभाग, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, भारत सरकार के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल का सदस्य नियुक्त किया गया और उन्होंने रांची तथा नेतरहाट का दौरा किया।

xviii. 15.05.2024 को डॉ. बृज किशोर प्रसाद, सह-प्राध्यापक को राष्ट्रीय कैडेट कोर द्वारा 'रक्षा सचिव प्रशंसा पत्र-2023' प्रदान किया गया।

xix. 03.06.2024 से 05.06.2024 तक उत्तर भारत के 55 भारतीय हॉकी अधिकारियों हेतु तीन दिवसीय पाठ्यक्रम आयोजित किया गया और सभी प्रतिभागियों द्वारा यह पाठ्यक्रम सफलतापूर्वक पूरा किया गया। 05.06.2024 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण की शपथ भी दिलाई गई।

xx. 05.06.2024 को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर संस्थान में एक वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। संस्थान की कार्यवाहक कुलपति प्रोफेसर इंदु बोरा, प्रभारी कुलसचिव, डॉ. संजीव यादव, डॉ. जोसेफ सिंह, प्रोफेसर, डॉ. के.के. साहू, सहायक प्रोफेसर, डॉ. सी.पी. भाटी, डॉ. दिलिप टिर्की, डॉ. बृज किशोर प्रसाद, सभी संकाय सदस्यों, प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों ने इस वृक्षारोपण में भाग लिया।

xxi. 10.06.2024 को योग विज्ञान विभाग द्वारा "योग के माध्यम से बच्चों का समग्र विकास" विषय पर वेबिनार आयोजित किया गया।

xxii. 18.06.2024 को झाँसी की वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया।

xxiii. 21.06.2024 को 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर संस्थान और जिला प्रशासन, ग्वालियर के साथ संयुक्त रूप से योग दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। संस्थान की कुलपति प्रोफेसर इंदु बोरा, प्रभारी कुलसचिव, डॉ. संजीव यादव, डॉ. सी.पी. भाटी, डॉ. नीबू आर. कृष्णा सह-आचार्य, सभी संकाय सदस्यों, प्रशासनिक अधिकारियों तथा जिला प्रशासन, ग्वालियर के अधिकारियों और कर्मचारियों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया।

xxiv. 19.07.2024 को संस्थान के खेल मनोविज्ञान विभाग की शोधार्थी कु. अक्षिता शिकोण को भारतीय शूटिंग ओलंपिक टीम में खेल मनोवैज्ञानिक के रूप में नियुक्त किया गया। ओलंपिक टीम के पेरिस के लिए निकलने से पहले, अक्षिता सिकोन ने माननीय प्रधानमंत्री के साथ चर्चा की।

xxv. 01.08.2024 को 'एक पेड़ माँ के नाम' कार्यक्रम के अंतर्गत संस्थान परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

xxvi. 01.08.2024 को भारत सरकार के सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा बेसिक इंडियन साइन लैंग्वेज ऑनलाइन जागरूकता प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें संस्थान के कुलपति प्रोफेसर डॉ. इंदु बोरा, कुल सचिव, डॉ. संजीव यादव ने ऑनलाइन सहभागिता की।

xxvii. स्वास्थ्य विज्ञान विभाग द्वारा 05.08.2024 को राष्ट्रीय अंगदान दिवस पर "अंग एवं ऊतक दान" विषय पर एक सेमिनार आयोजित किया गया।

xxviii. 06.08.2024 को स्वच्छता पखवाड़ा के अंतर्गत छात्रावास परिसर में स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें हॉस्टल में रहने वाले छात्रों, हॉस्टल के वार्डन, डीन छात्र कल्याण तथा सफाई प्रभारी ने भाग लिया।

xxix. 07.08.2024 को रायपुर में छत्तीसगढ़ सरकार के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री तथा राजस्व मंत्री माननीय टंकाराम वर्मा के साथ आयोजित बैठक में छत्तीसगढ़ में शारीरिक शिक्षा और खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से खेल सचिव श्री हिम शेखर गुप्ता, खेल निदेशक श्रीमती तनुजा सलाम, संस्थान की कुलपति प्रो. इंदु बोरा, रजिस्ट्रार डॉ. संजीव यादव, डॉ. के.के. साहू, सहायक प्राध्यापक ने भाग लिया। इस अवसर पर कुलपति प्रो. इंदु बोरा ने युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री तथा राजस्व मंत्री को पुष्पगुच्छ और संस्थान का स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

xxx. 12.08.2024 को संस्थान ने अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा अभियान और स्वच्छता पखवाड़ा 2024 के दौरान एक स्वच्छता दौड़ का आयोजन किया। उक्त दौड़ का उद्घाटन प्रो. एम.के. सिंह, प्राध्यापक ने ध्वज दिखाकर किया। उक्त कार्यक्रम में सभी संकाय सदस्य और विद्यार्थी सम्मिलित हुए। उक्त कार्यक्रम का आयोजन डॉ. निबु आर. कृष्णा, सहायक प्राध्यापक एवं डीन छात्र कल्याण के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर प्रो. एम.के. सिंह ने कर्मचारियों और विद्यार्थियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक होने के लिए प्रेरित किया।

xxxi. 12.08.2024 से 18.08.2024 तक एंटी-रैगिंग सप्ताह के अवसर पर "रैगिंग के खिलाफ एकजुटता" एंटी रैगिंग विजिलेंस उत्सव आयोजित किया गया।

xxxii. 12.08.2024 से 15.08.2024 तक संस्थान ने 'हर घर तिरंगा' अभियान 2024 का आयोजन किया।

xxxiii. 15.08.2024 को संस्थान में 78वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

xxxiv. संस्थान का 67वां स्थापना दिवस मनाया गया और स्थापना दिवस के अवसर पर कुलपति प्रो. इंदु बोरा द्वारा ध्वज फहराया गया तथा संस्थान में स्थित वीरांगना महारानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई और समाधि स्थल पर भी श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया।

xxxv. 29.08.2024 को राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया गया। खेल दिवस के उपलक्ष्य में खेल प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, रस्साकशी प्रतियोगिता, क्रिकेट मैच, हॉकी मैच आदि का आयोजन किया गया।

xxxvi. 13.09.2024 को संस्थान के स्वास्थ्य केंद्र द्वारा जयारोग्य अस्पताल, ग्वालियर के ब्लड बैंक के सहयोग से एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया जिसमें 70 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया, जिसे संस्थान द्वारा जयारोग्य अस्पताल, ग्वालियर के ब्लड बैंक को प्रदान किया गया। उक्त शिविर का आयोजन डॉ. ब्रजकिशोर प्रसाद, प्रभारी स्वास्थ्य केंद्र के मार्गदर्शन में किया गया।

xxxvii. 14 से 27 सितम्बर 2024 तक संस्थान द्वारा हिंदी पखवाड़ा आयोजित किया गया। हिंदी पखवाड़ा 2024 के दौरान समूह क, ख एवं ग कर्मचारियों के लिए अंग्रेज़ी से हिंदी अनुवाद, हिंदी टिप्पण और आलेखन, निबंध लेखन, हिंदी कार्यशाला आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

xxxviii. 28.09.2024 को संस्थान में राष्ट्रीय सेवा योजना, माधव महाविद्यालय, ग्वालियर एवं संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में जिला स्तरीय प्री-गणतंत्र दिवस परेड शिविर 2024 की चयन प्रक्रिया आयोजित की गई, जिसमें संस्थान के विद्यार्थी सुश्री देवहुति दास, बी.पी.एड- III सेमेस्टर, श्री हरीश यादव, बी.पी.एड- VII सेमेस्टर, श्री आयुष बिष्ट, बी.पी.एड- VII सेमेस्टर और श्री रितेश कुमार, बी.पी.एड- VI सेमेस्टर का चयन किया गया। उक्त कार्यक्रम में डॉ. गौरव सनोत्रा, कार्यक्रम अधिकारी उपस्थित रहे।

xxxix. 30.09.2024 को स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम 2024 के अंतर्गत संस्थान परिसर में पड़ी अनुपयोगी सामग्रियों की पहचान एवं नीलामी/निपटान का कार्य डॉ. निबु आर. कृष्णा, डीन छात्र कल्याण एवं नोडल अधिकारी के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

xl. 04.10.2024 को संस्थान का 10वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में माननीय केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री तथा संस्थान के कुलाधिपति डॉ. मनसुख मांडविया जी उपस्थित थे। डॉ. मनसुख मांडविया ने श्री रितेश नागर, बी.पी.एड तथा सुश्री श्रुति मुखोपाध्याय, एम.पी.एड. को स्वर्ण पदक प्रदान किया और 574 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की।

xli. 04.10.2024 को संस्थान का नव निर्मित 400 क्षमता वाला उत्कृष्टता केन्द्र खेल छात्रावास (कोल इंडिया लिमिटेड एवं सीएसआर की वित्तीय सहायता से निर्मित) तथा संस्थान का डिजिटल स्टूडियो माननीय केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री तथा संस्थान के कुलाधिपति डॉ. मनसुख मांडविया जी द्वारा उद्घाटित किया गया।

xlii. 04.10.2024 को माननीय केंद्रीय युवाकार्यक्रम और खेल मंत्री तथा संस्थान के कुलाधिपति डॉ. मनसुख मांडविया जी ने संस्थान में प्रथम रीसेट पाठ्यक्रम का ऑनलाइन उद्घाटन किया।

xliii. 21.10.2024 को मध्यप्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण समिति, राष्ट्रीय सेवा योजना, जीवाजी विश्वविद्यालय तथा संस्थान की राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में 07 किलोमीटर मिनी मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया।

xliv. 04.11.2024 को कुलपति प्रो. इंदु बोरा की अध्यक्षता में रजिस्ट्रार, वित्त अधिकारी, परीक्षा नियंत्रक, सभी विभागाध्यक्ष/डीन तथा सभी अनुभागाध्यक्षों के साथ एनएएसी पीयर टीम के निरीक्षण एवं तैयारियों के संबंध में बैठक आयोजित की गई।

xlv. 18.11.2024 को संस्थान की कैंटीन में कार्यरत कर्मचारियों के लिए होटल मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, ग्वालियर के सहयोग से फूड प्रोडक्शन तथा फूड एंड बेवरेज सर्विस पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई।

xlvi. 18.11.2024 को भारत सरकार, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय (खेल विभाग), नई दिल्ली द्वारा जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में संस्थान के एमओए से संबंधित बैठक का आयोजन किया गया जिसमें प्रो. एम.के. सिंह तथा श्री रोशनलाल वर्मा, सहायक ने भाग लिया।

xlvii. 20.11.2024 से 9.12.2024 (30 दिन) तक फिटनेस केन्द्र प्रबंधक हेतु प्रमाणपत्र कार्यक्रम विषय पर रीसेट पाठ्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें कुल 05 प्रतिभागी सम्मिलित हुए।

xlviii. 24.11.2024 को भारत शारीरिक शिक्षा परिसंघ द्वारा एमडीएमसी कन्वेंशन सेंटर नई दिल्ली में 7वां पीईएफआई राष्ट्रीय पुरस्कार 2024 (शारीरिक शिक्षा और खेल के क्षेत्र में उत्कृष्टता हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार) आयोजित किया गया जिसमें सह-आचार्य लेफ्टिनेंट डॉ. ब्रज किशोर प्रसाद को डॉ. जी.पी. गौतम अवार्ड (सर्वश्रेष्ठ शारीरिक शिक्षा शिक्षक (मध्य क्षेत्र)) से सम्मानित किया गया।

xlix. 26.11.2024 से 28.11.2024 तक एमएएसी पीयर टीम द्वारा एमएएसी निरीक्षण किया गया।

l. 13.12.2024 को प्रो. विनिता बाजपेयी मिश्रा, सहायक प्राध्यापक ने आईआईटी दिल्ली में आयोजित महिला नेतृत्व कार्यक्रम "विमन लाडर्स शेपिंग एकैडमिक एक्सेलेंस फॉर विकसित भारत @ 2047" में भाग लिया। 14.12.2024 को संस्थान में तीन दिवसीय हॉकी इंडिया पाठ्यक्रम का उद्घाटन किया गया।

li. 21.12.2024 से 27.12.2024 तक संस्थान में एनएसएस यूनिट जीवाजी विश्वविद्यालय एवं संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय एकता शिविर 2024-25 का आयोजन किया गया। उक्त शिविर का विषय था- मेरा युवा- विकसित भारत, सशक्त भारत- समृद्ध भारत (भारत की सांस्कृतिक एवं लोक कलाओं तथा रचनात्मक गतिविधियों जैसे लोक नृत्य, भजन, साहित्यिक गतिविधियाँ एवं शैक्षिक गतिविधियाँ, गायन, नृत्य, प्रश्नोत्तरी, वाद-विवाद आदि प्रतियोगिताएँ विभिन्न विषयों पर आयोजित की गईं जैसे मेरा युवा भारत, वोकल फॉर लोकल, स्वच्छ भारत अभियान, महिला सशक्तिकरण और विकसित भारत 2047)। उक्त शिविर के प्रबंधक डॉ. गौरव सनोत्रा, सहायक प्राध्यापक थे।

lii. 25.12.2024 से 27.12.2024 तक पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न पंडित अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के उपलक्ष्य में स्थानीय जिला प्रशासन द्वारा संस्थान परिसर में 03 दिवसीय स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया।

3. राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय, मणिपुर :

राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय (एन.एस.यू.) की स्थापना वर्ष 2017 में मणिपुर सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1989 के अंतर्गत की गई थी। वर्ष 2018 में इसकी शैक्षणिक गतिविधियाँ इम्फाल स्थित खुमान लम्पक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के अस्थायी परिसर से प्रारंभ हुई, जहाँ दो स्नातक कार्यक्रम — बैचलर ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स तथा बैचलर ऑफ साइंस इन स्पोर्ट्स कोचिंग संचालित किए जाते थे। दिनांक 17 अगस्त 2018 को एन.एस.यू. को संसद के अधिनियम द्वारा विधिक रूप प्रदान किया गया, जिससे यह भारत का इस प्रकार का प्रथम विश्वविद्यालय बना है। अपनी सात वर्षीय यात्रा के दौरान इस विश्वविद्यालय में चार स्नातकोत्तर एवं दो स्नातक कार्यक्रम पढ़ाए जाने लगे हैं।

इस विश्वविद्यालय के प्रमुख उद्देश्यों में खेल विज्ञान, खेल चिकित्सा, खेल प्रौद्योगिकी, खेल प्रबंधन एवं खेल प्रशिक्षण जैसे विविध क्षेत्रों में खेल शिक्षा को प्रोत्साहित करना सम्मिलित है। साथ ही, यह चयनित खेल विधाओं हेतु राष्ट्रीय प्रशिक्षण केंद्र के रूप में कार्य करता है तथा अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम कार्यपद्धतियों का अनुपालन करता है। शैक्षणिक, अनुसंधान, खेल प्रदर्शन एवं विस्तार सेवाओं के क्षेत्र में इसकी विशिष्ट कार्यप्रणाली इसे अन्य विश्वविद्यालयों एवं उच्च शिक्षण संस्थानों से अलग करती है।

❖ अकादमी

खेल मनोविज्ञान, एक्सरसाइज फिजियोलॉजी, खेल पोषण, जैव-यांत्रिकी, शारीरिक शिक्षा एवं विभिन्न खेल विधाओं में खेल प्रशिक्षण आदि विषयों में स्नातक, स्नातकोत्तर एवं डॉक्टोरल कार्यक्रम संचालित करना।

भविष्य में खेल शिक्षा एवं प्रशिक्षण की विभिन्न विशिष्ट विधाओं में विशेषीकृत डिग्री कार्यक्रम प्रारंभ किए जाने का भी प्रावधान है।

❖ अनुसंधान

देश एवं विदेश के अग्रणी शोधकर्ताओं के साथ सहयोग स्थापित कर विशेष रूप से खेल प्रशिक्षण एवं खिलाड़ियों के प्रदर्शन संवर्धन सहित विविध अनुसंधान क्षेत्रों में नवोन्मेषी शोध कार्यक्रम संचालित करना तथा जानकारी का आदान-प्रदान करना।

❖ प्रदर्शन

खेल प्रशिक्षण कार्यक्रमों का संचालन इस विश्वविद्यालय के प्रमुख कार्यों में से एक है, जिसके माध्यम से खिलाड़ियों को उनके प्रदर्शन में सुधार एवं खेलों में उत्कृष्टता प्राप्त करने हेतु सक्षम बनाया जाता है।

❖ सामुदायिक सेवा

इस विश्वविद्यालय का एक प्रमुख दायित्व स्थानीय समुदाय को स्वास्थ्य एवं जीवनशैली में सुधार हेतु विस्तार सेवाएँ प्रदान करना है तथा सगोल कांगजई (पोलो), थांग-टा (मणिपुरी मार्शल आर्ट), यूबी लाक्पी (रग्बी), मुकना, कांग आदि स्थानीय खेलों के संवर्धन को प्रोत्साहन देना है।

विश्वविद्यालय के प्राधिकृत निकाय इस प्रकार हैं :-

i. न्यायालय
ii. कार्यकारी परिषद
iii. शैक्षणिक एवं गतिविधि परिषद
iv. खेल अध्ययन बोर्ड
v. वित्त समिति

कार्यकारी परिषद, शैक्षणिक एवं गतिविधि परिषद, वित्त समिति तथा अध्ययन बोर्ड का विधिवत गठन किया जा चुका है।

3.1 शैक्षणिक गतिविधियाँ :

वर्तमान में विश्वविद्यालय में निम्नलिखित चार शैक्षणिक विभाग संचालित हैं -

i. खेल प्रशिक्षण विभाग
ii. शारीरिक शिक्षा विभाग
iii. खेल मनोविज्ञान विभाग
iv. स्पोर्ट्स फिजियोलॉजी एवं पोषण विभाग

3.2. उपलब्ध कार्यक्रम:

विश्वविद्यालय में अभी निम्नलिखित कार्यक्रम उपलब्ध हैं :

कार्यक्रम का नाम	डिग्री	अवधि	
		वर्ष	सेमेस्टर
खेल कोचिंग में विज्ञान स्नातकोत्तर	एम.एससी. (खेल कोचिंग)	2	4
खेल मनोविज्ञान में कला स्नातकोत्तर	एम.ए. (खेल मनोविज्ञान)	2	4
शारीरिक शिक्षा और खेल स्नातकोत्तर	एम.पी.ई.एस.	2	4
एप्लाइड स्पोर्ट्स न्यूट्रिशन में विज्ञान स्नातकोत्तर	एम.एससी. (एएसएन)	2	4
खेल कोचिंग में विज्ञान स्नातक	बी.एससी. (खेल कोचिंग)	4	8
शारीरिक शिक्षा और खेल में स्नातक	बी.पी.ई.एस.	3	6

अकादमिक सत्र 2023-24 में शुरू किए गए नए अकादमिक कार्यक्रम:

डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी (पीएचडी) की डिग्री	
शारीरिक शिक्षा और खेल विभाग	शारीरिक शिक्षा
खेल प्रशिक्षण विभाग	खेल प्रशिक्षण
खेल मनोविज्ञान विभाग	खेल मनोविज्ञान
स्पोर्ट्स फिजियोलॉजी और पोषण विभाग	स्पोर्ट्स एवं एक्सरसाइज फिजियोलॉजी
	खेल पोषण

3.3. दाखिला :

राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय द्वारा भारत में सात साई केंद्रों पर शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 के लिए अखिल भारतीय सामान्य प्रवेश लिखित परीक्षा, शारीरिक फिटनेस, खेल दक्षता परीक्षा, चिकित्सा परीक्षण और मौखिक परीक्षा 09/07/2024 से 12/07/2024 तक वास्तविक मोड में आयोजित की गई थी।

3.4. छात्र नामांकन:

15/01/2025 की स्थिति के अनुसार विश्वविद्यालय में दाखिल छात्रों की संख्या 333 है। इनका विवरण नीचे दिया गया है:

सेमेस्टर	पाठ्यक्रम का नाम	बैच	पुरुष	महिला	कुल	कुल योग
सेमेस्टर -VII	बी.एससी. (खेल कोचिंग)	2021-25	15	6	21	21
सेमेस्टर - V	बी.एससी. (खेल कोचिंग)	2022-26	8	6	14	58
	बीपीईएस	2022-25	39	5	44	
सेमेस्टर - III	बी.एससी. (खेल कोचिंग)	2023-27	11	5	16	123

	बीपीईएस	2023-26	43	6	49	
	एमए खेल मनोविज्ञान	2023-25	3	7	10	
	एमपीईएस	2023-25	23	11	34	
	एम.एससी. (खेल कोचिंग)	2023-25	8	0	08	
	एम.एससी. (एएसएन)	2023-25	2	4	06	
सेमेस्टर - I	बी.एससी. (खेल कोचिंग)	2024-28	26	4	30	131
	बीपीईएस	2024-27	40	12	52	
	एमए खेल मनोविज्ञान	2024-26	9	2	11	
	एमपीईएस	2024-26	18	5	23	
	एम.एससी. (खेल कोचिंग)	2024-26	7	3	10	
	एम.एससी. (एएसएन)	2024-26	3	2	5	
कुल			**255**	**78**	**333**	**333**

सभी नामांकित छात्र देश के 27 राज्यों से हैं।

3.5. छात्रवृत्ति:

विश्वविद्यालय ने 16 जनवरी, 2024 को अपने 6ठे स्थापना दिवस समारोह के दौरान योग्य छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की।

1. विश्वविद्यालय मेधा छात्रवृत्ति – 8 छात्रों को दी गई।
2. विश्वविद्यालय मेधा -कम-मीन्स छात्रवृत्ति – 3 छात्रों को दी गई।
3. विश्वविद्यालय खेल मेधा छात्रवृत्ति – 6 छात्रों को दी गई

3.6 अनुदान सहायता:

विश्वविद्यालय को भारत सरकार के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा पूर्णतः अनुदान सहायता प्रदान की जाती है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में बजट अनुमान (बीई) चरण में राजस्व शीर्ष के अंतर्गत ₹10.40 करोड़ तथा पूंजीगत शीर्ष के अंतर्गत ₹81.50 करोड़ का प्रावधान किया गया और संशोधित अनुमान (आरई) चरण में राजस्व शीर्ष हेतु ₹10.23 करोड़ तथा पूंजीगत शीर्ष हेतु ₹178.86 करोड़ का प्रावधान किया गया।

3.7 खेल विज्ञान उपकरण एवं प्रयोगशालाएँ :

विश्वविद्यालय द्वारा निम्नलिखित खेल विज्ञान प्रयोगशालाओं की स्थापना की गई है—
i) स्पोर्ट्स एवं एक्सरसाइज फिजियोलॉजी प्रयोगशाला
ii) खेल मनोविज्ञान प्रयोगशाला

iii) एक्सरसाइज फिजियोलॉजी एवं खेल पोषण प्रयोगशाला
iv) एंथ्रोपोमेट्री प्रयोगशाला

उक्त प्रयोगशालाएँ परिष्कृत उपकरणों से सुसज्जित हैं, जिनमें ई.सी.जी. मशीन (बायोनेट मॉडल–कार्डियो टच 3000), रेस्टिंग मेटाबॉलिक मॉनिटर आरएमआर (कॉसमेड एसआर1 मॉडल–क्यू एनआरजी मैक्स), बॉडी प्लेथिस्मोग्राफी क्यू बॉक्स (कॉसमेड एसआर1 मॉडल–क्यू बॉक्स विथ क्वार्क पीएफटी), अपर बॉडी एर्गोमीटर (मोनार्क मॉडल–891ई), सॉफ्टवेयर सहित पोर्टेबल लैक्टेट मीटर (ई.के.एफ. डायग्नोस्टिक मॉडल–लैक्टेट स्काउट 4), कुबिओस हार्ट रेट वेरिएबिलिटी एचआरवी सॉफ्टवेयर रीन्यूअल प्रीमियम, (कुबिओस हार्ट रेट वेरिएबिलिटी एचआरवी साइंटिफिक सॉफ्टवेयर), कंपाउंड माइक्रोस्कोप (ईएसएडब्ल्यू मॉडल–बीएम-01), वाश बॉटल 500 मी.ली. पॉलीटैब, साहिल्स हीमोग्लोबिनोमीटर (हाईमोमीटर), कवर ग्लास 22X22मी.मी. ब्लयू स्टार, S018-250एमएल, लीशमैन स्टेन (ट्विन पैक), हाइमीडिया रेस्टीफाइड स्पिरिट (आर), प्रीक्किंग नीडल (ब्लड लैंसेट) 200/ पीके, पी-माइक्रोस्लाइड 75X26एमएम पीआईसी-1 1.35 एमएम, डायनाविजन डायनाविजन बेसिक स्टैंड (भाग सं. डी26017) आदि प्रमुख उपकरण सम्मिलित हैं।

3.8 प्रकाशन:

- विश्वविद्यालय का संकाय अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं तथा संगोष्ठियों की कार्यवाहियों में सक्रिय रूप से शोध-पत्र प्रकाशित कर रहा है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान प्रकाशन— शोध पत्रिका : 14

3.9 सम्मेलन / सेमिनार / कार्यशाला :

- सम्मेलन : 02
- रिफ्रेशर : 01
- सेमिनार : 01
- कार्यशाला : 04

3.10 छात्र गतिविधियाँ :

छात्रों द्वारा विभिन्न खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता की गई।

<u>खेल :</u>

अंतर्राष्ट्रीय :

1. श्री सारुंगबम अथौबा मेइती, जो बी.पी.ई.एस. छात्र हैं, ने जुबैल, सऊदी अरब में आयोजित एशियन ट्रायथलॉन जूनियर अंडर-23 एवं मिक्स्ड रिले चैम्पियनशिप-2024 में चतुर्थ स्थान प्राप्त किया।

राष्ट्रीय :

1. सुश्री युमलेम्बम एचांतोंबी देवी (बी.पी.ई.एस. छात्रा) ने उत्तराखंड में आयोजित 33वीं सीनियर राष्ट्रीय वुशु चैम्पियनशिप-2024 में कांस्य पदक प्राप्त किया।
2. श्री इलियट लैमैपोकपम (बी.पी.ई.एस. छात्र) ने , बेंगलुरु में आयोजित अंडर-18 बालक वर्ग एफ.एम.एम.ए.आई. मिक्स्ड मार्शल आर्ट्स (एम.एम.ए.) राष्ट्रीय चैम्पियनशिप-2024 में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।
3. सुश्री सेराम चिंगखेंगानबी (पीएच.डी. शोधार्थी) ने केरल में आयोजित 35वीं सीनियर राष्ट्रीय फेंसिंग चैम्पियनशिप-2024 में रजत पदक अर्जित किया।

4. सुश्री निधि (एम.ए. खेल मनोविज्ञान छात्रा) ने 9वीं राष्ट्रीय कैनो पोलो चैम्पियनशिप-2024, मेथा तालाब (मध्य प्रदेश) में रजत पदक प्राप्त किया।

अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, अखिल भारतीय, उत्तर-पूर्वी ज़ोन, उत्तर-पूर्वी खेल और राज्य-स्तरीय प्रतियोगिताओं एवं चैंपियनशिप की सूची

प्रतियोगिता का स्तर	**प्रतिभागियों की संख्या**
अंतरराष्ट्रीय	1 (चौथा स्थान)
सीनियर/राष्ट्रीय खेल	4 (1 – स्वर्ण, 2 – रजत, और 1 – कांस्य)
खेलो इंडिया महिला वुशु लीग (उत्तरी ज़ोन)	3 (2 – स्वर्ण और 1 – कांस्य)
उत्तर-पूर्वी ज़ोन अंतर विश्वविद्यालय	2 (1 – स्वर्ण, 1 – रजत, और 4 – कांस्य)
उत्तर-पूर्वी ज़ोन अंतर विश्वविद्यालय	22 (1 – स्वर्ण)
उत्तर-पूर्वी ज़ोन गेम्स	6 (6 – स्वर्ण, 2 – रजत, और 4 – कांस्य)
राज्य	6 (2 – स्वर्ण, 2 – रजत, और 2 – कांस्य)

अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, अखिल भारतीय, उत्तर-पूर्वी ज़ोन, उत्तर-पूर्वी खेल और राज्य-स्तरीय प्रतियोगिताओं एवं चैंपियनशिप की सूची

प्रतियोगिता का स्तर	प्रतिभागियों की संख्या
अंतरराष्ट्रीय	4 (1 पदक विजेता)
36 और 37 राष्ट्रीय गेम्स	8 (1 स्वर्ण पदक विजेता)
राष्ट्रीय चैंपियनशिप	11 (1 कांस्य पदक विजेता)
अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय	12 (3 रजत और 5 कांस्य पदक विजेता)
उत्तर-पूर्वी ज़ोन अंतर विश्वविद्यालय	20 (1 स्वर्ण पदक विजेता)
उत्तर-पूर्वी गेम्स	8 (6 स्वर्ण, 4 रजत और 2 कांस्य पदक विजेता)
राज्य	42 (2 स्वर्ण, 1 रजत और 3 कांस्य पदक विजेता)

सांस्कृतिक गतिविधियाँ :

1. राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय, मणिपुर की नौ सदस्यीय टीम ने दिनांक 06 से 10 फरवरी 2024 तक रॉयल ग्लोबल विश्वविद्यालय, गुवाहाटी, असम में आयोजित 37वें अंतर-विश्वविद्यालय उत्तर-पूर्वी क्षेत्र (एनईज़ेड) युवा महोत्सव 2023-24 में सहभागिता की।
2. श्री जिम्स राइखान (बी.पी.ई.एस., द्वितीय सेमेस्टर) ने मिमिक्री प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा ए.आई.यू. में उत्तर-पूर्वी क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने हेतु चयनित हुए।

3. टीम एन.एस.यू. ने सांस्कृतिक शोभायात्रा में तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया तथा ए.आई.यू. में उत्तर-पूर्वी क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने हेतु अर्हता प्राप्त की।
4. टीम एन.एस.यू. ने वेस्टर्न म्यूजिक समूह गीत प्रतियोगिता में चतुर्थ स्थान प्राप्त किया तथा उन्हें प्रशस्ति प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया।
5. समग्र नाट्य प्रतियोगिता में टीम एन.एस.यू. प्रथम उपविजेता रही।

3.11 अवसंरचनात्मक सुविधाएँ :

3.11.1 अस्थायी परिसर :

i. विश्वविद्यालय वर्तमान में इम्फाल स्थित खुमान लम्पक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के अस्थायी परिसर से संचालित हो रहा है। यह अपने स्थापना काल से ही सह-शिक्षात्मक एवं पूर्णतः आवासीय है। मणिपुर सरकार द्वारा खुमान लम्पक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, इम्फाल में स्थान उपलब्ध कराया गया था, जिसमें तीन छात्रावास भवन, दो बालक छात्रावास, प्रत्येक में 50 कक्ष तथा एक बालिका छात्रावास जिसमे 35 कक्ष हैं, शैक्षणिक भवन एवं प्रशासनिक भवन सम्मिलित हैं। इसके अतिरिक्त, खेल गतिविधियों एवं कक्षाओं के संचालन हेतु खेल परिसर की अन्य सुसज्जित सुविधाओं का भी उपयोग किया जाता है।

3.11.2 नवीन परिसर:

i. राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु भारत सरकार के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय तथा एन.बी.सी.सी. (इंडिया) लिमिटेड के मध्य दिनांक 25 सितम्बर 2019 को हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन के अंतर्गत एन.बी.सी.सी. (इंडिया) लिमिटेड को परियोजना प्रबंधन सलाहकार (पीएमसी) बनाया गया। एन.बी.सी.सी. (इंडिया) द्वारा खेल अवसंरचना परियोजनाओं के डिजाइन में अनुभवी वास्तुशिल्प फर्म मैसर्स आर्कोप एसोसिएट्स को विश्वविद्यालय के लेआउट प्लान की तैयारी हेतु नियोजित किया गया है।

ii. वित्त मंत्रालय द्वारा सार्वजनिक निवेश बोर्ड (पीआईबी) की संस्तुतियों को अनुमोदित करते हुए 3 वर्ष की अवधि में ₹906.47 करोड़ के कुल वित्तीय परिव्यय के साथ राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय की स्थापना को स्वीकृति प्रदान की गई, जिसे बाद में संशोधित कर ₹643.34 करोड़ किया गया, जिसमें ₹611.74 करोड़ का निर्माण मद शामिल था। एन.बी.सी.सी. द्वारा 16.06.2022 को निर्माण कार्य सौंपा गया था, जिसकी पूर्णता अवधि वास्तविक निर्माण प्रारंभ होने की तिथि से 30 माह निर्धारित की गई थी।

iii. विश्वविद्यालय का नवीन परिसर राज्य सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई 325.90 एकड़ भूमि पर, इम्फाल पश्चिम जिले के कौत्रुक-सेनजाम खुन्नौ ग्राम के निकट पर्वत तल पर विकसित किया जा रहा है, जो इम्फाल शहर से लगभग 20 कि.मी. की दूरी पर स्थित है।

iv. पूर्व-निवेश गतिविधियों के अंतर्गत स्थान विकास, रिटेनिंग वॉल, स्थान कार्यालय, मृदा परीक्षण आदि कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं। परियोजना प्रबंधन सलाहकार एन.बी.सी.सी. द्वारा संशोधित लेआउट को अंतिम रूप प्रदान किया जा चुका है। छात्रावास, प्रशासनिक भवन, शैक्षणिक भवन, संकाय आवास एवं बहुउद्देश्यीय खेल परिसर का निर्माण कार्य चल रहा है।

v. पैकेज-1: (छात्रावास, भोजनालय एवं छात्रावास क्षेत्र का बाह्य विकास) के निर्माण हेतु 09.01.2023 को ठेकेदार को अनुबंध स्वीकृति पत्र जारी किया गया। दिनांक 31.03.2025 तक उक्त कार्य का 88.50% कार्य पूर्ण हो चुका है।

vi. पैकेज-2: प्रशासनिक भवन, शैक्षणिक भवन, खेल परिसर, संकाय आवास एवं खेल मैदान सहित बाह्य विकास, के निर्माण हेतु 16.06.2022 को अनुबंध स्वीकृति पत्र जारी किया गया। दिनांक 31.03.2025 तक उक्त कार्य का 88.50% कार्य पूर्ण हो चुका है।

4. राष्ट्रीय डोप रोधी एजेंसी (नाडा):

राष्ट्रीय डोप रोधी एजेंसी (नाडा) देश के खिलाड़ियों के मध्य डोप-मुक्त संस्कृति को प्रोत्साहित करने हेतु नोडल संस्था के रूप में कार्य करती है। नाडा, विश्व डोप रोधी एजेंसी (वाडा) द्वारा निर्धारित मानकों एवं दिशा-निर्देशों का अनुपालन करती है तथा डोपिंग-निरोधक मामलों में सर्वोत्तम प्रथाओं को लागू करती है। वाडा के ढांचे के अनुरूप कार्य करते हुए नाडा देश में खेल जगत में निष्पक्ष और नैतिकता को बढ़ावा देते हुए खेलों में सत्यनिष्ठा बनाए रखना सुनिश्चित करने तथा सभी खिलाड़ियों के लिए समान अवसर उपलब्ध कराने हेतु प्रतिबद्ध है।

4.1 डोप परीक्षण :

नाडा द्वारा मुख्यतः प्रतियोगिताओं, चयन परीक्षणों, प्रशिक्षण शिविरों एवं खिलाड़ियों के निवास स्थानों पर उनके मूत्र एवं रक्त नमूने संकलित कर डोप परीक्षण किया जाता है। अप्रैल 2024 से फरवरी 2025 की अवधि के दौरान खेल चैंपियनशिप और प्रशिक्षण कैंपों के दौरान कुल 7,551 डोप नमूने संकलित किए गए, जिनमें 6,717 मूत्र नमूने एवं 834 रक्त नमूने सम्मिलित हैं।

4.2. डोप-रोधी नियमों का उल्लंघन

रिपोर्टिंग अवधि के दौरान, निम्नलिखित खेलों से संबंधित खिलाड़ियों द्वारा डोप-रोधी नियमों का उल्लंघन किए जाने की सूचना प्राप्त हुई है:

क्र.सं.	खेल विधा	रिपोर्ट किए गए एएएफ मामलों की कुल संख्या
1.	एक्वेटिक्स	3
2.	एथलेटिक्स	62
3.	बास्केटबॉल	4
4.	बॉडीबिल्डिंग	8
5.	मुक्केबाजी	9
6.	ब्रिज	2
7.	कैनोइंग	3
8.	सीआईएसएस कुश्ती	5
9.	साइक्लिंग	3
10.	हैंडबॉल	2
11.	आइस हॉकी	2
12.	जूडो	7
13.	कबड्डी	9
14.	मॉडर्न पेंटाथलॉन	1
15.	मोटरसाइकिल रेसिंग	1
16.	नेटबॉल	1
17.	पैरा-एथलेटिक्स	3

क्र.सं.	खेल विधा	रिपोर्ट किए गए एएएफ मामलों की कुल संख्या
18.	पैरा-पावरलिफ्टिंग	2
19.	पेनचाक सिलाट	1
20.	पावरलिफ्टिंग	21
21.	रोइंग	1
22.	रग्बी	1
23.	स्केटिंग	2
24.	स्क्वॉश	1
25.	भारोत्तोलन	28
26.	कुश्ती	26
27.	वुशु	8
		216

4.3. चिकित्सीय उपयोग हेतु छूट

एथलीटों को ऐसी बीमारियाँ या स्वास्थ्य समस्याएँ हो सकती हैं जिनके लिए उन्हें दवाएँ लेने या किसी चिकित्सीय प्रक्रिया से गुज़रने की ज़रूरत पड़ती है, ऐसे मामलों में, टीयूई (चिकित्सीय उपयोग हेतु छूट) उस एथलीट को प्रतियोगिता के दौरान किसी प्रतिबंधित पदार्थ या विधि का इस्तेमाल करने की अनुमति दे सकता है, ताकि उन पर 'डोप-रोधी नियम उल्लंघन' (एडीआरवी) या उससे जुड़ी कोई सज़ा लागू न हो। टीयूई के लिए आए आवेदनों की जाँच डॉक्टरों का एक पैनल करता है, जिसे 'टीयूई समिति' (टीयूईसी) कहा जाता है।

इस रिपोर्टिंग अवधि के दौरान, टीयूई समिति ने टीयूई के लिए आए 36 आवेदनों की जाँच की और नीचे दिए गए विवरणों के अनुसार उन पर निर्णय लिया:

क्र.सं.	खेल विधा	सं.	स्वीकार किया	स्वीकार नहीं किया
1	क्रिकेट	6	0	6
2	एथलेटिक्स	3	5	8
3	मुक्केबाजी	3	1	4
4	कुश्ती	2	1	3
5	मुक्केबाजी	0	1	1
6	फ़ुटबॉल	6	1	7
7	कबड्डी	1	1	2

8	पैरा एथलीट (शूटिंग, भाला फेंक)	1	2	3
9	पैरा-टी.टी.	2	0	2
10	शूटिंग	0	2	2
11	स्क्वॉश	0	1	1
12	भारोत्तोलन	1	3	4
13	ब्रिज	2	0	2
14	आइस स्केटिंग	4	0	4
15	पावरलिफ्टिंग	1	1	2
16	तैराकी	1	0	1
17	हॉकी	0	1	1
18	आइस हॉकी	3	0	3
19	बॉडीबिल्डिंग	0	1	1
20	जूडो	0	1	1
21	टेबल टेनिस	0	1	1
22	क्रिकेट	6	0	6
कुल		**42**	**23**	**65**

4.4. डोप रोधी पैनल

जिन एथलीटों को राष्ट्रीय डोप-रोधी नियमों (एनएडीआर) का उल्लंघन करने का दोषी पाया गया हो, उन्हें डोप-रोधी अनुशासनात्मक पैनल (एडीडीपी) के समक्ष उपस्थित होने और सुनवाई के लिए पैनल द्वारा निर्धारित तिथि और समय पर अपना पक्ष रखने का अवसर दिया गया। एनएडीआर 2021 के अनुसार, एडीडीपी के आदेश के विरुद्ध एथलीट और अन्य पक्षों द्वारा अपील दायर की जा सकती है।

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान, एडीडीपी/एडीएपी द्वारा निम्नलिखित विवरणों के अनुसार एडीआरवी मामलों/अपीलों की सुनवाई की गई है/उनका निपटान किया गया है:

क्र.सं.	**विवरण**	**आयोजित सुनवाईयों की संख्या**	**जारी किए गए आदेशों की संख्या**
1	डोप-रोधी अनुशासनात्मक पैनल	125	85
2	डोप-रोधी अपील पैनल	32	23

4.5 डोप-रोधी जागरूकता कार्यक्रम :

राष्ट्रीय डोप रोधी एजेंसी (नाडा) द्वारा खिलाड़ियों एवं सहयोगी कार्मिकों के लिए नियमित रूप से डोप-रोधी जागरूकता कार्यशालाएँ एवं संगोष्ठियाँ आयोजित की जाती हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान वर्ष 2024 में कुल 261 सत्र आयोजित किए गए जिसमें विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों में मूल्य-आधारित डोप-रोधी शिक्षा को समाविष्ट करने हेतु विविध पहलें की गई हैं। साथ ही, नाडा द्वारा विद्यालयों एवं खेल शिक्षण संस्थानों द्वारा अंगीकरण हेतु डोप-रोधी विषयों पर पाठ्यक्रम विकसित किया जा रहा है।

नाडा द्वारा निष्पक्ष खेल भावना एवं खेल में डोप-रोधी संस्कृति के संवर्धन हेतु नाडा द्वारा ऑडियो-विजुअल सामग्री, डोप-रोधी प्रश्नोत्तरी, खेल, सूचना कियोस्क तथा डिजिटल सूचना जैसी डोप-रोधी विषयों पर विभिन्न शैक्षिक उपकरण विकसित किए गए हैं।

खिलाड़ियों द्वारा प्रतिबंधित पदार्थों के अनजाने में उपयोग की रोकथाम एवं डोपिंग के दुष्परिणामों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से नाडा द्वारा खिलाड़ियों और खेल कर्मियों के लिए डोप-रोधी जागरूकता सत्र चलाए जाते हैं ताकि डोपिंग सामग्रियों के हानिकारक प्रभाव और उसके परिणाम के विषय में जागरूकता फैलाई जा सके। ऐसे जागरूकता सत्र नियमित रूप से खेल स्पर्धाओं/प्रशिक्षण कैंप के दौरान देश के विभिन्न स्थानों पर आयोजित किए जाते हैं।

इन सत्रों में सख्त दायित्व के सिद्धांत, आहार अनुपूरकों के उपयोग से जुड़े जोखिम, खेलों में नैतिक मूल्य, डोप नियंत्रण प्रक्रिया, डोपिंग के स्वास्थ्य संबंधी दुष्परिणाम, चिकित्सीय उपयोग छूट (टीयूई), प्रतिबंधित पदार्थों आदि प्रमुख विषयों को सम्मिलित किया जाता है। रिपोर्टिंग अवधि के दौरान नाडा द्वारा कुल 250 डोप-रोधी जागरूकता एवं शिक्षा सत्र/कार्यशालाएँ आयोजित की गईं।

4.6 एनएफएसयू गांधीनगर एवं नाइपर हैदराबाद में पोषण अनुपूरक परीक्षण सुविधाएँ :

वैश्विक आहार अनुपूरक उद्योग, विशेषकर खेल क्षेत्र में, तीव्र गति से विकसित हुआ है, परंतु इसका विनियमन सीमित रहा है। अध्ययनों से ज्ञात होता है कि 40% से 100% तक खिलाड़ी आहार अनुपूरकों का सेवन करते हैं, जिनमें विश्व डोप रोधी एजेंसी (वाडा) द्वारा प्रतिबंधित पदार्थों की संदूषण की आशंका बनी रहती है। अपर्याप्त विनिर्माण कार्य पद्धतियों अथवा जानबूझकर मिलावट के कारण कुछ अनुपूरकों में प्रतिबंधित पदार्थ पाए गए हैं, जिससे अनजाने में डोपिंग के उल्लंघन एवं गंभीर स्वास्थ्य जोखिम उत्पन्न होते हैं।

इस चुनौती को ध्यान में रखते हुए युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने अनुसंधान संस्थानों के सहयोग से एनएफएसयू गांधीनगर एवं नाइपर हैदराबाद में अत्याधुनिक पोषण अनुपूरक परीक्षण प्रयोगशालाओं की स्थापना की। इन प्रयोगशालाओं को खाद्य सुरक्षा एवं मानक एफएसएस अधिनियम, 2006 तथा एफएसएस (न्यूट्रा) विनियम, 2022, जिनके अंतर्गत खेल पोषण उत्पादों में वाडा द्वारा प्रतिबंधित पदार्थों के उपयोग पर प्रतिबंध लगाया गया है, के अनुरूप परीक्षण सुविधाएँ विकसित करने का दायित्व प्रदान किया गया है।

इसके उपरांत, भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) द्वारा मार्च 2025 में देशव्यापी अनुपूरक निगरानी कार्यक्रम प्रारंभ किया गया, जिसके अंतर्गत 100 शहरों में नमूना परीक्षण कर अनुपालन सुनिश्चित किया जा रहा है।

एनएफएसयू गांधीनगर एवं नाइपर हैदराबाद में मान्यता प्राप्त पोषण अनुपूरक परीक्षण प्रयोगशालाओं की स्थापना, भारत में खेल अनुपूरक उद्योग के विनियमन की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। ये प्रयोगशालाएँ उत्पाद सुरक्षा सुनिश्चित करने, अनजाने में डोपिंग उल्लंघनों की रोकथाम तथा खिलाड़ियों के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। सुदृढ़ सरकारी समर्थन एवं विनियामक प्रवर्तन के माध्यम से भारत स्वच्छ निष्पक्ष वं खिलाड़ी संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है।

5. राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल) :

- भारत सरकार के अधीन एक स्वायत्त निकाय के रूप में राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला की स्थापना अक्टूबर 2008 में की गई थी। यह खेलों में डोप-रोधी उपायों हेतु एक विशिष्ट प्रयोगशाला है। एनडीटीएल राष्ट्रीय परीक्षण एवं अंशांकन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड (एनएबीएल) से आईएसओ/आईईसी 17025 मानकों के अनुरूप प्रत्यायित है। साथ ही, यह विश्व

डोप रोधी एजेंसी (वाडा) द्वारा मानव खिलाड़ियों के मूत्र एवं रक्त नमूनों के परीक्षण हेतु मान्यता प्राप्त है और खेलों में अंतरराष्ट्रीय डोप-रोधी विनियमन का अनुपालन सुनिश्चित करता है।

- एनडीटीएल एक प्रमुख वैज्ञानिक संस्थान के रूप में उभरकर सामने आया है और यह विश्व डोप-रोधी एजेंसी (वाडा) द्वारा मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं में से एक है, जो मानव खेलों और संबद्ध अनुसंधान के लिए डोप परीक्षण करने के लिए समर्पित है। यह देश में अपनी तरह की एकमात्र प्रयोगशाला है, जिसमें अत्याधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध हैं। एनडीटीएल नवीनतम और अत्यधिक परिष्कृत विश्लेषणात्मक उपकरणों से सुसज्जित है, जिनमें एलसी-ऑर्बिट्रैप-एचआरएमएस, एलसी-एमएस/एमएस, जीसी-एमएस/एमएस, जीसी/सी/आईआरएमएस आदि शामिल हैं। प्रयोगशाला एंटी-डोपिंग विज्ञान के उन्नत क्षेत्रों में सक्रिय रूप से अनुसंधान करती है और राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्थानों के साथ सहयोग को बढ़ावा देती है। अपने अनुसंधान कार्यों को और सशक्त बनाने के लिए, एनडीटीएल अनुसंधान सहयोगियों को संलग्न करता है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि संस्थान नवाचार और अत्याधुनिक अनुसंधान प्रयासों के माध्यम से एंटी-डोपिंग उपायों के क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। विश्व में कुल 30 वाडा-मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाएँ हैं, जिनमें से 6 एशिया में स्थित हैं। एनडीटीएल एशिया में वाडा से प्रत्यायित इन 6 प्रयोगशालाओं में से एक है। एशिया की अन्य प्रयोगशालाएँ चीन, जापान, कोरिया, कतर एवं थाईलैंड में स्थित हैं।
- वाडा का प्रत्यायन वार्षिक आधार पर उस वर्ष के लिए दक्षता परीक्षण परिणामों के मूल्यांकन के उपरांत प्रदान की जाती है।
- लगातार बेहतरीन काम करने की कोशिश में, एनडीटीएल नियमित रूप से अपने उपरकणों को अद्यतित करता है और अपने एनालिटिकल स्टाफ के कौशल को बढ़ाता है। प्रयोगशाला में लिक्विड क्रोमैटोग्राफी-मास स्पेक्ट्रोमेट्री (एलसी-एमएस/एमएस), गैस क्रोमैटोग्राफी-मास स्पेक्ट्रोमेट्री (जीसी-एमएस/एमएस), और आइसोटोप रेशियो मास स्पेक्ट्रोमेट्री (आईआरएमएस) जैसे बहुत उन्नत उपकरण लगे हैं, जो लोगों के मूत्र और रक्त नमूनों की जांच के लिए ज़िम्मेदार हैं। एनडीटीएल विश्व डोप-रोधी एजेंसी (वाड़ा), वर्ल्ड एसोसिएशन ऑफ़ एंटी-डोपिंग साइंटिस्ट्स (वाड्स) और स्विस सेंटर फॉर क्वालिटी कंट्रोल (सीएससीक्यू) जैसी कई बाह्य क्वालिटी एश्योरेंस स्कीम (ईक्यूएएस) में हिस्सा ले रहा है। इस बीच, एनडीटीएल कई देशों के साथ अपनी विशेषज्ञता साझा करता है और एशिया और इनके अतिरिक्त एक दर्जन से ज़्यादा देशों में डोप परीक्षण सेवाएं देता है।

प्रयोगशाला की प्रमुख उपलब्धियाँ इस प्रकार हैं :

5.1 एथलीट पासपोर्ट प्रबंधन इकाई (एपीएमयू)

विश्व डोप रोधी एजेंसी (वाडा) द्वारा राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला, नई दिल्ली को एथलीट बायोलॉजिकल पासपोर्ट (एबीपी) के प्रबंधन हेतु एथलीट पासपोर्ट प्रबंधन इकाई (एपीएमयू) के रूप में अनुमोदित किया गया है। इस मान्यता के साथ भारत, विश्व स्तर पर वाडा द्वारा स्वीकृत 17 एपीएमयू इकाइयों के समूह में सम्मिलित हो गया है। यह पहचान नया मार्ग प्रशस्त करेगी और डोपिंग के विरुद्ध लड़ने के लिए विश्व में एक प्रमुख खिलाड़ी के रूप में एनडीटीएल की विश्वसनीयता को सुदृढ़ करेगी।

5.2 एनडीटीएल में सम्मेलन कक्ष का उद्घाटन

50 व्यक्तियों की बैठक क्षमता वाले नवीन सम्मेलन कक्ष का उद्घाटन माननीय केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री द्वारा सचिव (खेल) तथा निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (प्रभारी), एनडीटीएल, नई दिल्ली की उपस्थिति में किया गया।

5.3 अनुसंधान गतिविधियाँ

डोप-रोधी विज्ञान में अनुसंधान और नवाचार:

डोप परीक्षण में विश्लेषण हेतु संदर्भ सामग्री (आरएम) / मानदंडों की उपलब्धता अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। प्रतिबंधित पदार्थों की संदर्भ सामग्री केवल चुनिंदा वैश्विक निर्माताओं के माध्यम से ही उपलब्ध होते हैं और व्यावसायिक रूप से आसानी से उपलब्ध नहीं होते, इनमें से कुछ तो विश्व स्तर पर भी उपलब्ध नहीं हैं। प्रतिबंधित पदार्थों की संदर्भ सामग्री का उपयोग मुख्यतः डोप परीक्षण के दौरान गुणवत्ता नियंत्रण

उद्देश्यों के लिए किया जाता है, और इस कारण उनकी उपलब्धता वैश्विक स्तर पर खेलों में डोप परीक्षण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बनी रहती है। चूँकि भारत में विभिन्न संदर्भ सामग्री का निर्माण नहीं हो रहा था, इसलिए एनडीटीएल अब तक इन दुर्लभ संदर्भ सामग्री को विश्व के अन्य देशों से आयात कर रहा था, जिससे डोपिंग विश्लेषण के लिए अत्यधिक लागत आती थी।

वर्तमान में, एनडीटीएल ने देश में पहली बार 20 (बीस) प्रतिबंधित पदार्थों की संदर्भ सामग्री का सफल संश्लेषण किया है।

(i) पी-हाइड्रॉक्सी-प्रेनिलएमीन
(ii) एथाइलमॉर्फीन
(iii) नॉरएथाइलमॉर्फीन
(iv) ऑक्टोपामीन सल्फेट
(v) कार्बोक्सी टोरेमिफीन
(vi) नॉरफेनेफ्रिन सल्फेट
(vii) एटिलेफ्रिन सल्फेट
(viii) ओ-डीफेनाइलोस्टारिन (मेटाबोलाइट ऑफ ओस्टारिन)
(ix) एमॉक्सिपीन सल्फेट
(x) वाईके-11 मेटाबोलाइट-1
(xi) वाईके-11 मेटाबोलाइट-2
(xii) मोलिडस्टैट एन-ग्लूकुरोनाइड बीएवाई1163348
(xiii) मेटान्डियेनोन-एलटीएम
(xiv) फेनोटेरोल सल्फेट-1
(xv) एन-एसिटाइल-एमिनोग्लूटेथिमाइड
(xvi) एटामिवान सल्फेट
(xvii) 17-कीटो प्रोस्टानोज़ोल
(xviii) 17α-हाइड्रॉक्सिमिथाइल-17β-मेथाइल-18-नॉर-2-ऑक्सा-5α-एन्ड्रोस्ट-13-एन-3-वन (एलटीएम) (OXM2)
(xix) 17β-हाइड्रॉक्सी-एन्ड्रोस्ट-1,4,6-ट्राइन-3-वन (एटीडी मेटाबोलाइट)
(xx) जीएचआरपी-1 (2-7)

राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल) ने डोप विश्लेषण में सतत एवं उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) के माध्यम से **'आत्मनिर्भर भारत'** के निर्धारित उद्देश्य की पूर्ति की है। इन संदर्भ सामग्री को पहले ही एनडीटीएल सभी विश्व डोप-रोधी एजेंसी (वाडा) मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं को वितरित किया जा चुका है। इससे न केवल डोपिंग की समस्या के विरुद्ध संघर्ष सुदृढ़ हुआ है, अपितु विश्व के संपूर्ण खेल समुदाय में विश्वास, एकता एवं समन्वय की भावना को भी स्थापित किया है।

यह नवाचार वैश्विक स्तर तक पहुँचा है। **"वसुधैव कुटुम्बकम्"** की भावना के साथ दस संदर्भ सामग्रियों को सभी 30 वाडा-मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं के साथ साझा किया गया है। इससे अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों को प्रोत्साहन मिलेगा, वैज्ञानिक प्रतिभाओं का सृजन होगा तथा इस प्रकार डोप परीक्षण प्रयोगशालाओं में लाभप्रद रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे, जिससे समग्र आर्थिक विकास को बल मिलेगा।

5.4 डोप परीक्षण क्षमता में वृद्धि एवं डोप-रोधी विज्ञान हेतु प्रतिभा निर्माण

एनडीटीएल ने प्रति वर्ष 4000 से 7000 डोप नियंत्रण नमूनों का विश्लेषण करने की क्षमता विकसित की है, जिसके लिए आवश्यक अधोसंरचना लागू की गई है। निरंतर उत्कृष्टता की ओर प्रयासरत रहते हुए, एनडीटीएल नियमित रूप से अपने उपकरणों को अद्यतन करता है और अपने विश्लेषणात्मक कर्मियों के कौशल को बढ़ाता है। प्रयोगशाला मानव खेलों से मूत्र एवं रक्त नमूनों की जाँच हेतु अत्यधिक परिष्कृत उपकरणों से सुसज्जित है। इसी क्रम में एनडीटीएल स्नातकोत्तर विद्यार्थियों को प्रति शैक्षणिक वर्ष दो बार 6 माह की अवधि का इंटर्नशिप प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रदान करता है। साथ ही एनडीटीएल प्रयोगशाला अन्य प्रमुख संस्थानों के भ्रमण की अनुमति देती है ताकि एंटी-डोपिंग विज्ञान के प्रति जागरूकता और प्रतिभा का विकास किया जा सके।

5.5 महत्वपूर्ण बैठकें

- **वाडा प्रयोगशाला निदेशक बैठक एवं वाडा वार्षिक संगोष्ठी:**
- राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला के निदेशक ने 10-11 मार्च 2024 को लॉज़ेन, स्विट्ज़रलैंड में आयोजित वाडा प्रयोगशाला निदेशक बैठक तथा 12-13 मार्च 2024 को आयोजित वाडा वार्षिक संगोष्ठी में सहभागिता की।
- **डब्ल्यूएडीएस क्यूए प्रबंधक बैठक 2024:**
- 8वीं डब्ल्यूएडीएस क्यूए प्रबंधक बैठक 22-23 अक्टूबर 2024 को ड्रेसडेन, जर्मनी में आयोजित हुई। इस बैठक में श्री अवनीश कुमार उपाध्याय, वैज्ञानिक 'सी' एनडीटीएल तथा डॉ. आनंदराजन टी., वैज्ञानिक 'बी' एवं गुणवत्ता प्रबंधक, एनडीटीएल ने सहभागिता की।
- **राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला की बैठकें:**
  - एनडीटीएल की 19वीं एवं 20वीं शासी निकाय बैठकें दिनांक 22.02.2024 एवं 14.11.2024 को आयोजित हुईं।
  - वैज्ञानिक सलाहकार बोर्ड (एसएबी) की 7वीं, 8वीं एवं 9वीं बैठकें क्रमशः 24.04.2024, 24.07.2024 एवं 14.10.2024 को आयोजित हुईं।
  - वित्त समिति की 16वीं बैठक 20.06.2024 को आयोजित हुई।
  - आचार समिति की बैठकें 15.05.2024 एवं 21.05.2024 को आयोजित हुईं।

- **अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन "फार्मा अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने के लिए उद्योग-अकादमिक सहयोग में तालमेल" में निदेशक द्वारा भाग लिया गया:** इस सम्मेलन को एनडीटीएल निदेशक प्रो. (डॉ.) पुरन लाल साहू, निदेशक एवं सीईओ, राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला, नई दिल्ली द्वारा 28 मार्च 2024 को संबोधित किया गया।

5.6. बाह्य एवं आंतरिक प्रशिक्षण

- डोप परीक्षण पर 8 अप्रैल से 15 अप्रैल 2024 तक जेपी अस्पताल, नोएडा के डॉराजेश प्रसाद गुप्ता ., कंसल्टेंट, ऑर्थोपेडिक्स और खेल चिकित्सा को प्रशिक्षण दिया गया।
- डोप परीक्षण पर 22 अप्रैल से 23 अप्रैल 2024 तक आर्म्ड फोर्सेस मेडिकल कॉलेज, पुणे के एमडी खेल चिकित्सा के दो जूनियर रेज़िडेंट्स को प्रशिक्षण दिया गया।
- 22.05.2024 को वाडा द्वारा टीडी2024ईपीओ पर वेबिनार आयोजित किया गया, एनडीटीएल के गुणवत्ता और जैविक अनुभाग के स्टाफ ने ऑनलाइन हिस्सा लिया।
- 01.05.2024 को एलसी-एचआरएमएस प्रशिक्षण एनडीटीएल एलसी-एमएस/एमएस स्टाफ सदस्यों को थर्मो के इंजीनियर श्री रमिज़ आज़ाद द्वारा दिया गया।
- आईएएस अधिकारी प्रशिक्षु श्री अक्षय पिल्लै, आईएएस (ओडिशा:2022), श्री कार्तिकेय जायसवाल, आईएएस (मध्य प्रदेश:2022), सुश्री प्रतिभा दहिया, आईएएस (गुजरात:2022) 2022 बैच के, जिन्हें सहायक सचिव प्रोग्राम के अंतर्गत खेल विभाग में सहायक सचिव के रूप में पदस्थ किया गया था, ने 22 मई 2024 को एनडीटीएल का दौरा किया।
- बाह्य दौरा और प्रशिक्षण: प्रो. (डॉ.) पीटर वैन ईनो, निदेशक, डोको लैब, यूनिवर्सिटी ऑफ़ गेंट, बेल्जियम
- 26.06.2024 को सायं 05.20 से 06.40 तक वाडा द्वारा मापन अनिश्चितता (टीएनएमयू) पर तकनीकी नोट हेतु वेबिनार आयोजित किया गया, एनडीटीएल के सभी कर्मचारियों ने ऑनलाइन भाग लिया, प्रशिक्षक वाडा के लैबोरेटरी एक्सपर्ट एडवाइजरी ग्रुप सदस्य डॉ. कैरिडो ब्रूनो थे।

- 02 जुलाई 2024 को नाडा, जेएलएन स्टेडियम में डॉ. अशोक कुमार मौर्य, वैज्ञानिक-सी, एनडीटीएल द्वारा डोप नियंत्रण अधिकारी/रक्त एकत्रण अधिकारी को डोप नियंत्रण नमूनों (मानव मूत्र और रक्त नमूने) में देखी गई विसंगतियों/अनियमितताओं पर प्रशिक्षण दिया गया। इसमें 17 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- 27 अगस्त 2024 को नाडा, जेएलएन स्टेडियम में डोप नियंत्रण अधिकारी / रक्त एकत्रण अधिकारी को डोप नियंत्रण नमूनों (मानव मूत्र और रक्त नमूने) में देखी गई विसंगतियों/अनियमितताओं पर प्रशिक्षण दिया गया। इसमें 37 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- 25 सितंबर 2024 को डॉ. राजीव बहल, सचिव, स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग (डीएचआर) और महानिदेशक, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) तथा प्रो. वाई. के. गुप्ता, अध्यक्ष एम्स, जम्मू एवं पूर्व प्रमुख, फार्माकोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली, आईसीएमआर टीम सदस्यों सहित, डॉ. शोभित जैन, संयुक्त सचिव, श्री अनंत कुमार, निदेशक, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय की उपस्थिति में राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल) का दौरा किया। टीम ने वरिष्ठ वैज्ञानिक स्टाफ से बातचीत की और एनडीटीएल में अनुसंधान गतिविधियों को और सुदृढ़ करने पर बल दिया। उनके दौरे के दौरान प्रयोगशाला भ्रमण भी किया गया।
- 24 सितंबर 2024 को नाडा के डीसीओ/बीसीओ को एनडीटीएल, जेएलएन स्टेडियम में वाडा दिशानिर्देशों के अनुसार डोप नियंत्रण नमूनों में देखी गई विसंगतियों/अनियमितताओं पर प्रशिक्षण दिया गया। इसमें कुल 24 प्रतिभागी थे।
- 29 नवंबर 2024 को जापान के लैब डायरेक्टर डॉ. मसातो ओकानो द्वारा एपीएमयू पर वर्चुअल मोड से एनडीटीएल सम्मेलन हॉल में प्रशिक्षण दिया गया। सभी स्टाफ सदस्य एपीएमयू प्रयोगशाला और एनडीटीएल में नई एपीएमयू प्रयोगशाला स्थापित करने के बारे में ज्ञान प्राप्त करने हेतु संवाद में शामिल हुए।
- 10 दिसंबर 2024 को एनडीटीएल सम्मेलन हॉल में नाडा के डीसीओ/बीसीओ को वाडा दिशानिर्देशों के अनुसार डोप नियंत्रण नमूनों (मानव मूत्र और रक्त नमूने) में देखी गई विसंगतियों/अनियमितताओं पर पर प्रशिक्षण दिया गया। इससे कुल 13 प्रतिभागियों को लाभ हुआ।
- **2024- कोलोन कार्यशाला में भागीदारी:**

निदेशक, एनडीटीएल और दो वैज्ञानिक 'बी' ने 25-29 फरवरी 2024 को 42वीं मैनफ्रेड डोनिके कार्यशाला, कोलोन कार्यशाला ऑन डोप एनालिसिस, 2024 में जर्मनी में भाग लिया। निम्नलिखित पाँच पोस्टर प्रस्तुत किए गए:

(i) मानव प्लाज़्मा में पोमालिडोमाइड के एनैन्टियोमेरिक पृथक्करण हेतु एक सत्यापित काइरल क्रोमैटोग्राफी विधि
(ii) ग्रोथ हार्मोन रिलीज़िंग पेप्टाइड मेटाबोलाइट: जीएचआरपी-1 का संश्लेषण और विशेषता निर्धारण
(iii) 17β-हाइड्रॉक्सी-एंड्रोस्ट-1,4,6-ट्राइन-3-वन: संश्लेषण और विशेषता निर्धारण
(iv) मोलिडस्टैट ग्लूकुरोनाइड का संश्लेषण और विशेषता निर्धारण
(v) वाईके-11 मेटाबोलाइट (एम1) का संश्लेषण और विशेषता निर्धारण

5.7. व्याख्यान

- 3-4 मई 2024 को ग्राफिक एरा यूनिवर्सिटी, देहरादून में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन "माइक्रोबियल इनोवेशन्स एंड चैलेंजेस इन रिसर्च: ऑपर्च्युनिटीज़ फॉर सस्टेनेबिलिटी 2024 (माइक्रोस 2024)" में मुख्य वक्ता के रूप में "एंटी-डोपिंग साइंस: भारत में बढ़ते अवसर" विषय पर व्याख्यान दिया।
- 28 मार्च 2024 को चौराज स्कूल ऑफ फार्मेसी, चौधरी चरण सिंह यूनिवर्सिटी, मेरठ, भारत द्वारा आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन "सिनर्ज़ाइजिंग इंडस्ट्री-एकेडेमिया कोलैबोरेशन टू प्रमोट फार्मा आर एंड डी" में सभा को संबोधित किया।
- 9 फरवरी 2024 को निर्मा यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद के फार्मेसी संस्थान द्वारा आयोजित "एनआईपिकॉन 2024" में "खेल और चिकित्सा में ईमानदारी सुनिश्चित करना: एंटी-डोपिंग साइंस और नेक्स्टजेन थेरेप्यूटिक्स का संगम" विषय पर व्याख्यान दिया।

- 9 फरवरी 2024 को नई दिल्ली में राष्ट्रीय डोप-रोधी एजेंसी (नाडा) द्वारा आयोजित सम्मेलन "रोड टू पेरिस 2024: चैंपियनिंग क्लीन स्पोर्ट एंड यूनाइटिंग फॉर एंटी-डोपिंग" में "एंटी-डोपिंग साइंस में प्रगति: परीक्षण प्रोटोकॉल में अंतर्दृष्टि" विषय पर व्याख्यान दिया।
- महाराणा प्रताप कॉलेज ऑफ फार्मेसी, कानपुर, भारत में 3-4 फरवरी 2024 को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के दौरान "इनोवेटिव फ्रंटियर्स: डायग्नोसिस और डायबिटीज मैनेजमेंट में इंसुलिन डिलीवरी को क्रांतिकारी बनाने वाले नए उपकरण" विषय पर सत्र का संचालन किया।

5.8. वाडा प्रत्यायन 2025 हेतु:

राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला के लिए वाडा प्रत्यायन 1 जनवरी 2025 से 31 दिसंबर 2025 तक की अवधि के लिए नवीनीकृत की गई।

5.9. वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान संगठन (एसआईआरओज़) की मान्यता का नवीनीकरण

विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग द्वारा राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला को एसआईआरओ के रूप में मान्यता को 01.04.2024 से 31.03.2027 तक नवीनीकृत किया गया।

5.10. खेलों में नैतिकता, मूल्यों और अखंडता के संदर्भ में पारंपरिक फार्माकोपिया पर यूनेस्को ग्लोबल टास्क फोर्स ऑफ एक्सपर्ट्स के लिए एनडीटीएल निदेशक का नामांकन

सचिव (खेल) ने डॉ. पी. एल. साहू, निदेशक एवं सीईओ (प्रभारी), एनडीटीएल को खेलों में नैतिकता, मूल्यों और अखंडता के संदर्भ में पारंपरिक फार्माकोपिया पर ग्लोबल टास्क फोर्स ऑफ एक्सपर्ट्स के लिए नामित किया।

अध्याय–18 : खेलों में उत्कृष्टता के संवर्धन हेतु स्कीमें

1. राष्ट्रीय खेल परिसंघों को सहायता स्कीम

i. भारत सरकार ने राष्ट्रीय खेल परिसंघों (एनएसएफ) को अपनी "एनएसएफ को सहायता स्कीम" के माध्यम से निरंतर वित्तीय सहयोग प्रदान किया है, जिसमें भारतीय खिलाड़ियों और टीमों के प्रशिक्षण तथा अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भागीदारी जैसी विभिन्न खेल गतिविधियाँ शामिल हैं। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय ने हाल ही में सहायता मानदंडों को अद्यतन किया है, जो 1 मार्च 2022 से प्रभावी हुए हैं और राष्ट्र के खेल क्षेत्र में प्रगति को तेज़ करने के उद्देश्य से गतिविधियों के प्रमुख पहलुओं को समग्र दृष्टिकोण से कवर करते हैं।

ii. संशोधित मानदंडों के तहत, राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के आयोजन के लिए सहायता राशि उच्च प्राथमिकता, प्राथमिकता और भारतीय पारंपरिक खेलों के साथ-साथ सामान्य श्रेणी के खेलों (जो पहले 'अन्य' कहलाते थे) के लिए बढ़ाकर क्रमशः 51 लाख रुपये और 30 लाख रुपये कर दी गई है। पहले राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के लिए सहायता राशि 22 लाख रुपये थी। दिव्यांग खिलाड़ियों से संबंधित एनएसएफ के लिए प्रत्येक विधा में सभी श्रेणियों हेतु राष्ट्रीय चैम्पियनशिप के आयोजन के लिए 15 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है।

iii. सीनियर, जूनियर और सब-जूनियर सभी श्रेणियों के खिलाड़ियों के लिए कोचिंग शिविरों/प्रतियोगिताओं में भाग लेने हेतु हवाई यात्रा की अनुमति दी गई है, बशर्ते यात्रा 500 किलोमीटर/10 घंटे से अधिक की हो।

iv. नेशनल कैम्पर्स के लिए सामान्य खेल प्रशिक्षण किट (जैसे ट्रैक सूट, टी-शर्ट, शॉर्ट्स, वार्म-अप जूते आदि) का भत्ता प्रति खिलाड़ी प्रति वर्ष 1000 रुपये से बढ़ाकर 20,000 रुपये कर दिया गया है।

v. देश में अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट आयोजित करने के लिए एनएसएफ को प्रोत्साहित करने हेतु, अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंटों के आयोजन के लिए सहायता राशि 30 लाख रुपये से बढ़ाकर 1.00 करोड़ रुपये कर दी गई है।

vi. अब प्रबंधकों को विदेशों में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धाओं के लिए भारतीय दलों का हिस्सा माना जाएगा। यह सुनिश्चित करने के लिए कि केवल वही व्यक्ति टीमों का प्रबंधन करने का अनुभव रखते हों, मंत्रालय ने प्रबंधकों के रूप में टीमों के साथ जाने के लिए आवश्यक और वांछनीय योग्यताओं को निर्धारित किया है।

vii. योग्य और उच्च गुणवत्ता वाले सहायक कर्मियों को आकर्षित करने के लिए पारिश्रमिक में उल्लेखनीय वृद्धि की गई है। खेल चिकित्सकों और चिकित्सकों का पारिश्रमिक पहले के 1 लाख रुपये प्रति माह से बढ़ाकर 2 लाख रुपये प्रति माह कर दिया गया है, जबकि प्रमुख फिजियोथेरेपिस्ट और फिजियोथेरेपिस्ट का पारिश्रमिक क्रमशः पहले के 80,000 रुपये प्रति माह से बढ़ाकर 2 लाख रुपये प्रति माह और 1.5 लाख रुपये प्रति माह कर दिया गया है।

viii. विदेशी कोचों और सहायक कर्मियों की नियुक्ति के लिए एनएसएफ को साई से परामर्श कर स्वयं नियुक्ति करने की अनुमति दी गई है। वार्षिक समीक्षा के माध्यम से प्रमुख उत्तरदायित्व क्षेत्रों (केआरए) की निगरानी की जाएगी और अनुबंध के विस्तार या बोनस प्रदान करने से संबंधित प्रमुख निर्णय समीक्षा पर आधारित होंगे। एनएसएफ यह सुनिश्चित करेंगे कि चयन समिति में एक साई द्वारा नामित सदस्य हो। विदेशी कोचों के लिए बजट एनएसएफ के कुल स्वीकृत बजट का 30% तक सीमित रहेगा।

ix. एनएसएफ को कहा गया है कि वे कोचिंग के क्षेत्र में "आत्मनिर्भरता" के सिद्धांत का पालन करने और भारत में उपलब्ध प्रतिभा को विश्व स्तर तक पहुँचाने के लिए प्रोत्साहित एवं प्रशिक्षित करें। एनएसएफ को यह सुनिश्चित करना होगा कि विदेशी कोच के प्रशिक्षण कार्यकाल के दौरान कम से कम 5 भारतीय कोच उसके साथ रहें ताकि भारतीय कोच भी प्रशिक्षित हों और विदेशी कोचों पर निर्भरता कम हो।

x. मुख्य कोच और अन्य कोचों का पारिश्रमिक क्रमशः 1.5 लाख रुपये और 75,000 रुपये प्रति माह से बढ़ाकर 3 लाख रुपये और 2 लाख रुपये प्रति माह कर दिया गया है। यदि कोई कोच पीएसयू, रेल या अन्य संगठनों (सार्वजनिक/निजी) में कार्यरत है और उसे राष्ट्रीय शिविर से जोड़ा जाता है, तो इसे राष्ट्रीय कर्तव्य माना जाएगा और परिवार में व्यवधान उत्पन्न होने के कारण प्रति माह 50,000 रुपये की राशि दी जाएगी, यद्यपि वेतन संरक्षित रहेगा।

xi. खेल उपकरणों की खरीद के लिए अब एनएसएफ को सामान्य वित्तीय नियमों (जीएफ़आर) के प्रावधानों का पालन करते हुए स्वयं खरीद करने की अनुमति दी गई है। पहले एनएसएफ को केवल 10 लाख रुपये तक के मूल्य के उपकरण स्वयं खरीदने की अनुमति थी और 10 लाख रुपये से अधिक मूल्य के उपकरणों की खरीद भारतीय खेल प्राधिकरण के माध्यम से की जाती थी।

xii. खेल प्रशासन के क्षेत्र में योग्य पेशेवरों को नियुक्त करने में सक्षम बनाने के लिए सहायता स्तर को एनएसएफ स्कीम के बजट का 2% से बढ़ाकर 3% कर दिया गया है।

xiii. 2024-25 के लिए एनएसएफ को सहायता स्कीम के अंतर्गत जारी धनराशि का विवरण नीचे दिया गया है:

स्कीम	2024-2025 (₹ करोड़ में)		
	बजट अनुमान (बीई)	संशोधित अनुमान (आरई)	व्यय
राष्ट्रीय खेल परिसंघों को सहायता	340.00	304.76	256.06

2. राष्ट्रीय खेल विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्र (एनसीएसएसआर)

2017 में प्रारंभ की गई राष्ट्रीय खेल विज्ञान और अनुसंधान केंद्र (एनसीएसएसआर) स्कीम का उद्देश्य उच्च स्तरीय अनुसंधान, शिक्षा और नवाचार को बढ़ावा देना है ताकि उत्कृष्ट खिलाड़ियों के प्रदर्शन को बेहतर बनाया जा सके। वित्तीय वर्ष 2025-26 तक कुल 260 करोड़ रुपये के बजट के साथ यह केंद्रीय क्षेत्र की स्कीम खेल विज्ञान, जिसमें खेल चिकित्सा भी शामिल है, को आगे बढ़ाने के लिए समर्पित है। अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए एनसीएसएसआर योजना निम्नलिखित संस्थागत तंत्रों की स्थापना और सहायता पर केंद्रित है:

- राष्ट्रीय खेल विज्ञान और अनुसंधान केंद्र (एनसीएसएसआर) को हब एंड स्पोक मॉडल के रूप में स्थापित किया जाना है। (₹123.70 करोड़)। एनसीएसएसआर केंद्र नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में स्थापित किया गया है।
- यह चयनित 6 विश्वविद्यालयों/संस्थानों में खेल विज्ञान विभागों और चयनित 5 संस्थानों/चिकित्सा महाविद्यालयों में खेल चिकित्सा विभागों को भी सहायता प्रदान करता है। (₹136.30 करोड़)

एनसीएसएसआर स्कीम एक व्यापक पारिस्थितिकी तंत्र बनाने का प्रयास करती है जो खेल विज्ञान और चिकित्सा के क्षेत्र में अत्याधुनिक अनुसंधान, शैक्षिक अवसरों और नवोन्मेषी कार्यपद्धतियों को प्रोत्साहित करता है, जिससे अंततः भारत के उत्कृष्ट खिलाड़ियों के समग्र विकास और सफलता में योगदान है।

देश के विभिन्न हिस्सों में 6 विश्वविद्यालयों और 5 चिकित्सा महाविद्यालयों का चयन खेल विज्ञान और खेल चिकित्सा विभागों की स्थापना हेतु उनकी पात्रता के आधार पर अभिरुचि अभिव्यक्ति (ईओआई) के अनुसार किया गया था। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय इन चयनित विश्वविद्यालयों और चिकित्सा महाविद्यालयों को एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) की अवधि में वित्तपोषित करेगा और बाद में वे आत्मनिर्भर बन जाएंगे। चयनित विश्वविद्यालयों और चिकित्सा महाविद्यालयों की सूची इस प्रकार है:

खेल विज्ञान विभाग हेतु विश्वविद्यालय/संस्थान:

क. गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर, पंजाब
ख. नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ न्यूट्रिशन, हैदराबाद, तेलंगाना
ग. अन्नामलाई विश्वविद्यालय, तमिलनाडु
घ. राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, अजमेर, राजस्थान
ङ. कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
च. राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश

खेल चिकित्सा विभाग हेतु चिकित्सा महाविद्यालय:

क. किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ, उत्तर प्रदेश
ख. पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय, रोहतक, हरियाणा
ग. बेंगलुरु मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टिट्यूट, बेंगलुरु, कर्नाटक
घ. गांधी मेडिकल कॉलेज, भोपाल, मध्य प्रदेश
ङ. रीजनल इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज़, इम्फाल, मणिपुर*

*आरआईएमएस, मणिपुर ने 14.11.2023 को एमओयू की अवधि समाप्त होने के बाद सफलतापूर्वक बाहर निकलने का विकल्प चुना।

अभी तक एनसीएसएसआर योजना के अंतर्गत केवल 4 चिकित्सा महाविद्यालय खेल चिकित्सा विभागों की स्थापना कर रहे हैं।

चयनित विश्वविद्यालय खेल विज्ञान विषयों जैसे खेल जैव रसायन, खेल बायोमैकेनिक्स एवं प्रदर्शन विश्लेषण, खेल पोषण, खेल शरीर क्रिया विज्ञान, खेल मनोविज्ञान, खेल प्रशिक्षण विधियाँ/फिटनेस प्रबंधन और खेल फिजियोथेरेपी में स्नातकोत्तर डिग्री/पीएच.डी कार्यक्रम संचालित कर रहे हैं, जबकि चयनित चिकित्सा महाविद्यालय खेल चिकित्सा में एम.डी पाठ्यक्रम संचालित कर रहे हैं। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2023-24 तक एनसीएसएसआर स्कीम के अंतर्गत विभिन्न पाठ्यक्रमों में लगभग 968 छात्रों (जिनमें एमडी पाठ्यक्रम में प्रवेशित 11 छात्र भी शामिल हैं) का नामांकन हुआ है।

एनसीएसएसआर के लक्ष्य और उद्देश्य इस प्रकार हैं:-

1. खेल प्रदर्शन के संवर्धन, संरक्षण एवं उन्नयन हेतु वैज्ञानिक सिद्धांतों का अनुप्रयोग।
2. खिलाड़ियों को उनकी अधिकतम क्षमता तक विकसित करना एवं उनके प्रतिस्पर्धात्मक करियर की अवधि बढ़ाना।
3. खेल विज्ञान संबंधी जानकारी का प्रसार।
4. खाद्य अनुपूरकों/स्वदेशी तैयारियों का परीक्षण एवं प्रमाणीकरण।
5. खेल प्रदर्शन में आयुर्वेदिक/होम्योपैथिक औषधियों का अनुप्रयोग।
6. खेल के दौरान लगी चोटों का प्रबंधन एवं पुनर्वास।

एनसीएसएसआर के तहत विभागों की प्रमुख गतिविधियाँ

i) शरीरक्रिया विज्ञान के विभाग

खेल शरीरक्रिया विज्ञान खेल विज्ञान की वह शाखा है जो खेल प्रदर्शन की शारीरिक मांगों को समझने में मदद करती है, जो इस बारे में अंतर्दृष्टि देती है कि एक एथलीट के पास उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने में सफल होने के लिए क्या विशेषताएं होनी चाहिए।

- शरीर क्रिया विज्ञान विभाग - उद्देश्य:

- वैज्ञानिक मूल्यांकन के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के प्रदर्शन को बढ़ावा
- भारतीय राष्ट्रीय खिलाड़ियों और कोचों के साथ-साथ खिलाड़ियों को वैज्ञानिक इनपुट प्रदान करना
- वैज्ञानिक और व्यवस्थित प्रशिक्षण कार्यक्रम तैयार करने के लिए पे प्ले स्कीम या डेली कोचिंग स्कीम
- विभिन्न आयु वर्ग के खेल प्रतिभाओं की पहचान करना और उन्हें पोषित करना
- प्रतिभाशाली बच्चों के विकास, प्रदर्शन और प्रशिक्षण की निगरानी करना
- विभिन्न खेलों में वैज्ञानिक प्रशिक्षण के आधुनिक रुझानों और तरीकों के बारे में प्रशिक्षकों को उन्मुख करना
- खेल के क्षेत्र में प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए खेल के क्षेत्र में अनुसंधान परियोजनाएं (अनुप्रयुक्त / बुनियादी) शुरू करना

ii) फिजियोथेरेपी विभाग

- मैदान में चोट प्रबंधन
- सुरक्षात्मक टेपिंग
- मैदान पर वार्म अप / कूल डाउन / खेल विशिष्ट व्यायाम
- मैदान पर चलने-फिरने की अक्षमता/मुद्राओं/सीमाओं को ठीक करना
- चोट का आकलन- इतिहास / कारण / गति की खराबी

- चोट प्रबंधन- पुनर्वास के तरीकों पर आधारित
- चोट प्रबंधन- पुनर्वास व्यायाम पर आधारित
- मैनुअल थेरेपी
- क्रायो चैम्बर
- खेल के लिए तैयार
- कम्प्रेशन गार्मेंट्स
- फॉर्म रोलर
- पूर्व भागीदारी मूल्यांकन (खेल के अनुसार)
- चोट की रोकथाम- गति का आकलन (आरओएम, स्ट्रेन्थ) / लक्ष्य (गोल)
- संबंधित व्यायाम

iii) मनोविज्ञान विभाग

खेल मनोविज्ञान विभाग ने स्वयं को एथलीट के विकास में और उसके उत्कृष्ट प्रदर्शन को प्राप्त करने की यात्रा में एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में स्थापित किया है। एथलीट की मानसिक स्वास्थ्य को सबसे आगे रखते हुए विभाग सभी खिलाड़ियों के लिए मानसिक स्वास्थ्य को सुलभ बनाकर राष्ट्र की सेवा के लिए समर्पित है।

खेल मनोविज्ञान कार्रवाई के लिए जरूरी क्षेत्रों की पहचान करके मनोवैज्ञानिक प्रोफाइल (क्षमता और व्यक्तित्व दोनों के संदर्भ में) के माध्यम से एथलीट की मदद करता है।

1. सुधार और प्रदर्शन विकास अनुकूलित कार्रवाई के अवसरों की पहचान करता है।
2. उनकी क्षमता का पूरा उपयोग करने और जितना संभव हो उतना अच्छा प्रदर्शन करने में मदद करता है।

iv) बायोमैकेनिक्स विभाग

खेल बायोमैकेनिक्स एथलीटों के बल और गति मापदंडों से संबंधित है। बायोमैकेनिक्स का मुख्य लक्ष्य गति पैटर्न को अनुकूलित करके प्रदर्शन में सुधार करना और चोट को कम करना है। जैसा कि नाम से पता चलता है, बायोमैकेनिक्स खेल खेलते समय यांत्रिकी या भौतिकी के नियमों को लागू करके एथलीट के जीव विज्ञान का अध्ययन करता है। प्रदर्शन और चोट को समझने के लिए, बायोमैकेनिक्स एथलीट की गतिविधि/ गति और बलों का आकलन करते हैं। गति को मापने और समझने से उन समस्याओं का निदान करने में मदद मिल सकती है जो खेल प्रदर्शन को सीमित कर सकती हैं या एथलीट को दीर्घकालिक चोट के जोखिम में डाल सकती हैं।

खिलाड़ियों को दी गई वैज्ञानिक सहायता का सारांश:

एनसीएसएसआर के निदेशक सह प्रमुख पेरिस 2024 में भारतीय दल के साथ गए 13 सदस्यीय भारतीय ओलंपिक संघ चिकित्सा दल का हिस्सा थे।
पेरिस पैरालंपिक्स 2024 में रिकवरी रूम फिजियोथेरेपिस्ट के रूप में एचपीए फिजियोथेरेपी को उपयोग किया गया था।

दिल्ली के विभिन्न साई स्टेडियमों में एनसीओई प्रशिक्षुओं (हॉकी, साइक्लिंग, जिम्नास्टिक्स, शूटिंग, तैराकी), खेलो इंडिया मूल्यांकन शिविरों (साइक्लिंग, जिम्नास्टिक्स, तैराकी, शूटिंग, बास्केटबॉल और बैडमिंटन) के तहत खिलाड़ियों को दी गई वैज्ञानिक सहायता का विवरण निम्नलिखित है

क्र.सं	माह	फिजिओथेरेपी	बायोमेकनिक्स	फिसियोलजी	साइकोलॉजी	एंथरोपोमेट्री
1	अप्रैल 2024	-	32	42	01	24
2	मई 2024	26	36	51	67	50
3	जून 2024	-	134	129	197	189
4	जुलाई 2024	-	119	126	-	103
5	अगस्त 2024	-	32	68	32	32
6	सितंबर 2024	114	174	182	115	134
7	अक्टूबर 2024	-	65	140	119	134
8	नवंबर 2024	-	58	51	69	23
9	दिसंबर 2024	-	-	26	-	-
10	जनवरी 2025	102	170	198	186	200
11	फरवरी 2025	19	20	28	25	20
12	मार्च 2025	-	127	136	117	141
कुल		**261**	**972**	**1177**	**923**	**1050**

* दिल्ली के सभी स्टेडियमों में अपने-अपने फिजियोथेरेपिस्ट तैनात हैं

एथलीटों को प्रदान किए गए मनोविज्ञान सत्र

अप्रैल 24	**मई 24**	**जून 24**	**जुलाई 24**	**अगस्त 24**	**सितंबर 24**	**अक्टूबर 24**	**नवंबर 24**	**दिसंबर 24**	**जनवरी 25**	**फरवरी 25**	**मार्च 25**
33	17	3	25	33	11	18	04	05	04	04	11

एनसीओई एथलीटों के साथ व्यक्तिगत और समूह सत्र जिनमें विश्राम प्रशिक्षण, मानसिक प्रशिक्षण, विज़ुअलाइज़ेशन / इमेजरी प्रशिक्षण, ध्यान प्रशिक्षण, बायोफीडबैक प्रशिक्षण शामिल हैं। आत्मविश्वास बढ़ाने, लक्ष्य निर्धारण तकनीक और प्रभावी भावना नियंत्रण से संबंधित सत्र विभाग और छात्रावास दोनों में आयोजित किए गए। ऐसा प्रत्येक सत्र लगभग 30-45 मिनट तक चलता है।

मनोवैज्ञानिक कौशल प्रशिक्षण से संबंधित कुल 157 सत्र आयोजित किए गए।

एनसीएसएसआर की प्रमुख गतिविधियां

1. राष्ट्रीय शिविरों और एनसीओई एथलीटों पर खेल विज्ञान परीक्षण (खेल विशिष्ट) की व्यापक योजना और संचालन के साथ-साथ एचपीडी, एचपीएम, कोच और एथलीटों के साथ व्यक्तिगत परीक्षण परिणामों पर चर्चा। खेल विज्ञान परीक्षण परिणामों के आधार अनुवर्ती कार्रवाई हेतु पर प्रत्येक एथलीट के लिए इन्टरवेंशन कार्यक्रम के कार्यान्वयन के लिए टीम प्रबंधन के साथ नियमित चर्चा
2. साक्ष्य-आधारित तरीकों के माध्यम से एथलीट के प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए, चोट की रोकथाम और पुनर्वास हेतु विभिन्न इन-हाउस पहल विकसित करना और लागू करना।
3. i) खेलो इंडिया परीक्षण प्रोटोकॉल के लिए खेल विज्ञान आकलन, ii) एथलीटों के लिए खेल में वापसी नीति, iii) डेटा सुरक्षा कार्यान्वयन नीति और पूरक नीति के लिए मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार करना।

4. एचपीसी, एनसीओई, खेलो इंडिया और जमीनी स्तर के केंद्रों में खेल विज्ञान सेटअप के लिए मानक लेआउट टेम्पलेट तैयार करना।
5. अगस्त 2024 में शुरू हुए नीति पोर्टल पर डीएचआर के साथ मानक संचालन प्रक्रिया तैयार करना और संस्थागत नैतिक समिति पंजीकरण प्रक्रिया शुरू करना।
6. निदेशक सह प्रमुख एनसीएसएसआर ने आवश्यकतानुसार एमओसी को विशेषज्ञ सलाह दी।
7. अक्टूबर 2025 में टीओपीएस एथलीटों के लिए खेल शरीर क्रिया विज्ञान के फिटनेस परीक्षण प्रोटोकॉल प्रस्ताव की तैयारी।
8. साई एनसीओई में खेल विज्ञान में इंटर्नशिप कार्यक्रम के विकेंद्रीकरण के लिए दिशानिर्देश तैयार करना।
9. एनसीएसएसआर स्कीम , युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय के तहत मानकीकृत उपकरण सूची को अंतिम रूप देने के लिए विभिन्न विश्वविद्यालयों / मेडिकल कॉलेजों के समिति सदस्यों के साथ निदेशक सह प्रमुख, एनसीएसएसआर (एसएआई) की अध्यक्षता में एसओ (फिजियोलॉजी) द्वारा मानकीकृत सूची तैयार करना
10. खेल में मानव संसाधन विकास योजना के तहत प्राप्त प्रस्तावों पर विचार करने के लिए एनसीएसएसआर के निदेशक सह प्रमुख और एसओ (फिजियोलॉजी) नामित समिति के सदस्य उपस्थित हुए और कुल पांच अनुसंधान परियोजनाओं का मूल्यांकन किया।
11. खेल नीति दस्तावेज में आयु धोखाधड़ी के खिलाफ राष्ट्रीय कोड का उन्नयन और संशोधन किया।
12. भारतीय खेल प्राधिकरण के मनोवैज्ञानिकों के साथ-साथ अन्य संगठनों के मनोवैज्ञानिकों के ज्ञान उन्नयन के लिए 20 मई 2024 से 24 मई 2024 तक डॉ. केएसएसआर, नई दिल्ली में "शूटिंग स्पोर्ट्स के लिए खेल मनोविज्ञान में 5 दिवसीय प्रमाणन पाठ्यक्रम" का आयोजन और संचालन किया।
13. एनसीओई सोनीपत और एनसीओई लखनऊ का क्रमशः 23 जुलाई 2024 और 29-30 जुलाई 2024 को खेल विज्ञान प्रदर्शन मूल्यांकन किया गया।
14. एचपीए फिजियोथेरेपी द्विपक्षीय हॉकी श्रृंखला 2024 (पीएफसी इंडिया बनाम जर्मनी) और 73वीं अखिल भारतीय पुलिस एथलेटिक्स क्लस्टर 2024-25 के लिए समन्वयक था और खिलाड़ियों को फिजियोथेरेपी से संबंधित सहायता प्रदान की।
15. खेलो इंडिया राज्य उत्कृष्टता केंद्र के लिए आवश्यकता के आधार पर खेल विज्ञान सुविधाओं के उन्नयन के लिए टिप्पणियां, उपकरणों, बुनियादी अवसंरचनाएं और जनशक्ति, प्रदान की गई हैं। एचपीए बायोमैकेनिक्स ने गुवाहाटी, पंचकुला, चंडीगढ़ के केआईएससीई केंद्र का दौरा किया।
16. मानव रचना विश्वविद्यालय, फरीदाबाद में संकाय विकास कार्यक्रम के लिए एचपीए बायोमैकेनिक्स को 9 जनवरी 2025 को आमंत्रित किया गया था।
17. एचपीए मनोविज्ञान 2024-25 के लिए खरीद के लिए उपकरणों की तकनीकी विनिर्देश समीक्षा समिति का हिस्सा था।

संस्थानों के साथ अकादमिक और तकनीकी सहयोग

i. साई और सफदरजंग चोट केंद्र के बीच एमओयू प्रस्ताव का मसौदा तैयार किया गया और दिनांक 09.08.2024 को प्रक्रिया शुरू की गई।
ii. 9 सितंबर 2024 को साई और मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई) के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।
iii. गुणवत्ता नियंत्रण उपायों की स्थापना और अनुसंधान और डेटा संग्रह में नैतिक दिशानिर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के लिए साई और एनएबीएच-क्यूसीआई के बीच समझौता ज्ञापन प्रक्रिया में है
iv. योग मुद्रा अनुमान और स्कोरिंग में गति विश्लेषण के संबंध में आईआईटी-मद्रास के साथ चल रहा सहयोग।
v. एसओ (मनोविज्ञान) ने एनएसएनआईएस पटियाला-क्लासेस का ब्रिज कोर्स आयोजित किया; 6 सप्ताह सर्टिफिकेट कोर्स (खेल मनोविज्ञान कक्षाएं), एनएसएनआईएस पटियाला के खेल मनोविज्ञान में पीजी डिप्लोमा के लिए कक्षाएं, एनएसएनआईएस पटियाला में 25 पीजी डिप्लोमा इन स्पोर्ट्स साइकोलॉजी के छात्रों के लिए मौखिक परीक्षा आयोजित की; एनएसएनआईएस, पटियाला में खेल पोषण में पीजी डिप्लोमा कक्षाएं, पीजी डिप्लोमा इन स्पोर्ट्स साइकोलॉजी के छात्रों के लिए 23-24 जनवरी 2025 में परीक्षाएं आयोजित की।
vi. एसओ (शरीर विज्ञान) ने एनएसएनआईएस पटियाला के ब्रिज कोर्स, पीजी डिप्लोमा इन स्पोर्ट्स मेडिसिन, एक्सरसाइज फिजियोलॉजी, स्पोर्ट्स साइकोलॉजी, स्पोर्ट्स न्यूट्रिशन, स्ट्रेंथ एंड कंडीशनिंग के लिए कक्षाएं लीं और पीजीडीएसएम के आंतरिक परीक्षक और एक्सरसाइज फिजियोलॉजी में पीजी डिप्लोमा के बाहरी परीक्षक के रूप में भी नामित किया गया था।
vii. एसओ (मनोविज्ञान) और एसओ (शरीर विज्ञान) स्पोर्ट्स कोचिंग में 62वें डिप्लोमा कोर्स के लिए साक्षात्कार समिति के

सदस्य थे, 300+ उम्मीदवारों के लिए साक्षात्कार आयोजित किए।

viii. एसओ (मनोविज्ञान) और एसओ (शरीर विज्ञान) सहायक कोचों के चयन के लिए साक्षात्कार समिति के सदस्य थे, जिन्होंने 200+ उम्मीदवारों के लिए साक्षात्कार आयोजित किए।

ix. एसओ (मनोविज्ञान) खेल चोट केंद्र के विस्तार के लिए बाहरी सदस्य है और जीएनडीयू अमृतसर के लिए यूजीसी-एचआरडीसी व्याख्यान आयोजित करते हैं।

x. एसओ (शरीर विज्ञान) 28.11.2024 को केआईएससीई गुजरात के लिए फिजियोलॉजिस्ट ग्रेड-1 के पद के लिए साक्षात्कार पैनल के सदस्य थे।

xi. एचपीए (शरीर विज्ञान) एनसीएसएसआर लैब में 4 समूहों में एनसीएसएसआर शरीर विज्ञान लैब में एनएसएनआईएस पटियाला कोर्स के 128 पीजी डिप्लोमा शूटिंग कोचों की प्रैक्टिकल कक्षाएं ली हैं।

इंटर्नशिप कार्यक्रम

1. फिजिओथेरेपी विभाग ने 14 इंटर्न को एक महीने या दो महीने की अवधि के लिए इंटर्नशिप कराई गई थी।
2. बायोमैकेनिक्स विभाग ने 3 इंटर्न को 6 महीने की अवधि के लिए इंटर्नशिप कराई थी और चार इंटर्न जनवरी 2025 से अगले 2 महीने का इंटर्नशिप कार्यक्रम कर रहे हैं।
3. मनोविज्ञान विभाग ने अप्रैल से दिसंबर 2024 की अवधि में 6 इंटर्न को इंटर्नशिप कराई है।
4. फिजियोलॉजी विभाग ने दो इंटर्न को 2 सप्ताह की अवधि के लिए इंटर्नशिप कराई थी और एक इंटर्न जनवरी 2025 से आगे 3 महीने की इंटर्नशिप कार्यक्रम कर रहा है।

वैज्ञानिक कर्मचारियों को ज्ञान का उन्नयन

1. एनसीएसएसआर के निदेशक सह प्रमुख ने 20-21 सितंबर 2024 से साई एनएसएनआईएस पटियाला में उच्च प्रदर्शन निदेशक (खेल) का ओरिएंटेशन कार्यक्रम शुरू किया।
2. एनसीएसएसआर के निदेशक सह प्रमुख ने 25-27 सितंबर 2024 से साई एनएसएनआईएस पटियाला में उच्च प्रदर्शन निदेशक (खेल विज्ञान) और वैज्ञानिक अधिकारियों का ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया और एसओ फिजियोलॉजी ने भाग लिया
3. एचपीए बायोमैकेनिक्स ने खेल विज्ञान कर्मचारियों को 02 व्याख्यान तथा एचपीए और पीए बायोमैकेनिक्स को 08 व्याख्यान दिए।
4. एनसीएसएसआर ने दिसंबर, 2024 तक साई के सभी वैज्ञानिक कर्मचारियों के लिए नियमित रूप से ऑनलाइन ज्ञान उन्नयन कार्यक्रम का आयोजन किया।
5. एनसीएसएसआर के निदेशक सह प्रमुख ने जून-जुलाई 2024 में साई एनसीओई जैसे भोपाल, लखनऊ, गांधीनगर, कोलकाता और औरंगाबाद के लिए कोचों के लिए 3 दिवसीय खेल विज्ञान संवेदीकरण कार्यक्रम शुरू किया।

भाग ली गई कार्यशालाएं/ सम्मेलन

1. एनसीएसएसआर के निदेशक सह प्रमुख के साथ खेल वैज्ञानिकों ने 12-13 जुलाई 2024 को हैबिटेट सेंटर, नई दिल्ली में आयोजित आईआईटीएम स्पोर्ट्स टेक स्टार्टअप कॉन्क्लेव 2024 में भाग लिया।
2. बुधवार, 18 सितम्बर 2024 को कन्वेंशन हॉल, द अशोक, नई दिल्ली में आयोजित समावेशन सम्मेलन के दूसरे संस्करण: एंटी-डोपिंग में समावेशी परिदृश्य का निर्माण में खेल वैज्ञानिकों ने निदेशक सह प्रमुख एनसीएसएसआर के साथ भाग लिया ।
3. 15 और 16 नवम्बर 2024 को बीएचयू वाराणसी में आयोजित भारतीय खेल एवं व्यायाम चिकित्सा सोसाइटी का दूसरे अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन आईएसएसईएमकॉन 2024 में खेल वैज्ञानिकों ने निदेशक सह प्रमुख एनसीएसएसआर के साथ भाग लिया।
4. एचपीए बायोमैकेनिक्स ने आईआईटी बॉम्बे, पवई, मुंबई में बॉयोमैक्स'24 में भाग लिया ।
5. एचपीए साइकोलॉजी ने राष्ट्रीय युवा सम्मेलन, देहरादून में पैनलिस्ट के रूप में भाग लिया।
6. एचपीए साइकोलॉजी ने एशिया पैसिफिक डेफ गेम्स 2024 के लिए भारतीय दल हेतु एक मनोविज्ञान सत्र आयोजित किया।

7. एसओ साइकोलॉजी राष्ट्रीय खेलों के दौरान देहरादून, 30 जनवरी 2025 को - "मानसिक दृढ़ता: दबाव में प्रदर्शन में महारत" में मुख्य वक्ता रहे।
8. खेल वैज्ञानिकों ने निदेशक सह प्रमुख एनसीएसएसआर के साथ मिलकर आईआईटी – दिल्ली एक्सेटर यूनिवर्सिटी, आईआईटी दिल्ली, 30 और 31 जनवरी 2025 को संयुक्त संगोष्ठी में भाग लिया।
9. 20 फरवरी 2025 को खेल वैज्ञानिकों ने निदेशक सह प्रमुख एनसीएसएसआर के साथ "नेशन बिल्डिंग" केस स्टडी प्रतियोगिता फाइनल्स में भाग लिया।

प्रशासनिक गतिविधियाँ

क) **खेल विज्ञान उपकरणों की खरीद:** कुल स्वीकृत बजट से 42.56 करोड़ एनसीएसएसआर हब/आरसी/एनसीओईएस के लिए गैर-उपभोज्य खेल विज्ञान उपकरणों की खरीद।

ख) खरीद के लिए तकनीकी विनिर्देश तैयार किए गए :

i. मानकीकरण तथा केंद्रों की खेल-विशिष्ट आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए एनसीएसएसआर/आरसी/एनसीओईएस में खेल विज्ञान प्रयोगशालाओं के लिए गैर-उपभोज्य खेल विज्ञान उपकरण हेतु।
ii. एनसीएसएसआर हब में पुनर्वास जिम, बायोमैकेनिक्स प्रयोगशाला की स्थापना हेतु।
iii. एनसीओईएस में उच्च प्रदर्शन केंद्रों की स्थापना हेतु।

ग) चिकित्सकीय, पैरामेडिकल और वैज्ञानिक सहयोगी स्टाफ की भर्ती:

i. खेल विज्ञान स्टाफ की भर्ती हेतु आवेदनों की जांच और मूल्यांकन।
ii. नर्सिंग सहायकों को आरसी/एनसीओईएस में आउटसोर्सिंग आधार पर भेजना।

प्रयोगशाला उन्नयन/उपकरण:

- **फिजियोथेरेपी प्रयोगशाला में नए उपकरण स्थापित किए गए**: एलआईपीयूएस (19.4.24)
- **फिजियोलॉजी प्रयोगशाला में नए उपकरण स्थापित किए गए:** स्मार्ट बाइक इंडोर ट्रेनर (23.03.2024), ट्रेडमिल के लिए सेफ्टी हार्नेस (05.06.2024), रोइंग एर्गोमीटर (07.06.2024), अपर बॉडी एर्गोमीटर (19.06.2024), बायोवेस्ट इन्सिनरेटर (24.06.2024), मसल ऑक्सीमीटर की 2 इकाइयाँ (09.07.2024), यूपीएस 15केवीए की 2 इकाइयाँ (1.10.2024), स्विम बेंच (06.12.2024), ट्रेडमिल के लिए सेफ्टी हार्नेस (17.02.2025)
- **बायोमैकेनिक्स प्रयोगशाला में नए उपकरण स्थापित किए गए** : इलेक्ट्रोमायोग्राफी (16 चैनल), अतिरिक्त पोर्टेबल फोर्स प्लेट, 2डी वीडियो कैमरा, वाई बैलेंस किट, आइसोकाइनेटिक डायनामोमीटर
- **साइकोलॉजी प्रयोगशाला में नए उपकरण स्थापित किए गए:** ट्रिपल फिजियोलॉजिकल सेंसर

अन्य गतिविधियाँ:

i. एनसीओई, डॉ. सम्पूर्णानंद स्टेडियम, सिगरा, वाराणसी के लिए खेल विज्ञान उपकरणों की खरीद हेतु तकनीकी विनिर्देश तैयार करना और निविदाओं का मूल्यांकन।
ii. एलबीएसएनएए प्रशिक्षुओं के लिए परीक्षण और प्रशिक्षण योजना तैयार करना।
iii. यू-13 एआईएफएफ फुटबॉल खिलाड़ियों के लिए परीक्षण और प्रशिक्षण योजना तैयार करना।

खेलों में मानव संसाधन विकास स्कीम (एचआरडीएस)

3.1. स्कीम की पृष्ठभूमि: -

खेल विभाग (डीओएस) ने वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान "प्रतिभा खोज और प्रशिक्षण स्कीम" के व्यापक पुनर्गठन के बाद खेलों में मानव संसाधन विकास स्कीम को एक केंद्रीय क्षेत्र स्कीम के रूप में शुरू किया। इस स्कीम में 2023 में और संशोधन किया गया, जिसमें खेल, कोचिंग और तकनीकी कौशल को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया, साथ ही खेल विकास के शैक्षणिक और बौद्धिक पहलुओं पर भी ध्यान दिया गया। इस स्कीम में निम्नलिखित घटक शामिल हैं:

i. फेलोशिप कार्यक्रम;
ii. ज्ञान/अनुसंधान/विचारों का आदान-प्रदान
    क) प्रतिष्ठित या विदेश में सेमिनार/कार्यशालाओं/सम्मेलनों में भाग लेने;
    ख) देश के भीतर प्रशिक्षण कार्यक्रम/सेमिनार/कार्यशालाओं/क्लिनिक और सम्मेलन आयोजित करने हेतु;
iii. मैच अधिकारियों, कोचों और सहयोगी कर्मियों को सहायता
iv. अनुसंधान हेतु सहायता;
v. खेल संबंधी विषयों पर उत्कृष्ट कार्यों का प्रकाशन।

3.2. **स्कीम के उद्देश्य:** -

इस स्कीम के उद्देश्य हैं:

i. खेलों से संबंधित विशिष्ट विधाओं में अल्पकालिक (3 से 6 माह) विशेष अध्ययन और दीर्घकालिक (अधिकतम 2 वर्ष) के लिए फेलोशिप प्रदान करना।
ii. खेल क्षेत्र के पेशेवरों को विचारों का आदान-प्रदान करने और भारत या विदेश में सेमिनार, क्लिनिक/प्रशिक्षण, कार्यशालाओं और सम्मेलनों में भाग लेकर ज्ञान और कौशल बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करना तथा ऐसी गतिविधियों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना।
iii. भारत में व्याख्यान, कोचिंग, परामर्श, आदान-प्रदान, प्रशिक्षण, संवाद, सलाह आदि के लिए उच्च प्रदर्शन निदेशक, कोच, तकनीकी अधिकारी, खेल वैज्ञानिक, खेल चिकित्सा विशेषज्ञ, मालिशकर्ता, फिजियोथेरेपिस्ट, प्रोफेसर, विद्वान जैसे प्रतिष्ठित/योग्य विदेशी विशेषज्ञों को आमंत्रित करना।
iv. मैच अधिकारियों को पात्रता परीक्षाओं में सम्मिलित होने हेतु सहायता प्रदान करना; साथ ही मैच अधिकारियों, कोचों और अन्य सहयोगी कर्मियों को भारत या विदेश में उनके संबंधित विशेषज्ञता क्षेत्रों में पेशेवर दक्षता सुधारने में सहायक प्रशिक्षण/पाठ्यक्रमों के लिए सहायता प्रदान करना।
v. खेलों और गेम्स से संबंधित अनुसंधान परियोजनाओं के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करना तथा भारतीय आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विशेष अनुसंधान परियोजनाओं का कमीशन करना।
vi. खेलों और गेम्स से सीधे संबंधित उच्च गुणवत्ता वाले कार्यों के प्रकाशन हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करना; आम जनता के लिए खेलों पर लोकप्रिय साहित्य प्रकाशित/प्रायोजित करना।
vii. सामुदायिक कोचों और आम जनता के बीच विभिन्न भाषाओं में खेलों के ज्ञान और तकनीकों के व्यापक प्रसार हेतु ऑनलाइन शिक्षण संसाधन विकसित करना।
viii. खेल विकास में प्रौद्योगिकी के उपयोग को प्रोत्साहित करना और स्टार्ट-अप्स की स्थापना के माध्यम से खेलों की पहुँच को जनसाधारण तक लाना तथा उन्हें प्रारंभिक धनराशि प्रदान करना।

6.3.3. लक्षित समूह:-

कोच, मैच अधिकारी और सहायक कार्मिक (जैसे जज, अंपायर और रेफरी आदि) संबंधित खेल विधाओं में खिलाड़ियों की उत्कृष्टता के लिए आवश्यक हैं। अतः इस लक्षित समूह के लिए विदेशों में प्रशिक्षण/पात्रता परीक्षाओं में सम्मिलित होने हेतु पर्याप्त प्रावधान किया गया है। विशिष्ट अध्ययन के विद्यार्थी और खेलों तथा गेम्स से संबंधित विशिष्ट विधाओं में स्नातकोत्तर विद्यार्थी भी इस स्कीम में लक्षित समूह हैं।

6.3.4. पिछले पाँच वर्षों का बजट प्रावधान:

(करोड़ रु.)

वर्ष	बीई	आर ई	वास्तविक
2020-21	5.00	1.00	0.45
2021-22	3.80	2.00	0.819
2022-23	4.00	4.00	1.79
2023-24	4.00	4.00	3.05
2024-25	3.10	2.84	2.65

6.4. राष्ट्रीय खेल विकास निधि (एनएसडीएफ):

- राष्ट्रीय खेल विकास निधि (एनएसडीएफ) व्यक्तियों को उनके संबंधित खेल विधाओं में उत्कृष्टता प्राप्त करने में सहायता करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह एथलीटों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विख्यात कोचों के तहत प्रशिक्षण के अवसर प्रदान करता है, जिससे उन्हें तकनीकी, वैज्ञानिक और मनोवैज्ञानिक सहायता मिलती है। इसके अलावा, एनएसडीएफ अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के अनुभव को सुगम बनाता है, जिससे एथलीटों के कौशल और अनुभव में और वृद्धि होती है। टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टीओपीएस) में शामिल एथलीटों के लिए धनराशि भी एनएसडीएफ से प्राप्त की जाती है। इसके अलावा, यह धनराशि देश भर में खेल अवसंरचनाओं के निर्माण, विकास और उन्नयन में उपयोग की जाती है।
- सार्वजनिक और निजी कॉर्पोरेट संस्थाओं के साथ-साथ व्यक्तियों से अंशदान को प्रोत्साहित करने के लिए, एनएसडीएफ निधि में किए गए सभी अंशदानों पर आयकर से 100% छूट प्रदान करती है। एनएसडीएफ में अंशदान करने वाले अपने धन को सामान्य नीतिगत दिशा-निर्देशों के अधीन विशिष्ट उद्देश्यों के लिए आवंटित करने की सुविधा रखते हैं। वे यह संकेत कर सकते हैं कि उनकी राशि किस परियोजना या पहल में उपयोग की जाए, जिससे उनकी प्राथमिकताओं के अनुरूप लक्षित सहयोग सुनिश्चित हो सके।
- इन पहलों के माध्यम से, एनएसडीएफ खेल प्रतिभा को पोषित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए आवश्यक संसाधन और अवसर प्रदान करता है, साथ ही देश में विश्वस्तरीय खेल अवसंरचना के विकास को भी सुगम बनाता है।
- विभिन्न संस्थाओं और व्यक्तियों द्वारा राष्ट्रीय खेल विकास निधि में स्थापना से अब तक कुल ₹384.67 करोड़ का योगदान किया गया है। भारत सरकार ने एनएसडीएफ को भारत सरकार अनुदान के रूप में ₹244.85 करोड़ का अंशदान दिया है। दिनांक 31.03.2025 तक एनएसडीएफ की कोष राशि ₹91.63 करोड़ थी। एनएसडीएफ से संबंधित निम्नलिखित महत्वपूर्ण घटनाएँ/उपलब्धियाँ हैं।

<u>आयोजन जिनमें एनएसडीएफ ने भाग लिया</u>

क्र.सं	आयोजन का नाम और आयोजक	से	तक	स्थल
1	स्पोर्ट्स कॉन्क्लेव (पीईएफआई द्वारा आयोजित)	29.08.2024	31.08.2024	भारत मंडपम, नई दिल्ली
2	कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पर राष्ट्रीय सम्मेलन (इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ कॉरपोरेट अफेयर्स (आईआईसीए) कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय , भारत सरकार द्वारा आयोजित)	02.10.2024	03.10.2024	होटल ललित, नई दिल्ली
3	स्कोर कार्ड (सीआईआई द्वारा आयोजित)	18.10.2024	18.10.2024	होटल ललित, नई दिल्ली

उपलब्धि :

सीएसआर के माध्यम से कुल: ₹70.17 करोड़ का अंशदान

भारत सरकार अनुदान से ₹13.71 करोड़

वर्ष 2024-2025 में हस्ताक्षरित एमओयू

1. हिंदुस्तान एरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ एमओयू: दिनांक 6 दिसम्बर, 2024 एवं संशोधित 18 मार्च, 2025।

5. टारगेट ओलिम्पिक पोडियम स्कीम (टीओपीएस)

- टीओपीएस (टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम) युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय का एक प्रमुख कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य भारत के शीर्ष खिलाड़ियों को सहायता प्रदान करना है। यह स्कीम खिलाड़ियों की तैयारियों में अतिरिक्त सहायता प्रदान करने का प्रयास करती है ताकि वे ओलंपिक में पदक जीत सकें।
- टीओपीएस के अंतर्गत दी जाने वाली सहायता भारत सरकार की 'एनएसएफ स्कीम' या अन्य किसी स्कीम के अतिरिक्त है।इसके तहत दी जाने वाली सहायता की मात्रा और स्वरूप संबंधित मानकों के अनुसार होता है और खिलाड़ी की 'दीर्घकालिक योजना' को राष्ट्रीय कोच, राष्ट्रीय खेल परिसंघों (एनएसएफ) तथा अन्य विषय विशेषज्ञों और हितधारकों के साथ अंतिम रूप दिया जाता है जिसका निर्णय समय-समय सरकार करती है। पेरिस चक्र में कुल 489 टीओपीएस खिलाड़ियों को इस स्कीम के अंतर्गत सहायता प्रदान की गई। टीओपीएस कोर समूह के खिलाड़ी मुख्यतः व्यक्तिगत सहायता और प्रति माह ₹50,000 की ओपीए के पात्र हैं। टीओपीएस विकास समूह के खिलाड़ी मुख्यतः सामूहिक सहायता और प्रति माह ₹25,000 की ओपीए के पात्र हैं। पेरिस ओलंपिक (2021-2024) के दौरान इन खिलाड़ियों को सहायता हेतु कुल ₹125 करोड़ प्रदान किए गए। यह सहायता खेल विधा विशेष की आवश्यक मदों को शामिल करता है, जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

क) अनुकूलित घरेलू और अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण की तैयारी में सहायता।
ख) अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भागीदारी के लिए वित्तीय सहयोग।
ग) खेल उपकरणों की खरीद।
घ) खेल विज्ञान विशेषज्ञता तक पहुँच।
ङ) अनुबंधों, मीडिया प्रबंधन, संभावित या सक्रिय प्रायोजकों से संपर्क आदि में कानूनी सहायता, यदि खिलाड़ी द्वारा विशेष रूप से अनुरोध किया जाए।
च) रणनीतिक सहयोग, मार्गदर्शन और करियर परामर्श, मेंटर्स, विशेषज्ञों, उच्च प्रदर्शन प्रबंधकों और शोधकर्ताओं की टीम के माध्यम से।
छ) प्रचलित प्रोटोकॉल के अनुसार आउट ऑफ पॉकेट अलाउंस (ओपीए)।
ज) खिलाड़ी के प्रदर्शन को और बेहतर बनाने हेतु आवश्यक कोई अन्य सहयोग।

इस स्कीम के माध्यम से सरकार का प्रयास है कि खिलाड़ी की प्रशिक्षण योजना और ओलंपिक/पैरा ओलंपिक खेलों के लिए प्रदर्शन उद्देश्यों को सभी आवश्यक हितधारकों के साथ समन्वित किया जाए। निवेश के लिए रणनीतिक दृष्टिकोण सुनिश्चित करने हेतु, भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के वर्तमान अधिदेश के अनुसार टीओपीएस के अंतर्गत खेलों को निम्नलिखित श्रेणियों में वर्गीकृत किया गया है:

- उच्च प्राथमिकता वाली खेल विधाएं (एचपीडी)
- प्राथमिक ओलंपिक वाली खेल विधाएं (पीओडी)

टीओपी स्कीम में खिलाड़ियों को शामिल करने/निकालने/समीक्षा करने के निर्णय मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) के विवेकाधिकार पर निर्भर करते हैं।

भारत - पेरिस 2024 विवरण

योग्यता प्राप्त खिलाड़ियों की संख्या (समग्र): भारत ने पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों में कुल 117 एथलीटों के साथ भाग लिया। सभी एथलीट टीओपीएस कोर समूह के एथलीट थे। भारतीय दल ने कुल 6 पदक (1 रजत और 5 कांस्य) जीते। पदक विजेताओं का विवरण इस प्रकार है:

- नीरज चोपड़ा–रजत–पुरुष भाला फेंक (एथलेटिक्स)
- पुरुष टीम–कांस्य–हॉकी
- अमन–कांस्य–पुरुष 5 किग्रा फ्रीस्टाइल (कुश्ती)
- स्वप्निल कुसाले – कांस्य – पुरुष 50 मीटर 3 पोज़िशन एयर राइफल (शूटिंग)
- मनु भाकर – कांस्य – महिला 10 मीटर एयर पिस्टल (शूटिंग)
- मनु भाकर और सरबजोत सिंह – कांस्य – मिश्रित टीम 10 मीटर एयर पिस्टल (शूटिंग)

सर्वाधिक क्वालिफ़ाई करने वाले एथलीटों की संख्या (खेल विशिष्ट): निशानेबाजी (21 एथलीट) और टेबल टेनिस (6 एथलीट) में इन खेलों में भारत की क्वालिफ़ाई संख्या भारत द्वारा ओलंपिक में भेजे जाने वाली सबसे अधिक संख्या थी.

क्वालिफ़ाई करने वाली खेल विधाओं की संख्या: भारतीय एथलीटों ने पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों के लिए 16 खेल विधाओं में क्वालिफ़ाई किया और 69 संचयी स्पर्धाओं में भाग लिया।

पहली बार क्वालिफ़ाईड :

- टेबल टेनिस में, भारत ने पहली बार पुरुष और महिला दोनों श्रेणियों के लिए टीम स्पर्धा में क्वालीफाई किया है।
- भारत ने ओलंपिक खेलों के इतिहास में महिला कुश्ती (5 एथलीट) में सबसे अधिक कोटा हासिल किया है।
- घुड़सवारी में व्यक्तिगत ड्रेसज स्पर्धा में पहली बार क्वालिफिकेशन.

पेरिस की तैयारियां

उच्च स्तरीय समिति और कोर कमेटी: पेरिस 2024 के लिए भारत की ओलंपिक तैयारियों की निगरानी के लिए एक उच्च स्तरीय समिति (एचएलसी) का गठन किया गया था। समिति की अध्यक्षता माननीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री ने की और इसमें खेल मंत्रालय, भारतीय खेल प्राधिकरण, भारतीय ओलंपिक संघ, राष्ट्रीय खेल परिसंघ और पूर्व ओलंपियनों के रूप में सदस्य शामिल थे। सचिव, खेल की अध्यक्षता में छह कोर समिति की बैठकों के साथ-साथ एचएलसी की दो बैठकें आयोजित की गईं।

एनएसएफ को सहायता स्कीम: इस स्कीम के माध्यम से, भारत सरकार ने राष्ट्रीय टीमों को प्रमुख चैंपियनशिप के लिए तैयार करने के लिए राष्ट्रीय खेल परिसंघों (एनएसएफ) को सहायता प्रदान की, जिसमें ओलंपिक खेल, विश्व चैंपियनशिप, एशियाई खेल, एशियाई चैंपियनशिप और अन्य प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय चैंपियनशिप शामिल हैं। स्कीम के तहत वित्त पोषण में मुख्य रूप से निम्नलिखित सहायता शामिल है:

- भारत और विदेशों में प्रशिक्षण शिविर
- अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता एक्सपोजर
- भारतीय और विदेशी कोचों, सहायक कर्मचारियों की भर्ती
- प्रशिक्षण उपकरण
- भारत और विदेशों में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय चैंपियनशिप की मेजबानी
- खिलाड़ी की चोट के लिए चिकित्सा बीमा

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग:

सरकार द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के क्षेत्र में हस्ताक्षरित विभिन्न समझौता ज्ञापनों को नीचे दिया गया है:

क्र.सं	राष्ट्र	आयोजन
1.	एससीओ	सचिव, खेल विभाग,श्रीमती सुजाता चतुर्वेदी और निदेशक (खेल) श्री अनंत कुमार ने 23-24 मई 2024 (यात्रा समय को छोड़कर) को आयोजित एससीओ सदस्य देशों में शारीरिक शिक्षा और खेल के विकास के लिए उत्तरदायी मंत्रालयों और एजेंसियों के प्रमुखों के सत्र में भाग लिया।
2.	ब्रिक्स खेल मंत्रियों की बैठक	श्री संदीप प्रधान, महानिदेशक, साई और श्री अनंत कुमार, निदेशक (खेल) ने 22 जून, 2024 (यात्रा समय को छोड़कर) को रूस के कज़ान में आयोजित खेल विभाग की ब्रिक्स खेल मंत्रियों की बैठक में भाग लिया। बैठक के दौरान संयुक्त वक्तव्य अपनाया गया।
3.	सेंट क्रिस्टोफर और नेविस	भारत सरकार और सेंट क्रिस्टोफर और नेविस सरकार के बीच 05 अगस्त 2024 को खेल में सहयोग पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए
4.	मलेशिया	भारत सरकार और मलेशिया सरकार के बीच 20 अगस्त 2024 को खेल में सहयोग पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं
5.	जमैका	भारत सरकार और जमैका सरकार के बीच 01 अक्टूबर 2024 को खेल में सहयोग पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए
6.	मलावी	भारत सरकार और मलावी सरकार के बीच 18 अक्टूबर 2024 को खेल में सहयोग पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए
7.	कुवैत	भारत सरकार और कुवैत सरकार के बीच 22 दिसंबर 2024 को खेल में सहयोग पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए
8.	मलेशियाई	युवा और खेल मंत्रालय के महासचिव दातो त्स. डॉ. नागुलेन्द्रन कंगायतकरसु के नेतृत्व में 4 सदस्यीय मलेशियाई आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल ने 30 जनवरी, 2025 से 1 फरवरी, 2025 तक भारत का दौरा किया। प्रतिनिधिमंडल ने खेल विभाग के अधिकारियों से मुलाकात की।
9.	जापान	26 से 31 जनवरी 2025 तक जापान में आयोजित होने वाले जेआईसीए "खेल प्रशासन और खेल संवर्धन" में भाग लेने के लिए 2 अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल ने जापान का दौरा किया।
10.	यूरोपीय संघ	माननीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री, भारत सरकार और अंतरपीढ़ीगत निष्पक्षता, युवा, संस्कृति और खेल के लिए यूरोपीय आयुक्त श्री ग्लेन मिकलेफ के बीच फरवरी, 2025 को बैठक आयोजित की गई थी।
11.	जर्मनी	सचिव (खेल) और बवेरियन राज्य संसद के प्रतिनिधिमंडल के बीच 10 फरवरी, 2025 को बैठक हुई जिसमें भारत में खेलों की स्थिति पर चर्चा हुई
12.	कतर	भारत सरकार और कतर सरकार के बीच 18 फरवरी 2025 को खेल में सहयोग पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए
13.	न्यूजीलैंड	भारत में न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान 15 मार्च, 2025 को खेल में सहयोग पर भारत और न्यूजीलैंड के बीच एमओसी पर हस्ताक्षर किए गए
14.	एंटीगुआ और बारबुडा	एंटीगुआ और बारबुडा के विदेश मामलों, व्यापार और बारबुडा मामलों के मंत्री और माननीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री के बीच 21 मार्च, 2025 को बैठक आयोजित की गई थी

.

अध्याय-19 : खेलों में समावेशिता

खेल विभाग और उसके स्वायत्त निकायों ने खेल के क्षेत्र में समावेशिता को बढ़ावा देने और भागीदारी में बाधाओं को कम करने के लिए कई प्रमुख पहले की हैं। इन पहलों का उद्देश्य खेलों में समावेशी वातावरण बनाना है, यह सुनिश्चित करते हुए कि विभिन्न पृष्ठभूमि और क्षमताओं वाले व्यक्तियों को शारीरिक गतिविधियों में शामिल होने और अपनी खेल आकांक्षाओं को आगे बढ़ाने के समान अवसर मिलें। बाधाओं को तोड़कर और लक्षित सहायता प्रदान करके, मंत्रालय समावेशिता की संस्कृति को बढ़ावा देने का प्रयास करता है, जिससे प्रत्येक व्यक्ति खेल के क्षेत्र में अपनी पूरी क्षमता का उपयोग कर सके। खेलो इंडिया कार्यक्रम के तहत इस मंत्रालय द्वारा कम भागीदारी दर वाले जनसंख्या समूहों के बीच समावेशिता को बढ़ावा देने और भागीदारी बढ़ाने के लिए की गई कुछ पहलें निम्नलिखित हैं:

1. दिव्यांग व्यक्तियों के बीच खेलों को बढ़ावा देना:

मंत्रालय ने दिव्यांग व्यक्तियों के बीच खेलों के प्रचार और विकास के लिए विशेष ओलंपिक भारत (एसओबी), ऑल इंडिया स्पोर्ट्स काउंसिल ऑफ डेफ (एआईएससीडी) और पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया (पीसीआई) को मान्यता दी है। संबंधित परिसंघों के परामर्श से भविष्य की रणनीति पर काम किया जा रहा है।

2. महिलाओं के लिए खेल पहल:

खेलो इंडिया स्कीम के तहत, "महिलाओं के लिए खेल" एक समर्पित उप-घटक है, जिसमें ऐसी खेल विधाओं पर जोर दिया गया है जहां महिलाओं की भागीदारी कम है। इस पहल के तहत, विभिन्न खेलो इंडिया महिला लीग का आयोजन किया जा रहा है। अब तक, देश भर में 21 खेल विधाओं में महिला लीग का आयोजन किया गया है। 1,35,000 से अधिक प्रतिभागियों के साथ महिला एथलीटों के लिए 1000 से अधिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया है। इस पहल ने पूरे देश में खेलों में महिलाओं की भागीदारी में काफी वृद्धि की है और महिला एथलीटों को सभी आयु समूहों में प्रतिस्पर्धा करने, सीखने और आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर प्रदान किए हैं। 22 अगस्त 2023 को महिला लीग के लिए अस्मिता (एक्चिविंग स्पोर्ट्स माइलस्टोन बाय इंस्पायरिंग वीमेन थ्रू एक्शन) नामक एक पोर्टल भी लॉन्च किया गया था। इसके अलावा, अस्मिता लोगो को खेलो इंडिया अस्मिता महिला लीग के साथ टैगलाइन "खेल से ही पहचान" के साथ एकीकृत किया गया है, जिससे महिला एथलीटों को खेल के माध्यम से पहचान मिलती है।

3. ग्रामीण और देशज खेलों को प्रोत्साहन

खेलो इंडिया स्कीम के तहत "ग्रामीण और देशज/ जनजातीय खेलों को बढ़ावा देने" के अंतर्गत सहायता के लिए मल्लखंब, कलारिपयट्टु, गतका और थांग-ता की पहचान की गई है। अनुदान बुनियादी अवसंरचना के विकास, उपकरण सहायता, कोचों की नियुक्ति, कोचों के प्रशिक्षण और छात्रवृत्ति के लिए स्वीकृत किए गए थे।

एनएसएफ को अवसंरचना विकास/उन्नयन हेतु उपकरण सहयोग सहित एकमुश्त अनुदान,स्वीकृत किया गया है, जिसके अंतर्गत मल्लखम्ब के लिए प्रति केंद्र ₹2.5 लाख, कलारीपयट्टु के लिए प्रति केंद्र ₹40 लाख, गटका के लिए प्रति केंद्र ₹5 लाख और थांग-टा के लिए ₹5 लाख की राशि प्रदान की गई है। वर्तमान में कुल 108 (100 मल्लखम्ब, 02 कलारीपयट्टु, 03 गटका और 03 थांग-टा) प्रशिक्षण केंद्र हैं। कुल 21 कोचों (05 मल्लखम्ब के, 06 थांग-टा के, 06 गटका के और 04 कलारीपयट्टु के) को एनएसएफ की अनुशंसा के अनुसार अक्टूबर 2019 से सितंबर 2022 तक प्रति कोच प्रति वर्ष ₹5 लाख की दर से तिमाही आधार पर वेतन दिया जा रहा है।

i मल्लखम्ब, कलारीपयट्टु, गटका और थांग-टा को 'खेलो इंडिया स्कीम' के अंतर्गत 'ग्रामीण और देशज/जनजातीय खेलों के प्रोत्साहन' की श्रेणी में सहयोग हेतु चिन्हित किया गया है।
ii एनएसएफ को अवसंरचना विकास, उपकरण सहयोग, कोचों की नियुक्ति, कोचों का प्रशिक्षण और छात्रवृत्तियों के लिए अनुदान स्वीकृत किए गए।
iii खेलो इंडिया स्कीम में इस घटक के अंतर्गत प्रतिभा पहचान समिति के माध्यम से चयन कर 350 खिलाड़ियों को छात्रवृत्ति जारी करने का प्रस्ताव है।
iv इम्फाल केंद्र को थांग-टा के लिए डे बोर्डिंग अकादमी में परिवर्तित किया जाएगा।

देशज खेलों को बढ़ावा देने के लिए मल्लखम्ब, कलारीपयट्टु, गटका, थांग-टा और योगासन विधाओं में देशज खेल लीग की शुरुआत की गई है। प्रारंभिक चरण में, पहली देशज खेल लीग जनवरी और फरवरी माह में क्रमशः पटियाला और इम्फाल में गटका और थांग-टा विधाओं में आयोजित की गई।

अध्याय-20: अन्य प्रमुख उपलब्धियां/ 2023-24 के दौरान आयोजित खेल स्पर्धाएँ

1. भारत द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाएँ 2024-25:

- **प्रथम खो खो विश्व कप :** पहला खो खो विश्व कप **13** से **19** जनवरी **2025** तक नई दिल्ली के इंदिरा गांधी एरिना में हुआ था। खो खो विश्व कप में **23** देशों की टीमों ने भाग लिया जिसमें **20** पुरुष और **19** महिला टीमें शामिल हैं। भारत ने उद्घाटन संस्करण में पूरे टूर्नामेंट में अजेय रहते हुए पुरुष और महिला दोनों खिताब जीते।

- **विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रांड प्री 2025:** भारत ने नई दिल्ली **2025** विश्व पैरा एथलेटिक्स ग्रांड प्री की मेजबानी की, जो इस परिमाण के एक अंतरराष्ट्रीय पैरा एथलेटिक्स स्पर्धा के आयोजन में राष्ट्र की शुरुआत थी। **8** मार्च से **13** मार्च, **2025** तक जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली में आयोजित खेलों में **20** देशों के **283** पैरा-एथलीटों ने भाग लिया। भारत ने **45** स्वर्ण, **40** रजत और **49** कांस्य सहित कुल **134** पदक जीतकर पदक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया।
- **ओलंपिक परिषद एशिया (ओसीए) की 44वीं महासभा: 44**वीं ओसीए महासभा **8** सितंबर **2024** को नई दिल्ली के भारत मंडपम कन्वेंशन सेंटर में आयोजित की गई, जिसमें एशिया के **45** राष्ट्रीय ओलंपिक समितियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। श्री राजा रणधीर सिंह को महासभा के दौरान सर्वसम्मति से ओसीए का अध्यक्ष चुना गया। केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल तथा श्रम और रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने भी सभा को संबोधित किया।
- **पहली बार बिम्सटेक एक्वेटिक्स चैंपियनशिप 6 फरवरी, 2024** को नई दिल्ली के डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी स्विमिंग पूल कॉम्प्लेक्स में शुरू हुई। इस आयोजन में लगभग 300 एथलीटों ने भाग लिया, जिसमें भारत समग्र चैंपियन के रूप में उभरा।
- **भारत ने** 17 **और** 18 **सितंबर** 2024 को नई दिल्ली में यूनेस्को के खेल में डोपिंग के खिलाफ अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के तहत कोप9 ब्यूरो की दूसरी औपचारिक बैठक और फंड अनुमोदन समिति की तीसरी औपचारिक बैठक की मेजबानी की। कोप9 ब्यूरो के उपाध्यक्ष के रूप में, भारत ने इन उच्च-स्तरीय सम्मेलनों के आयोजन में नेतृत्व किया है, जो दुनिया भर के प्रमुख निर्णय निर्माताओं और गणमान्य व्यक्तियों को एक साथ लाए हैं। इन उच्च-स्तरीय बैठकों ने ईमानदारी, निष्पक्षता और समावेशिता पर ध्यान केंद्रित करते हुए डोपिंग के खिलाफ लड़ाई में वैश्विक सहयोग को आगे बढ़ाया। इन बैठकों के साथ-साथ, राष्ट्रीय डोप रोधी एजेंसी (नाडा) द्वारा "समावेश सम्मेलन" का दूसरा संस्करण भी आयोजित किया गया था, जिसने दिव्यांग एथलीटों सहित सभी हितधारकों को वैश्विक डोपिंग रोधी प्रयासों से सम्बद्ध करने के तरीकों का पता लगाया।

2. महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में भारत का सराहनीय प्रदर्शन:

- **भारत ने पेरिस ओलंपिक 2024** में कुल 6 पदक जीते , जिसमें 1 रजत और 5 कांस्य पदक शामिल थे। विशेष रूप से, निशानेबाजी खेल विधा में मनु भाकर, सरबजोत सिंह और स्वप्निल कुसाले के शानदार प्रदर्शन के माध्यम से 3 कांस्य पदक जीते। नीरज चोपड़ा ने भाला फेंक में रजत पदक जीता, अमन सहरावत ने कुश्ती में कांस्य पदक जीता और भारतीय हॉकी टीम ने सफलतापूर्वक अपने कांस्य पदक को बरकरार रखा। इन सभी एथलीटों को 15 अगस्त 2024 को लाल किले पर स्वतंत्रता दिवस समारोह में विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। इसके बाद, उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री के साथ बातचीत की।
    - मन्नू भाकर ने शूटिंग में दो कांस्य पदक जीते और भारत को स्वतंत्रता मिलने के बाद से एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय बन गईं।
    - पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में रजत पदक जीतने वाले नीरज चोपड़ा ओलंपिक में स्वर्ण और रजत पदक जीतने वाले पहले भारतीय व्यक्तिगत पदक विजेता बन गए हैं।
    - पेरिस 2024 ओलंपिक में अमन सहरावत ने पुरुषों की फ्रीस्टाइल **57** किग्रा कुश्ती स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर भारत के सबसे कम उम्र के (**21** वर्ष और **24** दिन) पदक विजेता बन गए।
- 28 अगस्त से 8 सितंबर 2024 तक आयोजित पेरिस पैरालंपिक्स 2024 में भारत ने इतिहास रचा। पैरालंपिक में अब तक के सबसे बड़ा भारतीय दल ने 29 पदक (7 स्वर्ण, 9 रजत और 13 कांस्य) जीतने के लिए उल्लेखनीय प्रदर्शन किया, । इस प्रभावशाली उपलब्धि ने भारत को पदक तालिका में 18वां स्थान दिलाया, जो पैरालंपिक इतिहास में देश का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है।

- 18 वर्षीय गुकेश डी, शतरंज खिलाड़ी ने सिंगापुर में **2024 विश्व शतरंज चैंपियनशिप** के फाइनल में डिंग लिरेन को हराकर खिताब जीता। गुकेश विश्व शतरंज चैंपियन बनने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी और विश्वनाथन आनंद के बाद खिताब जीतने वाले दूसरे भारतीय बन गए।
- सितंबर **2024** में, भारत ने बुडापेस्ट, हंगरी में **45वें फिडे शतरंज ओलंपियाड** में दोहरे स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा, जिसमें पुरुष और महिला दोनों टीमें अपनी-अपनी श्रेणियों में विजयी हुईं। शीर्ष खिलाड़ियों जैसे गुकेश डी, प्रज्ञानानंद आर, अर्जुन एरिगैसी और विदित गुजराती वाली पुरुष टीम ने प्रतियोगिता में दबदबा बनाते हुए **11** में से **10** मैच जीते और स्लोवेनिया पर अंतिम दौर में जीत के साथ खिताब अपने नाम किया। गुकेश डी और अर्जुन एरिगैसी ने अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए व्यक्तिगत स्वर्ण पदक जीते। हरिका द्रोणावल्ली, वैशाली आर, दिव्या देशमुख, वंतिका अग्रवाल और तानिया सचदेव की महिला टीम ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए पोलैंड और अमेरिका के खिलाफ शुरुआती असफलताओं के बावजूद अंतिम दौर में अजरबैजान को हराया। माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत के युवा शतरंज खिलाड़ियों को उनकी ऐतिहासिक उपलब्धि के लिए बधाई दी और माननीय मंत्री द्वारा नई दिल्ली में इस महीने के अंत में विजयी टीमों को सम्मानित किया गया, जिससे भारतीय शतरंज इतिहास में इस उल्लेखनीय उपलब्धि का जश्न मनाया गया।

3. वर्ष 2024 में हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन:

- **खेल प्राधिकरण (साई) और महाराष्ट्र सरकार** के बीच मुंबई में एक विश्व स्तरीय खेल परिसर के निर्माण के लिए एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। माननीय खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया और महाराष्ट्र सरकार की पहल के कारण इस लंबे समय से लंबित परियोजना ने गति प्राप्त की। इस खेल परिसर से क्षेत्रीय खेल को बढ़ावा मिलने और उभरते एथलीटों को वैश्विक खेल टूर्नामेंट में प्रतिस्पर्धा करने के अवसर मिलने की उम्मीद है।

- डोप रोधी विज्ञान और अनुसंधान के संवर्धन के लिए संयुक्त प्रयास के एक हिस्से के रूप में, राष्ट्रीय **डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल) और सीएसआईआर-भारतीय एकीकृत चिकित्सा संस्थान (आईआईआईएम), जम्मू** के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) को तीन साल के लिए बढ़ा दिया गया है। यह सहयोग संदर्भ मानक संश्लेषण गतिविधि को और मजबूत करने और खेलों में डोप परीक्षण के क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने में भी सक्षम बनाएगा।

- खेल के क्षेत्र में आपसी विकास और ज्ञान साझा करने के उद्देश्य से भारत सरकार ने खेल में सहयोग बढ़ाने के लिए **5** अगस्त **2024** को सेंट क्रिस्टोफर और नेविस महासंघ की सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस एमओयू में दोनों देशों के बीच विनिमय कार्यक्रम और खेल अनुसंधान एवं विकास में सहयोग जैसी विभिन्न पहल शामिल हैं।

4. राष्ट्रीय खेल पुरस्कार 2024:

भारत के राष्ट्रपति ने 17.01.2025 को राष्ट्रपति भवन में आयोजित एक समारोह में **खेल और साहस पुरस्कार 2024** प्रदान किए। इन पुरस्कारों में नियमित श्रेणी में 4 खिलाड़ियों को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार-2024, लाइफटाइम श्रेणी में 2 खिलाड़ियों को द्रोणाचार्य पुरस्कार-2024 (3), 32 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार-2024 और 2 खिलाड़ियों को लाइफटाइम श्रेणी में अर्जुन पुरस्कार-2024; 4 खिलाड़ियों को तेनजिंग नोर्गे राष्ट्रीय साहस पुरस्कार-2023; खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार-2024; और मौलाना अबुल कलाम आजाद ट्रॉफी-2024 प्रदान किए गए।

5. अन्य प्रमुख उपलब्धियां / आयोजन:

- **खेलो इंडिया राइजिंग टैलेंट आइडेंटिफिकेशन (कीर्ति)** कार्यक्रम को देश के सभी हिस्सों से युवा प्रतिभाओं की पहचान करने और मादक पदार्थों और गैजेट से जुड़े भटकावों की लत पर अंकुश लगाने के लिए खेल को एक उपकरण के रूप में उपयोग करने के दोहरे उद्देश्यों के साथ शुरू किया गया था। कार्यक्रम का प्रारंभिक चरण भारत में **50** खेल केंद्रों में **10** खेल विधाओं के लिए **50,000** आवेदकों का आकलन करने के लिए शुरू किया गया है। कार्यक्रम का उद्देश्य पूरे वर्ष अधिसूचित प्रतिभा मूल्यांकन केंद्रों के माध्यम से देश भर में **20** लाख आकलन करना है। दूसरे चरण का उद्घाटन **19.07.2024** को नई दिल्ली में किया गया था

- राष्ट्रीय खेल दिवस**, 29** अगस्त **2024** को नई दिल्ली में माननीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री द्वारा **खेल से सन्यास ले चुके खिलाड़ी सशक्तिकरण प्रशिक्षण (रीसेट) कार्यक्रम** शुरू किया गया था। इस पहल का उद्देश्य देश का प्रतिनिधित्व करने वाले सन्यास ले चुके एथलीटों को करियर विकास के लिए आवश्यक ज्ञान और कौशल प्रदान करके सशक्त बनाना है**,** जिससे खेल के क्षेत्र में नए अवसर खुलेंगे

- देश में डोप रोधी वातावरण को मजबूत करने के लिए राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) द्वारा 9 फरवरी 2024 को नई दिल्ली में आयोजित एक सम्मेलन **"रोड टू पेरिस 2024: स्वच्छ खेलों का समर्थन और डोप के खिलाफ एकजुट होना"** का आयोजन किया गया। सम्मेलन ने क्लीन स्पोर्ट्स का समर्थन करने और डोप के खिलाफ एकजुट होने के भारत के संकल्प का प्रमाण दिया। सहयोगात्मक प्रयासों और सामूहिक प्रतिबद्धता के साथ, भारत खेल में निष्पक्ष खेल, ईमानदारी और नैतिक प्रतिस्पर्धा के मशाल वाहक के रूप में अपनी स्थिति की पुष्टि करता है। इस अवसर पर, गुजरात के गांधीनगर स्थित प्रतिष्ठित राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) में पोषण पूरक परीक्षण के लिए उत्कृष्टता केंद्र (सीओई-एनएसटीएस) का भी उद्घाटन किया गया

- **पहला अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक अनुसंधान सम्मेलन**: 27.01.2025 को राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय में शुरू किया गया था। चार दिवसीय सम्मेलन का उद्देश्य वित्तीय स्थिरता, रणनीतिक योजना और सहयोगी नेटवर्क पर ध्यान केंद्रित करते हुए भारत को वैश्विक ओलंपिक पारिस्थितिकी तंत्र में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में स्थापित करना था ताकि 2036 ओलंपिक के लिए भारत की बोली को बढ़ावा दिया जा सके।

- मोटापे के खिलाफ देश की लड़ाई पर जोर देने के साथ, **फिट इंडिया संडे** ऑन साइकिल एक राष्ट्रव्यापी फिटनेस आंदोलन में विकसित हो गया है, जिसमें देश भर में 1,200 से अधिक स्थानों पर साइकिल चालक भाग ले रहे हैं। अब अपने नौवें सप्ताह में, यह पहल तेल की खपत को कम करके, व्यायाम करके और स्वस्थ भोजन करके मोटापे का मुकाबला करने पर ध्यान केंद्रित करती है

अनुबंध

अनुबंध-I

संगठनात्मक चार्ट

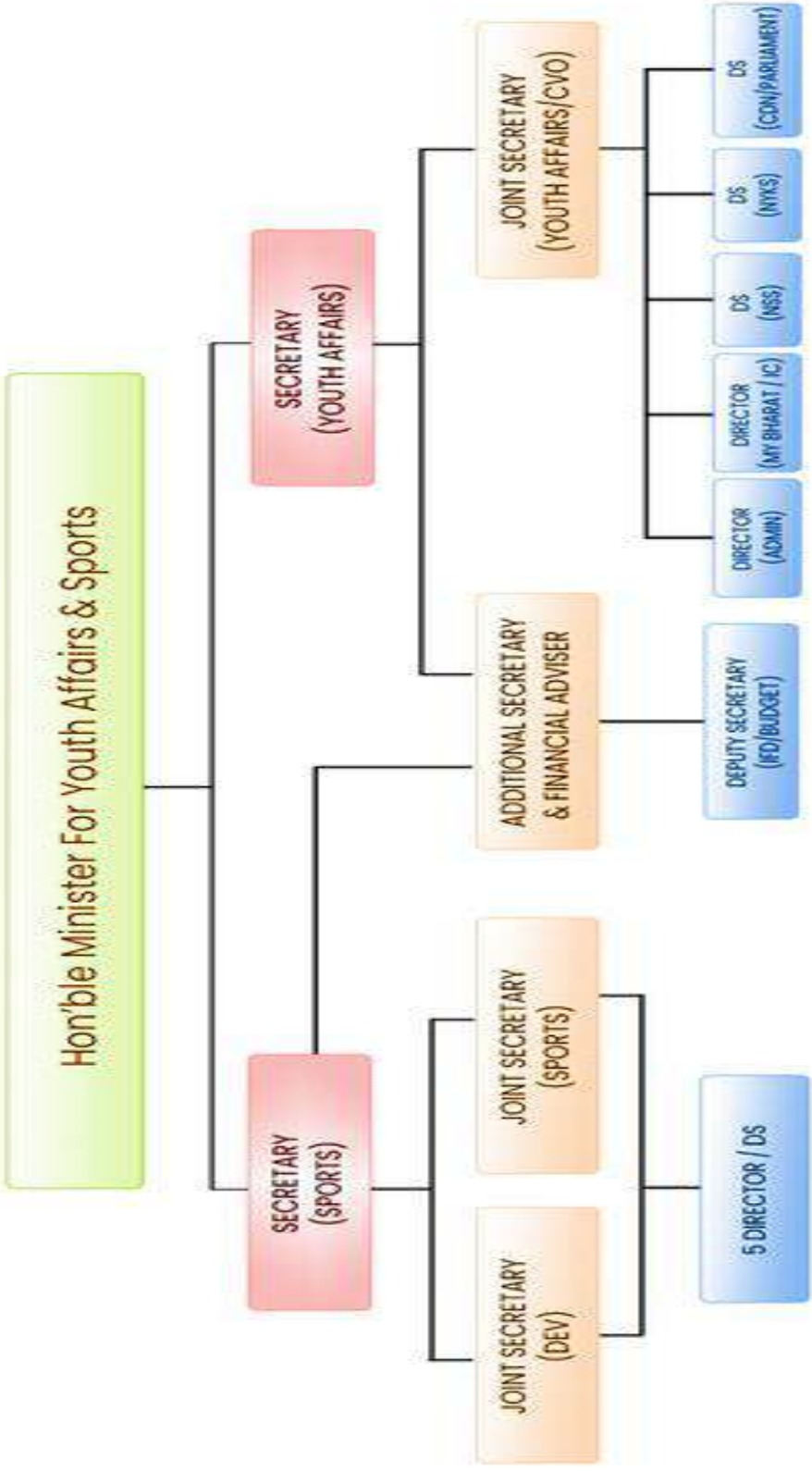

संक्षिप्ताक्षर

जेएस और एफए:	:	संयुक्त सचिव और वित्तीय सलाहकार
जेएस	:	संयुक्त सचिव
सीसीए	:	मुख्य लेखा नियंत्रक
डीएस	:	उप सचिव
डीसीए	:	मुख्य लेखा नियंत्रक
यूएस	:	अवर सचिव
वाईए	:	युवा कार्यक्रम
डीडी	:	उप निदेशक
आईसी	:	अंतरराष्ट्रीय सहयोग
ओएल	:	राजभाषा
एनपीवाईएडी	:	राष्ट्रीय युवा एवं किशोर विकास कार्यक्रम
एनएसएस	:	राष्ट्रीय सेवा योजना
एसपी	:	स्पोर्ट्स (खेल)
एमडीएसडी	:	मिशन निदेशालय खेल विकास
एडीएमएन	:	प्रशासन
वीआईजी	:	सतर्कता
पीएआरएल	:	संसद
साई	:	भारतीय खेल प्राधिकरण
एनवाईकेएस	:	नेहरू युवा केंद्र संगठन
जीईएन	:	जनरल(सामान्य)
पीओएल	:	नीति
पीयूबी	:	पब्लिकेशन
वाईएच	:	यूथ हॉस्टल
आरजीएनआईवाईडी	:	राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान
सीडीएन	:	समन्वय
एडी	:	सहायक निदेशक
सीआर	:	सेंटर रेजिस्ट्री

अनुबंध -II

वित्तीय परिव्यय 2024-25

बजट अनुमान 2024-25 और संशोधित अनुमान 2024-25 के लिए वित्तीय परिव्यय और बजट अनुमान 2025-26 (करोड़ रुपये))

क्र. सं	स्कीम	बजट अनुमान @2024-25	संशोधित अनुमान @2024-25	वास्तविक (@31.03.2025 तक)*	बजट अनुमानं @2025-26
युवा कार्यक्रम विभाग					
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**
क	युवा कार्यक्रम सचिवालय	20.25	40.09	43.06	41.79
ख	**राष्ट्रीय युवा सशक्तिकरण कार्यक्रम (आरवाईएसके)**				
1.	राष्ट्रीय युवा कोर	75.00	18.25	13.15	65.00
2.	युवा नेता कार्यक्रम	9.00	6.00	0.00	9.25
3.	राष्ट्रीय युवा और किशोर विकास कार्यक्रम	22.00	45.00	33.87	25.00
4.	अंतर्राष्ट्रीय सहयोग	11.70	11.70	7.45	55.00
5.	युवा छात्रावास	5.00	5.00	0.35	5.00
6.	स्काउटिंग और गाइडिंग	0.75	0.75	0.75	0.75
7.	युवा पोर्टल	13.30	13.30	15.01	90.00
	कुल (ख) आरवाईएसके	**136.75**	**100.00**	**70.58**	**250.00**
ग.	**राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस)**	250.00	250.00	203.19	450.00
घ.	**राजीव गांधी राष्ट्रीय युवा विकास संस्थान**	26.50	23.50	23.50	26.00
ङ.	**मेरा युवा भारत (माय भारत)**	200.00	74.76	15.64	82.48
च.	**नेहरू युवा केंद्र संगठन**	426.00	412.00	339.95	423.50
	कुल योग (क+ख+ग+घ+ ङ +च)	**1059.50**	**900.35**	**695.92**	**1273.77**

@ - पूर्वोत्तर क्षेत्र सहित

वित्तीय परिव्यय 2024-25

बजट अनुमान 2024-25 तथा संशोधित अनुमान 2024-25 का वित्तीय परिव्यय और बजट अनुमान 2025 -26 (करोड़ रु.)

क्र.सं.	स्कीम	बजट अनुमान 2024-25 @	संशोधित अनुमान 2024-25 @	वास्तविक @ (31.03.2025 तक)*	बजट अनुमान 2025-26 @
	खेल विभाग				
1	**2**	**3**	**4**	**5**	**6**
छ	खेल सचिवालय	24.40	0.00	0.00	0.00
ज	**खेल संस्थानों में विकास**				
1.	भारतीय खेल प्राधिकरण (साई)	822.60	815.00	823.50	830.00
2.	लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा विश्वविद्यालय (एलएनआईपीई)	78.51	66.65	46.40	85.00
3.	राष्ट्रीय डोप परीक्षण प्रयोगशाला (एनडीटीएल)	22.00	18.70	16.70	23.00
4.	राष्ट्रीय डोप रोधी एजेंसी (नाडा)	22.30	20.30	19.57	24.30
5.	राष्ट्रीय खेल विश्वविद्यालय (एनएसयू)	91.90	189.09	286.06	63.72
6.	विश्व डोप रोधी एजेंसी (वाडा)	3.00	3.00	3.25	3.50
	कुल (ज)	**1040.31**	**1112.74**	**1195.48**	**1029.52**
झ.	**खिलाड़ी को प्रोत्साहन और पुरस्कार**				
1.	विशेष नकद पुरस्कार	35.00	38.65	38.55	33.00
2.	मेधावी खिलाड़ियों को पेंशन	4.00	4.00	3.83	4.00
3.	राष्ट्रीय खेल परिसंघों को सहायता	340.00	340.00	256.06	400.00
4.	खेलों में मानव संसाधन विकास	3.10	3.10	2.65	4.00
5.	राष्ट्रीय खेल विकास निधि	18.00	18.00	13.71	18.00
6.	खिलाड़ियों के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय कल्याण	2.00	2.00	0.95	2.00
7.	राष्ट्रीय खेल विज्ञान एवं अनुसंधान केंद्र (एनसीएसएसआर)	8.00	8.00	5.00	10.00
	कुल (झ)	**410.10**	**413.75**	**320.75**	**471.00**
ञ.	**खेलो इंडिया : राष्ट्रीय खेल विकास कार्यक्रम**				

1.	खेलो इंडिया	900.00	800.00	620.75	1000.00
2.	राष्ट्रमण्डल खेल	0.01	0.01	0.00	0.01
3.	खेल सुविधाओं का संवर्धन	8.00	6.00	0.00	20.00
	कुल (ञ)	908.01	806.01	620.75	1020.01
	कुल योग (छ+ज+झ+ ञ)	**2382.82**	**2332.50**	**2136.98**	**2520.53**

@ - पूर्वोत्तर क्षेत्र सहित

अनुबंध -III

लंबित ऑडिट पैरा

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय से संबंधित लंबित कैग ऑडिट पैरा और उसकी वर्तमान स्थिति को दर्शाने वाला विवरण.

क्र. सं.	रिपोर्ट नं. और वर्ष	पैरा नं. या अध्याय नं	सममुक्तियों का सारांश या संक्षिप्त विषय	की गई कार्रवाई टिप्पणियों की वर्तमान स्थिति
1.	रिपोर्ट संख्या 2023 का 21	**पैरा 4.6** **अनुबंध 4.7 क्र.सं.52**	**वित्तीय वर्ष के अंतिम दिन बचत का गैर-अभ्यर्पण और अभ्यर्पण** लेखापरीक्षा में यह पाया गया कि सभी अनुदानों / विनियोजनों के तहत ₹7,64,720.70 करोड़ की बचत हुई जिसमें से 52 अनुदानों / विनियोजनों के तहत वर्ष के दौरान बचत का 10.54 प्रतिशत (₹80,589.12 करोड़) अभ्यर्पित नहीं किया गया और इसे व्यपगत होने दिया गया। इनमें से, ₹5,52,569.24 करोड़ 52 अनुदानों / विनियोजनों से संबंधित था जिसे या तो 31 मार्च 2022 को अभ्यर्पित किया गया या व्यपगत होने दिया गया। इस प्रकार, कुल बचत का लगभग 72 प्रतिशत या तो 31 मार्च 2022 को अभ्यर्पित किया गया या व्यपगत होने दिया गया। जहां तक युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय का संबंध है, कुल 424.31 करोड़ रुपये की बचत में से वित्त वर्ष के अंतिम दिन 424.28 करोड़ रुपये अभ्यर्पित कर दिए गए।	**एपीएमएस पोर्टल पर ड्राफ्ट उत्तर अपलोड कर दिया गया है**
2.	रिपोर्ट संख्या 2023 का 21	**पैरा 4.2.2 (अनुबंध 4.2)**	**खंड वार – बचत का विश्लेषण** वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान, सभी अनुदानों / विनियोजनों के तहत कुल बचत ₹7,64,720.70 करोड़ थी और यह कुल प्राधिकरण का 6.15 प्रतिशत थी। 70 अनुदानों / विनियोजनों 94 खंडों में 100 करोड़ या उससे अधिक की बचत हुई, जो 7,63,304.62 करोड़ रु. थी। जहां तक युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय का संबंध है, 2,754.52 करोड़ रुपये के स्वीकृत प्रावधान में से 378.06 करोड़ रुपये की बचत हुई।	**एपीएमएस पोर्टल पर ड्राफ्ट उत्तर अपलोड कर दिया गया है**
3.	रिपोर्ट संख्या 2023 का 21	**पैरा 4.16**	**उत्कृष्ट उपयोगिता प्रमाण पत्र** जीएफआर 2017 के नियम 238 (1) और (2) के अनुसार, किसी संस्था या संगठन को गैर-आवर्ती अनुदानों के संबंध में, जिस उद्देश्य के लिए अनुदान स्वीकृत किया गया था, उस उद्देश्य हेतु प्राप्त अनुदान के वास्तविक उपयोग का प्रमाण-पत्र अनुदान सहायता स्वीकृत करने के आदेश में अनिवार्य रूप से प्राप्त किया जाना चाहिए। उपयोगिता प्रमाण पत्र (यूसी) संबंधित संस्था या संगठन द्वारा वित्तीय वर्ष समाप्त होने के बारह महीनों के भीतर प्रस्तुत किया जाना चाहिए। जहां तक युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय का संबंध है, वित्त वर्ष 2011-12 से 2020-21 तक 71 यूसी लंबित हैं।	**एपीएमएस पोर्टल पर ड्राफ्ट उत्तर अपलोड कर दिया गया है**
4.	रिपोर्ट संख्या 2022 का 31	**पैरा** **4.2.2.2 अनुबंध**	**लघु-शीर्ष / उप-शीर्ष स्तर पर अन्य महत्वपूर्ण बचत** 324 मामलों में से, 191 लघु / उप-शीर्ष के मामले जिनमें महत्वपूर्ण बचत हुआ है और जो अनुदान / विनियोजन स्तर पर ₹5,000 करोड़ से अधिक की बचत के साथ अनुदान / विनियोजन के अंतर्गत भी आते हैं, को उनकी वास्तविकता के आधार पर पैराग्राफ 4.2.2.1	**एपीएमएस पोर्टल पर ड्राफ्ट उत्तर अपलोड कर दिया गया है**

		4.3ख क्र.सं 133	में उल्लिखित किया गया है। शेष 133 मामलों[20], जिनमें प्रत्येक अनुदान के तहत महत्वपूर्ण बचत हुई है, पर अनुबंध 4.3ख में चर्चा की गई हैं। जहां तक युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय का संबंध है, 2204.00.104.56-खेलो इंडिया बजट शीर्ष के तहत 341.80 करोड़ रुपये की बचत हुई है।	
5.	रिपोर्ट संख्या 2022 का 31	**पैरा 4.2.2.2 अनुबंध 4.3क क्र.सं. 69**	**लघु-शीर्ष / उप-शीर्ष स्तर पर अन्य महत्वपूर्ण बचत** 97 सिविल अनुदानों की जांच से 69 अनुदानों/ विनियोजनों में महत्वपूर्ण बचत अर्थात् जिनमें अनुदान/ विनियोजनों के अंतर्गत लघुशीर्ष/ उपशीर्ष स्तर पर 2500 करोड़ रुपए या उससे अधकि की बचत और न्यूनतम 100 करोड़ के अधीन आवंटन के 25 प्रतिशत से अधिक की बचत हुई थी, के 324 मामले[19] पाए गए। इनका विवरण अनुबंध 4.3क में दिया गया है। जहां तक अनुदान / विनियोजन सं. 101-युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय का संबंध है, इसमें 341.80 करोड़ रुपये की बचत हुई.	**एपीएमएस पोर्टल पर ड्राफ्ट उत्तर अपलोड कर दिया गया है**
6.	रिपोर्ट संख्या 2022 का 31	**पैरा 3.7ग**	**ऋणों और अग्रिमों की गैर-वसूली** 31 मार्च 2021 तक राज्य / संघ राज्य क्षेत्र सरकारों और अन्य संस्थाओं से बकाया ₹5,58,394 करोड़ के कुल ऋणों के मुकाबले, वसूली में ₹63,763 करोड़ की राशि बकाया थी, जिसमें ब्याज भी शामिल है, जैसा कि **चित्र 3.11** में बताया गया है। विवरण **अनुबंध 3.7** में दिया गया है। जहां तक युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय का संबंध है, 31 मार्च 2021 को अन्य ऋण - राष्ट्रमंडल खेलों शीर्ष के तहत 1,163.36 करोड़ रुपये बकाया थे.	**एपीएमएस पोर्टल पर ड्राफ्ट उत्तर अपलोड कर दिया गया है**
7.	रिपोर्ट संख्या 2022 का 31	**पैरा 4.7 अनुबंध 4.7 क्र.सं. 48**	**वित्तीय वर्ष के अंतिम दिन बचत का गैर-अभ्यर्पण और अभ्यर्पण** जीएफआर, 2017 के नियम 62 (2) में यह निर्धारित किया गया है कि बचत के साथ-साथ ऐसे प्रावधान जिनका लाभप्रद उपयोग नहीं किया जा सकता है, उन्हें वर्ष के अंत तक इंतजार किए बिना सरकार को तुरंत सौंप दिया जाएगा। जहां तक युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय का संबंध है, कुल 1,039.14 करोड़ रुपये की बचत में से वित्त वर्ष के अंतिम दिन 1,030.46 करोड़ रुपये का अभ्यर्पण किया गया था।	**एपीएमएस पोर्टल पर ड्राफ्ट उत्तर अपलोड कर दिया गया है**
8.	रिपोर्ट संख्या 2022 का 31	**पैरा 4.2.2 अनुबंध 4.2 क्र.सं71**	**बचत का विश्लेषण** वित्तीय वर्ष 2021 के दौरान सभी अनुदानों / विनियोजनों के तहत कुल बचत 11,51,845.38 करोड़ रुपये थी और यह कुल प्राधिकरण का 9.68 प्रतिशत था। 77 अनुदानों / विनियोजनों के 113 खंडों में 100 करोड़ रुपये या उससे अधिक की बचत हुई और यह 12,68,488.40 करोड़ रुपये थी। जहां तक युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय का संबंध है, स्वीकृत प्रावधान के रूप में 2,775.94 करोड़ रुपये में से 988.11 करोड़ रुपये की बचत हुई।	**एपीएमएस पोर्टल पर ड्राफ्ट उत्तर अपलोड कर दिया गया है**

अनुबंध -IV

देश में युवा छात्रावासों का राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र-वार विवरण,

क्र. सं	राज्य/संघ राज्य क्षेत्र	राज्य / संघ राज्य क्षेत्र में युवा छात्रावासों की संख्या	युवा छात्रावास (छात्रावासों) का पता
1.	असम	2	गुवहाटी, तेजपुर
2.	अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	1	पोर्ट ब्लेयर
3.	आंध्र प्रदेश	5	काडप्पा, तिरुपति, विजयवाड़ा, विशाखापत्तनम, विजयनगरम
4.	अरुणाचल प्रदेश	2	नाहरलागुन, रोइंग
5.	बिहार,	1	पटना
6.	गोवा	2	पणजी, पेद्रेम मापुसा
7.	गुजरात	1	गांधीनगर
8.	हरियाणा	7	भिवानी, गुरुग्राम, कुरुक्षेत्र, पंचकूला, रेवाड़ी सिरसा, यमुना नगर
9.	हिमाचल प्रदेश	1	डलहौजी
10.	जम्मू और कश्मीर	2	पटनिटोप, श्रीनगर
11.	कर्नाटक	4	हसन, मैसूर, सोगालू, तीर्थरामेश्वर
12.	केरल	3	कालीकट (कोझीकोड), एर्नाकुलम (कोच्चि), त्रिवेंद्रम,
13.	मध्य प्रदेश	3	भोपाल, जबलपुर, खजुराहो
14.	महाराष्ट्र	1	औरंगाबाद
15.	मणिपुर	3	चुराचांदपुर, इम्फाल, थौबल
16.	मेघालय	1	शिलांग
17.	मिजोरम	1	ऐज़वल
18.	नागालैंड	1	दिमापुर
19.	ओडिशा	4	गोपालपुर-ऑन-सी, जशीपुर, कोरापुट, पुरी
20.	पुडुचेरी	1	पुडुचेरी
21.	पंजाब	6	अमृतसर, जालंधर, पटियाला, रोपड़, संगरूर, तरणतारन
22.	राजस्थान	4	अजमेर, जयपुर, जोधपुर, उदयपुर
23.	सिक्किम	1	गंगटोक
24.	तमिलनाडु	5	चेन्नई, मदुरै, ऊटी, थंजावुर, त्रिची
25.	तेलंगाना	3	नागार्जुनसागर, सिकंदराबाद, वारंगल
26.	त्रिपुरा	1	अगरतला
27.	उत्तर प्रदेश	2	आगरा, लखनऊ
28.	उत्तराखंड	4	बद्रीनाथ, मसूरी, नैनीताल, उत्तरकाशी
29.	पश्चिम बंगाल	1	दार्जिलिंग
	कुल	73	

नेहरू युवा केंद्र संगठन (एनवाईकेएस) / भारतीय खेल प्राधिकरण (साई)/संबंधित राज्य सरकारों को हस्तांतरित किए गए युवा छात्रावासों की सूची।

क्र. सं	राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र	निर्मित युवा छात्रावासों की संख्या	युवा छात्रावास/ छात्रावासों का पता
1.	असम	2	गोलाघाट, नगांव
2.	हिमाचल प्रदेश	1	बिलासपुर
3.	जम्मू और कश्मीर	1	नग्रोटा
4.	महाराष्ट्र	1	बुलडाना
5.	मणिपुर	1	उखरुल
6.	मेघालय	1	तुरा
7.	नागालैंड	1	मोकोकचुंग
8.	सिक्किम	1	नामची
9.	पश्चिम बंगाल	2	पूरुलिया बर्दमान
	कुल:	**11**	

अनुबंध -V

आईएसओ प्रमाणित युवा छात्रावासों की सूची

क्र. सं	युवा छात्रावास	आईएसओ प्रमाण
1.	डलहौजी	आईएसओ 9001:2015
2.	जोधपुर	आईएसओ 9001:2015
3.	मैसूर	आईएसओ 9001:2015
4.	तिरुपति	आईएसओ 9001:2015
5.	इम्फाल	आईएसओ 9001:2015
6.	विजयनगरम	आईएसओ 9001:2015
7.	भोपाल	आईएसओ 9001:2015
8.	हसन	आईएसओ 9001:2015
9.	बद्रीनाथ	आईएसओ 9001:2015
10.	जबलपुर	आईएसओ 9001:2015
11.	मापुसा	आईएसओ 9001:2015
12.	लखनऊ	आईएसओ 9001:2015
13.	जयपुर	आईएसओ 9001:2015
14.	कोझीकोड	आईएसओ 9001:2015
15.	औरंगाबाद	आईएसओ 9001:2015
16.	नैनीताल	आईएसओ 9001:2015
17.	पिपली	आईएसओ 9001:2015
18.	पंचकुला	आईएसओ 9001:2015

भारत सरकार

युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय

जीपीओए-3, नेताजी नगर, नई दिल्ली -110023

www.yas.nic.in